

श्रीऋतसद
स्वस्वतीकोश

न कीर्ति न शीत सदा महेश्वरो, न भीति साश्चर्यमय सगत्प्रभुः ।

न त्वा दृक्काय जगदीश्वर बिभु विच्यते सर्वहिताय कोशकः ॥

अ-पु० चर्पमात्रका पहिला अक्षर
असाय । न होना ।

अश पु० विमान हिस्सा, साक्षा ।
अशठ त्रि० बलवान्, बली, जोरावर
अशिन त्रि० हिस्सेदार, शरीर ।
अशु पु० प्रमा किरण, वेग ।

अशुक न० धत्त, महीन कपड़ा ।
अशुमाला स्त्री० किरणोंका समूह
अस न० कन्धा ।

असकूट पु० बैलकी पीठका ऊपर
का ठठा हुआ हिस्सा । ठठा

अहस न० पाप, गुनाह, बुराकाम ।

अकर्ण त्रि० चिनकान, घघिर घहिरा

अकमयय त्रि० न काम करनेवाला

अकस्मात् अ० अचानक, एकाएक

अकाश पु० विमानवसर, विनावाण

अकाम पु० बिना इच्छा ।

अकाय पु० बिना शरीर, बेजिस्मा

अकारण न० बिना हेतु, बिना प्रयो-

जन ये सबब । बेफायदा ।

अकार्य न० खोरी । लुभा आविबुदे

काम ।

अकाल पु० बुरा समय, बेघर ।

अकिञ्चन त्रि० निघन गरीब ।

अकुतोमय त्रि० न डरने वाला ।

अकृत्य न० खोरी आवि बुदेकाम ।

अकीशल न० चतुराई दिन, विना

होशियारी ।

अक्का स्त्री० माता । अम्मा अम्मा

अक्रूर पु० यदुकलका राजा । क्यालु

अक्षत त्रि० न टूटा हुआ बाधल ।

अक्षमा स्त्री० न सहना, ईर्ष्या करना ।

अक्षय पु० न० अक्षिका नाश न हो

अक्षर पु० अकारादि वर्ण, मन्त्ररहित

अक्षरघण पु० लेखक, लिखनेवाला
 अक्षशौण्ड पु० पक्का जुबारी ।
 अक्षोट पु० अक्षरोट घृष्ट ।
 अक्षौहिणी स्त्री० सेना । फौज ।
 अक्षरघ्न त्रि० सम्पूर्ण, जिसका
 क्षण्ड न हो ।
 अक्षाघ त्रि० जो खानेके लायक नहो ।
 अगद पु० भौपध, वषा ।
 अगदङ्कार पु० वैद्य, हकीम, डाक्टर
 अगम पु० जहाँ पहुँच न सके ।
 अगस्त्य पु० एक मुनिका नाम है ।
 अगाध त्रि० बहुत गहरा ।
 अग्नि पु० ब्राह्म । भाग ।
 अग्निर्कोण न० पूर्व और दक्षिण के
 बीचकी दिशा ।
 अग्निगर्भ पु० सूर्यकाग्नितमणि,
 आतिशी शीशा ।
 अग्निप्रस्तर पु० भागको पैदा करने
 वाला पत्थर । चक्रमफ ।
 अग्निबाहु पु० धूम, धुआँ ।
 अग्निम पु० भागकी तरह चमकने
 वाला सोना ।
 अग्निष्टोम पु० यज्ञ विशेष
 अग्नीध्र पु० पु० रोहित विशेष । अधिक
 अग्र न० आगे, आगेका भाग प्रधान

अग्रकाय पु० न० शरीरका आगेका
 भाग । हिस्सा ।
 अग्रग त्रि० आगे चलनेवाला, प्रधान
 अग्रगण्य त्रि० प्रथम गिना गया ।
 मुखिया ।
 अग्रजाति स्त्री० ब्राह्मण । विप्र
 अग्रणी त्रि० स्वामी । आगे
 चलनेवाला ।
 अग्रनासिका स्त्री० नाककी नोक ।
 अग्रसर त्रि० आगे जाने वाला ।
 अग्रहर पु० प्रथम घस्तु, पानेयोग्य ।
 अग्राह्य त्रि० न छेने योग्य ।
 अग्नीय पु० धेष्ट, उत्तम, बढ़ा भाई ।
 अग्नेय त्रि० आगे जानैवाला । सेधक
 अग्नेदिधिपु पु० विधवाके साथ
 विधाह करनेवाला ।
 अग्र्य पु० बढ़ा भाई । प्रथम, श्रेष्ठ
 अथ न० पाप, दुःख, व्यसन, गुनाह ।
 अधोप पु० शब्दरहित । जो अधोपनहो
 अच्युत पु० जो मारनेयोग्य नहो गाय
 अङ्ग पु० गोद । समीप, पास ।
 अङ्गुन त्रि० खिड़ करनेका साधन,
 मोहर ।
 अङ्गित त्रि० चित्र किया गया,
 गिनाया गया ।

अङ्कुर पु० न० बीजसे जो प्रथम
उत्पन्न होता है ।
अङ्कुश पु० न० हाथी को खलाने
का साधन । अक्ष । आङ्कुश ।
अङ्गमह पु० देहकी पीड़ा ।
अङ्गन न० पुत्र, रुधिरकेशजो देहसे हो
अङ्गन न० मांगन । घोष ।
अङ्गद पु० न० यादु भूषण वालि
का पुत्र ।
अङ्गना स्त्री० स्त्रोमात्र औरत ।
अङ्गारिका स्त्री० अँगाठी ।
अङ्गिका स्त्री० अँगिया ।
अङ्गीकार मु० स्वीकार मंजूर ।
अङ्गीकृत त्रि० स्वीकार किया गया ।
अङ्गुरीय न० अँगूठी । मुन्दरी ।
अङ्गुल न० माठ जी का माप
अङ्गुलित्र न० अङ्गुलिपों को
रक्षा करने वाला दस्तामा ।
अङ्गुष्ठ पु० अँगूठा
अङ्गुष्ठमात्र त्रि० अँगूठा भर ।
अङ्गु न० पाप, गुनाह ।
अक्षत्र त्रि० पहिये बिना व्यापार
रहित ।
अक्षर न० ठहरा हुआ पृथ्वी भादि
अक्षल न० न चलनेवाला, पृथ्वी
भादि ।

अचिन्त्य न० जिसका विचार न
होसके ।
अचिर न० कुछ समय रहने वाला
अचिरद्युति स्त्री० विद्युत् प्रिजली ।
अचिरप्रभा स्त्री० प्रिजली ।
अचेतन त्रि० ज्ञान न होना । जड़ ।
अचेतन्य त्रि० ज्ञान शून्य, चेतनता
रहित ।
अच्छ त्रि० सुन्दर, स्वच्छ, साफ ।
अच्छोदन न० सुगन्ध, शिकार, महोर
अच्छुत पु० न गिरा हुआ चिप्पु ।
अज पु० जो पैदा नहीं, जीव ईश्वर
प्रकृति ।
अजगध पु० न० शिषका घनुप ।
अजक्षीर न० एकरीका दूध ।
अजगर पु० बड़ा साँप ।
अजघन्य त्रि० अच्छा, श्रेष्ठ
अजाजीयिक पु० जिसका जीवन
बकरा बकरी द्वारा खले ।
अजघ्या स्त्री० बकरोंका समूह
अजगत् पु० जिसके अस्तमें स्वरहो
अजमीद पु० अजमेर नगर
अजमोदा स्त्री० अजघायन
अजम्म पु० दान्तरहित ।
अजस्र न० निरन्तर । हरबक

अञ्जाजी स्त्री० जीरा
अजानि पु० स्त्रीरहिता पिना औरत-
वाला।

अजिह्म पु० जो कुटिल नहीं। सीधा
अजीर्ण न० अपच । बद्धजमी
अजीव त्रि० बिना जीव । मुर्दा
अज्येय त्रि० जिसे जीता न जासके
अज्ञ त्रि० मूर्ख । ज्ञानशून्य
अज्ञान न० मूर्खता। वेदकृषीमयिषा
अञ्जल पु० कपड़े का कोना। पल्ला
अञ्जन न० कज्जल, काजल, घुस्मा
अञ्जलि पु० लप फौलाफर दोनों हाथ
मुड़े हुए।

अटवि-धीस्त्री० धन। अकूल [धूमना
अटार्याखीनिरयकधूमनावेफायदा
अटहास पु० धल पूर्यक हँसना।
ओर से हँसना।

अट्टाल पु० मकानके ऊपर का
मकान।

अट्टलिका स्त्री० राजमहल प्रासाद
अणु त्रि० बहुत छोटा जरा।

अणुमा स्त्री० यिजुला।

अण्डज पु० अंडेसे निकला हुआ,
पक्षी।

अण्डाल पु० मत्स्य । मछली।

अतपेय न० इसलिये । पतर्प्य।

अतया न० ऐसा नहीं।

अतथ्य त्रि० मिथ्या। झूठ

अति अ० बहुत, प्रशंसा

अतिक्रम पु० लाघजाना। नियम
को मूल जाता।

अतिक्रान्त त्रि० छांभगया। अपने क्रम
को मूल गया।

अतिक्रुद्ध त्रि० बहुत गुस्से में
मागया यदा कोधी।

अतिजघ त्रि० शीघ्रगन्ता। जल्द
चलने वाला।

अतिजागर पु० निद्रा रहित
जिसको नींद न हो।

अतिराम न० बहुत ही। जियादा घर

अतिथि पु० जिसके आने जानेकी
तिथि नियत न हो। मुसाफिर
सम्यासो।

अतिपतन न० नाश। परबाधी।

अतिपातक न० बड़ा पाप। बड़ा
गुनाह।

अतिबल त्रि० बहुत बली। बहुत
जोरावर

अतिरिक्त त्रि० अलावा, सिवाय

अतिरुद्ध त्रि० बहुत रुखा। स्नेह
शून्य।

● सरस्वतीकोश ●

अतिविकट पु० बहुत बड़ा। बड़ा
भयानक।

अतिशय पु० अधिक। बहुत।

अतीत त्रि० मृतकाल
अतीन्द्रिय त्रि० जो इन्द्रियों से न
जाना जाय।

अतीव अ० अतिशय। बहुत।

अतुल त्रि० उपमारहित ये मिसाल
अत्यन्त न० बहुत ही। अतिशय
अत्यन्तकोपनत्रि० जिसका स्वभाव
ही क्रोधी हो।

अत्यन्ताभाव पु० किसी वस्तु का
सवया। न होना।

अत्यल्प वि० बहुत थोड़ा। बहुत
छोटा।

अत्याचार पु० अनुचित कर्म,
उपादत्त।

अत्युक्ति स्त्री० बड़ाकर कहना जिस
में जो गुण न हो उसको बताया
अथ अ० अतन्तर, बाद, प्रस,
मङ्गल, पश्चान्तर।

अथकिम् अ० स्वीकार, मङ्गूर, हाँ
अथवा अ० वा, या।

अवर्णन त्रि० जो देखने में न आसके
अवाञ्छित त्रि० जो अछ न सके।

अवीन त्रि० जो कायर न हो।
अदृष्ट त्रि० जो देखा न गया हो।
अदृष्टपूर्व त्रि० जो पूर्व न देखा हो
अद्भुत न० घिसित्र। जो अमानक
होजाय।

अद्य अ० आज। वर्तमान दिन।
अद्यतन त्रि० आजका काम। आज
की वस्तु।

अद्यत्वे अ० अब, इस समय।
अद्रितमया स्त्री० पार्वती।
अग्नीश पु० हिमालय। पवतस्वामी
अहितीय त्रि० जिसके सङ्ग और
न हो। ईश्वर

अद्वैत त्रि० जो दो नहीं परमात्म
अघम त्रि० कुरिस्त पामर-नीचा
अघमर्ण त्रि० प्रुणी कर्जा छेनेवाला
अघर पु० होठ। नीचे का होठ
अघरेष्टु अ० आने वाला परसों
अघर्म पु० घेद विरुद्ध कार्य। पाप
अघस् अ० नीचे, जैल

अघस्तात् अ० नीचे-जैल निरनस्थ-
अधिक त्रि० बहुत, ज्यादा, अनेक
अधिकरणन० सप्तमी विमस्तिहरण
अधिकार पु० स्वामित्व-सत्य दण्ड

अधिकृत पु० भायव्यय निरीक्षक ।

मालिक, जिसको किसी कर्म

का अधिकार दिया गया हो ।

अधिक्षेप पु० तिरस्कार, अपमान,
तोहीन ।

अधिगत पु० जाना गया, पाया गया

अधिगम पु० जानना, पाना, मानना

अधित्यको श्री० पर्वत के ऊपर की
भूमि ।

अधिप त्रि० राजा, प्रभु, स्वामी,
मालिक ।

अधिपति पु० प्रभु, स्वामी, मालिक

अधिमास पु० लीटका महीना,
मलमास ।

अधिराज पु० सार्वभौम चक्रवर्ती
राजों का राजा ।

अधिरोहिणी श्री० सोही, नखैनी

अधिवास पु० निवास ।

अधीत त्रि० पढ़ा हुआ । पढ़ना ।

अधीन त्रि० भाषित कार्य में आगया
स्वाधीन ।

अधीर त्रि० स्वच्छला अपने को वश में
न रखना ।

अधीश त्रि० सार्वभौम, चक्रवर्ती
शाहशाह ।

अधीश्वर त्रि० चक्रवर्ती । श्री०
अधीश्वरी ।

अधुना भ० इस समय । अब

अधृष्ट त्रि० लज्जाशीला लज्जाला

अधीशुक न० लहंगा । नीचे

पहरने का घुंघरा

अधोमुख त्रि० जिस का नीचे को

मुख हो

अधो लोक पु० भूमि के नीचे पाताल

अध्ययन न० पढ़ना

अध्यवसाय पु० निश्चय करना ।

यह ऐसे ही है ।

अध्यापक त्रि० पढ़ाने वाला ।

उपाध्याय

अध्यापन न० पढ़ाना, श्री अध्यापन

अध्याय पु० सर्ग, वर्ग, अङ्क, पर्व

उद्घास

अध्याकृत त्रि० पढ़ने वाला

अध्यारोप पु० भीर में दूसरे की

मायना करना ।

अध्याशन पु० भोजन पर भोजन

करना

अध्याहार पु० ऊठा, अन्य किसी

शब्द को लेकर समझ देना ।

अध्येषण न० प्रार्थना । माँगना ।

ॐ सरस्वतीकोश ॐ

७

अध्वय त्रि० बहलाओ सदा न रहे
अध्वय पु० अधिक मुसाफिर ।
अध्वनोत त्रि० अधिक मुसाफिर
अध्वर पु० हिंसारहित यह,
अध्वयु पु० धनुर्वेद का ज्ञाता ।

भ्रुत्विज् ।

अमघ त्रि० पापरहित । दुःखहीन ।
अमकल त्रि० मैलाफलुपांभप्रसन्न
अमकुह पु० बेल । वृषभ
अमव्याप पु० न पठना
अमस्त पु० जिसका अस्त न हो ।
अमर्गल त्रि० बिना रोक टोक ।

जम्होर रहित

अमर्घ त्रि० जिसका मूल्य न हो
सके समूल्य ।

अमर्ध पु० जिसका अर्ध न हो ।

निष्प्रयोजन बेकार्यका ।

अमर्यास्तर न० एक अर्ध वाला

अमल पु० अग्नि । भाग

अनवधानता, श्री० प्रमाद । भूल

अनवरत त्रि० लगातार । निरन्तर

उद्वह

अनवसर त्रि० असमय । बेयक

अनवस्कर त्रि० निर्मल । धिमल

साफ ।

अनरत न० न जाना । उपवास
अनस्या स्त्री०, गुणों में दोषारोप
करना । अत्रिमुनि की स्त्री
अनाकुल त्रि० न घबड़ाया हुआ ।
अव्यग्र ।

अमागत त्रि० आने वाला समय ।

अमाहार पु० आहार का न होना

अनातप पु० धूपका न होना छाया

अमादर पु० अपमान । तिरस्कार ।

दोःप्रती ।

अनादि पु० जिसका आदि शुद्ध हो

अनामय पु० रोग का न होना ।

आरोग्य ।

अनायास पु० बिना प्रयत्नाक्रमधम

अनारत न० लगातार । सन्तत

अनार्ध पु० कुटिलता, असरलता

अनावृष्टि स्त्री० वर्षा का न होना

अनास्या स्त्री० अमादर अप्रतिष्ठा

अनिल पु० वायु । हवा

अनिलसक पु० पायुकारि अग्नि

अनिवार त्रि० जिसका निवारण

न हो सके,

अनिष्ट त्रि० बुरा । दुःखका स्राघन

पाप

अनीक न० सेना । फौज

अभीष्ट पु० जिस का कोई स्वामी
न हो

अभीष्ट त्रि० जिसकी कोई इच्छा
न हो

अनु अ० पीछे, निरुद्ध । लक्षण,
वीप्सा

अनुकम्पा स्त्री० दया, मेहरबानी
कुछ हिलना ।

अनुकर्षण न० पीछेसे आगे खींचना
अनुकामीन त्रि० इच्छापूर्वक चलने
वाला

अनुकूल त्रि० सहकर नुमाफिक
अनुक्रम पु० परिपाटी । सिलसिला
अनुक्रमिका स्त्री० भूमिका। दीक्षा-
खह ।

अनुग त्रि० पीछेचलनेवाला सहकर
अनुगत त्रि० शरणापन्न । अधीन
अनुगम पु० पीछेजाना सहायी होना
अनुग्रह पु० छपा, दया, मेहरबानी
अनुसर त्रि० साधजानेहारासेधक
वास ।

अनुज त्रि० छोटाभाई
अनुज्ञा स्त्री० आदेश । हुक्म

अनुसाप पु० पश्चात्साप । पछतानी
अनुसर त्रि० जिसका उत्तर न
दिया हो ।

अनुधापन न० पीछे दीदना तलाश
करना

अनुनय पु० विनय । प्रार्थना प्रवि-
पात मुकना ।

अनुनासिक पु० रु अ ण न म मुक्क
सहित नासिकासे जो थोड़ा जावे
अनुपपत्ति त्रि० असंगत । दलीलका
न होना

अनुपम त्रि० उपमाशून्याबेमिसाल
अनुपलब्धि स्त्री० अप्राप्तिनमिलना
अनुपान न० अपघके साथमें मधु
आदि देना

अनुपूर्व पु० यथाक्रम, सिलसिलेदार
अनुप्रास पु० तुल्यवर्णोंकी रचना

अनुभव पु० प्रथमज्ञान । तजुर्पा
अनुमत त्रि० सम्मत । मंजूर

अनुमति स्त्री० मानलेना । अनुमति
अनुमान न० धूमको देखकर भागने
का होना

अनुमोद पु० अन्यके कथनके अनु-
सार स्वर्ण मानकर कहना ।

तार्किक
अनुराग पु० अतिप्रीति प्रेम, स्नेह

अनुराग स्त्री० रत्नक्षत्रों में १३वाँ
नक्षत्र

अनुरूप भ० एक जैसा, सव्श रूप
वाला ।
अनुरोध पु० रुकावट । अनुसरण
अनुलाप पु० बार बार कहना
अनुलेप पु० चन्दन आदिका मलना
अनुलोम पु० यथाक्रम सिलसिले
वार
अनुवाद पु० ज्ञाने मयको वर्णन
करना । तर्जुमा
अनुवासन म० धूपमादिसे सुगन्धि
युक्त करना
अनुयाय पु० मतिद्वेष । बहुतबेर
अनुयासन न० आका-मुक्त शासन
अनुशीलन म० बार २ विचारना ।
बार २ अभ्यास करना
अनुष्ठान न० वेद विहित शुभकर्म
करना
अनुसन्धान म० अन्वेषण तलाश
करना
अनुसरण न० पीछेजाना पीछाकरना
अनुमान पु० चेदह । चेदका जानने
वाला
अनुम न० सम्पूर्ण पूरा
अनत न० मिथ्या । झूठ
अनैक त्रि० बहुत । एक से भिन्न
अनैकप पु० जो मुक्त और खूद से
पीता है । हाथी ।

अनेकरूप त्रि० जिसके बहुत रूपों
अनेहस् पु० विषय । दिन
अनोक्त पु० कुछ वरकत । पेड़
अन्त म० नाश, कोना सीमा, हद
अन्तःकरण न० मन बुद्धि चित्त
महकार
अन्तापुर न० रजवास
अन्तक पु० नाश करने वाला । घम
मृत्यु
अन्तर्क त्रि० नाश करनेवाला ।
अन्तर्ग त्रि० पार जानने वाला ।
अन्तर म० अवकाशमवधि [भीतर]
अन्तरङ्ग त्रि० जिसके अङ्गभीतरों
अन्तरा अ० यिना मध्य निकट
अन्तराय पु० विषय । रुकावट
अन्तराल न० मध्य । बीच
अन्तरिक्ष न० आकाश । आसमान
अन्तरित त्रि० बीचमें आगया तिर-
स्कृत
अन्तरीय पु० जिसके मध्यमें जल
हो द्वीप-जलोरा
अन्तरे अ० मध्य बीच
अन्तरेणा अ० यिना-बीच
अन्तर्दाह पु० भीतर जलन
अन्तर्दान न० छिपना ओट होना

अन्तर्हि पु० छिपुना-आच्छादन
दफना

अन्तर्म त्रि० गुप्त छिपाहुआ
अन्तर्यामिन पु० मोतरका हाल
जानने वाला ईश्वर

अन्तर्धत्नी स्त्री० गर्भवती स्त्री
अन्तर्हित त्रि० गुप्त छिपाहुआ
अन्तिक त्रि० ओ पास रहे, पास
अन्तिम त्रि० पीछेका, आखिरी
अन्त्य पु० सबसे पीछे-बादहाल
अन्त्यज पु० बादहाल प्रभृति
अन्त्येष्टि स्त्री० मृतदाह-अन्तिम-
संस्कार

अन्धू स्त्री० निगड़-ज और
अन्ध त्रि० दोनों आँखोंसे न देखने
वाला

अन्धकार पु० न० तम-अन्धेरा
अन्धकूप पु० अन्धेरा कुआ।
जहाँ पहुँच-अन्धेरा, हो।

अन्तिरेक ।

अन्ध्र अ० बिना, दूसरी जगह,
अन्यथा अ० नहीं तो। दूसरीपैति
से, बिना, भूँड।

अन्धदा अ० कालान्तर में। फिर
कमी

अन्याय पु० अनुचित, असंगत।

अल्टा जुल्म ।

अन्योन्य त्रि० परस्पर, आपस में
अन्योन्याभाय पु० आपस में एक
दूसरे का न होना।

अन्योन्याधय त्रि० एक दूसरेका
सहारा

अन्वय पु० वंश। पदोंकी परस्पर
आकाङ्क्षा।

अन्वयव्याप्ति स्त्री० अन्वयके साथ
नियमसे रहना जैसे जहाँ धूम
होगा वहाँ अग्नि अवश्य होगा
अन्वयसर्ग पु० जैसा चाहते हो
वेसा करो ऐसी भाषा।

अन्यादेश पु० कहे हुये को पुनः
कहना। जैसे प्रसने ठपाकर न
तो पद लिया है अब गणित
पढाव्ये।

अन्वेषण न० खोज ढूँढना धाँडना
चाह।

अप स्त्री० जल नीचे, पानी।
अप अ० वियोग विकार, अलगावर्जन
अपकार पु० बुराई, अनिष्ट, घेरा,
दुश्मनी,
अपकृत त्रि० अधम, नीच। हीन।

अपेक्ष पु० पछायन, भागना,

अपेक्षि

अपक्रिया स्त्री० प्रोद, बैरअपकार

अपक्रोश पु० निन्दा, बुराई अपवाद

अपक्षेपण न० नीचे की फेंकना ।

अपखय पु० हानि नुकसान, बुराया

अपचार पु० भ्रष्टाचार, बुराकाम ।

अपत्य न० सन्तान । भीलाद ।

अपत्रप त्रि० लज्जाहीन, बेशरम ।

अपय न० कुमार्ग, बुरा रास्ता ।

अपत्य त्रि० हानिप्रद वस्तु नुक
सान देने वाली चीज ।

अपवेश पु० छल, बहाना, लक्ष्य
निश्चान, निमित्त ।

अपनयन न० दूरकरना, अलग
करना

अपमय न० गिरना अशुद्धीकरण

अपमान न० अवज्ञा निरादर बे

इज्जती

अपरति स्त्री० विराम हटजाना ।

अपरत्र स परलोक में, पीछे दूसरा
समय ।

अपराध पु० पातक पाप गुनाह ।

अपराह पु० दिनको तीसरी पहर

अपरिग्रह पु० स्वीकार न करना

दान न लेना ।

अपरिच्छिन्न त्रि० द्रव्यो रहित

असीम । वेहद्व

अपरिधुस् अ० दूसरे दिन परसे

अपरोक्ष न० प्रत्यक्ष । सामने

अपर्याप्त त्रि० अपूर्ण । जो पूरा न हो

अपलाप पु० सत्यको छिपाना, स्वी-

कार न करना ।

अपवाद पु० निन्दा, बाधकविरोध

अपवारण न० अन्तर्धान । छिपाना

पर्वी ।

अपाय पु० नाश, हटाना, दुःख,
आपत्ति

अपितु अ० किन्तु । यदि यद्यपि ।

अपिधान न० दफना । आच्छादन

अपूप पु० पूडा । पूजा ।

अपेक्षा स्त्री० अकाङ्क्षा । निस्वत

अबाध त्रि० जिसमें बाधा न हो ।

अभ्र न० कमल फूल

अभ्य पु० बावड । मोथा । स वत्

अब्धि पु० समुद्र । सागर

अभ्र न० बादल । मेघ

अमय न० मर्य का नहोना । वेडर

अमाय पु० न होना । मरना

अमिह त्रि० बहुत पपित्तजनक

अमिहा स्त्री० प्रथम वर्ष का दान

अमिषेय त्रि० नाम घाला ।
 अमिहनन न० दोनो ओरसेपाघना
 अमिनीत त्रि० सीखा हुआ ।
 शिक्षित ।

अमिप्राय पु० मतलब । आशय ।
 अमिमय पु० पराजय।हारतिरस्कार
 अमिमल त्रि० सम्मन । आवत
 अमिमान पु० महङ्कार । वर्ष ।
 घमण्ड

अमिमुख । त्रि० सम्मुख सामने ।
 अमियुक्त त्रि० प्रतिवादी । मुक्तिम
 अमियोग पु० मुकह्मो ।
 अमिराम त्रि० सुन्दर प्रिय मनोहर
 अमिरूप पु० पंडित, चन्द्रमा,
 मनोहर, कामदेव ।

अमिलाव पु० काटना । छेदना
 अमिलाप पु० इच्छा, चाह, मनोरथ
 लोभ ।

अमिषाव पु० प्रणाम, वन्दना ।
 अमिषादन न० वाचिक प्रणाम,
 नमस्कुति

अमिविधि पु० मर्यादा, व्याप्ति,
 यहाँ से यहाँ तक

अमिव्यक्त पु० प्रत्यक्ष, प्रकाशित,
 रोशन ।

अमिव्याप्ति स्त्री० पूरो तरहसे मि
 लना, सम्पूर्ण अङ्गोंसे सम्बन्ध
 अमिश्राप पु० मिथ्या, भ्रमवाद,
 शाप ।

अभिपङ्ग पु० तिरस्कार, निन्दा ।
 अभिषेक पु० पदपर नियत करना
 तिलक

अभिसम्ताप पु० शाप देना तपना
 अभिसन्धान न० वञ्चन प्रतारण,
 ठगना, अनुराग ।

अभिसम्प्राप्त पु० गिरना, पतन ।
 अभिसर त्रि० अनुचर, सेवक ।
 अभिसर्जन न० देना पध, धून ।

अभिसार पु० यल, युद्ध सहाय ।
 अभीष्ट त्रि० अमुक, स्वामी क्याहीन
 अभीष्टणम् अ० धारम्भार, नित्य।

हरयक ।

अभीष्ट पु० निर्मय । [खाहा हुआ
 अभीष्ट त्रि० वाञ्छित, प्रिय, मनोहर
 अभेद पु० एक रूप । बिनाफर्क ।

अभ्यङ्ग पु० तेल आविका मलना
 अभ्यञ्जन न० तेल लगाना ।
 अभ्यन्तर न० बीच । भीतर ।

अभ्यर्ण त्रि० समीप, पास, निकट।
 अभ्यवहार पु० मोखन, खाना ।

अभ्युद्यत न० अभ्यास । बार २
एक काम को करना ।
अभ्यागत पु० अतिथि, महात्मा ।
अभ्यास पु० समीप अवश्यमेव ।
अभ्यास पु० एककार्यको बार २
करना महाबरा
अभ्याहार पु० भोजन । आहार
देखते २ बुराहेना
अभ्युद्यय पु० अभ्युदय । वृद्धि ।
तरक्की ।
अभ्युत्थान न० आदरसे उठकर
आगे लेना । उठना ।
अभ्युदय पु० वृद्धि बढ़तीतरक्की
अभ्युपगम पु० मानलेना । निकट
आगया । युक्ति, वलील ।
अभ्युपाय पु० स्वीकार । मंजूर ।
अच्छा उपाय
अभ्युह पु० तर्क । वलील
अम पु० रोग । बिना पकाफलादि
अमरुगल पु० अमरसम्पत्ता । अरु-
रुह का पुल ।
अमत्र न० भोजनका पात्र वर्तन ।
अमर पु० जो मरे नहीं ।
अमरादि पु० सुमेव पर्यंत ।
अमर्ष पु० क्रोध । गुस्सा कोप

अमर्षण त्रि० क्रोधी गुस्सीवाला
अमल न० निर्मल । साफ शीब
रहित ।
अमात्य पु० मन्त्री । वन्धु । यजीद
अमित्र पु० शत्रु । दुश्मन । वैरी ।
अमृत्र न० परछोक दूसरा अम्र ।
अमूर्त त्रि० जिसका आकार न हो
आकाश । वायु । आत्मा
अमृतफलाक्षी० अमलकी। आमला
अमृतपल्ली स्त्री० गुडूची शुर्ब
अमेध्य न० अपवित्र । नापाक
अमोघ त्रि० सफल जो व्यर्थ न हो
अम्बक न० मैत्र । अंस । लोबन
अम्बर न० आकाश । वस्त्र कपड़ा
अम्बष्ठ पु० धिकित्सक । हकीम
अम्बा स्त्री० जमनी माता
अम्बालिका स्त्री० विचित्र द्यौय
की मा पाकुकी मा ।
अम्बिका स्त्री० अत्रराष्ट्र की माता
अम्बु न० जल । पानी । तोय ।
अम्बुकणा स्त्री० पानीकी पद
अम्बुज न० कमल । चन्द्रमा
अम्बुद पु० मेघ । बादल
अम्बुधि पु० समुद्र । सागर
अम्बुह न० पथ, कमल ।

अवतार पु० जलन, पारहोनांगकादि
 अवदात पु० श्वेत, सुन्दर चिह्नारंग
 अवदारीण न० क्षमित्र, कुहाल
 अवघा त्रि० अवघम, नीच, पापी
 अवघान न० मनोयोग, गौर अवघारो
 अवघारण न० निश्चयकरण
 अवधि पु० सीमा, हृद्, काल,
 अवधन न० शीघ्र, ससल्ली, रक्षण
 अवधनत त्रि० नम्र, झुका हुआ ।
 अवनी स्त्री० पृथिवी, जमीन ।
 अवन्तिफा स्त्री० उज्जैन
 अवपात पु० नीचे गिरना
 अवमानना स्त्री० अपमान । वे अवधी
 अवयव पु० शरीरके भाग, आङ्ग
 अवर त्रि० चरम, आखिरी पिछला
 अवरति स्त्री० धिराम, उहरना ।
 अन्त

अयच्छ त्रि० अवशीर्ष उतरा हुआ
 अवरोध पु० निरोध, रोक
 अवरोह पु० अवतरण, उतरना ।
 अवलम्ब पु० आश्रय, सहारा,
 शरण ।

अवलिप्त त्रि० अहङ्कार, अगह्र
 अवलेप पु० गर्भ, अहङ्कार, गह्र
 अवलेह पु० चटनी ।
 अवलोकन न० दर्शन, देखना ।

अवश त्रि० अवस्थाधीन, बरवश वेबल
 अवशिष्ट त्रि० बाकी, अधिक, भिन्न
 अवश्य न० त्रि० सर्वथा, जरूर
 अवसर पु० प्रस्ताव, प्रसंग, समय
 मोका १

अवसर्प पु० सर । वृत् । कासिद्
 अवसान न० धिराम, समाप्ति ना-
 खीर, हृद्
 अवस्कन्द पु० शिथिल, छावनी,
 आक्रमण

अवस्कर पु० कूड़ा
 अवस्तार पु० अवधिका फलात,
 पर्दा
 अवस्था स्त्री० आयु । उन्नतशा ।
 हालत

अवस्थान न० स्थिति, जगह
 अवस्र सन न० अघातन । नीचे
 गिरना ।
 अवहेल न० स्त्री० अनादर । वे अवधी
 अव्यक्तमुखा त्रि० जिसका नीचे फो-
 मुखा हो ।

अवाध्य न० जो कहनेके योग्यनहो
 अवि पु० मेह । बकरा । सूर्य ।
 अवितथ न० सत्य । सच । कानहोना
 अविद्या स्त्री० ज्ञान मूढ़ता अधिद्या

अवनीत पु० अशिक्षित । न
सीखा हुआ ।

अविरत त्रि० लगातार विरामशून्य
अविरल त्रि० समन निविड मित्र
हुमा

अविवेक पु० अज्ञानता । बेवकूफी
अविभान्त त्रि० विरामशून्यालगा
तार

अविस्पष्ट न० गालमाछ जी साफ
साफ न हो

अवेक्षण म० दर्शनादेखना। सोचना
अम्पय पु० सर्वविभक्तियों तथा
सर्व वचनों एवं जी सर्वलिंगों
में सम रहता हो

अशन न० भोजन । खाना
अशमाया स्त्री० भूल प्रति मूल ।
अशति पु० वज्र । चिड़ली ।
अशरीर त्रि० जिसको शरीर न हो
परमात्मा ।

अशित त्रि० अक्षित खाया हुआ ।
अशिखी स्त्री० पुत्र विहीमास्त्री ।
बेमौसाद औरत
अशीति स्त्री० गस्सो ८०
अशुभ त्रि० पाप । बमझल
अशेष त्रि० समस्त । सब

अशोध्य त्रि० जो शोक करने के
योग्य न हो ।

अशीब अपवित्रता । नापाकी ।
अश्वमती स्त्री० पयरी की बीमारी
अधान्त त्रि० सन्तत लगातार न
थका हुआ ।

अश्रु पु० भाँसू । नेत्र जल ।
अश्रुन त्रि० जो सुना नहो । मनसुना
अस्त्रील न प्राप्तिभाषा । गाली
गालीज ।

अश्य पु० बीटक । छोड़ा
अभ्यक्षरत पु० लिच्छर सम्भूत
अश्रमूल पु० घोड़े कासा मुँहवाला
अश्यमेय पु० यहविशेष
अश्यवार पु० सवार । घुड़बन्दी ।
अश्वारि पु० भैंसा । महिप ।
अश्वारोह पु० सवार । घोड़ेपर
चढ़नेवाला ।

अपाठ पु० असाक्षात् मासकानाम
अष्टचा य० अष्टप्रकार । भाटतरहसे
अष्टयानु पु० सोना चादी तथा
पीतल का सो जस्ता कलीलोहा
अष्टमी स्त्री० आठे एकतिथिकानाम
अष्टांग पु० योग विशेष० यम नियम
मासन प्राणायाम प्रत्याहार
ध्यान धारणा समाधि ।

असिहृत्त्र्य त्रि० जिसकी सख्या न
हो। बेशुमार।

असम्य अल। नीच। पामर।

असमजस न० भर्त्सगत। जो युक्ति-
युक्त न हो।

असमय पु० दुष्टकाल। बेयक्त।

असमर्थ त्रि० दुर्बल। असक्त।
कमजोर।

असम्मत त्रि० अनमिमत्। उलटा
बरवत्। [अपसंश

असाधु त्रि० असज्जन। पुष्टमात्मा
असाध्य त्रि० जिस का उपाय न
होसके। दुर्वम।

असाम्प्रतम् अ० मयुक्त। ना मुम-
किन। बेमीकह। [निःसार

असार पु० जिस में सार न हो।
असि पु० तलवार। अरुण तरवार

असिधेनुका स्त्री० छुरिका। छुरी।
असु पु० प्राण। श्वित। विल।

असुप्त न० दुःख। फलेश। तफलीफ

असुर पु० स्य। रात्रि। वैश्य।
असूयक त्रि० गुणों में दोष लगाने

वाला। चुगलबीर।
असूया स्त्री० गिन्दा। बुराई।

अस्तम् अ० नाश। तयाह होना।

अस्तमन न० अस्त-होना। सूर्य-
दिक्का छिपना।

अस्ति अ० स्थिति, विद्यमानता,
भीजूदगी

अस्तु अ० आमुत्रा, ऐसाहो यीहा
अस्थान न० भर्त्सन, मलामत

निरादर। [हथियार

अस्त्र न० फेकने योग्य धाण आदि
अस्थान न० नामुनासिप जगह।

अस्ताधिर न० नाडीनसोंसे रहित
अस्मद् त्रि० हम, आत्मवाची सर्पनाम

अस्मिता स्त्री० मोह। मिथ्या ज्ञान।
अस्वतन्त्र त्रि० पराधीन, परवश।

अहंयु त्रि० अहंकारी, घमंडी।
अहङ्कार पु० अमिमान, गकर।

अहम्मति स्त्री० अज्ञान, अधिज्ञा,
सम। [दिनका मास

अहर्माण पु० दिनों का समूह ३०,
अहर्विध न० प्रतिदिन, रोजमर्रा।

अहर्मुख पु० दिन का प्रथम भाग,
प्रत्युष प्रातः।

अहस्कर पु० सूर्य, भानु। सुरज।
अहह न० आश्चर्य, खेद, मति

फलेश।
अहार्घ्य पु० भो शुराया न जासके

अहि पु० साँप, सर्प, सृप, मोथ ।

अहिना स्त्री० मन चाणी कर्म से किसीको दुःख न देना ।

अहित पु० दुःखद अमङ्गल दुःख देने वाला ।

अहिलता स्त्री० पानकी खेल ।

अहीरणि पु० दो मुख वाला साँप
अहो अ० शोक करणा धिक्कार
विवाद, तन्मोघन [यकान ।

अहोवत अ० शोक बोधक दया अम
होरात्र पु० रातदिन । अहर्निश
अहय अ० शीघ्र जल्दी ।

(आ)

आकाम्पित प्रि० कांपता हुआ ।

आकर पु० आन धातु निकालनेका
स्थान ।

आकर्षक पु० अयस्कान्त सु वफा
आकलन न० इच्छा गिनती, सोचना
आकस्मिक प्रि० अचानक एकापकी
आकाङ्क्षा स्त्री० चाह, इच्छा, अभि
लाष ।

आकाय पु० निवास गृह, गमनागमि
आकार पु० मूर्ति मन्त्रका अभि
प्राय स्वरूप ।

आकारणा स्त्री० पुलाना, पुकारना

आकाशिक प्रि० पिना समय, बेवक
पैदा हुई चीज ।

आकाश पु० गगन, आसमान ।

आकाशवल्ली स्त्री० अमरबेल ।

आकुञ्चन न० संकोचना, संकोच ।

आकुल प्रि० व्याकुल, घबराया हुआ ।

आकृति स्त्री० आकार, शकल ।

आकम्प पु० ऊँचे स्वर से रोना
खिलाना

आक्रम पु० यत्नसे दवाना, गद्दार्
करना । [स्थान

आक्रोह पु० खेळकी अगह फ्रीडा ।

आक्रोश पु० निन्दा करना शाप ।
पुकारना ।

आक्षीप पु० मत्ता मतवाला, पागल

आक्षेप पु० कटकुल्लगाना तानादेना
आश पु० समिध, फावड़ा

[खोदने वाला ।

आश्वनिक पु० खोर, सुमर घूहा,

आश्व पु० घूहा, खोर, सुमर ।

आखेट पु० मृगया शिकार ।

आखेटिक पु० शिकारी मयानक

आभ्या स्त्री० संज्ञा नाम कहना ।

आभ्यात प्रि० कहांगया, धर्जन-
क्रियागया ।

आभ्यात प्रि० कहनेवाला अभ्यापक

आख्यायिका म० इतिहास कथा कहानी
आख्यायिका स्त्री० कथा, कहानी
आगत त्रि० उपस्थित, हाजिर,
आगया ।

आगम पु० आना, आत्म ।
आगम् न० मपराध, पाप चक्र, मूल
आगार न० स्टेशन, पड़ाव, स्थान ।
आघात पु० चोट, आहनन ।
आद्यः ण न० गन्धकाले ११, गन्धग्रहण
सूचना ।

आचार पु० चालचलन व्यवहार ।
आचार्य पु० शिक्षक, छोटवाता,
अध्यापक ।

आच्छन्त त्रि० ढका हुआ, रफला,
हुमा ।

आच्छादन न० वस्त्र, कपड़ा, पर्दा
आच्छिन्न न० कट हुआ । बलसे
पड़ा हुआ ।

आजि स्त्री० सभरभूमि । लक्षार्थकी
जगह । [गुजर

आजीय पु० जीविका, निर्वाह,
आशा स्त्री० निर्देश शासन, हुक्म
अक्षय न० घृत, घी ।

आत्मनेय पु० हनुमान् ।
आटविक त्रि० जकड़ी बनकर ।

आटोप पु० अहङ्कार, घेग जोर ।
आटम्बर पु० धूप । सुभी, मह-

झार, घेग

आटक पु० न० अरहर, अन्नविशेष
आटय त्रिपु० क, मिला हुआ, मधाभनी

आतङ्क पु० रोग, सन्ताप । भय ।
आतप पु० पीड़ा, गर्मी धूप ।

आतपत्र न० छाता । छतरी
आतिथ्य न० अतिथि सेवा ।

आतुर त्रि० रोगी, पीड़ित दुखिया
आत्मघोष पु० काक, कीया, कुत्ता

आत्मज्ञ पु० पुत्र, वेडा, लड़का ।
आत्मज्ञा पु० दर्पण शीशा ।

आ मनीम त्रि० अपना पुत्र, स्व-
दितकारी

आत्मम्भरी पु० अपनाही पेट
भरनेवाला पेट ।

आत्मरक्षा स्त्री० अपना रक्षण ।
स्वपात्रन । अपना पचाव

आत्मार्थीन पु० अपने घर पुत्र ।
आत्मसात् न० अपने साथ अपने

काय में ।
आत्मीय त्रि० स्वकीय । अपना ।

आवर पु० मान, प्रतिष्ठा, इज्जत ।
आवर्ष पु० वर्षण, नमूना ।

मादाम न० छेता, ग्रहण ।
 मादि पु० प्रथम पहिले होना
 मादित्य पु० सूर्य । सूरज । -
 मादिपुरुष पु० ईश्वर, परमात्मा ।
 मादिम पु० पहिले हुआ । मादि
 का भावम । [क्रिया गया ।
 मादुत त्रि० पूजा गया । आवर -
 भादेश पु० आह्वा हुक्म इच्छा
 भाद्य त्रि० प्रथम हुआ । प्रथम
 भाद्युत त्रि० जिस सर्वदा धन
 का ही ध्यान रहे
 भाद्यमपर्यं न० कर्जा । [भासरा ।
 भाधार पु० अधिकरण आधाय ।
 भाधि पु० मनोयिया मनकी पीड़ा
 भाधिमय न० यहुतायत क्रियावती
 भाधिदैविक त्रि० मन्त्रि भावि से
 उत्पन्न हुआ हुआ । [पना ।
 भाधिपत्य न० स्वामित्व मायिक
 भाधिमौलिक त्रि० व्याघ्र सर्पादिक
 से उपजा हुआ । [नया
 भाधुनिक त्रि० ईवातीन्तन भयका,
 भाधेय त्रि० एक वस्तु के ऊपर
 दूसरी वस्तुओंसे धोकी पर
 पुस्तक । [रोग ।
 भाध्मान पु० पेटका फूलना । धायु

भाध्यात्मिक त्रि० शोक मोह
 उवराविसे पैदा हुआ हुआ ।
 भाध्याम न० चिन्ता । शोच । फिक
 भाभक पु० युक्तका चाना । मृदङ्ग ।
 भाभत त्रि० रूपा प्रणाम, चिनययुक्त
 भाभन न० सुख । सुह ।
 भाभन्व पु० हय । सुख । प्रह ।
 भाभन्वमय पु० जिससे प्रसन्नता
 ही प्रसन्नता हो ।
 भाभाय पु० जाल छाना ।
 भाभाह पु० धलकीलम्यार्द्र कञ्ज
 भाभुक्य न० अनुकूलता । सुमा-
 फिक [भटकल से हुआ ।
 भाभुमानिक त्रि० अनुमान से ।
 भाभुत त्रि० जिससे मिथ्या कार्य
 हो भूटा । भूट ।
 भाभतर त्रि० धीच । धीउ का
 भाभ्वोलन न० धारद्वीजना तलारा
 भाभ्वसि पु० पाचक रसोदया
 भाभ्वदिका त्रि० नकदिया तन्म
 मन्त्रक ।
 भाभगा खी० नदी । दरिया । [दाए
 भाभण पु० भूकान, प्रययिकयभ्यय-
 भपणिक त्रि० भूकानदार भ्यापारी
 भाभात पु० गिरनेका समय । मार्ग

आपान न० जहां बहुत से शरणी
मिलकर शरण पीते हैं शरण
पीने का स्थान । [घोडामोटा
आपीन न० ऊप । ऐम । स्कीत ।
आपूच्छा स्त्री० आलाप पूछना ।
आतचीत ।

आतकाम त्रि० जिसने अपनी
इच्छा पूरी कर ली हो ।

आम्लव पु० स्थान, महाना
आयिल त्रि० कलुषाकाला नासक
आमरण न० भ्रूण जेवरगहन ।
आमा स्त्री० चमक । शोभा ।
आमापण न० आलाप । आतचीत ।
आमास प० गतीति । प्रतियिष्य
आमोक्षय न० पीन पुन्य । धार
धार होना ।

आमोर पु० अहोर । ग्वाला ।
आमीरपल्ली स्त्री० ग्वाला का घर ।
आम त्रि० अपश्य । जो पको न हो
अज्ञेय रोग । [वायत
आमिन्ध्रण न० बुलाना । निमिन्ध्रण
आमय पु० मारना । रोगस्त्री आगया
आमशन न० सत्र छूना । विचारना ।
आमर्ष पु० मोघ । गुस्सा ।
आमलक पु० आमलावृक्ष ।

आमाशय पु० नाभि और स्तनों के
बीचका भाग । अपाक भाग ।
आमिष न० पु० मांस । उत्कोष ।
आमोद पु० बहुतगन्धाहर्षामुशी ।
सुन्दर । लाम ।

आम्नाय पु० वेद । आगम । निगम
आम्र पु० आमकापेड । आमकाफल
आम्रेष्ठित त्रि० बारं कहा बचन ।
आय पु० आमदनी ।
आयत त्रि० लम्बा । तूल ।
आयतन न० आधम बैठक । विद्याम
स्थान । [मातहत ।

आयस त्रि० आघीन । सगीमूत ।
आयाम पु० वैद्य । लम्बाई
आयास पु० परिश्रम । मेहनत ।
आयु पु० न० जीवमकाल । उन्न
आयुध न० अस्त्र हथियार । प्रहरण
मात्र ।

आयुर्वेद पु० चिकित्साशास्त्र, तब
आयुष्य त्रि० आयु हितकारी पण्य
हितकारी ।

आयोजन न० लगाना । जोड़ना ।
सयोग मिहमत ।

आयोधन न० युद्धभूमि, लड़ना युद्ध
आरुजय न० भरव देशका घोड़ा ।

भारतं त्रि० भारम्भ किया गया ।
 शुरु किया गया
 भारम्भ पु० शुरु । खरा । कथम
 भारत् म० समीप, पास नज़दीक
 भारोपन न० उपसना, पूजन, उपोषण
 भाराम पु० उपयन । वाग
 भारोग्य न० रोगका न होना, स्वस्थ
 रस्ती ।
 भारोप पु० ओरमें ओर धर्मप्रतीत
 होना जैसे रस्ती में सांपका
 जान ।
 भारोह पु० चढ़ना । भारोहन
 भार्जव पु० सरलता । सीधापन
 भार्त् त्रि० दुखों पीड़ित ।
 भार्त् त्रि० गाढा । जठसिद्ध ।
 भार्त् क न० मंदरक [शुद्ध
 भाष्य पु० सज्जन । छात्र स्वामी
 भार्यपुत्र पु० पति मालिक ।
 भार्यमित्र त्रि० धोष्ठ भाग्य
 भार्यावत्त पु० पवित्रभूमिभारतवर्ष
 आय त्रि० प्रविर्षा से बनाया हुआ
 शास्त्र
 भालमन न० स्पर्श छूना पाना
 भालम्भ पु० भाभय सहारा मदद
 भालम्भ पु० सम्पर्कप्राप्ति मच्छे
 प्रकार प्राप्त होना छूना ।

भालय पु० स्थान गृह घर बाना
 भालवाल न० नाकी बरहा
 भालस्य न० सुखी प्रभाव भालसी
 भालाप पु० कथोपकथन सम्भा-
 वण बातबोत [समर ।
 भालि-ली स्त्री० सेतु पुल । सक्ती ।
 भालिङ्ग न० नीतिपूर्वक भाषणमें
 मिलना । बिपटना । [छीपना
 भालिम्पन न० मङ्गलार्थलेपन ।
 भावरण न० ढाल । पर्दा ।
 भावर्त्त पु० जलका घूमना । समर ।
 भावर्त्तन न० घिलोना, भाडोडन ।
 भावसित त्रि० छीटाया गया ।
 भम्यास किया गया ।
 भावश्यक त्रि० जरूरी ।
 भावसथ पु० निवासस्थान । गृह
 भावास पु० निवासस्थान । घर
 भावाहन न० बुलावा । पुकारना
 भावृत्ति स्त्री० भम्यास । धार २
 गुणना । लीटना
 भावेश पु० भद्द प्रकार कोषाशुस्साध
 भायेग पु० बबराहट । चिन्ता, शोक
 भाशंशु त्रि० इच्छुक । बम्मेदवार
 भाशङ्का स्त्री० भास, डर । सशय शक
 भाशय पु० भविष्यामातलय भाषाट

आशा स्त्री० उन्मोद । विशा इच्छा
आशित त्रि० भुक्त । आयाहुभा
आशीर्षाद् पु० आशीर्षघन । मङ्गल
घन । असीस [सूर्य ।

आशुग पु० शीघ्रचलनेवाला । वायु
आशुतोष त्रि० शीघ्रप्रसन्न होनेवाला
आथम पु० दृष्टचय, गृहस्थ, याम
प्रस्थ, संन्यस्त

आश्रय पु० आसरा । सहारा । मद्व
आश्रित त्रि० शरणगत, शरणमेंपड़ा
आश्वस पु० आश्रयदान तसल्ली
आपाठ पु० मसाङ्क एक मासकानाम
आसन न० उपवेशन । बैठना
आसन्न न० सन्नीप पास नजदीक
आस्तिक त्रि० ईश्वर और वेदका
मानने वाला ।

आस्तीर्ण त्रि० फैलाहुआ । दिव्युत
आस्या स्त्री० आशा । उन्मोद
आस्पद न० प्रतिष्ठा । इज्जत
आस्य न० गुण । मानन

आस्याद् पु० स्वाद । रस सुभाद ।
आहव न० पुरु । संग्राम

आहार पु० भोजन । आमा । [ह्य

आहोस्यत् अ० अथवा । प्रका धिक-

आहितक त्रि० धनिकरोजामा, लेखी

आह्लाद् पु० प्रसन्नता हर्ष खुशी
आह्वान न० बुलावा । आकरण ।

(इ)

इष्ट पु० गन्ना, मीठे रसवाला पौधा

इष्टसार पु० शुद्ध गन्नेका रस ।

इष्टाकु पु० सूर्यवशी प्रथमराजा

इक्षित न० मर्मोन्मिषाया आशय । सूरत

इच्छा स्त्री० अभिलाष । चाह

इक्ष्वा स्त्री० यक्ष । दान । मिलाप

इनर त्रि० अन्य, और, भिन्न, नीच

इतरेत त्रि० अन्योन्य । परस्पर ।

[आपस में]

इतसु त्र० यहांसे इधरसे । पहा

इतस्ततः अ० इधर उधर

इति अ० निदर्शन प्रकार । समाप्ति

इतिहास पु० पुराणत्त नवारोज

इगम् श० इक्षप्रकार । एततरह

इवम् अ० यह

इदानीम् अ० इससमय । इसवक्त,

इह न० दीप्त । प्रकाश । रोशन

इहम् न० काष्ठ लफड़ी

इन पु० सूर्य । स्यामी । मालिक

इन्दु पु० चन्द्र । चाँद

इन्दुमती स्त्री० अजराजाकी स्त्री ।

इन्द्र पु० सूर्य । परमात्मा

इन्द्रजाल न० कपटमाया। बाजीगरी
इन्द्रजालिक त्रि० छलिया मकारी
इन्द्रमन्त्र न० देहलीनगर
इन्द्रिय न० श्रोत्र, रस, घ्रा, स्पर्श, श्रुति, ज्ञान
नासिका, हस्त, पाद, पायु,
उपस्थ, घात मन । ह्यास
इन्द्रियाय पु० इन्द्रियों का विषय ।
शब्दादि ।

इन्द्रन न० काष्ठ, लकड़ी
इन्द्रा स्त्री० सीमा । इन्द्र परिमाण
इन्द्रा स्त्री० भूमि। पृथ्वी । अमीन
इन्द्र पु० तीरे यन्त्र [यो। मूल
इन्द्रिय पु० अर्थां पाण रक्षणा जाता
इन्द्रका स्त्री० ईंट
इन्द्रि स्त्री० यज्ञ । मत्तु । होम
इन्द्र म० इस समय । यहाँ

(६)

इन्द्रा न० दर्शन । देखना
इन्द्रा त्रि० पेसा । इस तरह का
इन्द्रित त्रि० आहागया । इन्द्र
इन्द्र म० मण । फोड़ा । अकम्प
इन्द्रा स्त्री० धैर्य हृन्वत् [परमेश्वर
इन्द्रा पु० अम्मादि से रहित ।
इन्द्र पु० स्वामी । परमात्मा
इन्द्र म० भस्व । थोड़ा । कुछ

इन्द्रा पु० कुष्ठमर्म
इन्द्रा स्त्री० खेष्ट । पाप्मा आह
इन्द्रित त्रि० आहागया

(७)

उपत त्रि० कथित । कहागया
उत्तिन स्त्री० फाग । कहना
उत्तिन पु० फसका पिना
उत्तिन त्रि० पथार्थ । मुनासिपाठीक
उत्ति त्रि० उन्नत । ऊँचा
उत्तिन पु० मारियलका पेड़
उत्तिन न० उत्पाटन। उखाड़ना
उत्तिन पु० उत्थारण । कहना मल ।
पिष्टा गू ।

उत्तिन त्रि० नरह । केअनेकप्रकारके
उत्तिन स्त्री० उत्तिन। ताश तबाह
उत्तिन त्रि० कानेलेयधरहा । भूटा
उत्तिन त्रि० कानेलेयधरहा । भूटा
उत्तिन त्रि० स्त्रीत । फूला पुमा
उत्तिन पु० उत्तिन । लोड़ना बिनाश
तबाह

उत्तिन स्त्री० अगस्त्यपुत्री उत्तिन
उत्तिन त्रि० दीप्त । चमकता हुआ
उत्तिन पु० उत्तिन । गिरिद्वय भग्न
फो पड़ोयमा ।
उत्तिन न० उत्तिन । उत्तिन।

आशा स्त्री० उमोव । दिशाः इच्छा
 आशित त्रि० भुक्त । आया हुआ
 आशीर्वाद पु० आशीर्वाचन । मङ्गल
 वचन । असीस [सूर्य ।
 आशुग पु० शीघ्रचलनेवाला । वायु
 आशुतोष त्रि० शीघ्रप्रसन्न होनेवाला
 आश्रम पु० आश्रय, गृहस्थ, वान-
 प्रस्थ संन्यस्त
 आश्रय पु० आसरा । सहारा । मदद
 आश्रित त्रि० शरणगत शरणमें पड़ा
 आश्वत्स पु० आश्वत्थवान तसल्ली
 आपाद् पु० असाढ़ एक मासकानाम
 आसन न० उपवेशन । बैठना
 आसन्न न० समीप पास, नजदीक
 आस्तिक त्रि० ईश्वर और वेदका
 मानने वाला ।
 आस्तीर्ण त्रि० फीटाहुआ । विस्तृत
 आस्था स्त्री० आशा । उमोव
 आरूपद न० प्रतिष्ठा । इज्जत
 आन्य न० मुन्त्र । आतन
 आस्थाद् पु० स्वाद । रस सुभाष ।
 आहव न० पुत्र । संग्राम
 आहार पु० भोजन । खाना । [व्य
 आहोस्वित् भ० अथवा । प्रकाशित
 आहिन्तक त्रि० वैनिक, रोजाना, वैली

आह्लाद पु० प्रसन्नता हर्ष खुशी
 आह्वान न० बुलाना । आकरण
 (इ)
 इष्ट पु० गन्ना, मीठे रसवाला पीडा
 इष्टुसार पु० शुद्ध, गन्नेका रस ।
 इष्टाक पु० सूर्यवशी प्रथमराजा
 इक्षित न० मनोमिप्राय आशयसूरत
 इच्छा स्त्री० अभिलाष । चाह
 इज्या स्त्री० यज्ञ । दान । मिलाप
 इतर त्रि० अन्य, और भिन्न, नीच
 इतरैर त्रि० अन्योन्य । परस्पर ।
 [भावस में
 इतम् भ० यहासे इधरसे । यहाँ
 इतस्तत भ० इधर उधर
 इति भ० निदर्शन प्रकार । समाप्ति
 इतिहास पु० पुराणसु सथारोच
 इयम् त्रि० इन्प्रकार । इसतरह
 इयम् भ० यह
 इयानीम् भ० इससमय इन्वयक्त
 इय न० वीस । प्रकार । रोशन
 इधम न० काष्ठ लकड़ी
 इन पु० सूर्य । स्वामी । मालिक
 इन्दु पु० चन्द्र । चाँद
 इन्दुमती स्त्री० अजराजाकी स्त्री ।
 इन्द्र पु० सूर्य । परमात्मा

इन्द्रजाल न० कपटमाया। बाजीगरी
इन्द्रजालिक त्रि० छलिया मवारी
इन्द्रप्रस्थ न० देहलीनगर
इन्द्रिय न० धोम, स्वप्ना, चक्षु जिह्वा
नासिका, हस्त, पाद, पायु
उपस्थ, धाक मम । हयास
इन्द्रियायुः इन्द्रियो का विषय ।
शब्दाद ।

इन्द्रन न० काष्ठ, लकड़ी
इयत्ता स्त्री० सीमा । इद परिमाण
इला स्त्री० भूमि। पृथ्वी । जमीन
इष्ट पु० तीर, कण [हो। मूण
इष्टि पु० जहाँ पाण रक्षता जाता
इष्टका स्त्री० ईंट
इष्टि स्त्री० यक्ष । ऋतु । होम
इष्ट भ० इस समय । यहाँ

(ई)

ईक्षण न० दर्शन । देखना
ईदरा त्रि० ऐसा । इस तरह का
ईप्सित त्रि० आहागया । इष्ट
ईर्म न० प्रण । फोड़ा । अन्ध
ईर्ष्या स्त्री० घेर हसद [परमेश्वर
ईश्वर पु० अग्मादि से रहित ।
ईश पु० स्वामी । परमात्मा
ईषत् भ० मक्ष । थोड़ा । कुछ

ईषदुष्ण पु० कुछगर्म
ईहा स्त्री० खेप । वाग्ला बाह
ईहित त्रि० आहागया

(उ)

उक्त त्रि० कांयत । कहागया
उक्ति स्त्री० क०न । कहना
उग्रसेन पु० कंसका पिता
उक्ति त्रि० यथार्थ । मुनासिकाठीक
उद्य त्रि० उन्नत । ऊँचा
उद्यतर पु० नारियलका पेड़
उद्यटन न० उत्पाटना उखाड़ना
उद्यर पु० उद्यारथ । कहना मल ।
विष्टा गू ।

उद्यय त्रि० तरङ्ग ५ के मनेक प्रकार के
उच्छिष्ट स्त्री० उच्छेद। नारा तबाह
उच्छिष्ट त्रि० प्रानेसे वचरहा । फूटा
उच्छिष्टीर्षक न तफिया । उद्यमान
उच्छून त्रि० स्फीत । फूला घुमा
उच्छेद पु० छेदन छोड़ना विनाश
तबाह

उच्छयिनी स्त्री० मधुस्तोपुरी उज्जैन
उच्छयल त्रि० दोस समकता हुआ
उच्छन पु० ऊँ छना । गिरिद्वय मन्म
को बंदोरना ।

उद्धीन न० उड़ना । उछलना।

उपेक्षा स्त्री० उपदेश किये बिना
समझलेमा । प्रथमपक्ष
उपहीफन न० भेंट । उपहारः पायन
उपत्यका स्त्री० पर्यट के ऊपरकी
भूमि

उपदर्श पु० लिंगरोग सूजाफ गर्मी
उपदर्शक पु० दारपाल । दर्शन
उपदा स्त्री० भेंट । रिशवत ।
उपढोकन

उपदेश पु० शिक्षा नसीहत तालीम
उपद्रव पु० उत्पात । मुसीबत । झुज्म
उपधा स्त्री० छल । कपट । फरेव
उपधान न० तकिया । शिरोबान
उपधि पु० छल । कपट । छद्म । प्राप्त
उपनत त्रि० उपस्थित । हाजिर ।
उपनय पु० उपनयन यज्ञोपवीत
न्यायका एकप्रययध ।

उपनयन न० यज्ञोपवीत । जनेऊ,
उपनाह पु० मर्हम । मल्लम ।
उपनिधि पु० न्यास । अमानत
उपनिपट्ट स्त्री० वेद्यान्त । ग्रन्थ-
विद्या की पुस्तक
उपनेत्र न० चण्मा । पेनक । नेत्र
उपन्यास पु० घबनरचना ।
अमानत ।

उपपत्ति पु० जारें । गौणपति ।
अन्यपति । युक्ति वलीत
उपपत्ति स्त्री० सिद्धि । संगति ।
उ० त्रि० युक्तियुक्त । मुनासिब
उ० त्रि० समानता । घराबरी
उपमान न० जिससे समानता
दीजाय उसे 'बाद के नमाने मुखा'
उ० त्रि० विवाहः शादीव्याह
उ० त्रि० न्याय । ठीक ।

उपयोग पु० लगाना । इस्तेमाल
उपवत त्रि० फटाहुमा । निहित
मृत मराहुमा । [इदना
उपरनि स्त्री० उदासीनताधिरति
उपराम पु० निवृत्ति । इदना
अराम ।

उपल पु० पत्थर । रत्न । [ज्ञान
उपलब्धि स्त्री० प्राप्ति । हासिल ।
उपधन न० उद्यान । बाग । पना-
घटी घन

उपघास पु० मोजन न करना ।
उपास [हाजिर
उपन्यत त्रि० समीपस्थित ।
उपस्पर्श पु० स्पर्श । छूना नहाना
उपहार पु० भेंट । नजर । उपदा
उपाश न० छिपाहुमा । अपकाश

उपाख्यान न० प्राचीन समाचार
उपागम पु० स्वीकार । मान्यतेना
उपाधि पु० पदवी । छल । नाम
उपाध्याय पु० अध्यापक मास्टर
उस्ताद

उपायन पु० स्त्री० अज्ञा । अती ।
उपान्य पु० निकट । मज दीप ।
उपाय पु० साधन । उपगम ।

हासिल [इमाम

उपायन न० उपहार । पुरस्कार
उपाळम्भ पु० निम्न । उलाहना ।
उपासक त्रि० उपासना करनेवाला
सेवक ।

उपासन न० शराभ्यासशुभ्रपासेया
उपेक्षा स्त्री० त्याग । छोड़ना ।
उपेक्षाही

उत्त त्रि० बोवाहुमा घाम्य ।

उमयत्र न० दोनोस्थान दोनोअगद

उमयथा न० दोनोप्रकार । दोनोतरह

उरग पु० सर्प । नाप । अहि

उररी न० स्वीकार । मंजूर

उरच्छत्र पु० कबज । सगाह बरउर

उरस् न० यक्षप्रल । छाती सीना

उरपोकृत त्रि० स्वीकृत । मंजूर

उर्वरा स्त्री० उपजाऊ भूमि । बरखेऊ

उर्वी स्त्री० भूमि । अमीम ।

उलूखल न० उरखरी । उलली

उलका स्त्री० बाकापसे गिरा हुआ

उलका समूह [दुई लकड़ी

उल्लुक् न० अंगारा । लुकडा । अलती

उल्लास पु० प्रकाश । खमक । हर्ष

उल्लेख पु० लिखना । उच्चारण ।

बोलना

उल्लोच पु० खन्दातप । बांदनी ।

उल्लोल पु० महागरज । दड़ोलहर

उल्व न० जरायु । गर्मको हाकने

वाला खमड़ा । गडा ।

उल्लव त्रि० स्पष्ट । साफ । व्यक्त

उल्लवस् पु० शक ।

उल्लव न० धीरणमल । असक्त

उष पु० दिन । गुग्गल । रात्रिशेष

उपस् न० प्रत्युप । महिर्मुक्त सुबह

उपा स्त्री० प्रमाद । प्रातः । सुपह

उपित त्रि० वासी । पणुपित । अला

हुमा

उप पु० कमेळ । ऊँट ।

उष्णाशु पु० सूर्य । सूरज ।

उष्णागम पु० निदायकालगर्मी का

समय ।

उष्णीय पु० साफा । पगड़ी मुकट

उपेक्षा स्त्री० उपदेश किये विमा
समकलेना । प्रथमज्ञान
उपदोक्त न० भेंट । उपहारः पायन
उपत्यका स्त्री० पर्वत के ऊपरकी
भूमि

उपदश पु० डिगरीय सृजाक गर्मी
उपदर्शक पु० छारंपाल । दरबान
उपदा स्त्री० भेंट । दिशवत ।
उपदोक्त

उपदेश पु० शिक्षा नमीहत तालीम
उपद्रव पु० उत्पात । मुसीबत । जुल्म
उपधा स्त्री० छल । कपट । फरेय
उपधान न० तफिया । शिरोधान
उपधि पु० छल । कपट । छद्म । प्राप्त
उपनत त्रि० उपस्थित । हाजिर ।
उपनय पु० उपनयन यज्ञोपवीत
न्यायका एकप्रवयय ।

उपनयन न० यज्ञोपवीत । जनेऊ
उपनाह पु० महम । मदकम ।
उपनिधि पु० न्यास । समानत
उपनिपट्ट स्त्री० येवाग्त । ग्रह
विद्या की पुस्तक
उपनेत्र न० चश्मा । ऐनक । नेत्र
उपन्यास पु० घखनरचना ।
अमानत ।

उपपत्ति पु० जार । शीघ्रपत्ति
अन्यपत्ति [युक्ति वली
उपपत्ति स्त्री० सिद्धि । संगति ।
उ० नम त्रि० युक्तियुक्त । मुनासिब
उपमा स्त्री० समानता । बराबरी
उपमान न० जिससे समानता
दीजाय जैसे बाँके समान मुख
उ० यमन पु० विवाह शादीब्याह
उ० युक्त त्रि० न्याय । ठीक २

उपयोग पु० लगाना । इस्तेमाल
उपपत्ति त्रि० फटाफुआ । निहित
मृत । मरा हुआ [हटना
उपपत्ति स्त्री० उदासीनताधिरति
उपराम पु० निवृत्ति । हटना
आराम ।

उपल पु० पत्थर । रत्न । [ज्ञान
उपलब्धि स्त्री० प्राप्ति । हासिल
उपयन न० उद्यान । याग । पना-
घटी यन

उपवास पु० भोजन न करना ।
उपास [हाजिर
उपस्थित त्रि० समीपस्थित ।
उपस्पर्श पु० स्पर्श । झूना नहाना
उपहार पु० भेंट । मजूर । उपदा
उपाशु न० छिपा हुआ । अमकाश

कण्डू स्त्री० खुजली काज
कतम त्रि० पड़ती में से कौन एक
कतर त्रि० दो में से कौनसा
कति त्रि० कितने कियत्परिमाण
कतिपय त्रि० कुछ कितने एक
कयङ्काम् म० किस रीतिसेकिस
तरह
कयञ्चन म० किसी तरह कैसे
कयञ्चित् म० किसी न किसी
प्रकार से
कयम् म० किस तरह कैसे [से
कयमपि म० वही कोशिशसे भावर
कया स्त्री० कयन कहना कहानी
कड़ो स्त्री० केला। रम्मा
कड़ा म० किस समय। किसवक्त
कड़ावन म० किसी नकिसीसमय
कड़ापिम० कर्मों की किसी समयमें
कनक न० स्वयं। सीमा।
कनकासर पु० सुहागा।
कनकरस पु० हस्ताल।
कनिष्ठ त्रि० छोटा। छुट्टा
कनीमिका स्त्री० बांजको पुतली
कनीयस् त्रि० छोटा। छुट्टा मार्ग
कण्या स्त्री० गुदकी। कण्ठी
कन्द पु० वृक्षमूल की जड़
कन्द्य स्त्री० गुहा मुक्ती। गहर।

कन्दर्प पु० कामदेव
कम्बुक पु० गेद खीमान
कन्यास्त्री० भनूदाकुमारीविनम्यात्
कपट न० पु० छल फरेब धोका
कपाट स्त्री० पु० किवाड़ कपाटी
कपालिका स्त्री० छोटाकप्पराठीकरा
कपि पु० छालचन्दनाभम्बर सुन्दर
कपिलोह न० पीतल पित्तल
कपूय त्रि० नीच कमोना बदशकल
कपीत पु० पारावत कपूतर
कपोल पु० गाल गण्ड
कफ पु० शरीरका घातु वल्लभ
कफणि पु० स्त्री० कुहनी
कमठ पु० कच्छप कछुमा कमण्डलु
कामनीय त्रि० कामनायोग्य मनोहर
सुन्दर
कमल न० पद्म कमल [कस्मी
कमला स्त्री० सुन्दर स्त्री वरुणी
कम्प पु० वेपथु कांपना
कम्बल पु० ऊननिर्मितवस्त्र कमरी
कम्बु पु० न० शंख गज हाथी
कम्बोज पु० काबुलदेश
कन्न त्रि० कामुक सुन्दर मनोहर
कर पु० हाथ हस्त किरण
करकाजल म० वर्षा
करमह पु० विवाह शादी।

ओष्ठ्य पु० धे गक्षर जिन का
उच्चारण ओठसे होता है ।

(ओ)

ओधित्य न० उचित । योग्यता ।
लायफी । [वाह

ओत्फण्ड्य न० महतीच्छा । गङ्गी
ओत्सुम्य न० उत्कण्ठा यद्वा इच्छा

ओदरिय त्रि० केवल पेट भरने में
लगावृत्ता । पेटू [फैयाजी ।

ओदार्य न० उदारता । महान्व ।

ओदासीन्य न० उदासीनता ।

फिनारेफशी । [खुल्ल

ओधाय न० अविहीनरथा मगङ्गी

ओष्क न० उल्लुभिका समूह ।

ओपथ न० भेदन । दवा ।

ओष्प्य न० सन्ताप । धूप । गर्मी ।

ओष्प्य न० धूप । सन्ताप । गर्मी ।

(क)

कस पु० उभयसंकापुत्र ओष्ठ्यका
मामा

कंसकार पु० बसेरा ।

ककुद् पु० न० बिल की पीठ का

उठा हुआ भाग । ठोठ

ककुम् स्त्री० विद्या । सिद्ध साधन

कस पु० काल । बगल । सुखातृण

ककुण न० कंगन हाथका जैशर ।

ककुसिका स्त्री० कधी । प्रसाधनी ।

ककुसी स्त्री० कधी केरशोधनी

ककु पु० कगनी । अन्नमेद ।

कक्षर त्रि० मलिन । मैला । छाछ

कच्छप पु० कूर्म । कछुमा । [खोखी

कक्षक पु० लीदेका पर्म खोला ।

कटाक्ष पु० तिरछी मजदूरी नरक

कटाह पु० भैरवका वचना कड़ा

कटि-टी स्त्री० कमर

कटिच न० कण्ठी सगड़ी करधनी

कटिच पु० करेला कारवेल्क

कट न० कटुभा रसमेद

कटुकन्व पु० सहजना मदकलशुन

कटुत्रय न० सौंठ पीपल मिर्च

कठिन त्रि० कुरकठोर बेरहम सक्क

कठिनी स्त्री० चाकमिटी खटिया

कठोर त्रि० कठिन सक्क

कटुदे न० पुस भूसा पु भाल

कणिक पु० कनिक मैदा गेहू का

गारीक भाटा

कण्टक पु० फाटा क्षुद्र शत्रु

कवटकाशन पु० उष्ट्र ऊट

कवट पु० गला गर्दन मार

कवठका स्त्री० कंठी गलेका भूषण

कवठीरथ पु० सिंह कथूर

कर्मद व० जिसको कर्ता करताहै।
 द्वितीय कारक । [का० तीजा।
 कर्मफल न० काम का फल । फल
 कर्मव्यवहार पु० काम का बदला
 एक दूसरेका काम करना ।
 कर्मशूर पु० काम करने में बहादुर
 कर्मसिद्धि स्त्री० काम का फल
 कर्मार्थ्यस पु० कामको देखनेवाला
 कर्मिष्ठ त्रि० बहुत काम करने
 वाला कार्यवत् ।
 कर्मेन्द्रिय न० हाथ । पाँच । वायु ।
 उपस्य । वाक् । [कर्त्तृ रङ्ग
 कर्त्तृ पु० पातल । पाप । नानावर्ण ।
 कर्पक पु० कृपोपल । किसान
 कर्पिणी स्त्री० जलिली लगाम
 कर्हि म० कर । किस समय
 कर्हिचित् म० किसी समयकमी
 कल पु० भीठी और घीमीआवाज़
 कलकण्ठ पु० कोरल कोकिला ।
 कलकल पु० कोलाहल रोला
 कलङ्क पु० अपयश । अपवाद ।
 पेशज्जती । [नितम्ब
 कलत्र न० स्वपत्नी अपनी स्त्रीभार्या
 कलपीत न० सोना । चादी ।
 कलध्वनि पु० कोहलामोरानद्वत्तर

कलम पु० पाँच वर्षका हाथी का
 बरखा
 कलम पु० छेकनी खोर मन्त्रमेव
 कलम्ब पु० नाडीकाशाका शरातीर
 कलरव पु० मीठी भावाङ्ग बाढा ।
 कोरल । कवूतर मीठा और
 घीमा शब्द
 कल्ल पु० न० जरायु । गर्भ के
 डाकने का घमका
 कलश पु० घट । बडा । पागर
 कलह पु० विवाद झगडा । लड़ाई
 मियाम । [लौका । कपट
 कला स्त्री० भाग । मश । सुद ।
 कलाव पु० स्वर्णकार । सुनार ।
 कलामिधि पु० कम्बु चन्द्रमा आदि
 कल्प पु० ब्रह्माका दिनाप्रलय देवाङ्ग
 कल्पक पु० नापित । माई
 कल्पना स्त्री० रचना । मेव । फर्ज
 कल्पान्त पु० प्रलय । नाश
 कल्मष पु० पाप । मैला । पापी
 कल्माष पु० रगधिरगी । काठा
 पीला रङ्ग ।
 कल्ला त्रि० धधिर । बहिराबोर
 कलोलपु० महावत्सु पक्षीसदृश तर्प
 कपस पु० धर्म । कपध ।

करणा न० हेतुकारकमेव साधन
 करण्य न० छप्पा तलघार पिटारी
 करतल न० हाथकी सोली हाथ[ताल
 करमांली स्त्री० करतलध्वनि अह-
 मारपल्लव पु० हाथकी अंगुली
 करपाल पु० तलवार लाठी सोटा
 करम पु० हाथीकाबन्धामंडकावस्था
 करमदन पु० हाथकी मलना
 करवाल पु० तलघार तरवार
 करवावा स्त्री० हाथकी अंगुली
 कराल त्रि० धिकट मयानक
 करिणी स्त्री० हथिनी
 करिन पु० हस्ती हाथी
 करीर पु० करीलवृक्ष-वृक्ष
 करीप पु० म० सुआगोयर करस
 कल्या स्त्री० दया कृपा मेहरवानी
 कवयामय त्रि० बहुत दयालु बहुत
 रहीम
 करेण पु० गज हाथी हथिनी
 ककड पु० कुलीरक केकड़ा अल
 जन्तुमेव
 कर्कशु स्त्री० बदरीफल वैर
 कर्कश पु० कठोर। साहसी। क्रूर। बेरहम
 कर्कर पु० कचूर हस्तिाल
 कर्ण पु० शक्ति। पुत्राभिमुखक्षेत्र
 कर्णकीटी स्त्री० कनकजुवो

कर्णगूथ न० कर्णमल कानकामी
 कर्णधार पु० भाविक मल्लाह
 कर्णपाली स्त्री० कानकामूपप
 कर्णपूर पु० कानकामूपणकरन
 कर्णवेध पु० कानोंका छेदन
 कर्णजप पु० पिशुन। सुगलखो
 कर्तन न० छेदन। काटना। काक
 कर्तरी स्त्री० कटारी। कैंची
 थरछी।
 कर्तव्य त्रि० करने योग्य काम
 कर्तु त्रि० करनेवाला। अन्य क
 प्रेरक।
 कर्म पु० कीचड़। पट्ट। पाप।
 कर्मट पु० न० र्च्ययड़ा। पुराना
 कपड़ा कुमाल।
 कर्पर पु० कर्पाल, कर्पर कोपर्
 कर्पास पु० कपान। यस्त्रयोनि
 कर्मकर पु० मोकर भृत्य चाकर
 कर्मकाण्ड पु० नित्यकृत्याधर्मकर्म
 कर्मकार पु० खुहार, कुम्हार, वेगारी
 कर्मक्षेत्र न० कामकरनेयोग्यस्थान
 कर्मठ त्रि० कार्य करनेमें चतुर।
 कार्यकुशल [कार्यदक्ष धेतन।
 कर्मण्य त्रि० कार्य में योग्य।
 कर्मधारय पु० एकसमासका नाम
 यथा 'नीलोत्पलम्'

कामदुष्टा स्त्री० काममार्गोंको पूरी करने वाली [पूर। हां। कामम् अ० अनुमतिराधापर्याप्त। कामुक पु० कामी। चठक। काम्य न० समिल्यणीय कार्य। पाहा हुआ काम। काय पु० देह। शरीर। जिस्म। कायस्थ पु० शरीरमें ठहरा हुआ ईश्वर जाति मेह। कायिक त्रि० शारीरिक। दैहिक। जिस्मानी। काय न० हेतु। जिसके बिना कार्य न होसके। खय। कारा स्त्री० जेलखाना। कैदखाना। कारागार न० दम्भमालय। जेल खाना। कार त्रि० मिल्की। कारोगर। कारभिक त्रि० दयालु। मेहरबान। कारखान न० दया। मेहरबानी। कार्तिक पु० एकमहीने का नाम। कासिक। कार्यय न० रूपयता। सुमपन। कार्य न० काम। प्रयोजन। हेतु। कार्य न० दुयस्त्रापन। कमजोरी। काल पु० समय। घेला। यक।

कालकूट न० शिप। झहर। कालधर्म पु० मृत्यु। मौत। कालिन्दी स्त्री० यमुना। जमुनामदी। कल्पनिक त्रि० कल्पित बनावटी। काव्य न० कविका काम। शायरी। काश पु० रोगमेह। खांसी। दुष-मेह। कास। काशी स्त्री० एक नगरी वाराणसी बनारस। काष्ठ न० इन्धन। दारु। लकड़ी। काष्ठकीट पु० घुन। काठका कीड़ा। काष्ठा स्त्री० विशा। पर्यवसानहत्। कास पु० रोग मेह। खांसी। कासग्री स्त्री० कण्टकारी। कटरी। कासार पु० सरोवर। तालाब। किवदन्ति स्त्री० जन्मभुति। भक्तवाह। कहायत। किङ्कुर त्रि० भूस्य। लौकर चाकर। किञ्च न० भारम्भ। समुच्चय कुछ बीर। किट्ट न० मल। कीट। कितव पु० जुमारो। भीष। घूर्त। किन्तु अ० परन्तु। लेकिन। किन्नर पु० गवैया। किम् अ० प्रश्न निवेद्य। क्या वितर्क

कवर पु० न० अमल। कष्ट। सुरश।
लवण।

कवर्ग पु० क ख ग घ ङ।

कवल पु० प्राप्त। गस्तालुकमा
कवाट न० कियाद

कवि पु० कविताकरनेवाला शायर

कविका स्त्री० खलीन। लगाम

कयोष्ण न० कुलगर्भ

कया स्त्री० कोडा चाबुक। हटर

कश्मल न० सूखो। मोह। पाप। मील

कश्मीर पु० एक देशका नाम

कृपाय पु० राग। क्रोध। रसमेव

कथाय काढ़ा।

कष्ट न० पीडा। घ्यया। दर्शितकलीफ

कस्तूर पु० न० राग एक धातु

कॉस्य न० कांसा। फूल

काक पु० कीमा। काकपक्षी

काकली स्त्री० मधुर शब्द। मीठी

भाषा। [२० कौड़ी।

काकिणी स्त्री० पैसेकाबीचामाग।

काकी स्त्री० कौयणी स्त्री। बीयसी

काकुद न० तालु। तलुमा

काकुता स्त्री० इच्छा। चाह

काच पु० काच। एक धातु

काचलवण न० शोरा। कालानिमक

काश्चन पु० सोना। मागकेपर

काश्चनलपु० कोचिदार कबन

काष्ठी स्त्री० सगेड़ी एक मगर

काण पु० कामा। काक। कौवा

काण्ड पु० न० स्तम्भ गुहा। डाली

मिर्जन स्याम [करेखा

काण्डीर पु० तोरवाज। मर्जी

कातर त्रि० अधीर। व्याकुल।

भीत विषय

कादचित्क त्रि० कमी रहनेवाला।

कानन न० घन। घर

कानीन पु० विनाव्याही कासस्तान

कर्ण। व्यास। ईसा।

कान्त पु० सूर्यकान्तमणि। मनोहर

कान्तार पु० जंगल। डण्डव। बड़ा

घन कटिनमार्ग

कान्ति पु० शोभा। दीप्ति। चमक

कान्दविक त्रि० हलवाई। मिष्टकार

कापटिक वि० कपटसे काम करने

वाला

कापय पु० कुमार। सुरास्ता

कापुरुष पु० मिन्दित पुरुष। बुद्ध

मादमी

काम न० शुक्र। वीर। विपदेच्छा

कामदार पु० स्वेच्छानुकूलकरवा

जैता चाहे पैसा करना।

कोककुटिक पु० पाखंडी । दम्भी
कोतुक न० इच्छा समाशा
कोतुहल न० कोतुक । तमशा
कोपोन न० छद्मोट । छद्मोटी पाप
कोमुदी स्त्री० खादनी ।
कोशल्या स्त्री० रामकी माता
कोशिक पु० विभ्यामित्र । ठल्हू।
कजांकी
कोशेय त्रि० रेशमी वस्त्र ।
कहु पु० यष्ट । सङ्कल्प । इन्द्रिय ।
क्रान्दन न० रोमा । मांसू बहाना
क्रम पु० नियम सिद्धासद्धा, पांच
रचना

क्रमुक पु० सुपारी ।
क्रमेल पु० ऊँट । ऊँठ
क्रय पु० मोलकेना । खरीदना
क्रयिक पु० खरीदार । व्यापारी ।
क्रय्य त्रि० खरीदनेके योग्य वस्तु
क्रय्य न० कथामांस । आममांस
क्रान्ति स्त्री० आक्रमण । खड़ाई
दवाना
क्रमि पु० छमि । कीड़ा । मफ्फीडा
क्रिया स्त्री० कार्य करना कर्म
क्रियाफल कार्यफल कामका मतीजा
क्रोडन न० परिहास, मखोल खेलना

कीत त्रि० खरीदाहु भा मोलछियाहुषा
कूर त्रि० कठिन, सफ्त, निर्धयदेरहम
कोय त्रि० खरीदने योग्य वस्तु
कोड पु० न० मङ्ग, गोद, एकटोहोना
कोध पु० कोप, गुस्सा, बुराई
कोधन पु० कोपन, गुस्सेपाज
कोश पु० रोना बुझाना, कोसभर
कोष्ट पु० जम्बुक, स्यार । गीदड़
कलान्त त्रि० धर्मित, महनवसे पुकी
किलन त्रि० आर्द्र, गीला, मीगा
कलीष पु० नपुसक, बलहीन
होडडा

कडेव पु० गीलापन तकलीफ
कडेय पु० बुद्ध, रोग, भविष्य
काय पु० काड़ा मोटी छातीवधार्द
क्षण पु० दस्तध, मेला, लहङ्गा
थोडा बक

क्षत न० भाव जखम
क्षत्र न पु० हिंसा से बचानेवाला
क्षत्रिय पु० राजस्य राजपूत, पालक
क्षपा स्त्री० निशा, रात्रि, रात
क्षपाकर पु० बन्दूक, खाँव
क्षपाट पु० रात्रसे, निशाघर बुझन
क्षमता स्त्री० योग्यता, क्षायकी ।
शक्ति

श्रुतधर्म त्रि० जिसने मेहनत की हो
श्रुतविद्य त्रि० जिसने विद्या में
अभ्यास किया हो ।

श्रुताञ्जली त्रि० हाथ जोड़े हुए ।
श्रुतार्थ जिसने काम कर लिया हो ।
श्रुतकार्य ।

श्रुत्य न० कार्य । काम ।

श्रुत्रिम त्रि० यनाघटी । मुतयन्ता
श्रुस्म न० सारा । पानी । कोख ।

श्रुन्तन न० काटना । छेदन ।

श्रुपण पु० मूल । कमीना । सुमे दीन

श्रुपाण पु० तलवार । छुरी । कैंची

श्रुपालु पु० दपालु । मेहरबान ।

श्रुपीट न० जल, पेट

श्रुमि पु० कीट । कीड़ा ।

श्रुश त्रि० थोड़ा । थुपला । महीन ।

श्रुयान् पु० भगि । भाग ।

श्रुयफ पु० किसान समय । खेचने

वाला । [वैश्यकर्म]

श्रुपि स्त्री० सेती । काश्तकारी ।

श्रुपिबल पु० किसान । काश्तकार ।

श्रुप्यपक्ष अश्वेरा पाख ।

श्रुप्यिका स्त्री० राई । राजसर्प ।

श्रुतन न० घरा झण्डा बिड़ । काम

केदार पु० जेत । ब्यारी ।

केयूर पु० बाजबन्द । बाहुमय ।

केलि पु० स्त्री० परिहास मखौन

केवल त्रि० एक । अकेला ।

केश पु० कच । घाळ

केशवेश पु० बालों की सजावट

कैकेयी स्त्री० भरतकीमा, दशरथ

परनी

कैतव न० छल । कपट । झुमा

कैरव न० चिह्न कमल । कुमुद

कैलास पु० एक पर्वत ।

कैवर्त पु० कहार । घोघर

कोकिला स्त्री० कोइल

कोट पु० दुर्ग । गढ़ । किला

कोटर पु० कोखल । घुसगुहा

कोण पु० कोन । खूँट

कोदण्ड न० धनुष ।

कोप पु० क्रोध । गुस्सा ।

कोमल न० मुद्द । नरम मुलायम

कोरक पु० न० कली कमलकीडण्ड

कोल पु० सूकर । सुगर

कोलाहल पु० शोर । गुल

कोविद पु० पण्डित । विद्वान्

कोषिकार पु० कचमाल । पिटारी

कोश-य पु० निधि, खजाना, म्यान

कोष्ठ पु० खाना, धनादिरक्षनेकापात्र

कविर पु० कट्या । कौरकी लफड़ी
कपोत पु० सूर्य । जुगनू पटवीजना
कनन न० खोदना । फाड़ना ।
कनिनी स्त्री० कान । कान
कनिन न० फाड़ना । कुदास ।
कर पु० गर्वम । गवहा । रासम ।
कर्जन न० झुजलाना झुजली करना
कजुं-जु स्त्री० कपड़ । झुजली
कर्व पु० छोड़ा । बीना कुम्हा ।
कल त्रि० बुद्धिबोध । मन्त्र, मलनेका
-स्थान ।

कलति पु० गजा । आयवाला ।
कलि पु० तिलतयासरसोंकोमसार
कलि-स्त्री-न पु० न० लगाम-कविका
कलिनी स्त्री० मन्त्र गाहनेकी मगह
कलिहान । [कारण ।

कलु म० निश्चये । मझ । इच्छा ।
कलेकपोत पु० जैसे कलिहान में
एकसाथ कबूतर भाकर दूदते
हैं वैसेही सब विशेषणों की
प्राप्ति । एक व्याय ।

कल्या स्त्री० जहाँ बहुत कलिहान
रक्खे जाते हैं ।

कल पु० सरलपदा मलनेका पात्र
सवाप्य न मोक्ष । जलकण

कसकस पु० पोस्त । मफ्रीम
कलिक पु० लाजा । खील ।
कासक पु० परिष्कार । काह ।
कात्क पु० शूणी कर्जदार खानेवालों
किन्न त्रि० दीर्घयुक्त बुद्धिमानों
सर पु० पशुओं का खुर । काह
आदि का पाधा ।

खेसर पु० पक्षी । सूर्य आदि ग्रह
खेद पु० शोक दिलकी घबराहट
खेय न० खार् । खोदने योग्य
खेलन न० कीड़ा । कीड़न । खेलनों
खेला स्त्री० कीड़ा । खेलना
ख्यात त्रि० प्रसिद्ध । कथित । मशहूर
क्याति स्त्री० प्रशंसा । स्तुति । तारोक्त
क्यापक त्रि० प्रसिद्धि करनेवाला ।

(ग)

गगन न० आकाश । आसमान ।
गगनेसर पु० सूर्य आदिग्रह ।
गङ्गा स्त्री० नदी विशेष ।
गङ्गनधर पु० समुद्र पुराणमें शिव ।
गङ्ग पु० हस्तीहाथी । माठकी संख्या
गङ्गदन्त पु० गणेश । सम्बोद्ध ।
गङ्गानन पु० गणेश । सम्बोद्ध
गणक पु० गणितज्ञ । उपोत्तिपी
गणिका स्त्री० देश । रङ्गी

समा खी० तितिक्षा, सहजशीलता
माफी

क्षय पु० नाश, खासीका रांग घर
क्षर पु० मेघ, घाघल

साधन न० क्षत्रिय का काम
क्षान्ति स्त्री० विसिद्धा, क्षमा, सद्यः,
संसारमा

श्रीम त्रि० क्षीण, दुर्बल, कमजोर
शार पु० खारी, लुनखरा, काख
क्षालित त्रि० साफ, घोया हुआ
क्षिति स्त्री० भूमि, पृथिवी, जमीन
निवास

क्षितिपति पु० महोपास्यसि क्षितीश
क्षिति० फेफाग्या मेजाग्याफैसा
क्षिप्र न शीघ्र बद्धी ।

शीर्ष वि० पुर्बल्ल । कर्मजोरा कृष्ण
शीर्ष न० पुर्बल्ल । दृष्ट । पयः । पामो
क्षेत्र वि० अल्प । नीच । सुम ।
मिर्दय पोडा ।

शुभा स्त्री० भूख । भूखफालगमा
शुभार्य त्रि० भूख से पीड़ित ।

मूत्र से व्याकुल ।
सुप्ति त्रि० मूत्रा । सुपायक ।

धूमिल त्रि० व्याकुल । दया दया
मया दया ।

सुर पु० सुरा । पशु सुर
सुर पु० सुरा । पशु सुर

शेष पु० निम्न, बहद्वकार । वेरी,
 शेषक त्रि० फँकनेवाला । मिलावेद,
 शेषणं म० प्रेरण । फँकना ।

क्षेपिष्ठ त्रि० शीघ्र चलने वाला ।

क्षेम म० कुशल । श्रीरियत ।

श्रीम पु० घणरावट । हलवल ।

साह न० शहद ! मधु

शारङ्ग-बाहु भुवनवान् । द्विजामत
(म)

(ख)

जग पु०सूर्य पक्षी वायु। चन्द्रादि ।

संगोल पु. आकाश १ आसमान।

अधर पु० भाकाशर्मे चळनेयाळ।।

सुयोधि । १२ १६ -

सचिपि वि० अङ्गानुभाषे घातुभाष्ये

सम पु० री० दधि : करछी , समबा

[illegible]

सदृश स्त्री० आद । चारपाई ।

अथ पुनः संलक्ष्य गौरीकासीं गतः ।

सङ्कलितं पु० तलवारकाम्यामदकला

अथ सु० म० भेदः दुःखं चार्थः

अण्डम म० ताड़ना ! फाड़ना
मिफाळना शिष्या

अष्टित त्रि० फोड़ा गया । लोड़ा

चित्रय पु० भाग चिता
चित्र म० नक्षत्रीर मूर्ति नक्षत्रा
चित्रमंड पु० पारायन कपूतर
चित्रफार पु० तसयीर धन मेयाला
चित्रकूट पु० एक पर्वत क नाम
चित्रपट पु० रङ्गविरगाकपडामूर्ति
चित्रपाद स्त्री० सारिका मेमा
चित्रमानु पु० अग्नि सूर्य भाक
चित्राङ्ग पु० शरतनु रजाक पुत्र
विचित्रय य का माई
चिन्ता स्त्री० सोच काम
चिन्मय पु० चैतन्यस्वरूप इश्वर
चिरम् अ दीर्घ । बेरीसे
चिरक्रिय त्रि दीप्तसूत्री सुम्न
चिरदा स्त्री० सुधास्त्र । जयाममौरत
चिरदत त्रि प्राचीनचिरन्तनपुराणा
चिरन्मनस्त्रि प्राचीनपुरातनपुराणा
चिदायुस्त्रि बहुत समय तक
जीनेवाला [सौरा
विमर्द स्त्री० कटघो फूट कचरा
चिल्ल प थोल नामक पक्षी
चिपुक न० लोडो
चिन्ह म० लक्षण मिश्रण
चीन पु० एकदेश महीन कपडा
चीत्काल पु० चीजना चिल्लाना

चीरन पु० घस्रनकाटकपट्टेकाटुकड़ा
धीधर म० मिश्रक वस्त्र कापान ।
छंगोटी । [शुम्भक पट्टर
शुम्भक पु० मयस्कागतमणि ।
चुरा स्त्री० तस्करता चोरी
शुलुक पु० निपिडपङ्क बहुतकोच
शुल्लि-ल्ली स्त्री० चूल्हा शूल
चूड़ा स्त्री० छोटी अटाजूड़ [मणि
चूड़ामणि पु० शिरोरत्न शिरकी
चून पु० मात्र भाग [दूई दवा
चूर्ण पु० चून पिसा घन्तु पिसी
चूर्णक पु० चूरा फूटा हुआ
चूर्ण त्रि० चूसने योग्य वस्तु
चेट पु० दास नौकर खेंदक
चेत् म० यदि अगर ।
चेतन पु० आत्मा । ईश्वर । कह
जीवधारी
चेतनफी स्त्री० हरीतका । हरद
चेतना स्त्री० सुध । बुद्धि समझ ।
चेतस्त्र म० चित्त । दिल ।
खेल म० यत्न । कपडन ।
खेष्टा स्त्री० चलन । हरकत प्रयत्न
खेतम्भ म० खेतना । होश मे होना
खेत्र पु० एकमासका नाम । घेत
खैर पु० शिशुपाल

चपेट पु० चपेटा, चप्पट, घोल
 चमत्कार पु० लोकातीत वस्तु
 १ अजीब चीजको बेलकर वस्त्रय
 आश्चर्य
 चमर पु० चोरी, चीवर
 चमस पु० न० चमचा
 चम्पक चमेली ।
 चम्पू स्त्री० गद्यपद्य मिश्रितकाव्य
 चय पु० इकट्ठा करना, गौट, समूह
 चयन न० चीनना, इकट्ठा करना
 चर पु० गुप्त दूत, प्रणिधि आसूच
 चरण न० पु० पैर, जाना खाना
 चरम त्रि० अग्रसान, भाषिणी [जगत्
 चराचर चलने और न चलने वाला
 चरित त्रि० स्वभाव, चालचलन,
 लीला कथा [यत्ना,
 चरित्रपु० चालाक, चर उधर धमने
 चर्चास्त्री० विचार, बातचीत चिन्ता
 चर्मकार पु० चमार, चमड़े का काम
 करने वाला
 चर्म न० चाल, चमड़ा
 चर्मपादुका स्त्री० चमड़े का जूता
 चला स्त्री० चलने वाली, लक्ष्मीधन
 चलाचल त्रि० अत्यन्त चलने, फाफ
 कौया ।

खाटकेर पु० चिह्नियाका पद
 चटु पु० [प्यारा वचन। प्रियवा
 चाटपट पु० कुशामदी,
 चाणूर पु० कस का पहलवा
 चाण्डाल पु० मंगी, श्यपच
 चातक पु० पपीहा
 चातरी स्त्री० चतुराई, होशिया
 चाप पु० धनुष फमान
 चापल न० अनवस्थान वैकुण्ठ
 चामीकर न० स्वर्ण, सोता, घने
 १२ पु० गुप्त दूत, आसूच
 चारण पु० यशको फैलाने वाला
 चारु पु० मनोहर सुन्दर
 चालमी स्त्री० चलनी
 चाप पु० नीलकण्ठ
 चिकित्सक पु० वैद्य हकीम डाक्टर
 चिकित्सा स्त्री० इलाज
 चिकुर पु० केश, बाल
 चिकण त्रि० गुलाब चिकमा
 चिच्छक्ति स्त्री० चेतनता
 चिच्छा स्त्री० इसलीका कृष्ण
 चित त्रि० इकट्ठा किया हुआ
 चिति स्त्री० चिन्ता। समूह सुनने
 चित्त न० मन बुद्धि दिल
 चित्तपिक्षेप स्त्री० मनोविकार

चित्र पु० आग विता
चित्र म० तसवीर मूर्ति नक्शा
चित्र कंठ पु० पारावत ववृत्त
चित्रकार पु० तसवीर बन मेयाला
चित्रकूट पु० एक पर्यंत क नाम
चित्रपट पु० रङ्गविरगाकपद्मामूर्ति
चित्रपादा स्त्री० सारिका मैना
चित्रमानु पु० अग्नि सूर्य भाक
चित्राङ्गद पु० शक्तनु रजाक पुत्र
चित्रात्रपय का माई
चित्रा स्त्री० सोय फक
चित्रमय पु० चैतन्यस्वरूप इश्वर
चित्रम् अ० दीर्घ । बेरीसे
चित्राक्षि त्रि दीप्तसूत्री सुस्म
चित्रादी स्त्री० गुणास्त्री कथानमौरत
चित्ररत्न त्रि प्राचीनचित्रस्तनपुरामा
चित्ररत्नत्रि प्राचीनपरातनपुराना
चित्रायुध त्रि पद्म समय तक
चित्रनेपाला [खीरा
चित्रादी स्त्री० कण्ठो फूट कथरा
चित्रल प चोल नामक पक्षी
चित्रुक न० ठोड़ी
चित्र न० लक्षण मिशाम
चीम पु० एकदेश महोम कपडा
चीत्काल पु० चीकना बिस्लाना

चीरन पु० यस्त्रसङ्कपट्टेकाटुकडा
चीवर न० मिशुक वस्त्र कापान ।
जींगोटी । [शुम्भक पट्टार
चुम्पक पु० मयस्कान्तमणि ।
चुरा स्त्री तस्करता चोरी
चुलुक पु निषिष्टपङ्क बहुतकोष
चुल्लि-ल्ली स्त्री० चूल्हा चूल
चूडा स्त्री० छोटी अटाजूटमणि
चूषामणि पु० शिरोरत्न शिरकी
चून पु० माघ्र भाम [हुर दया
चूर्ण पु चून पिसा वस्तु पिसी
चूणक पु चूरा फूटा हुआ
चूष्य त्रि० चूसने योग्य वस्तु
चट पु० दास गीकर सेवक
चेत् अ० यदि अगर ।
चेतन पु० आत्मा । ईश्वर । ऊह
जीवधारी
चेतनकी स्त्री० हरीतका । हरद्व
चेतना स्त्री० सुध । बुद्धि समझ
चेतस्म चित्त । विठ ।
चेले न० घाल । कपडन ।
चेला स्त्री० खलम । हरफत प्रयत्न
चेतम्य न० चेतना । होश मे होना
चेत्र पु० एकमासका नाम । चैत
चेध पु० शिशुपाल

खोदना स्त्री० उपदेशा नसीहत
 खोद्य न० प्रज्ञासवाल पूर्वपक्ष
 खोर पु० नस्कर । खोर
 खोल न० खोसा । खोला । एकदेश
 खोली स्त्री० कचुक । अंगिया
 खोप्य स्त्री० खुसने लायक
 खोल न० खुदाकर्म । मुद्बन
 खयधन न० धीरे २ खूना । टपकना
 खपति स्त्री० करना । गिरना ।

(छ)

छगल पु० छाग । बकरा
 छटा स्त्री० वीति । समक प्रकाश
 छत्र पु० छाता । छतरो । सोयेका शाक
 छदि पु० पटल । छात । छत
 छद्यतापस पु० छलो तपस्वी
 छद्यन् न० छल । कपट । धोखा
 छन्द पु० इच्छा । चाह । अमिलाय
 छन्दस् न० गायत्री भादि छन्द ।
 इच्छानुसार

छन्न त्रि० आच्छादित ढका हुआ
 छर्जन पु० धमन । नीमका वृक्ष
 छर्दी स्त्री० धमन होना कै
 छल न० शाठ्य । कपट । शरीरत
 छलना स्त्री० परधन्यम दूसरेको
 ठगना

छयि स्त्री० शोभा । कान्ति धमन
 छाग पु० छागल । बकरा ।
 छात त्रि० कटा हुआ छिन्न दुर्ब
 छात्रपु० विद्यार्थी तालिबान्मशि
 छादन न० ढाकना । कपडा
 छाया स्त्री० छपका न होना धम
 छिन्ना स्त्री० छोक
 छिल्लर त्रि० पैरी । दुश्मन
 छिविर पु० कुठार । दुब्दा
 छिदुर त्रि० पैरी । दुश्मन
 छिन्न न० छेद । दूषण । घेय
 छुरिका स्त्री० छुरी । चाकू [ध्वज
 छेकोकि स्त्री० पेशदारध्वज । देहा
 छेद पु० काटना तोड़ना कोटनेवा
 छोटिका स्त्री० छुटकी

(ज)

जगत् पु० संसार । दुनिया
 जगत्प्राण पु० धायु । हवा
 जगतोत्पत्ति० पृथिवी । भुवन दुनिया
 जगदाधार पु० ईश । धायु
 जगन्नाथ पु० संसारका स्वामी ईश्वर
 जग्घ त्रि० धाया हुआ । जालिया
 जग्घि स्त्री० भोजन । खाना
 जघन न० कमर । जांघ
 जघन्य त्रि० नीच । अधम

जङ्गम त्रि० खलमेवाला । खलम
शक्तिसमन्यत
जङ्गल न० एकांस्त । तनहा
जङ्गा स्त्री० जाघ
जटिलपु० जटावाला । सिंहप्रसन्नवारी
जठर न० उदर । पेट । कुक्षि
जडत्रि० मूर्ख । मूक । गंगा । येवकूफ
जनु न० लाख । लाक्षा
जन पु० पुत्र । लोग । भावमी
जनक पु० पिता । बाप । फावर
जनकसुता स्त्री० सीता । जानकी
जनता स्त्री० जन समूह । मनुष्योंकी
मीड ।
जननी स्त्री० माता । मम्मा । मावर
जनपद पु० देश । मुल्क
जनमजय पु० परीक्षितराजाका पुत्र
जनभूति स्त्री० किंवदन्ती । कहावत
जनस्यजनन० लोगोंके रहनेकी जगह
जन्तुपु० प्राणी । प्राणवाला । शीष
जन्म न० उत्पत्ति । पैदाइश
जन्ममंस् पु० जन्मका महीना
जन्मान्तर ग० दूसरा जन्म
जन्माष्टमी स्त्री० धीठण्णजी के
जन्म की तिथि । भाद्रपूणा
जन्म ति० ५

जप पु० बारम्बार मन्त्रकी धीरे-धीरे पढ़ना
जमदग्नि पु० परशुराम के पिता
जम्पती पु० पुरुष स्त्री । पतिपत्नी
जम्बाल पु० पङ्कतीखंडकी ख
जम्बु-म्बु स्त्री० आम्रका वृक्ष
जम्बुक पु० गीदड़ । स्यार
जय पु० जीत । फतह
जयदत्तका स्त्री० जीतकी मुनादी
जयद्रथ पु० दुर्योधनकी बहिन
का पति
जयन्ती स्त्री० पताका । झंडा
जयपत्र न० जीतका पत्र । फतहनामा
जया स्त्री० हरीतकी । त्रिपुलपैह
जरठ त्रि० कठोर । जीर्ण । बूढ़ा । बृद्ध
जरत् त्रि० पूर । बूढ़ा । जर
जरन्त पु० भैंसा । बूढ़ा
जरा स्त्री० बुढ़ापा । बुढ़ावस्था
जरसंघ पु० बृद्धप्रयका पुत्र एकराजा
जजर पु० न० बूढ़ा । फटाहुमा
जल त्रि० मूर्ख । उदर । पाना
जलकण्टक पु० सिंघाड़ा
जलसर पु० जलजस्तु पानीका जीव
जलज पु० पानीमें उपजीवस्तु । कमल
जलद पु० मेघ । बावळ

जलधि पु० समुद्र । सागर
जलमिधि पु० समुद्र । सागर
जलनिर्गम पु० पानीका निकास
जलप्राय न० अहा बहुत पानी हो
येसा स्थान

जलयुद्धपुद्ग न० पानीका बुलबुला
जलमार्ग पु० प्रणाली, मोरी, नाली
जलमुख पु० मेघ । बाबल
जलव्यालपु० पानीमें रहनेवाला साँप
जलहास पु० झग । फेन
जलायत्तपु० पानीका घूमना । भँवर
जलका स्त्री० ओक । जलजन्तु
जलक्षरपु० पानीमें रहनेवाला जीव
जलेश्वर पु० समुद्र । सूर्य
जलीका स्त्री० ओक

जल्पपु० ब्यातागप्प बकबाद [बादी
जल्पाकपु० बहुतघोलनेवाला बक
जयनिका स्त्री० कनात । पर्दा
जयसत० जबासा ययस घासयिशोय
आगर पु० आगना, नींदकातही होना
जागरित त्रि० जगाहु भा. खतुर
आगर्ष्या स्त्री० आगरण । आगना
आम्रत त्रि० आगा हुआ [घाला
आकूल त्रि० मनमें होनेवाला । रहने
जातत्रि० प्रकट, जन्म, पैदाइश प्रशस्त

जातवेदस् पु० भगिन । अग्नि
आति स्त्री० अग्न । अग्नि । पैदाइश
अतिफल न० जायफल
जातु न० कमी । नि सन्वेद
जातुप त्रि० लाख से बना घस्तु
लाख की चीज
जातेष्टि स्त्री० जातकम संस्कार
जात्य त्रि० कुनीत । जानवानी
जात्यन्ध त्रि० जन्मका भन्धा
जानकी स्त्री० जैनककी पुत्री । सीता
जानपद पि० देशका, देशसे आया हुआ
जातु न० घुटना । गोड़
आमदन्य पु० परशुराम [जमा
आमात पु० जामाता । दामाद
जामि स्त्री० स्त्री । औरत
आयाजीन पु० जो स्त्रीके भरोसे
जीता है । नट
जायु पु० भीषण । दया
जार पु० उपपत्ति । पार
आरज त्रि० कुण्ड । हरामी
जाल पु० पाश । जाल [भीमर
जालिक त्रि० बागुरिक शिकारी
जाल्म त्रि० पामर नीचा, बेरहम
जाह्नवी स्त्री० गङ्गानदी
जिगीषा स्त्री० जीतनेकी इच्छा [घाला
जिह्वासु पि० जाननेकी इच्छा करने

जितत्रि० जीतलिया। जीत[को जीता है
जिते० द्वयत्रि० जिसने अपने द्वित्रियों
जितवर त्रि० जयशोल, जीतनेवाला
जिष्णु पु० जीतने वाला शूर, धीर
जिह्व त्रि० कुटिल मन्द खोटा
सिहवा स्त्री० जीम, रसना
जीम त्रि० वृद्ध। बूढ़ा।
जीमूत पु० मंघ। बादल
जीर पु० जीरक। जीरा
जीर्ण त्रि० पु० राना वृद्ध, बुढ़ा पका
जीर्णोद्धार पु० मरम्मत।
जीव पु० जीवात्मा। ऊँ
जीवन न० जीना। उम्र [जीकरी
जीवनहेतु पु० जीने का सदवामृति
जीवनी स्त्री० हरीतकी, गुहूची [राज्ञी
जीविका स्त्री० जीवन का साधन
जुगुप्सा स्त्री० मित्रा बदनामी
जुटिका स्त्री जूठा। खोटी
जुट न० जूठा सेवित [बलना
जुति स्त्री० बलसे बलना जोरसे
जुति स्त्री० श्वर। बुकार। ताप
जूमन पु० जूमि का। जमुहार्द
जोमन न० मोमन। मशन। जाना
जोय त्रि० जीतने योग्य
जोत्र त्रि० जीयशील, जीतनेवाला पारा

जिन पु० जिन का उपासक [साकार
जैमिनी पु० ज्योतिषका शिष्यामीमा
जोपम् अ० सुख प्रशंसा, सुपचाप
जोषा स्त्री० नारी। स्त्री। औरत
जोषित् स्त्री० स्त्री। औरत
जोषि स्त्री बुद्धि भक्क, जानना
जाति पु० सपिण्ड वंश जानवान
जान न० जानना, समझना।
जानसाधन न० जाननेका हेतु [न्द्रिय
जानापीह पु० विस्मरण। भूलना
जानेन्द्रिय न० भाँख, कान, नाक,
जीम त्यक् [भूमि
ज्यास्त्री० धनुष् का बिल्ला माता,
ज्यामि स्त्री० जीर्णता बूढ़ापन, हाँमि
ज्यायस् त्रि० बहुत बूढ़ा बहुत बड़ा
ज्येष्ठ त्रि० अतिवृद्ध। वड़ा [धर्म
ज्येष्ठाधम पु० गृहस्थाधमयज्ञाभा-
ज्योक् अ० सम्प्रति भय अन्व प्रभ
ज्योतिर्विदपु० जोतिपी, वैद्यकमजर्मी
ज्योत्स्ना स्त्री० कौमुदी। चांदनी
ज्योतिष्क पु० ज्योतिपी मज्जमी
ज्वर पु० बुकार, ताप जूति
ज्वरपु पु० ज्वर का भास करनेवाला
गिलोप
ज्वरितत्रि० ज्वरवाला, बुखारवाला

ज्वलन पु० ध्वनि । आग । बाह जलन
ज्वलित त्रि० दग्ध । दीप्त । उज्ज्वला
धमकीला ।

ज्वाल-ला पु० स्त्री० अग्निकीलपट
ज्वालामुखी स्त्री० घट्ट पहाड़ जिस
में से आग निकले ।

(ऋ)

क्रम्भा स्त्री० एक प्रकारकी ध्वनी
घड़ी हवा

क्रदिति अ० शीघ्र, क्रट, उत्सोषक

क्रम्प पु० कूचना

क्रर पु० क्रूरमा

क्रल्लक पु० न० मजीरा

क्रल्लरी स्त्री० ढोल

क्रप पु० मत्स्य मछली ।

क्रामक न० क्रामागुप्त यफोहुरईट

क्रिली स्त्री० कौशुर

क्रुएट पु० क्राडी । स्तब्धक

(ट)

टकु पु० कोषाकोष । तरवार छेनी

टकुक्पु० राजतमुद्रा चित्रीकाक्षया

टंकन पु० सुहागा

टिटिम पु० टिटिहवा, पक्षी

टिप्पणी स्त्री० टीका । नोट

टीका स्त्री० तिलक, वृत्ति, मंथ

ठक्कुर पु० ठाकुर । चौधरी

ठमर पु० डोह, एक बाजा

ठल्लक न० टोकरा, डला

ठिम्य पु० शिशु यक्षा भण्डा

ठिम्य पु० शिशु, यक्षा, मूर्त

डोन न० उदना ।

(ढ)

ढक्का स्त्री० ढोल, ढालक ।

(त)

तक न० मरुठा छाछ चौधामाग

तक्षक पु० घड़ा । तर्जान, कारी

तच्छोल त्रि० उस स्वमाय बा

तट त्रि० कुल । किनारा । [पास

तटस्थ त्रि० तीरका । किनारेव

तडाग पु० तालाब । ताल । स

तटिनी स्त्री० नदी । दरिया ।

तडाग पु० सरोवर । तालाब

तडित् स्त्री० पिजली । यिष्ट

तण्डुल पु० चावल ।

तत् अ० हेतु । इसलिए

तत त्रि० फैला हुआ, घिरा हुआ

ततस्थ त्रि० घड़ा होनेवाला, घ

तति स्त्री० पक्षि । भेणी क

तत्कालपु० उसी समय वर्तमान समय
तत्क्षण पु० उसी समय । उस वक्त
तत्त्वम० सचाई । स्वरूप । मसलीयसु
तत्त्वज्ञान न० यथार्थ ज्ञान सच्चाज्ञान
तत्पर त्रि० उसमें लगा हुआ उसीमें
फँसा हुआ ।

तत्र म० उसमें । वहाँ । उस समय ।
तत्रत्य त्रि० वहाका, के, की
तत्रभवत् त्रि० पूज्य मामनीय हजूर
तथा म० उसी तरह । वैसेही,
तथाच म० जैसाकि उसपरमो ।
तथाहि म० निदर्शन दृष्टान्त । जसाकि
तस्य न० सत्य । सच । यथाय
तद् त्रि० यह । पहिले कहा हुआ ।
तदा म० उस समय । तब
तदानीम् म० उस समय तब ।
तद्वत् त्रि० उसी में लगा हुआ ।
तद्वत् त्रि० जिसका वही धन है सम
तद्वत् पु० उसको लिए हित करने
वाला । व्याकरणमें एक प्रत्यय ।
तद्वत् म० उसको सङ्ग उसको तरह
तमय त्रि० सम्यक्ता । भाग्य । [पाशोक
तनिमन् पु० छोटे का होना छुटाई
तनु-नस्त्री० देहाशरीर जिसमें कृश
तनुत्रि० शरीरसे उपजा पुत्र, वेदा

तनुच्छाया स्त्री० शरीरकी छाया ।
तनुत्र म० कवच । बखतर सनाह ।
तनूनपात् पु० भाग्न । भाग ।
तनुकह न० बाल । रोम । [सूत्र सूत
तन्तु पु० सस्ताम । मौलाद ।
तन्तुनाम पु० मकड़ी ।
तन्तुवाय पु० कोरी । झुलाहा ।
तन्तुयिमह पु० कढ़ी । केड़ा ।
तन्तुशाला स्त्री० कपड़े बनाने का
मकान
तन्तुसन्तत त्रि० मिया हुआ धातु ।
तन्त्र न० सिद्धांतार्थसला । मोपय
तन्त्रक न० नवीन वस्त्र । नया कपड़ा
तन्त्री स्त्री० गिलोय । नितार ।
तन्त्री स्त्री० प्रमीला । मालस्य ।
ऊँचना । [निद्राशाला
तन्त्रालु त्रि० बहुत सोनेवाला
तन्मय त्रि० धी धैसाही । तद्रूप
तन्मात्र त्रि० धी । उसी शकलका
तन्मो स्त्री० मासुक स्त्री । पतली
कमरवाली । [चापाद
तप पु० मोघ्य । गर्मी । झेठ और
तपन पु० सूय । ताप । गर्मी खुबक
तपस्या स्त्री० तपकरण । तपका
करना । [करनेवाला
तपस्विन् त्रि० तापस । तपस्या

तपस्विनी स्त्री० तप करनेवाली ।

वीन स्त्री । [तपही धनही

तपोधन त्रि० तपोधन । जिसका

तपोधन न० तपस्या का धन ।

तमस् न० अँधेरा । तमोगुण ।

तमस्विनी स्त्री० रात्रि । रात ।

तमाल पु० एकवृक्ष तलवार ।

तमिमी स्त्री० अन्धेरीरात [रात

तमिस्र न० स्त्री० अन्धकाराँधेरी

तमिस्रपक्ष पु० अन्धेरा पक्षवाड़ा ।

तमोष्ण पु० सूर्य । अग्नि चाँद ।

ईश्वर ।

तमोपह पु० सूर्य । अग्नि/चाँद/आम

तरङ्ग पु० वृक्ष । मेढिया ।

तरङ्ग पु० ऊर्मी । लहर ।

तरङ्गिणी स्त्री० लहरावाली नदी ।

तरण पु० न० टोंगी । पार आना

तरणि पु० डोंगा नाव, सूय

तरपराय न० नदी आदिके पार

आने का कर महसूल ।

तरल पु० चपल । घमकीला

गोली खोज ।

तरयारि पु० तरयार तलवार ।

तरसा भ० भ्रष्टि/ति/वधुत शीघ्र भट्टा

तरुण्य पु० वृक्षोंका समूह [ताजा

तरुण पु० युवा । अवान । मृतन ।

तर्क पु० न्याय । झुलील । आत्म

को इच्छा ।

तर्क पु० तर्कला । तर्कशा [अ गुली

तर्जनी स्त्री० अँगूठे के पास की

तर्ण पु० घटस । प्यारा । गीका

यक्ष

[पितृयक्ष ।

तर्पण न० प्रसन्नकरना खुशकरना

तप पु० अभिलाष । चाह । तुष्णा

तर्हि भ० तदा । तब । तो । धन

तल पु० न० सीचेका भाग । खपेट

तलप्रहार पु० थप्पड़ मारना ।

खपेट । आघात ।

तलित न० तलाहुआ । [हवा

तलुन पु० खदान । पट्टा । घायु

तल्प पु० न० शय्या खाट द्वारा स्त्री

तल्लज पु० प्रशस्त । बहुत अच्छा

तप त्रि० छोटा किया गया ।

छोटा गया ।

तस्कर पु० चोर डाकू सडाईगीर

ताडनी स्त्री० कशा । कोड़ा । चाबुक

ताण्ड्य न० मरनुत्थ । मनुष्यका

नाच

[नाच प्यारा हो

ताण्ड्यप्रिय पु० जिसे मनुष्यका

तात पु० पिता । प्यारा दयायोग्य

तात्पर्य न० भाष्य/मतलब/निबोध

तादात्म्य न० वसी स्वरूपका होना
 भवेत् ।
 तादृक्ष त्रि० तैसा । उस जैसा
 तान पु० कमलकी ताँत छम्बी
 भाषाज्ञ [जामनेवाला
 तान्त्रिक त्रि० तन्त्रशास्त्रको
 ताप पु० सन्ताप । शोक गर्मी ।
 दुःख । मुश्किल [तमारूपत्र
 तापस त्रि० तप करनेवाला ।
 तामरसन० पद्म । कमल सोना
 धतूरा [महद्वार
 तामस त्रि० भविष्य । येसमझी
 तामिस्र पु० जिनमें मन्त्रकारहो
 ताम्बूल न० पान । नागवल्लीपत्र
 ताम्बूलकरङ्क प० पानदान
 ताम्बूलिक त्रि० तम्बूली पानका
 व्यवहार करनेवाला
 ताम्र न० ताँबा । लालरङ्ग । मद्य
 ताम्रकार पु० छतेरा । ताँबेका
 काम करनेवाला
 ताम्रचूड पु० कुम्भकट मुर्गा ।
 ताम्रपद न० ताँबे का पटल ।
 पट्टी-पटला [करनेवाला
 ताम्रिक पु० ताँबेका व्यवहार
 तार पु० म्रेण मेजना । तार

तारक पु० केवट । मस्लाह
 - , भाँखकी पुतली ।
 तारकित न० तारोंवाला भाँकाश
 तारतम्य न० न्यूनाधिक सिलसिला
 तारापति पु० चन्द्रमा । चाँद
 तारापथ पु० भाँकाश । भासमान
 तारापीड पु० एक राजा का नाम
 - कादम्बरी में
 तार्किक पु० नैयायिक । मन्तकी
 ताल पु० ताड़वृक्ष । ठालीकजाना
 ताला ।
 तालक न० ताला हस्ताल
 तालु न० तालु । तलुमा । जीम ।
 तामत् न० तबतफाउतना भयविह्व
 तिक पु० धरपरा । तीखा [चस्तु
 तिग्म त्रि० तीक्ष्ण । तेज । तेज
 तिग्मरश्मि पु० सूर्य । सूरज
 तित्त पु० चलनी । खालनी
 तितिक्षा स्त्री० सहनशीलता ।
 सहना [सहनेवाला
 तितिसु त्रि शीत भादि को
 तितिर पु० तीतरपक्षी
 तिथि-थी पु० स्त्री० तिथि-तारीख
 तिमि पु० मरस्य । मछली [गीला
 तिमित त्रि० मिश्रित । कायम ।

(थ)

थुत्कार पु० थुकते का। भाषाज
थथे अ० किसी बाजकी भाषाज
की नकल

(द)

दश पु० दस यम का मयका
दशन न० डसना। काटना। घम
दक्षिण त्रि० कवच पहनेहुए
दंष्ट्रा स्त्री० डाढ़ द तर्पिका
दक्ष त्रि० द्यतुर ख लाक कार्य
कुशल होगियार
दक्षिण पु० दहिना भा। सरल।
दक्षिणतत्त्व अ० दक्षिणकी ओरते
दक्षिणपूर्व स्त्री० अग्नि कोण भाग्येयी
दग्ध त्रि० मस्मीमून उछाड़ भा
दण्ड त्रि० लगुड। लाठी सजा
दण्डनीति स्त्री० कानून फाजदारी
दण्डपाठ्य अ० सजा में सखती
दण्डादण्ड अ० दण्डपट्टण्ड।
लहुम छह। लहुमाक [छाछमाक
दण्डहत न० दण्ड से मरा हुमा।
दण्डिन् त्रि० दण्डेगाटा सन्यासी
सजायार
दत्त त्रि० दिया गया, देना

दद्र पु० दाद एकप्रकारका रोग
दद्रु अ० मि० दादकी दूरकरनेवाला
औषध।

दधुष त्रि० दाद वाली।
दधु स्त्री० दाद। चर्म रोग
दधि न० दही, दूध विकार
दक्षिणार पु० नयनीत। मक्षण
दन्त पु० दाँत। रद
दन्तक त्रि० दाँत बनाने वाला
दन्तकण्ट न० दन्तीना दन्त धावन
दन्तच्छिष्ट पु० भोष्ठ, होठ भोठ
दन्तपायमन० दन्तीन दाँतोंकी सफाई
दन्तवोजक पु० दाढ़िम बनारकावृक्ष
दन्तालिका स्त्री० लगाम।
दन्तायन पु० हस्ती। हाथी।
दन्ति १ पु० हस्ती। हाथी।
दन्तर पु० घड़ेदातवाला
दन्तशूक पु० शर्प। साप।
दत्त न० दत्त। घोड़ा।
दम्पती स्त्री० मलराजाकी पत्नी
दम्पती पु० पति पत्नी। मियां धीयी
दम्प पु० छल। कपट घुतता, पाप
दम्प पु० वछड़ा। बीका चेल।
दया स्त्री० दया मेहरबानी
दयालु पु० कृपासु। मेहरबान

दयित पु० पति । प्याय ।
 दरिद्र पु० धनहीन । धीन । दुःखिया ।
 ददुर पु० पावल । मेंढक
 दधु स्त्री० दाद रोग
 दप पु० महङ्कार गहर गय । घमण्ड
 दर्पण पु० आवर्श । शीशा । मुकुर
 दर्भ पु० कुशा वाम
 दर्शक पु० देखनेवाला । दिखानेवाला
 दर्शन न० देखना । भाष
 दर्शनीय त्रि० देखनेकेयोग्य मनोहर
 दल न० पत्र । पत्ता पादल टुकड़ा
 दलित त्रि० प्रफुल्ल खिला हुआ
 दध पु० घन । जंगल । घनकोभाग
 दयधु पु० जलन । गर्मी
 दावाग्नि पु० घनकी भाग
 दधिष्ठ त्रि० बहुत दूर
 दशक न० दसकी गिनती । दहाई
 दशधाम-दसप्रकारसे । दसतरहसे
 दशान् त्रि० दसकी गिनती । दस
 दशन पु० दांत । कधच
 दशम त्रि० दसवां । [तिथि
 दशमी स्त्री० दशकोपूर्णकरनेवाली
 दशरथ पु० रामचन्द्रजी के पिता
 दशा स्त्री० दशस्याहालत, दीपक
 को दशी

दशेन्धन पु० दीपक, दिया ।
 दस्यु पु० चोर डाकू शत्रु, लोच
 दस्य पु० गर्दभ, गवहा ।
 दहन पु० भग्नि, भाग, वाह, जल
 दक्षिणाएय त्रि० दक्षिण का के की
 दक्षिणय न० अनुकूलता ।
 दाक्षी स्त्री० पाणिनिमुनिकी माता
 दाक्षीसुत पु० ध्याकरण के कृता
 पाणिनि
 दात्र न० काटनेकायन्त्र । हस्तिनी
 दान न० पालना । दाना । देना ।
 दानध पु० असुर । दैत्य । राक्षस
 दानधारि पु० हाथीके मदकी अल
 दानशील त्रि० देनेवाला । दाता
 दानशौच त्रि० देनेमें चतुर, गतिवन्ती
 दायित त्रि० साधित । साधायी
 दिलाया गया ।
 दायन स्त्री० न० दन्ती
 दायिमिक स्त्री० पाण्डवी छलिया
 दाय पु० पितादिकी दाँदने योग्य
 सम्पत्ति
 दायभाग पु० पैतृक धन विभाग
 दायद पु० हिस्सेदार । पुत्र
 दार पु० पत्नी । स्त्री । औरत
 दारक पु० पुत्र पुत्री । सन्तान
 दारकाम न० विवाह शादी

दाह न० काष्ठ । लकड़ी
 दाहजपु० बराबता भीषण, भयानक
 दाहसार न० चन्दन [काठडोकर
 दावापाट न० पु० काष्ठकूट
 दाघ पु० घन । घनको भाग भाग
 दावाभि पु० बगकी भाग
 दाश-न पु० खेवक । शीघर । शूद्र
 दाशरथ पु० दशरथका रामचन्द्र
 दाशरथि पु० दशरथके पुत्र राम
 दक्षमर्ग भरत राजपुत्र
 दाशार्ह पु० दाम देने योग्य
 दासेप पु० शूद्रकी सम्पत्ति
 दासेर पु० दालीका सम्पत्ति
 दाह पु० मस्तीकरण अलामा
 दाहक त्रि० अलामे वाला
 दिगम्बर पु० दिशाही जिसकेवल
 हैं सन्यासी [बाण होर
 दिग्घ पु० दिपमें छिपटा हुआ
 दिग्मात्र न० एकमोर । एकतरफ
 दिधिपु-पुपु० दूसरीबार विवाहीगर्ह
 कोका पति । द्वितीयवर्षकी
 दिधिपूखी० दूसरीबारविवाहीगर्ह
 दिन न० दिवस । रोज । हे
 दिनकर न० सूर्य सूरज
 दिनसय पु० दिनकी कमी

दिनपति पु० सूर्य । सूरज
 दिनमणि पु० सूर्य । सूरज
 दिनादि पु० प्रातः । सबेर। सुबह
 दिनाम्त पु० सायकीलाशामासांभ
 दितीपपु० सूर्यवंशीराजराघुकापिता
 दिव् स्त्री० आकाश । आसमान ।
 दिव न० आकाश । घन । अंगल
 दिवस पु० न० दिन वासर । हे
 दिवसमख पु० प्रभात । सुबह प्रातः
 दिवस्पति पु० सूर्य । सूरज इन्द्र
 दिवा म० दिवस दिन । रोज
 दिवाकीर्त्तिपु० नापित । मारि नौमा
 दिवातन त्रि० दिनमें होनेवालाकार्य
 दिवान्ध पु० दिनके अन्धेठल्लू ।
 चिमगावङ्क
 दिध्यगन्ध पु० जिसका मनोहर
 गन्ध हो गन्धक । लौंग ।
 छोटी इलायची । [विधिप्रदवा
 दिध्योपधि स्त्री० सुन्दर ओपधि
 दिश-शा स्त्री० आशा दिशा तरफ
 दिष्ट न० माग्य तकरीर समय ।
 बक उपदेश किया गया ।
 दिष्टान्त पु० माग्यका । अन्त मोत
 दिष्ट्या म० मङ्गल हर्ष । माग्यसे
 मैं बहुत प्रसन्न हू । [उपदेश
 दीक्षा स्त्री० नियम सत्कार ।

दीक्षागुरु पु० मन्त्र आदिका उपदेश
करनेवाला। उपदेशदाता शिक्षक
दीक्षित त्रि० नियमपर चलनेवाला
वेदाङ्ग का पालन करनेवाला

दीक्षिति स्त्री० किरण रश्मि
दीन त्रि० दुराहित । निर्धन
दीनार पु० अशर्कों। मोहर पौंड
दीप पु० मदीप। दीपक चिराग लैंप
दीपक पु० दीपक, चिराग दिवा
दीपन पु० जो ज्ञानसे पेटकी भांग
को भड़काता है तगरकी जड़
मेयी । पलायक

दीपमालिका स्त्री० दीपकोंकी
जिसमें मालायें लगाई जाती
हैं । दिवाली । दीपकसमूह
दीप्त पु० नीव । शेर । चर्मकीली
दीप्ति स्त्री० कान्ति । सुन्दरता ।
चमक । भड़क

दीर्घ पु० बड़ा । लम्बा । आयत
दीर्घर्षीय पु० लम्बीगर्धमवाला ऊँट
दीर्घजङ्घ पु० जिसकी लम्बी टांगें
हों । ऊँट । [परिहृत
दीर्घवर्तिन त्रि० घिघ्रायील खतुर
दीर्घवृष्टि पु० दूरसे देखने वाला
। खतुर । परिहृत । दूरबीन
दीर्घमाद पु० शंखालम्बी आवाज

दीर्घनिद्रा स्त्री० लम्बीनींद मो
दीर्घसूत्र त्रि० आलसी । सुस्त दी
दीर्घायुष्य पु० बहुत उम्रवाला
दीर्घायुस् पु० बहुत समय तक
जीनेवाला—कीभा

दीर्घिका स्त्री० चावली एककूप
दीर्घत्रि० घिदारित, फटाहुमाफा
दुःक्षत्रय न० आध्यात्मिक आधि
भौतिक आधिदैविक

दुःशासन पु० जिसकी बुरी भाषा
हो दुर्योधनका छोटा भाई
दुःसह त्रि० मुशकिलसे सहनेयोग्य
नागवमनी । [मूर्ख स्त्रीमौ

दुःस्थ त्रि० दुःखसे ठहरता हीहीन
दुःस्थित त्रि० येचैन अशान्त
दुःख में पड़ा

दुःकूल न० देशमौ घर । महीनवस्त्र
दुःख न० भीर दुःख
दुःखि पु० मगाड़ा नौयत
दुःख पु० कपटपाशा । छरकासुभा
दुःख्य त्रि० कठिनता से लापने
योग्य दुस्तर

दुरदृष्ट न० दुर्भाग्य । दुर्गम पाप
दुरधिगम त्रि० दुष्प्राप्य मुशकिल
से मिलनेके लायक

दुरध्य पु० दुरारास्ता कुमार्ग
दुर्युध त्रि० जिसका परिणाम दुरा
हो। दुरत आलेश मयभावि
दुरामह ० दुरी दठ हठीला
दुराधार पु० दुरा जालजाल
दुरात्मन् त्रि० दुरा भावमी दुरात्मन
दुराधर्म पु० कठिनतासे पारहोने
योग्य
दुरारोह पु० कठिनतासे चढ़नेयोग्य
दुरासाप पु० दुरावचन कदुवाक्य
दुरात्मन् त्रि० दुर्गम्य दुर्धर्म
कठिनतासे पास आनेयोग्य
दुरित न० पाप दुराकाम
दुरकन० दुरा कहागयाशापालामत
दुराक्षर त्रि० दुस्तर दुराज्ञान
दुराह त्रि० दुर्निष्ठेय मुश्किल से
जानने लायक
दुरोदर पु० जिसका परिणाम दुरा
हो दुरतकार सुभारी सुमाणशा
दुरी पु० किला कोट दुःखसेजाने
योग्य स्थान दुर्गम देश
दुर्गत त्रि० दोषकी प्राप्त सुभादुरी
हालत में पहुँचा [ता नरोपी
दुर्गति स्त्री० दुर्दशादुरीहालत निर्धन
दुर्गन्ध पु० बदबू दुरीवास

दुर्जन त्रि० दुरा भावमी नीचजन
दुर्जात न० ध्यसमवृत्ती आवृत्त भापद
दुर्धामन् त्रि० दुरे नामवाला
दुर्दान्त पु० कठिनतासे शास्ति
करने योग्य
दुर्दिन न० घेमीसमके वर्पना
या पावल रहना
दुर्धर्म त्रि० जिसका सामना
मुश्किल है अक्षोभ्य है
दुर्धल त्रि० निबल। दुःख कमजोर
दुर्भग त्रि० दुर्भाग्य वह स्त्री जो
पति से प्रेम नहीं करती
दुर्मित न० अकाल कहत
दुर्मति त्रि० शठ वेषकूपादुरीमकल
दुर्मनस् त्रि० जिसका मन बिगड़ा
हो व्याकुल प्रवराया हुआ
दुर्मन्त पु० दुरेम्त हवाला। मोड़ा
वन्दर कड़ा बोलने वाला
दुर्मन्तस् त्रि० जिसकी बुद्धि दुरी
हो। मन्त्रमति। वेषकूपा
दुर्धर्म पु० दुराधर्म का बड़ापुन
दुर्लभ पु० जो कठिनतासे मिलसके
दुर्धर्म त्रि० दुरिष्ठ निर्धन गरीब
दुर्दृष्ट त्रि० अशुभ देखी दृष्टान्त
दुष्कर न० मुश्किलसे करने लायक

दुष्कर्मन् त्रि० पापी पाप। घुराकाम
 दुष्कर्म न० घुराकाम। पाप गुनाह
 दुष्ट त्रि० अधम नीच दुर्जन
 घुरामादमी वदमाश [अमार्ह
 दुहितुःपति पु० पु० श्रीकापतिआमाता
 दुहिं छी० सुता बेटी लडकी
 दूत पु० स देशहर, खबरलेजाने
 घाला पैगम्बर
 दूती स्त्री० खबर लेजानेवालीस्त्री
 दूत्य न० दूतका कामहोना स्वभाव
 पैगम्बरी
 दूर त्रि० भगौघर फासलेसे
 दूरदर्शिन त्रि० चतुर परिहृत
 दुर्वा स्त्री० दूय घास
 दुर्वाकाएल न० घासका गद्दा
 दूषण न० पेश घुराई
 दुपका स्त्री० नेत्रमल कीचड़
 दुपित त्रि० निन्दितदोषलग [पागया
 हुट त्रि० बलिष्ठ मजबूत लोहा सज्ज
 मोटा
 दुबभूमि त्रि० भस्ममलविषयाला
 अपनेविचारकोपकारसमेवाला
 दुदमत त्रि० नियमपरखलमेवाला
 हुदमन्त्रि त्रि० पकाजोड़पकामेळ
 दृता स्त्री० जीरक जीरा।

हति पु० धर्मपात्र मशक।
 हम्मू पु० राजा बज सूर्य साप।
 हुस त्रि० गर्वित धमएडी।
 हश्या स्त्री० दर्शन देखना जाना
 हश पु० ह स्त्री० पत्थर शिला
 हटकूट न० कूटप्रस कठिनसबान
 पहेली मुभारत।
 हटान्त पु० मरण शास्त्र मिसाल
 हटि स्त्री० दर्शनदेखना बुद्धि भाँ
 देव पु० देवता आत्मा परमेश्वर
 इन्द्रिय। [कुदरती ठाँ
 देशज्ञात न० अकथिमजलाशय
 देवज्ञातविल न० गुहा गुफा
 देवगुरु पु० देवताओंकेगुरु विद्वानों
 के शिक्षक। [परोपकारी
 देवता स्त्री० सूर्यभादि ३३ विद्वान
 देवदार पु० न० एक विलम्ब वृक्ष
 देवदासी स्त्री० वेश्या रंडी।
 देवदीप पु० नैत्र भाँख लोखन।
 देवदेय पु० परमात्मा महादेव।
 देवन त्रि० पाशा फीडा खेल खमक
 ध्ययहारजीतनेकीइच्छास्मृति
 देवनदी स्त्री० गङ्गानदी।
 देवपथ पु० सूर्यादिलेगमनकामार्ग
 आकाश विद्वानोंको मार्ग।

विषमयन न० स्वर्ग यहिस्त ।
 विषमयन न० देवस्व देवताहोना
 देवर पु० पतिका छोटा मार ।
 देवरात्र पु० देवताओंकाराजाइन्द्र
 देववि पु० क्षत्रिय अपि येवद्वष्टा
 वेदकेमेदकोजाननेवाला
 देवल पु० पुजारीमूर्तिद्वाराजीयिका
 करनेवाला
 देवजीक पु० मृत्यु परमधाम
 देवमत पु० इन्द्रियों को जीतनेवाला
 देवसात् अ० देवताओं के मन्त्रीन
 देवालय पु० देवस्थान देवायतन
 देवापि पु० चन्द्रवशका एकराजा
 देवी स्त्री० पदुपी स्त्री विद्या
 देव पु० देवर पतिका छोटा मार ।
 देवेश पु० महादेव ईश्वर
 देशान्तर न० मन्यदेश दूसरामुलक
 देशिक पु० पणिक उपदेशक
 देशिनी स्त्री० भंगूठेकेपासकीभगुली
 देह पु० शरीर जिस्म लेपन
 देहभारक पु० न० मत्स्य तन्त्री
 देहमृत्यु पु० जीव कह सोल
 देहयात्रा स्त्री० जिससेशरीरबलता
 है मोजन-जल
 देहली स्त्री० दहरी बीछर

देहिन त्रि० शरीरवाला जीवप्राणा
 वैत्यशुक् पु० शुक्राचार्य
 वैत्यारि पु० दैत्योंकाशत्रु कृष्ण
 वैन न० वीनता वीनपन कायरता
 वैव्य न० वीनता कायरता [विवाह
 वैच न० देवताओं का तकदीर एक
 वैव्य पु० ज्योतिषी तपक नञ्मी
 वैव्यत पु० न० देवताओंकासमूहदेवता
 वैव्यतत्र त्रि० माग्याधीन [समकताहै
 वैवपर पु० जोमाग्यकोही भण्डा
 वैववाणी स्त्री० संस्कृत भाषा
 वाक्या वाणी
 वैवात् अ० अद्यामक हठसे
 वैव्य न० माग्य तकदीर जो वैवसे
 किया गयाहो [जिधागया
 वैशिक त्रि० देशका के की देशसे
 वैशिक त्रि० माग्यभरोसेरहनेवाला
 वैगंध पु० स्त्री० दुहनेवाला गोपाक
 गुपाक ।
 वैवैय पु० भुजा भुजवयव
 वैवैय न० कस्त कण्ठ शगल कांस
 वैवैय पु० हिंदोला झूला
 वैवैय स्त्री० झोली झूला
 वैवैय पु० वृषण पाप येव शुभाह
 वात पिच कफ तीन दोष

दोषमाहिन त्रि० जो दोषों को ही
लेता है गुणोंको नहीं दुर्जन
दोषद्व त्रि० परिहृत येद्य हकीम
दोषत्रय न० घात पित्त कफ सफरा
सौदा यलगम

दोषा अ० रात्रि रात

दोह पु० दुहना दुग्ध दूध दोहनी
दोहनी स्त्री० जिसमें दूध दुहाजाये
दु हनेका यर्तन भाषामें होता है

दोहा स्त्री० एक प्रकारका छन्द जो
दीर्घमन्थन० चिन्तायेखेनीघषराहट

दीवारिक पु० ढारपाछ दरयान

दो०कुलेय त्रि० नीचफुलमें ठपजामर

दोहिय पु० लड़कीकालड़काधेयता

दावापृथिवी स्त्री० भूमि आकाश

जमीन आसमान

द्यु पु० अग्नि सूर्य आकाश [चमक

द्यु ति० स्त्री० काश्मिशोभाप्रकाश

द्यु पति पु० सूर्य खरज

द्यु म्न पु० घन खीलत बल और

द्यु त न० जुभाकैतवपासेकाखेछछल

द्यु तकर त्रि० जुबारी जुभा खेले

घाला

द्यो स्त्री० आकाश आसमान स्वर्ग

द्योत पु० प्रकाश भातप भूप चमक

प्रदिमन् पु० दृढ़ता पुष्टि मज्जवृत्त

प्रघ पु० यहनेवालायस्तु रकीकबी

प्रयत्वन० यहनेफाफारणवहनापन

प्रयद्रव्य न० पकने वाली चीज

प्रविष्ट पु० एक देश । उस देशको

रहने वाला

प्रयिष्ण न० चित्त, धन, पराक्रम, बल

द्रव्य न० पृथिवीमादि धन धातु

प्रप्रु त्रि० विचारशील, खासी, गंधाह

प्राक् अ० शीघ्र, भद्रिति, जन्म, मर्त्य

प्राप्ता स्त्री० दास किशमिश

प्राधिमन् पु० दीर्घत्यलम्बापनलंबा

प्राधिष्ट त्रि० बहुत लम्बा [जार

प्राधक पु० चन्द्रकान्तमणि चम्पक

हु पु० वृक्ष शाखा डाली [हुमा

हुत पु० अल्हद पिघला हुआ भागा

हुम पु० वृक्ष दरक्त

प्रीह पु० अमिष्टचिन्तन, वैरदुर्गमनी

प्रीपत्री स्त्री० हुपद राजा की पुत्री

प्रष्ट पु० दोषकसाधमिधुन कलह

भगद्व एकसमास, हर्ष शोच

मन्त्रधर पु० चक्रवा चक्र

दय न० दोकी सकया, दोकी गिनती

प्रादश त्रि० बारहवा १२ को पूरा

करने वाली संख्या

रू स्त्री० द्वार द्वाजा
र न० द्वाजा, उपाय बसीला
रका स्त्री० एक नगर
रकेश पु० श्रोतृण
रप पु० द्वारपाल वरदान
रयन्त्र न० द्वारका ताळा
विशति स्त्री० वारिस
त्रि० दोकी संख्या दोकी गिनती
गु पु० एकमास जिसमें संख्या
वाचक शब्द प्रथम होता है
गुण त्रि० गुणमा दूता [जेत
गुणाहत त्रि० दोबार ओतागया
द पु० ब्राह्मण, क्षत्रिय वैश्य पक्षी
दांत
दवेय पु० ब्राह्मण क्षत्रिय, महात्मा
दन्मन् पु० ब्राह्मण, क्षत्रिय,
वैश्य दांत, पक्षी
दगाज पु० चन्द्रमा। चांद
द्वय पु० विप्र ब्राह्मण
दाति पु० ब्राह्मण क्षत्रिय वैश्य
पक्षी, दांत
दह पु० सर्प साँप
य त्रि० दो अवयव वाला दो
भाग वाला [करने वाला
येय त्रि० दूसरा दो को पूरा

द्विवत् त्रि० दोधातवाळा विलमादि
द्विषो म० दो प्रकारसे दोतरह से
द्विप पु० हस्ती हाथी
द्विपद पु० दोपैरवाला मनुष्यपक्षी
द्विमासक पु० जिसकी दोमाताहों
द्विमुख पु० दो मुख वाला दुमुही
द्विरव पु० दो दांत वाला हाथी
द्विरागमन म० गौमा [अन्यस्त
द्विरुक्त त्रि० दो बार कहा गया,
द्विरुद्धास्त्री० दोबारविवाहीगईस्त्री
द्विरेफ पु० समर मीरा
द्विवचन म० दो को कहनेवाळा दो
को बताने वाला प्रत्यय
द्विवापि क त्रि० दो वर्षके दो वर्ष
को उन्न वाला
द्विशफ पु० दो खुरवाळा जानवर
द्विपन्तप पु० शत्रुओंको लपानेवाळा
द्विष्ठ त्रि० दो जगह रहने वाला
द्विसप्तति स्त्री० बहतर ७२ [वाली
द्विहायनी स्त्री० दोघर्य की भवस्या
द्विद्वयास्त्री० गमवतीस्त्री [अग्नीष
द्वीप म० जिसके दो मोर पानीहोटा
द्विपिन् पु० खीसा बाघ भेड़िया
द्वेषा म० दो प्रकारसे दो तरहसे
द्वेष पु० विरोध धर पुश्मनी

द्वेषण त्रि० शत्रु दुश्मन घेरो
द्वैगुणिक त्रि० दुमालेने वाला व्याज
लेने वाला [सण्यावाला

द्वैत न० दो प्रकार के मेड़वाला दोकी
द्वैतवाचिन् त्रि० जीव और ईश्वर
को पृथक् मानने वाला

द्वैध न० दो प्रकार दो तरह

द्वैपायन पु० व्यासवेद

द्वैमातुर पु० दो माताकी सन्तान

द्वौ माताओं से पाला गया [आ द्रव्य

द्वयणुक न० दो परमाणुओं से उप-

(ध)

धट पु० तुला तराजू तखड़ी

धत्तर पु० धतरा

धन न० वस्तु अर्थ दौलत [वाला

धनञ्जय पु० अर्जुन धनको जीतने

यनक वि० धनको देनेवाला [धमिभा

धनिक पु० न० धनी दौलतमन्त्र

धनिष्ठा स्त्री० यहूत धनवाली अपने

नामका नक्षत्र [तीरदाज्ञ

धनुर्धर पु० धानुष्क धनुर्धारी

धनुर्वेद पु० शस्त्रविद्या जिसमें शस्त्र

अस्त्र सजाने की विधि हो

धनुष्क पु० धनुर्धारी धानुष्क

धनुष्क त्रि० धानुष्क धनुर्धारी

धनुस् न० चाप धनु एकराशि

धम्य पु० श्लाघ्य सराहने लायक

धुतार्थ कामेयाव

धन्याक न० धनियों

धन्वन्तरि पु० शिल्पशास्त्र के कव

धमन पु० मल चोंकनी फूँकनी

कर बेरहम

धमकपु० फँ कनेवाला लुहार सुनार

धमनिनी स्त्री० नाडी शिरा ग्रीवागर्भा

धर पु० पर्वत पहाड़ धारा डोरा

धरणि णी स्त्री० पृथिवी भूमि जमीन

धरा स्त्री० पृथिवी गर्भाशय मीन

धराधर पु० पर्वत पहाड़

धरित्री स्त्री० पृथिवी भूमि जमीन

धर्म पु० न० न्याय कर्तव्यकर्म वेद

विहितकर्म

धर्मक्षेत्र न० धर्मका स्थान [धाज

धर्मध्याजिन् त्रि० धामपंडित धोखे

धर्मपत्नी स्त्री० विवाहिता स्त्री स्मृत

धर्मपुत्र पु० धर्मका पुत्र युधिष्ठिर

धर्मराज पु० धर्मका राजा युधिष्ठिर

धर्मलक्षण न० जिससे धर्म मा

लूमती भूति क्षमा दम चोरी

स्थान शोध इन्द्रियों को वश में

करती थी विद्या सत्य और मर्यादा

धर्मशास्त्र न० मनु, आदिका रखा
 हुमा स्मृति शास्त्र [धर्मात्मा
 धर्मशील त्रि० धर्मिष्ठ धार्मिक
 धर्मसंस्थापन न० धर्म को कायम
 करना [रखी गई पोधी
 धर्मसंहिता स्त्री० धर्म के लिए
 धर्मात्मन् त्रि० जिसका धर्म करने
 का स्वभाव हो
 धर्माधिकरण पु० जिसे धर्म के
 लिए अधिकार दिया जाता है ऊज
 धर्माध्यक्ष पु० म्यायाधीश मुन्सिफ
 धर्माभास पु० मिथ्याधर्म झूठाधर्म
 धर्मासन न० ईसाफ की कुर्सी
 धर्मिन् त्रि० धर्मवाला दृश्यमान
 धर्मिष्ठ त्रि० महाधर्मात्मा, अति
 पुण्यशील
 धपण न० तिरस्कार घेड़जती
 धव पु० पति मालिक भूत
 धवल पु० स्वेत रंग सुन्दर
 धवलपक्ष पु० जिसके स्वेत पंख हों
 हंस वगुला शुक्ल पक्ष [दिया
 धवलमृत्तिका स्त्री० सफेद मिट्टी
 धवलोत्पल न० सफेद कमल
 धवित्र न० व्यजन पंखा बीठना
 धातु पु० वाठ पिस कफ रस

दधिर मांस मेव अस्थि मखा
 शुक्ल सीमा आदि भू आदि
 धातुघ्न न० कठिण काजी
 धातुद्रावक न० सुहागा
 धात्री स्त्री० जिसका दूध पिया
 आवे माता उपमाता दाई
 धाना स्त्री० धन्याक धनियां सत्तु
 धानी स्त्री० जिसमें रहकर पालन
 योग्य होसके रखधानी
 धानुष्क पु० धनुधारी तीरंदाज
 धान्य न० अन्न धुएकारक धस्तु
 धान धनिया
 धामन् न० गेह, घर, शरीर, देह, तेज
 धामनिधि पु० सूर्य । सूरज
 धाय्या स्त्री० समिधा पुरोहित
 धारा स्त्री० पानी की धार वर्षा
 धारणा स्त्री० स्मरण शक्ति, आत्मा
 में चित्तको स्थिति
 धाराट पु० पपीहा, घोड़ा बादल
 धाराधर मेष बादल
 धारासम्पात पु० महावृष्टि, वर्षा वर्षा
 धारिणी स्त्री० भूमि जमीन
 धारिन् त्रि० धारण करने वाला
 धार्मिक त्रि० धर्मशील धर्मात्मा
 धाष्ट्य न० ठीठता, निर्लज्जता,
 योग्यता

मटन न० नाचना मूल्य
नटी स्त्री० वेश्या फाँजरी नटमी
नत त्रि० नम्र भुकाहुमा
नतनासिक त्रि० जिसकी नाक
भुकी हो
नति स्त्री० प्रणाम नम्रता भुक्ता
नद पु० स्वामावेक जलका प्रवाह
नदी स्त्री० पर्वत से निकलनेवाला

जल का प्रवाह धरिया
नदीज त्रि० जो नदी में पैदा हो
नदीन पु० समुद्र सागर
नदीमातृक त्रि० समुद्र सागर
नदीष्ण त्रि० नदी में तिरनेवाला
नख द्वि० बंधाहुमा मिलाहुमा
नतन्द स्त्री० पतिकी बहिन नमद
ननु अ० प्रश्न-सवाल यकीनन

बुलाना सम्बोधन
नन्वय पु० हर्ष खुशी
नन्वय पु० पुत्र खुश करनेवाला
नन्विनी स्त्री० यन्त्रिणी की गाय
नपु सक पु० बलीय हीजड़ा
नप्तु पु० पीय नासी पोता घेयता
नम पु० न० साधनका महीना
भाकाश भासमान
नमस्कर पु० मेघ बावुल घायु हवा
पक्षी सूर्य आदि ग्रह

नमस् न० भाकाश भासमानपौ
नमस्य पु० भाद्रपद भादों
नमस्यत् पु० घायु हवा पवन
नमोमणि पु० सूर्य सूरज भात
नमस् अ० नति भुक्ता छोड़ना
शम्भ करना [सलाम
नमस्कार पु० नमन नति प्रणाम
नमस्य त्रि० नति करने

नमस्कार करने के लायक
नमेट पु० कटाक्ष धृष्ट [नल
नम्र त्रि० विनयान्वित भुकाहुमा
नम्रक पु० धेतस रैत नम्र
नय पु० नीति न्याय नेता रहनुमा
नयन न० पदु खाना नेत्र आँख
नर पु० परमात्मा पुरुष
नरक पु० पापियों के पापका दुःख
मय फल सोगना दुःख

नरककुरह न० पापियों के पाप
भोगने की योनि स्थान [राजा
नरदेय पु० नरोंमें देयता नृपति
नरपति पु० भूपाछ राजा
नरपु गय पु० ममप्यों में उत्तम
पहुँतमच्छा
नरमेघपु० अन्त्येष्टि मृतकसंस्कार
अन्तिम आहुति [सवारोही
नरवाहन द्वि० जिसके मनुष्य

नरसिंह पृ० सिंहरूपी पु० कपल
 पु० यार्थी [योका गिरोह
 नरस्कन्ध प० जनसमूह भावमि
 नरेन्द्र पु० राजा विपक्ष
 नरोत्तम पु० पु० योर्मध्ये घृताजायति
 नरुक्त पु० चारण नट नवकैया
 नर्तन न० नृत्य नाच
 नर्मद पु० परिहासी मञ्जीलिया
 दिक्कगीवाज [केलिक्रीडा
 नर्मन् न० परिहास हँसी ठट्टा
 नलिकास्त्री० नाली नादी सुगन्धित
 द्रव्य
 नव त्रि० स्तव तारोफ नूतन नया
 नवग्रह पु० सूर्य भादि नौ ग्रह
 नवति स्त्री० नव्ये ६०
 नवद्वारपुर न० शरीर वेद जिस्म
 इस्मै नौ द्वार हैं कान० भ्रमर
 नाक २ मुख १ गुदा १ लिंग १
 नवधा भ० नव प्रकारसे नौतरहसे
 नवधातु पु० सोना, भादि नौ धातु
 नवन त्रि० नौकी संख्या ९
 नवनीत न० नौनी मक्खन
 नवनीतक न० घृत घी
 नवमल्लिका स्त्री० नवमालिका बहुत
 फूलों वाला वृक्ष

नवम त्रि० नौवा नौमी तिथि
 नववज्रागमन न० नई बहुकामाना
 नववत्स न० नूतनवत्स नया कपडा
 नवान्न न० नया अन्न नवीनान्न
 नवीन त्रि० नूतन नया ताजा
 नवोदक न० नन्हीन जल नयापानी
 ताजा पानी [निकाला हुआ
 नवोद्वृत्त न० मक्खन नया
 नव्य त्रि० नूतन नवीन [नवद्व
 नष्ट त्रि० तिरोहित छिपा हुआ नष्ट
 नहि भ० निषेध मनाई रोकना।
 ना भ० निषेध मनाई रोकना
 नाक पु० अर्धापर दुःख नहीं सुख
 स्थान
 नाग पु० चाँप हाथी बादल पर्वत
 नागर त्रि० चतुर शहरी होशियार
 नागरक पु० चतुर शिल्पी खोर
 उद्यमका
 नागलोक पु० पातालममेरिकादेश
 नागाशन पु० गरुड मोर
 नाट पु० नृत्य नाच
 नाटक पु० लीला विदेह
 नाट्य न० नटका काम नाचना
 नागा यजाना [नाचपर
 नाट्यशाला स्त्री० लीलापर विदेह

निचोल पु० पलंगपोश, डोलीका
 पङ्कदा स्त्री पिप्रानपट पुर्का
 रुपहा चादर - [अपमा
 मिज त्रि० आत्मीय-स्वामाधिक
 निटल न० मांथा कपाल स्त्रीपद्मी
 नितम्ब पु० धूतद कमर
 नितराम् न० सुनराम् सदा अति-
 शय विशेष
 नितान्त न० एकान्त बहुतहीयिकुल
 नित्य त्रि० स्त्रीर्गोकाल में एकरस
 पाला सदा हमेशा
 नित्यकर्म न० सन्ध्यावन्दन
 नित्यदा न० सातत्य सदा हमेशा
 नित्यमुक्त पु० सदा छूटा - हुआ
 यन्धन रहित परमात्मा
 निदर्शन न० उदाहरणमिसालद्वारा
 निदाघ पु० लक्षण घम गर्म गर्मी
 का थक
 निदाघकर पु० सूर्य सूरज
 निदान न० आधिकारण रोगका
 सवय शुद्धि सफाई [रहना
 निदिध्यासन न० मननकरना मग्न
 निदेश पु० आज्ञा शासन हुक्म
 पहना निकट भाजन
 निद्रा स्त्री० शयन सोना नींद

निघन न० मृत्यु मौत मरना
 निधान न० निधि खजाना भाष्य
 निधि पु० कोश खजाना
 निधीश पु० कोषाध्यक्ष खजाना
 कोशका स्यामी
 निम-नाद पु० ध्वनि शब्द आवाज
 निन्दा स्त्री० अपवाद गद्दी कुत्सा
 बदनामी [की जगह
 निपट्या स्त्री० पुद्धमूमि लड़ाई
 निपाठ पु० अन्तिम गिरना मरना
 व्याकरण में 'च' मादि
 निपान न० प्याऊ सालाब [गवा
 निपीडित त्रि० दबाहुआ निचोका
 निपुण त्रि० चतुर दक्ष होशियार
 नियन्त्र पु० प्रतिष्ठा मन्य रत्न
 सन्धन
 निभूत त्रि० घृत भी शिक्षित
 निखल गुप्त निर्धन
 निमज्जपु० अथगाहनस्नानकरना
 निमज्जम न० अवगाह स्नानजलमें
 घुसकर नहाना
 निमन्त्रण न० प्रस्तापूर्वक भोजनार्थ
 बुलावा आह्वान बुलावा
 निमित्त न० कारण हेतु सबब
 निमित्तकारण न० घटके बनानेमें
 कुम्भकार निमित्त कारण है

निषेध० मोक्षकामीचनाहृतनासमय
नेमीलन न० मरणा सिकोदना
आत्मका मीचना
नेम्न त्रि० समीर गहरानीचे नीख
निम्नगा ली० नवी हरिया
नेम्नोन्नतत्रि० कंचामीचाडन्मतामत
निम्न पु० मीमका वृक्ष
निम्नोन्नत न० अस्तप्राय गरुड
नियत त्रि० निश्चित मुकररा
आचार धाला
नियति स्त्री० नियम माग्यकिसमत
नियन्तृ त्रि० प्रतिष्ठ बंधा हुआ
वशाग । कञ्जेमें माया
नियम पु० प्रतिष्ठा । निश्चय ।
मन्त्रप्रा रोक । घत । अंगीकार
नियामक पु० कर्णघाट । मस्त्राह
हुकम खलानेशाला । मालिक
नियुत न० दश लाख १००००००
नियोग पु० आश्र । हुकम । अव
घारा निश्चय । नियम
नियोज्य त्रि० स्वामी मालिक ।
नियोज्य त्रि० भृत्य भीकर मेजने
के योग्य [कायम कर्जा
नियोजन न० लगाना मिलावा
निरु० निषेधनहिनिक्षयनिकलना

निरङ्कुश त्रि० स्वतन्त्र बेरोक
स्वच्छन्द
निरञ्जन पु० जिसमें किसी प्रकारका
कोई विकार न हो ईश्वर
निरतिशय त्रि० परमोत्कृष्टवहुतही
निरुपयत्रि० नाशरहितनरुक्तेवाला
निरुत्तर त्रि० लगातार निविड
सघन निरुपधि भस्मीम
निरुपपत्र त्रि० निर्लज्ज वेशर्म
निर्गल त्रि० प्रतिबन्धरहित अबाध
वर्धनसे मुक्त
निरर्थक त्रि० निष्प्रयोजन येमतलब
निरुपम त्रि० बेरोक आजाद
निरुपय त्रि० भेष्ट सङ्गन दोषरहित
निरुपय त्रि० जिसमें अवयव न हो ईश्वर
निरुपशय त्रि० सम्पूर्ण सब
निरुत्त न० परित्याग छोड़ना
मारना निकालना [धूकागया
निरुत्त त्रि० तिरस्कृत शीघ्रोच्चारित
निराकरण न० निवारण दूरकरना
तिरस्करण
निराकरिष्णु त्रि० निगरणशील
निकालदेने वाला
निराकृति स्त्री० निवारण हटादेना
निरामय त्रि० बीरोग रोग रहित
सुखर

निरुक्ति स्त्री० निर्यचन किसीशब्द
के विषयमें पूरा २ कहना

निरुद्ध त्रि० अविवाहित विनाध्याहा

निरुद्धि स्त्री० प्रसिद्धि मशहूरी

निरूपणन० विचार निदर्शन दृष्टान्त

निरूपित त्रि० नियुक्त किसीकाम

में लगाया गया रचा गया

निरोध पु० नाश तथाही रुकावट

निरोधन न० कारागार जेलखाना

बन्दकरना

निर्गुण पु० जो जिसमें गुण न हो

यह उससे निर्गुण है

निर्गुण त्रि० निर्दयी बेरहम

निर्घोष पु० शब्दमात्र हर तरफकी

माथोज

निर्मल त्रि० विजल एकान्त समहाद

निर्मल पु० जो बुद्धिमान हो बुद्धापा

रहित

निर्भर पु० प्रवाह करना खोल

निर्णय पु० निश्चय यकीन ज्ञान

सन्देह

[शोधित

निर्पिक त्रि० साफ किया हुआ

निष्क पु० रजक धोधी

निर्दिष्ट त्रि० उपदिष्ट बतलाया हुआ

कथित

[हुकम

निर्देश पु० शासन सिंहासनाभासा

निर्धन पु० धनरहित गरीब

निर्धारण न० सिद्ध करना

मनुष्योंमें क्षत्रियशूद्रही

निर्धारित त्रि० दृष्टान्त

निर्द्वन्द्व त्रि० सर्वप्रकारके

से निकला हुआ सुखी

निर्योधपु० अप्राप्त हठ प्राप्ति

निर्वाध त्रि० सुखपूर्वक नि०

निर्मय पु० खाली

निर्मल न० जहाँ सब मांस

मांस निहायत

निर्मल त्रि० अमपकीकृत न०

निर्मल त्रि० सुन्दर साफ

कोई पेय न हो

निर्यातन न० धैर्यशुद्धि धैर्य

देना लौटकर देना

निर्यास पु० गोंद घृ

निर्यचनन० निरुक्ति अर्थकानि

निर्घाण न० नाश समाप्ति मोह

छुटकारा

निर्घाव पु० लोकापवाद ध्वस्त

निर्घापण न० भारनादिना छोड़

निर्घासन न० देशनिकाळा मोह

निर्घाह पु० कार्यसम्पादन नि

जीविका गुजारा

निधिकार पु० जन्ममरणसे रहित
ईश्वर
निर्धोजा स्त्री० किरामिश [मौत
निधुति स्त्री० सुख स्थिति मुक्ति
निधु सत्रि० निधुन्न पूराकियाहुआ
निधेद पु० अनुताप धराय । उदा
सीनता
निधेश पु० भोग घेतन । मजदूरी
मूछन विवाह । प्राप्ति
निधुद त्रि० त्यक्त छोड़ाहुमापूर्ण
निर्हरण पूरीतरह छेजाना वाह
शयका छेजाना
निर्हार पु० उलाड़ना छहरण
कार्य में छगाना शय को
बाहर छेजाना
निधुद पु० शब्द भावाज
निलय पु० निवासस्थान रहनेकी
जगह घर [को रोककर
निधुन म० घबराका नियमधानी
निधुन न० हटानासीवर्गजमूमि
निर्हरण न० मारण मारना
निधुसति स्त्री० निवास घुह घर
निधुसय पु० माम गांव
निधुसन न० घर घर कपड़ा
निधुह पु० समूह झुपड़ गिरोह

निघात पु० पायु रहित स्थान
माधय भासरा
निवास पु० घर माधय [छेकरहित
निधिद त्रि० साम्प्र घना मोटा
निधीत न० गलेमें हटकाहुभाजनैक
निधुत म० निधेश निरतहटाहुमा
निधुत स्त्री० उपरम विरति हटना
निधुति स्त्री० उपरम विरति हटना
निधेदन न० सम्मानपूर्वक क्षापन
वरक्षयास्त
निधेश पु० विन्यास घरना शिथिल
छायनी घियाह शादी स्थान
निधेशन न० घरप्रवेश वासिलहोना
निश शा स्त्री० रात्रिरात
निशाकर पु० सम्प्र सम्प्रमा चांद
निशावर पु० रात को चलनेवाला
थोर डाक उलू चकवा
निशित त्रि० तेजित तीक्ष्णीकृत
पैना किया गया
निशान म० तीक्ष्ण सेव पैना
निशान्त न० गृह बहुतशास्त
निशापति पु० सम्प्रमा चांद
निशीय पु० भाषीरात मर्षरात्रि
निधय पु० निर्णय फैसला यकोत
पक्का

निम्नल त्रि० स्थिर पक्षका मन्त्रल
निर्घास पु० प्राणवायु का निका
लना सास

निपङ्ग पु० तूणीर तर्कश
निपघा स्त्री० हाट बाजार पैठ दूकान
निपट्टर पु० अम्बाल कर्दम कीचड़
निपघ पु० कठिन सख्त एक देश
निपिद्ध त्रि० धातु मने किया गया
निपेक पु० गर्भाधान हमल छहरना
निष्क पु० न० सोलह माशे का
परिमाण

निष्कर्ष पु० इयसापरिच्छेद यज्ञो
वात का सार निष्कोट [नष्टवीर्य
निष्कल त्रि० कलाशून्य । वेदुनरे
निष्कासित त्रि० निःस्नापित ।
निकाला गया [वाग खेत
निष्कुट पु० गृहके पान का उपयन
निष्कृपित त्रि० अविदित लोहागया
आल उतारा हुआ [निस्तार
निष्कृति स्त्री० मुक्ति छुटकारा
निष्कृष्ट त्रि० सारांश सार निष्कोट
निष्कोप न० निकालना कर देना
भीतरके मन्त्रय को बाहर
निकालना
निष्कुमण न० यदिगमन बाहर जाना

निष्ठा स्त्री० निष्पत्ति नया
मार्गना बढाई मत
विश्वास [सख्त
निष्ठीव पु० धूक अकार
निष्ठुर त्रि० कठोर सख्त
निष्ठुर त्रि० फे का गया
निष्णात त्रि० सम्यक्
हुमा । पाठ्यत निपुण
निष्पत्ति स्त्री० समाप्ति पूर्ण
निदि । फल । नतीजा
निष्पन्न त्रि० सिद्ध ।
निष्परिमह त्रि० मन्यासी ।
निस्पृह त्रि० सांसारिक वात
जो से रहित । योगी मह
निष्फल त्रि० फलसे रहित ।
धक । बेफायदह [शो
निस्र अ० निषेध । निम्नयस
निसर्ग पु० स्वभाव । स्व
सृष्टि ।
निसूत न० मारना । घब
निसृष्ट त्रि० न्यस्त । रक्ष
[सरमा । नि
निस्तारण न० निस्तार । पाठ
निस्तल त्रि० यत् । ल । गोल
निस्तारण पु० उधार छुटकारा नि

इनन न० मारना । घष । कठल
करना

हव पु० भाडान । पुकारना
हित त्रि० स्थापित । रक्खा हुआ

हव पु० शठता । घालबाजी ।
छिपाना । अपलाप

काश पु० निश्चय । यकीन सट्टा
च त्रि० पसर । कमीना । तुच्छ

चैस् म० नीचे । घीमा । घोडाकम
ह पु० निवासस्थान । घोंसला ।

कुलाय
इज पु० पक्षी । परिन्द

ति स्त्री० स्थाय ईसाक कानून
र न० जल । पानी । रस

रस म० कमल । मोती । पानी
में उपजा घस्तु

रद पु० बादल । मोया

रस पु० रसरहित दार्द्रिम अनाद

रस स्त्री० आराम । सेहत रोग
रहित

र त्रि० नीले रङ्गवाला नीला रङ्ग
नीलकण्ठ पु० मयूर । मोर । पपीहा

खजन
नीलाम्बर पु० नीले कण्ठे वाला

नीलोत्पल न० नीला कमल ।
काला कमल

नीवार पु० तुलसेद् । घास । घान

नीधि-वी स्त्री० मूलधन । पूंजी ।
नाला । कमरबन्द [कोहरा

नीहार पु० शिशिर । हिम । बर्फ ।
नु म० विकल्प । अनुनय । अतीत ।

प्रश्न । हितु । वितर्क । अपमान
अपदेश । निश्चय [पूजा

नुति स्त्री० स्तव । तारीफ प्रमाण
मुत्त-म त्रि० प्ररित । क्लित ।

घलाया हुआ
नूतन त्रि० अमिश्र । नवीनानया

नूनम् म० धितर्क । निश्चित ।
स्मरण । वाक्यपूर्ण । दलील

यकीन । याद होना
नूपुर न० शिखरा पादभूषण

नृपु० पुरुष नर आवामी

नृस्य न० नाथना नाथ

नृप पु० राजा बादशाह

नृपति पु० राजा बादशाह

नृपसभ न० राजसभा राजदरबार

नृयह पु० अतिथिसत्कार
नृश ख त्रि० कुर परलोही येरदम

नृजक पु० राजक घोषी
नैतृ त्रि० नायक चलागैवा क्षा
नैत्र न० नाज जटा नाडी शलाक

नैविष्ट्र त्रि० अतिमिष्ट बहुत ही पास
 नैवीयस्त्रि० अतिमिष्ट बहुत ही पास
 नैपथ्य न० भूपथ सहना येय मस्राज्ञा
 नैपाल पु० एक देशका नाम
 नैम त्रि० अर्ध भाषा अथवि पद
 नैमि पु० औतडा परधि घेरा
 नैगम पु० ग्रन्थविद्याका पुस्तक वैश्य
 यनिया [करने योग्य

नैत्यिक त्रि० नित्यानुष्ठेय प्रतिदिन
 नैपुण्य न० दक्षताचतुराई होशिपारी
 नैमित्तिक त्रि० कारण, से समयसे
 नैयमोघ न० घटका फल [मन्तकी
 नैयायिक त्रि० न्यायको जाननेवाला
 नैरन्तर्य न० अविच्छेद गतां होमा
 नैराश्य न० चाहका न रक्कना

नाश्या शून्यत्व [सफाई
 नैर्मल्य न० निर्मलता स्वच्छता
 नैष्कर्म्य न० कर्मसे रहित होमा वि
 धिपूर्वक सब कामोंको छोड़ना
 नैष्ठिक पु० समस्त जीवन ओ ग्रह
 चारी रहे।

नैसर्गिक त्रि० स्वाभाविक कुदरती
 नो अ० अमाघ महिना होमा [दुग्ध
 नीचेत् अ० नहीं तो निषेध यदि न
 नी स्त्री० नीका तरणी माध।

न्यमोघ पु० बट वृक्ष [क्षित
 न्यस्त त्रि० मिहित रक्सा हुमा।
 न्याय पु० मोजन मशन खाना
 न्याय पु० नीति उचित मुगसि
 गोसम मुनि-प्रणीत शास्त्र
 न्याय त्रि० न्यायपूर्वक इलाफे
 साथ [नत त्यागदानसंन्यास
 न्यास पु० रक्कने योग्यवस्तु धर्म
 न्युक्त त्रि० कुचडाकुञ्जधौआवट
 न्यून त्रि० ऊन काम गल तिन्द्व
 न्योजस् त्रि० तिरछा टेटा पु
 वदमाश

(प)

पक्षवण पु० शधरोल्लय मीलों का
 खदालकुटी [पककरते वार
 पक्व त्रि० पाकनिवृत्त पका हुमा
 पक्ष त्रि० परिणत पका हुमा
 पक्ष पु० पाख पखवाड़ा पसी
 तरफवारी
 पक्षति स्त्री० प्रतिपद पदया
 पक्षपात पु० तरफवारी मुठाविजा
 पक्षिल त्रि० सहायक मदपुपार
 परवाला
 पक्षिन् पु० पंखवाला परिन्द तीर
 पक्षमन् न० पलक पर

पु० न० कर्म कीचड़ पाप
 न० पद्म कमल सारस
 ल त्रि० कीचवाला स्याम
 सह न० पद्म कमल [एकछंद
 कि लो० कतार दशकीगिनती
 केपायन पु० सप्तपङ्क्ति को
 पवित्र करनेवाला ईश्वर
 त्रि० लंगड़ा लला शम्भर
 रक न० पक्षकड़ी पंजा पाखकी
 गिनती
 गव्य न० वृचदहीघोमूत्रगोवर
 शतत्य न० पृथिवी जल तेज
 वायु आकाश
 शशाङ्क पु० हस्त हाथ वस्तु
 शम्भु न० वृच दही घृत शर्करा
 शहद
 शाल पु० एकदेश उसका राजा
 शाली स्त्री० गुड़िया गुड़ी
 शाश्वत् स्त्री० पचासकीगिनती
 श्मिन्त्रय न० पांचहानेस्त्रियश्रोत्र
 कान त्वक् चर्महा नेत्र भाषा,
 रसन जीम नासिका-माक
 पे-भ्रज पु० न० हड्डियों का
 समूह पि जरा
 वतय न० पांचपटपांचकीगिनती

पञ्चत्व न० मरण मीत
 पञ्चदश त्रि० पन्द्रहवां पन्द्रह
 पञ्चषा म० पांच प्रकार से पाच
 तरङ्ग से [हस्ती व्याघ्रयादि
 पञ्चमख पु० जिसकेपांचनाकूनहों
 पञ्चमव पु० पञ्चाय वेश जिसमें
 पाचनरी सतलज व्यास रावी
 चिनाय झेलम हैं [आकाश
 पञ्चभूत न० पृथिवी तेज वायुजल
 पञ्चम त्रि पाचवा जिससे पांचकी
 गिनती पूरी होती है [मीयुन
 पञ्चमकार न० मधमांस मत्स्यमुद्रा
 पञ्चमहायज्ञ पु० स्वाध्याय, भस्मि-
 होत्र अतिथिपूजन पितृयज्ञ, बलि
 वैश्वदेव
 पटकार पु० तन्तुवाय कोरी जुकाहा
 पटफुटी स्त्री० रायटी तम्बू पटपूह
 पटल न० छवि छात पड़वा नेत्ररोग
 पटह पु० न० डोल डोलक
 पटीर न० केदार क्षेत्र क्षेत्र मेघ
 पावल कदिर उदर
 पटीयस् त्रि० चतुर होशियार
 पटुजातीय त्रि० चतुर दस होशियार
 पटरूप पु० अतिदक्ष बहुत चतुर
 पटोल पु० परवल

पट्ट न० नगर मुखक चतुष्पथ चौराहा
 पट्टवेधो स्त्री० पटरानी राजमहिषी
 पत्तन न० प्रधाननगर राजधानी
 पण पु० पैसा मूल्य कीमत
 पात्र तामा भूति मजदूरी घृत
 जुआ ग्लह दाघ नियम व्यवहार
 पणन न० विक्रय बेचना
 पणव पु० स्त्री पट्ट ढोल
 पणाया स्त्री० व्यवहार देनलें न
 पणितव्य त्रि० विक्रेतव्य खरीदने
 योग्य स्तोतव्य तारोपयोग्य
 परिखत पु० तख्त मालिम खतुर
 दाना
 परिखतस्मन्य पु० अपने को बदकर
 मानने वाला घमण्डी
 पर्यवधी स्त्री० विक्रेयशाला
 विपणि दूकान । हाट
 पर्यवली स्त्री० बेस्या र स्त्री
 पर्याजीय पु० यणिजन व्या-
 पारी धनिया
 पतग पु० पक्षी विहङ्गम परिन्दह
 पतंग पु० शलभ सूर्य पक्षी
 पतव पु० पक्षी परिन्दह
 पतत्र पु० पक्षिर्माका पर-पक्ष
 पतत्रि पु० पक्षी परिन्दह

पतयालु त्रि० पतनशील
 पताका स्त्री० मण्डली ध्वजा
 पति पु० स्वामी मालिक
 पतित त्रि० नीच अपने धर्म से
 गिरा हुआ
 पतिवरा स्त्री० वह कन्या जो अपने
 आप पति को स्वीकार करे
 पतिव्रती स्त्री० सधवा सुहाग
 पतिव्रता स्त्री० सती
 माननेवाली
 पति पु० पैदल चलने वाली सेन
 पत्नी त्रि० वैदधिपिसेविधाहीनारु
 पत्र न० वाहन सयारी चिड़ी कागज
 पत्राञ्जल न० मसो स्याही
 पत्रिन् पु० संचार पक्षी तीर
 पथ पु० मार्ग रास्ता राह
 पथि त्रि० रास्तेगीर मुस्ता किर
 पथिन् पु० मार्ग रास्ता वाट
 पथ्य त्रि० हितकारक मुफीद
 पव न० खींचा हिस्सा पाव किर
 पवंग त्रि० पैदल पावसे चलनेवाला
 पवधि स्त्री० पद दर्जा मोहरा
 पवाति पु० पैदल पावसे चलनेवाला
 पवार्य पु० अभिषेय वस्तु चीज
 पवग पु० पैदल परोंसे चलनेवाला

● सरस्वतीकोश ●

८६

क्रि०-ती० स्त्री० पगडण्डी पय
पस्ता पोथी
रघु न० कमल नाड़ीयक धातुसीसा
श्रवण पु० सूर्य चमर और
शरांग न० लाल रंगकी एक प्रकार
की मणि
श्या स्त्री० छद्मी लवण छौंग
श्यासन न० कमलके फूलकी तरह
बैठना
श्विनी स्त्री० कमलोंका समूह बेल
रघु न० कविता नञ्म श्लोकमात्रि
रत्न पु० कटहर कटहल
रत्न त्रि० गलित, चपुत गिरा हुआ
रत्नग पु० सूर्य सूर्य
रत्नगायन पु० गरुड़ मोर
रन्धा स्त्री० एक नदी
रयस् न० दुग्ध दूध जल पानी
रयस्विनी स्त्री० दूध वालीधेनु गौ
रयोधर पु० स्तनमोचकमेघ बावल
रयोधि पु० समुद्र सागर समुन्दर
रयोधत न० केवल दूध पीकर
निर्याह करना
पर त्रि० भिन्न और भन्व भगलाग्रात्र
परशत न० सौसे अधिक संख्या
परश्वस् न० भगले दिनसे परछा
दिन परछों

परसहस्र न० एक हजारसे ऊपर
की संख्या
परकीय त्रि० दूसरेका भागकाकेकी
परम्पन्द् पु० पराधीन विवश
परप्रात त्रि० दूसरेसे पैदा हुआ
भग्न से पाछा गया
परतन्त्र त्रि० पराधीन वेधश
परपिण्डाद् त्रि० दूसरे के भग्नको
जाने वाला
परमाण पु० बहुत बड़ा मरुछा
हिस्सा दूसरे का हिस्सा
परम् न० नियोगशेषकेवल मनस्तर
परम त्रि० उत्कृष्ट प्रधान बड़ा
प्रथम प्रथम [कबूल
परमम् न० अनुज्ञा हुआ स्वीकार
परमर्षि पु० धेनुमुनिप्रदत्तदेवदत्त
परमर्हस पु० संन्यासीमहामहारमा
परमाणु पु० अर्ध धूलि का भति
सूक्ष्म अंश जो शरीरोंमें सूर्य
किरणों से चिदित होता है
परमात्मन् न० परब्रह्म ईश्वरकुक्ष
परमान्न न० कीर दूध में पका
हुआ भन्व
परमेश्वर पु० जगत् की उत्पत्ति
स्थिति और प्रलय कर्ता
चक्रवर्ती राजा

परिमूत त्रि० ति० स्मृत भगवत वे-
दजत किया गया [धर्तु] लाकार
परिमण्डल त्रि० चारों ओर से गोल
परिमल पु० फेसर चंदन भादिका

मलना मलने से निकला सुगन्ध
परिमाण न० नाप घराघरी वर्ज

प्रमाण समता परिसर
परिमित त्रि० कृतपरिमाण नापा

गया युक्त मुनासिब ठीक नाप
परि-री-रम्म पु० मालिक्कन छाती से

लगाना [छोड़ना]
परिधर्जन न० मारण मारना त्याग

परि-रीवर्ष पु० विनिमय बदली
अधपाय भादि

परि-री वाह पु० अपवाद निन्दा
क कृद् वदनामो गाली [मि] डना

परि-री-वा न० मुण्डन परवापण
परिवापित त्रि० मुण्डित मुँहाहुआ

परि-र वाह पु० परिजन कुटुम्ब
भादि सरकारका मिमान

परि-री वाह पु० जलोच्छ्वास जल
प्रवाह पानी का बहाव [मालिक]

परिपूड त्रि० प्रभु अभिषिक्त स्वामी
परिवेश पु० घेरन घेरा परिधि

वायरा

परिवेषण न० भोजन रात्र परेसन
परिवाज पु० पतिसन्यासी मस्कर

परिशिष्ट न० कोटपत्र अत्र शिष्टाय
परिभ्रम पु० व्यायाम करत मिहना

परिभ्रय पु० समा मजलिस कमेटी
परिवृ स्त्री० समा स मेति कमेटी

परिवृ पु० मनुसर सेवक चाकर
परिवृत्त त्रि० समा सदस्य सम्प मैत्री

मजलिसी [साफ सजावट]
परिपहार पु० भूषण गहना स्वच्छ

परिपत्र पु० मालिक्कन मिहना
परिसर पु० बड़ी नगर व पर्वत के

पाम का स्थान मौत नियम
परिसर्ग पु० चारों ओर से लपेटना

चारों ओर से जाना
परिसर्या स्त्री० चारों ओर से

जाना सेवा
परि-री-हार पु० त्याग दीप दूर

करना बनावर येज्जती
छोड़ना सोड़ना

परि-रीहास पु० फेलिकी डाम खील
ठहा

परीक्षक त्रि० परीक्षा सेने वाले
मुस्तहिन परकने वाला

म० निरूपण परचन
शान [सोल

१. इम्तिहान औष माप
गतवर्ष गिछला घर्ष

पक्ष न० निष्पूर वजन बुरा
घोलना कठोर दुरा

पक्ष न० ग्रन्थि गाँठ पथ गिरह
परैत त्रि० मृत मरगया दूरचलागया

परिघुस् म० परदिन दूसरा दिन
परोक्ष न० जो इन्द्रियों से न जाना

आय
पर्यग्य पु० मेघ बादल बिजली

पर्ण न० पत्र पत्ता पल्ल पर्णोपही
पर्णशाला स्त्री० पत्रनिर्मित कुटीर

परत पु० पापङ्ग गायर
पयङ्ग पु० छट्या छोट परंग

पर्यटन न० चारों ओर घूमना बारर
घूमना सैर करना [सयाल

पर्यनुयोग पु० अच्छी तरह पूछना
पर्यन्त न० सीमातक हवृतक

पर्यस्तमू स्त्री० सोमाका स्थान
हवृ की ज़मीन [उमडाएन

पर्ययस्था स्त्री० विरोध फर्क-
पर्यस्त त्रि० विक्षिप्त फौका हुमा

पतित हत

पर्याणम० मश्वसज्जा घोड़ेकी काठ
पर्याप्त न० पयेष्ट इच्छापूर्वक रुचि

सामोर्ध्य
पर्याय पु० अनुक्रम सिलसिला

प्रकार उसी शब्दके अर्थकी
घटानेवाला दूसरा शब्द

पर्युदयन न० श्रृण कर्जा
पर्युदस्त निवारित हटाया गया

पर्युपितस्त्री० बासीरपक्षा दुःभावस्तु
पर्येषणा स्त्री० मन्वेपणस्त्री तलाश

पर्यत पु० गिरि शैल पहाड़
पर्यतीय त्रि० पहाड़ी पहाड़िया

पर्यन् न० उत्सव ग्रन्थि गाँठ पोई
पर्यट् स्त्री० समा समिति समाज

पल न० घड़ीका ६० वाँ हिस्सा
चार कर्ष मर वजन

पल्ल न० मांस फुल कीधड़
पलायङ्ग पु० व्याज मूलभेद

पलायन न० भागना बौद्धना
पलाल पु० न० पुंभालपोभालविधार

पलाश न० हाकका वृक्ष कीसफेदी
पलित न० सफेदबालवाला बुढ़ापे

पल्यङ्ग पु० शय्या पर्जन सेज
पल्लव पु० मयेपत्तोंकीफैलावट व

लाक्षा राग शाका पत्ता

पल्लि-ल्ली ली० लघुग्राम भीवड़ी
घाला गाँव

पल्लव पु० न० क्षुद्रसरसोटीतर्किया

पवन पु० वायु समोर हवा [साँप

पयनाश पु० जो वायुखाताहो सर्प

पथमान पु० पवित्रकरनेवाला वायु

पवि पु० वज्र विजली

पवित्र त्रि० शुद्ध स्थळ साफ सत्य

पशु पु० छोटे मवेशी घोषाया

पशुराज पु० सिंह शेर

पश्चात् न० धरम पीछे [पछतावा

पश्चात्ताप पु० पीछे पछताना

पश्चिम त्रि० छिछा प्रतीक्षी

पश्यतोदर पु० जो देखते चुराळे

खोर टग सुनार

पाशु सु पु० घूल पासा खात

पांशुल त्रि० पापी बदमाश कुलटा

पाफ पु० पचन पकना परिणाम

मतीजह [काय लवण

पाकज न० जो पकाने से उपजताहै

पाकशाला ली० पाकस्थान पकाने

की जगह रसोईखाना

पाक्षिक त्रि० पक्षसे प्राप्त हुआ पक्ष

का पक्षवाड़ेका [रसोईया

पाचक पु० भस्म भाग पकानेवाला

पाचन न० पचमा पकना भाग

पाण्ड्याल त्रि० पञ्चाल देशमें हुआ

पाटछर पु० खीर चोर तस्कर

पाटल पु० श्वेतरक्तवर्णगुलाबीरव

पाटलीपुत्र न० पटना नाम नाल

पाटव न० पट्टा चतुर्गई होशिपरी

पाठ पु० संख्या सयक लेखन

पाठक पु० पढ़नेवाला पढ़ानेवाला

पाठशाला ली० न० पढ़नेका स्थान

मदसा स्कूल

पाठिन त्रि० पढ़ने वाला

पाणि पु० करे हस्त हाथ दस्त

पाणिगृहीती स्त्री० भार्या स्त्री

औरत

पाणिग्रहण न० विवाहशादी उच्चाह

पाणिघ पु० तपलची मृदंग वा

ढोलक बजाने वाला

पाणिनी पु० वाक्कीपुत्र अष्टाध्यायी

व्याकरण के कर्ता

पाणिनीय त्रि० पाणिनिका या उन

का कहा हुआ अष्टाध्यायी

व्याकरण [खोर

पाणिसंख्या ली० रज्जु

पाण्डव पु० पाण्डु की संताव

मौलाव [श्वेतवर्ण

पाण्डु पु० चन्द्रवंशी एक राजा

● सरस्वतीकोश ●

६५

पाण्डु पु० श्वेत पीत मिश्रितवर्ण
 कमलयात्र [वत्सा हुआ
 पात पु० पतन गिरना रक्षित
 पातक न० पाप पुराकाम गुनाह
 पातञ्जल न० पातञ्जलिका कहा हुआ
 महामाध्य-योगनूत्र [अमेरिका
 पाताल न० पृथिवीके नीचेका लोक
 पातुक त्रि० पतनशील गिरनेद्वारा
 पात्र न० वर्तन वासन
 पात्रेसम्मित त्रि० भोजनकेतयार
 होने पर भाज्ये परन्तु काम
 कुछ न करने वाला-देसानर
 पाय न० जल पानी सूर्य भाग
 पायस् न० पीना बचाना अन्नपानी
 पायेय त्रि० मार्गभोजन तोशा
 सफरी खाना
 पाद पु० पैर पांय चतुर्थांश
 पादचारिन् त्रि० पैदल पैरों से
 चलने वाला
 पादत्राण न० पादुका जूती
 पादक पु० शूष सक बरकस
 पादमूल न० पांयके नीचेका हिस्सा
 पादयिक त्रि० पांय चलने वाला
 पैदल
 पादुका स्त्री० अडाऊँ जूती

पाय न० पांय घोड़े के लिये पानी
 पान न० पीना बचाना पीनेका पात्र
 पानगोष्ठी स्त्री० शरायपीनेवालोंकी
 चौकड़ी [पीनेका पात्र
 पानपात्र न० पीने का बरतन शराय
 पानीय न० जल पानी
 पानीयशालिका स्त्री० प्याऊ पानी
 पिठाने का घर
 पान्य पु० पथिक मुखाफिरपटोही
 पाप न० कुकर्म भयर्म गुनाह
 पापघ्न पु० पापका नाश करने
 वाला घम [भादमी
 पापपुरुष पु० पापीनर गुनहगार
 पापात्मन् पु० पापी गुनहगार
 पाप्मन पु० पाप गुनाह
 पाप्मन् पु० विषादिका खुजली
 पामघ्न पु० गन्धक जो खुजली
 को दूर करता है
 पामन त्रि० खुजली के रोगवाला
 पामर त्रि० नीच मूर्ख बाल देवकूफ
 पायस न० दूधमें एकाहुमा अन्न
 खीर
 पायु पु० गुया मलेन्द्रिय
 पार न० दूसरी ओर दूसरा किनारा
 पारग त्रि० पार जाने वाला कार्य
 को पूरा करनेवाला

पारण न० वृत्तान्त भोजन अत के
 समाप्त होजानेपर भोजन
 पारतन्त्र्य न० पराधीनता साबेदारी
 पारत्रिक त्रि० परलोकमें हितकारी
 पारव पु० एक घातु । पारा
 पारवार्थ्य न० दूसरे की स्त्री के
 साथ गमन करना व्यभिचार
 पारमार्थिक त्रि० जो दूसरे जन्म
 में धर्म के लिये हितकारी हो
 पारम्पर्य न० कुलादि परम्परा
 ० हिले से जो नियम चला
 जाता है।
 पारलीकिक त्रि० दूसरे जन्म के
 लिये हितकारी [मादमी
 पारसीक पु० फारसदेश का पस्तु
 पारस्त्रेण्य त्रि० आरत । पराई
 स्त्री का पुत्र
 पारायत पु० कबूतर ।
 पारायार न० श्चर उधर । दोनों
 किनारे । समुद्र
 पारायण न० पूर्ण कार्यकरना ।
 किसीग्रन्थका पूरा पालकरना
 पाराधारीण त्रि० इस किनारे से
 उस किनारे तक जानेवाला ।
 समुद्रके पार जाने वाला ।

पाराशर पु० पराशरका पुत्र वेद
 व्यास पराशर [वेदव्यास
 पाराशर्य पु० पराशरका पुत्र परम
 पारपन्थिक पु० चौर । तस्कपट
 पारिप्लव न० खड्डल । भाकुल
 पारिव त्रि० समा का समा में
 हुआ समासव मेम्बर
 पारिहार्य पु० बलय । कटक कड़ा
 पारोण त्रि० पारण पारजानेवाला
 कार्य समाप्त करने वाला
 पार्य पु० युधिष्ठिर भादि पाँचोंमा
 पार्थिव पु० पृथिवीका स्वामी राजा
 पार्थत त्रि० पर्वतमें हुआ । पर्वतका
 पार्श्व पु० न० कक्षा कांस बगल
 पार्थव पु० समास्य समामें बैठा
 हुआ
 पार्णि पु० स्त्री पदों सेनाकोपीठ
 पाल त्रि० बसाने वाला रखक
 पालक त्रि० पालन करने वाला रक्षक
 पाषक पु० अग्नि भाग पिपुव
 बिजली [भाग
 पायम पु० पवित्र करनेवाला अग्नि
 पाश पु० जाल फंदा
 पाश्चात्य त्रि० पश्चिम देश का प्रा
 उस में हुआ अगदयी

राश्या स्त्री० पार्श्वोका समूह बहुत
पार्श्व [बाळा
पावलिङ्ग त्रि० वेदाङ्गा का तोड़ने
पापाण पु० प्रस्तर उपल पत्थर
पापाणवारक पु० स्तरको काटने
पाछी छमी
पिक पु० कोकिल कोइल [का बूछ
पिकरच पु० कोइलका माई भाम
पिकरस पु० पीछी आँखवाला
पिचण्ड पु० उदर वेद
पिछु पु० कार्पास कपास रई
पिच्छ न० मयूरपूछ मोरकीपूछ
पिच्छट पु० नैनन आँखका मैल
पिच्छर न० हरिनाल स्वर्ण सोना
मागकेशर पिच्छरा
पिच्छर पु० विटारी मञ्जुषा
पिठर पु० घर मुस्ता भोघा रई
पाछी [मै भकड़ने वाला
पिच्छीशर पु० चालेमें बहापुर घर
पितामह पु० साका पिता याका
दादा
पितृ पु० जनक। पिता। फावर
पितृभ्य पु० पिताका माई याका
[ठाऊ। [येटा
पितृभ्यस्त्रीय पु० स्त्री० बुधा का

पितल न० एक धातु। पीतल
पितृभ्य त्रि० पितृ स्वर्गधी पितासे
भाया
पिधान न० छावना डकना पड़वा
पिनासा स्त्री० पीमैकीइच्छा प्यास
पिनासु त्रि० पीमै की इच्छा करने
वाला प्यासा
पिपीलक पु० काला कीड़ा या
कीड़ी चौंटा चौंटी
पिप्पळ न० जलपानीपीपलकापेड़
विशास पु० मांस जाने वाला बुढ़े
काम करने वाला
विशित न० मांस जटामासी
पिशुन त्रि० सूचक कुगलबोर
कूर निर्दयी केसर
पिण न० सोसक पिणक सीसा
पीठी पोसा हुआ
पिण पु० न० सुयन अगत् सर्ग
पिहित त्रि० तिरोंदित छिपा हुआ
माच्छादित
पीठ पु० न० पीड़ा स्थूलस्त्रीकी चेदी
पीड़न पु० ममिमव व्याप कष्टदेन
पीड़ा स्त्री० व्याधातु। कष्टदेन फटीफ
पीडित त्रि० नर्दित निजोद्गाहमा
हु कित

पीत न० पानपीमाहरितालपीलारंग

पीतक न० कुङ्कुम केसर हरिताल

पीतल

पीतवासस् पु० पीलेयलोधाळा

पीन त्रि० स्थूल मोटा घृष्ट पूर्ण

पीनत पु० नासिको का रोग

पुङ्गव काम खांसी

पीयूष न० समुत्त सुधा दूध

पीलु पु० परमाणु हाथी [धातु

पीषन त्रि० मोटा स्थूल बलवान्

पीषर त्रि० स्थूल मोटा तरुणी गो

पुङ्गव न० पु रुषका, चिह्न, एक

प्रकारका अंग मुजककर

पुष्पली स्त्री० व्यभिचारिणी

यवमात्र औरत

पुसवन न० द्वितीयसंस्कार जिस

से पु रूप हो

पुस्त्व पु० पु रूपस्य मनुष्यता

इ सामान्यत

[पूरा

पुङ्गु पु० धाणमूल तीरकासिरा

पुङ्गव पु० धूप खेल अष्ट उत्तम

पुष्प न० पुष्प पीछेका हिस्सा

पुष्प पु० राशि अथ समूह घेर

पुष्ट न० गृहस्थ पत्रपात्र दोना

पुष्टमेव पु० समरभावर्तनगरयाजा

पुटिका स्त्री० एका इलाही

पुटित त्रि० मथित पीडित

पुमा

पुण्डरीक पु० सफेदकमल

पुण्ड पु० एक प्रकारका गंगा

पोंडा

पुण्य न० धर्म । मच्छा काम

पुण्यजन पु० अवापीजन धर्म

पुण्यमूर्ती स्त्री० प धर्म

आर्यावर्त । [मक्की

पुस्तिका स्त्री० छद्ममहाका श्री

पुत्र पु० तनय-आत्मज । वेदा

लक्षका

पुत्रक पु० वेदा । धूर्त । शर्म

हृत्रिमपुत्र सुतवन्ता वेदा

पुत्रिका अ० पु० लक्षकीका

खेवता

पुत्रेष्टि स्त्री० पुत्रके लिये

पुनःपुनर् न० बारबार अर्न

पुनःसंस्कार पु० दुबारा संस्कार

जनेऊ व्याह [मेव

पुनर न० अथधारण । निश्चय ।

पुनर्मय पु० काटेने पर मो

पुनःमया हो नष्ट । नाशपूर्व

पुमस् पु० पु रूप मनुष्या आर्ध

पूग पु० सुपारीका घृक्षसमूहान्व

पूजा स्त्री० सत्कार । पूजा ।

पूजाह त्रि० पूजाके योग्य ।

सत्कारके योग्य

पूज्य त्रि० पूजा करने योग्य

पूत न० पवित्र साफ शुद्ध

पूतना स्त्री० पवित्रकर्त्री हरीतकी

एक राक्षसी

पूति स्त्री० पवित्रता पाकीजगी

पूष पु० पूषा पुमा

पूय न० प्रण घाव फोड़ा जकम

पूर पु० जलका समूह घाघकी

सफाई

पुरुष पु० जमनर भावमी

पूर्ण त्रि० पूरित भरपूरभा सकल

पूर्णपात्र न० भरपूरभापात्र यतन

पूर्णमास पु० पूर्णमासी के दिन

करने योग्य एक प्रकारकायज्ञ

पूर्णमा स्त्री० पूर्णमासी पुनी

पूर्व भि० प्रथम पहिला प्राक्

पूर्वज त्रि० प्रथम उत्पन्न बड़ाभाई

पूर्वरूप न० आधिकारण पहिला

समय

पूर्वाह्न पु० दिनका प्रथम भाग दिन

पूर्वधुस न० प्रथमवियस पहिला

पूवन् पु० मान् सूर्य सूरज

पूछा स्त्री० प्रश्न सवाल

पूतना स्त्री० सेना फौज

पृथक् न० भिन्न जुदा

पृथक् न० भिन्नता जुदाई

पृथग्जन पु० नीच मूर्ख

पृथग्विध त्रि० जिसके

प्रकार हो नाना रूप

पृथिवी स्त्री० भूमि

पृथिवीवृत्ति पु० भूपृथिवी

यादशाह । राजा

पृथुल त्रि० स्थूल मोटा फेड़

पृथ्वर त्रि० चट्टे पेट घाला

पृथ्वी स्त्री० भूमि पृथिवी

पृथक् पु० सर्प साप

पृच्छ व्याघ्र

पृश्नि त्रि० खर्यौ घौना

पतला सुबल

पृथक् न० थिन्नु बूँद साँझने

पृथक् पु० श्वेत धिगु मुक

प्रकार का मृग

पृथक् पु० बाण तीर पवन

पृथक्श पु० घायु हवा पवन

पृथदाज्य न० दधिपुक्त घृत

से मिला हुआ घी

मिस्ति पु० बिंदु यूँव
 तेदर त्रि० जिसके पेटपर बिंदु
 हों बिंदु बाळा
 द न० शरीरके पोछेका भाग पीठ
 उतस् भ० पश्चात् भाग पीछेसे
 उद्गृष्टि पु० मल्लूक भालू रीछ
 उग्रय पु० पीठकी हड्डी
 वफ पु० उल्लू पयङ्गु जू मैघ[पेला
 टक पु० पिदार टोकरी सन्धुक
 ल न० भयङ्करोप पोता
 लय त्रि० सोमल कृश विरल
 नाञ्जक नरम [कोमल
 श स-ल त्रि० बतुर दस सुन्दर
 पप न० पीसना चूर्ण कल नीच
 पपि रुत्री० पीसनेकी शिलासिल
 टुक न० पितासे प्राप्त हुआ पस्तु
 वाय जायबाह
 रैतुप्रसेय पु० दुमाका घेडा
 वै न० शिलाका पदार्थ
 पोटा रुत्री० डाही मूखवाली रुत्री
 पोत पु० अहम्त भग्निबोट
 पोतभणिक पु० अहाससे जीविका
 करने वाला
 पोतवाह पु० अहास खजाने वाला
 पौड पु० पौडा गन्ना ईश

पौत्र पु० पुत्रकी संतान माती पोता
 पीनापु म्य न० बार २ होमा सदा
 होमा
 पीनर्मय पु० दुसरीबार विशाही
 गई रुत्री में हुआ सन्तान
 पीर न० नगर में हुआ शहरका
 पीरस्त्य त्रि० पूर्वदिशा में हुआ
 पूर्वदिशा का
 पीराणिक पु० पुराणको जानने
 वाला पढ़नेवाला [उद्यम
 पीरयन० चिकित्सक बहापुरी हिममत
 पीरोगध पु० पाचक रसोदपा
 पीर्णमास पु० पीर्णमासी का एक
 विशेष [पाछी पूर्णिमा हो
 पीप पु० जिस मासमें पुष्यनक्षत्र
 प्रकट त्रि० स्पष्ट । साफ जाहिर
 प्रकम्पन पु० वायु हवा बहुत
 कांपनेवाला [जिह्वा हुआ
 प्रकर पु० समूह अधिकार प्रकीर्ण
 प्रकरण न० प्रस्ताव प्रसंग एक
 विषय
 प्रकर्ष पु० उत्कर्ष बढ़ाई उत्तमता
 प्रकाशक पु० कृष्णके गुह्य-दुर्गो शाखा
 प्रकाश त्रि० यथेष्ट इच्छापूर्वक
 मर्जी के मुसाफिक [बरी
 प्रकार पु० मीव फर्क सादृश्य बरा-

प्रकाश पु० चिकारा, चमक रोशनी
 प्रकीर्ण न० भिन्न २ जातियों का
 मेल चमार फेंका गया [किया
 प्रकृत त्रि० अधिकृत, आरब्ध, शुरु
 प्रकृति स्त्री० जगत् का कारण
 माहा मीटर जिस से वस्तु
 यन्त्र है। [वाला
 प्रकृष्ट त्रि० उत्तम, प्रधान पड़ा
 प्रकोष्ठ पु० कोहली से गढ़ खेतक
 सहन कमरा [उपक्रम शुरू
 प्रक्रम पु० क्रम सिलसिला व्यवहार
 प्रक्रिया स्त्री० अधिकार प्रकरण
 धिपय हिस्सा [हयसज्जा
 प्रकर त्रि० अत्यन्तोप्र बहुत तीखा
 प्रक्या स्त्री० सादृश्य, बराबरी समता
 प्रयत्न त्रि० प्रत्युत्पन्नमति जिसकी
 बुद्धि समय परकट फुर्ती हो
 हाजिर अथाव
 प्रगाढ त्रि० बहुत गाढा अत्यन्त
 भृश दृढ मजबूत [वक्ष चमुर
 प्रगुण त्रि० सीधे स्वभाव वाला
 प्रगुह्य न० व्याकरण में स्वरसन्धि
 मेल न होना
 प्रगो अ० भवति प्रातःकाल बहुतसघेरे
 प्रग्रह पु० प्रमाह ग्रहण करना एक
 इना लगाम किरण

प्रघण न० बाहरे द्वारका
 दहकीज
 प्रघण्ड त्रि० दुर्घर्ष दुर्वह दुर्ग
 तुन्व प्रतापी
 प्रघय पु० समूह, बढ़ना,
 प्रघुर त्रि० अधिक बहुत, बड़
 प्रच्छन्न न० गुप्तद्वार
 अन्तर्हार आच्छन्न दका हुआ
 प्रच्छर्दिका स्त्री० घमन, वर
 कै भाना [कपड़ा
 प्रच्छादन न० ऊपर से
 प्रक्षा स्त्री० सन्ततिजन
 प्रक्षापति पु० ईश्वर,
 प्रक्षापती स्त्री० सन्तति वाली
 प्रक्षा स्त्री० बुद्धि, सरस्वती
 प्रक्षान न० बुद्धि चिह्न निशान
 प्रक्षीन न० पक्षियों की गति उड़ना
 प्रणय प्रीति से प्रार्थना करना
 अत्यन्त स्नेह विश्वास भावि
 नायक
 प्रणयिन् त्रि० प्रेम करने वाला मत
 प्रणव पु० ओङ्कार, ईशसंस्मरण
 प्रणाव पु० ऊँ आशम्भकानकामैत
 प्रणाम पु० प्रणति, झुकना, सुलाम

शम्य त्रि० असम्मत ऋष्य
प्रोतिगून्य [अभिनिवेश
येमान न० प्रयत्न, कोशिरा,
पिधि पु० हुतवर खुफिया
पपात पु० प्रणाम धुक्का,
ममभक्ति [रक्षा हुमा
पिदिन त्रि० प्राप्त पाया सदापित
गीत त्रि० कथा हुमा बनाया
हुमा रचित [आया हुमा
येय त्रि० वश्य भाचीन काबू मै
तति स्त्री० विस्तार फैलाव
घड़ी लता
गत पु० प्राचीनपदार्थ पुरानीचीज
स्ताप पु० तेज ताप, इकबाल
प्रतारण न० ध्वनन ठगना काल
प्रति म० कराति फैलना लक्षण
भाग उलट कर देना उलटा
प्रतिकर्मन न० कृत्रिम भूषा बनावट
सज्जान्त
प्रति-त्ती कारपु० वैरनिर्घातनबरका
निकालना इकाज [बरकस
प्रतिकूल त्रि० विरुद्ध धननुकूल
प्रतिकृति स्त्री० प्रतिमा सादृश्य
तखवीर प्रतिमिधि एवजी
प्रतिक्षण म० बार २ होना सदा

प्रतिक्षिप्त त्रि० प्रेषित भेजा हुमा
प्रतिग्रह पु० स्वीकार, कबूल,
दानलेना
प्रतिघातन न० मारण मारना
प्रतिच्छाया स्त्री० प्रतिमा तखवीर
प्रतिज्ञा स्त्री० नियम इकरार वादा
प्रतिज्ञात त्रि० इकरार किया हुमा
प्रतिज्ञान न० विनिमय बदला
लौटा देना [आवाज
प्रतिष्ठापि पु० प्रतिशब्द एक जैसी
प्रतिमिधि पु० प्रतिरूप बेंसीशकल
बाला एवजी प्रतिमा
प्रतिग्रह पु० बिरुद्ध पक्षवाला शत्रु
प्रतिवादी
प्रतिपक्ष स्त्री० प्रवृत्ति प्रागल्भ्य
चतुराई धीरज प्राप्ति सिद्धि
प्रतिपक्ष स्त्री० पक्षको भारम्भ करने
वासी तिथि पड़वा पक्षति
प्रतिपक्ष त्रि० अवगत जाना हुमा
स्वीकृत भिन्नान्त [कहना
प्रतिपादन न० दानदेना समझना
प्रतिपक्ष पु० अवरोध रक्षाघट
प्रतिमय त्रि० मयाजक मयकूर
उरावली औफलाक [भक्क
प्रतिमा स्त्री० प्रत्युत्पन्न बुद्धि कुर्ति

प्रतिमृ पु० एयङ्गी लग्नक आमिन
प्रतिमा स्त्री० सदृशीकरणतसवीर
फोटो [प्रतिमा

प्रतिमाम न० प्रतिधिम्य परछाहीं
प्रतिमुक्त त्रि० परिहित पहिरणया
छोड़ा हुआ बाँधा गया लगा
या गया

प्रतियत्न पु० याङ्छाह्छाउपग्रह
निग्रह रोकना संस्कार लेना
मेहनती [जैसी पीड़ा

प्रतियातनास्त्री० प्रतिमा तसवीरपक
प्रतिरूप न० प्रतिच्छाया प्रतिबिम्ब
तसवीर चित्र

प्रतिधिरोध पु० बाधरोफप्रतियन्ध
विघ्न निरोध तिरस्कारचोरी

प्रतिलोम त्रि० धाम विरुद्धउलटा
प्रतिलोमज त्रि० वर्णसंकर दोगला

प्रतियच्चन न० उत्तर अथाय

प्रतिबाधिन पु० स्त्री० प्रत्यर्थी
मुवालय

प्रतिधासिन् पु० स्त्री० पास रहती
घोला पड़ोसी [बदला लेना

प्रतियिधान न० प्रतीकार उपाय

प्रतिबिम्ब न० प्रतिच्छायापरछाहीं

प्रतिशासन न० हुकमकरमा विरुद्ध
माफा

प्रतिश्रय पु० स्वीकार कबूलकरण
प्रतिश्रुत त्रि० प्रतिशब्द भाव

इकरार

प्रतिपेध पु० निषेध निरोध रोक

प्रतिष्मम पु० प्रतिबन्ध रोक

प्रतिष्ठा स्त्री० पृथिवी भाग्यप्रज्ञा

प्रतिसर पु० सेनाका पिछलाभाग

हस्तसूत्र

प्रतिसंग पु० विरुद्ध रचना प्रत्य

प्रतिलीरा स्त्री० जयनिका कनई

पडवी

प्रतिहत त्रि० धीरकियागया रो

गया उलट कर मारा हुआ

प्रतीहार पु० द्वारपाल दवा

वरधाजा

प्रतीक पु० अवयव हिस्साविही

प्रतिरूप

प्रतीक्षा स्त्री० अपेक्षा इन्तिजाम

प्रतीक्ष्य त्रि० पूज्य इज्जत करने

लायक

प्रतीत त्रि० कयाल प्रसिद्ध मशहूर

प्रतीति स्त्री० ज्ञान ज्ञानमा क्याति
बादर हर्य

प्रतीप त्रि० प्रतिकूल धरमसबलदा

प्रतीर न० किमारा तट

प्रतोद पु० कथा कोड़ा चाबुक
प्रतोली स्त्री० रघ्या गली कूचा
प्रहन त्रि० पुरातन पुराणा ।
प्रत्यक्ष स० इन्द्रियजन्यज्ञान इन्द्रि
योंकी मालमात ।
प्रत्यग्र त्रि० भागे हुमा प्राथमिक
प्रत्यक् त्रि० पञ्चमकाल पिछला
समय प्रतोषी ।
प्रत्यनीक पु० 'सिस्क' सेना यिकर
हो विघ्न रोक ।
प्रत्यमियोग पु० उलटा मुकदमा
प्रत्यमिवाद पु० उलट कर प्रणाम
करना आशीर्वचन [विश्वास
प्रत्यय पु० शपथ सौगन्ध कसम
प्रत्ययित त्रि यथार्थ कहनेवाला
विश्वासी । [मुद्दालय
प्रत्यर्थिन त्रि० शत्रु दुश्मन ।
प्रत्यर्पण स० प्रत्यदान फिरदेना ।
लौटाना ।
प्रत्ययसाम स० मोहन जाना ।
प्रत्ययसित त्रि० भोगाहुला छाया
हुमा ।
प्रथमाय पु० पापदोषगुणहर्षण
प्रत्याकात त्रि० निराकृत खर
किया गया ।

प्रत्याकाम स० निराकरण इमकार
प्रत्यादिष्ट त्रि० निरस्त निकाल
दियागया इच्छा दिया गया
प्रत्यादेश पु० निराकरण निकालना
हुकम । [बहुत मजदीक
प्रत्यासन्न त्रि० अतिनिकटस्थ
प्रत्याहार पु० पीछे खींचना हटा
देना अणु भावि । [अबाध
प्रत्युत्तर स० उत्तर का उत्तर
प्रत्युत्थान स० अम्युत्थान जायेहुये
को आवरते उठकर खेता ।
प्रत्युत्पन्नमति त्रि० जिसकी बुद्धि
समय पर फुरती हो । [मुक्त
प्रत्युप पु० प्रमात सचेत दिन का
प्रत्युह पु० विघ्न रक्षापट रोक ।
प्रथम त्रि० प्रधान बड़ा, भाष पक्षि
प्रथिमन् पु० स्थूलत्वमोटा मोटापन
प्रवर पु० मित्रारण फाड़ना एक
प्रकार का योनि का रोग ।
प्रदीप पु० दीपक दिया लैम्प ।
प्रदीपन पु० पेटकी अग्निको सड़
काने वाला समकने वाला ।
प्रदेश पु० एक देश मरक मिट्टि
दीवार । [जी का पुत्र
प्रद्युम्न पु० बली कर्तव्य श्रीकृष्ण

प्रप्रव पु० पलायन भागना ।
 प्रघन न० युद्ध लड़ाई जंग ।
 प्रधान त्रि० श्रेष्ठ, बहुतमच्छामालिक
 प्रधि पु० रथकीनामि, पहिया धुरा
 प्रपञ्च पु० फैलाव प्रतारण, ठगना
 प्रपञ्चा स्त्री० हरीतकी हरद
 प्रपद न० पायके भागे काँ, भाग ।
 प्रपन्न त्रि० शरणगत शरणमें आया
 प्रयात पु० जिस से बहुत गिरता
 है, कर्ता । [पिता
 प्रपितामह पु० परदादा याया का
 प्रपौत्र पु० शीशकापुत्र पोतेकापुत्र
 प्रफुल्ल त्रि० झिल्लाहुमाधिकाशयुक्त
 प्रपन्न पु० सन्तर्पण ग्रन्थ आदिकी
 रचना ग्रन्थोपस्त ।
 प्रवाल न० नव पदकव नया पत्ता
 प्रयोध पु० अच्छी समझ जागना
 प्रयोधन न० जागना हीज में आना
 प्रबोधिनी स्त्री० बोधकरने वाली
 प्रमञ्जन पु० वायु हवा
 प्रमद पु० मीठ का वृक्ष
 प्रमद पु० पराक्रम बल अम्भ
 प्रमा स्त्री० दीप्ति चमक रोशनी
 प्रमाकर पु० सूर्य सूरज
 प्रमात न० प्राताकाल सुबह

प्रमाव पु० तेज सामर्थ्य ताकत
 प्रभु, पु० स्वामी, अधिपति पारव
 प्रभूत त्रि० बहुत प्रचुर उद्भूत
 प्रभूति अ० लेकर इत्यादि
 प्रमथन न० घघ मारना क्लेश
 पदु खाना थिलोहन
 प्रमदा स्त्री० उत्तममर्मापितामञ्जीत
 प्रमनस् त्रि० प्रहृष्टचित्त खुशचिह्न
 प्रमास्त्री० यथार्थज्ञानहीकरज्ञानता
 प्रमाण न० जिससेसबाज्ञानहीसब
 प्रमातामह पु० नाना का पिता ।
 प्रमाद पु० अनवधानता घेपरवाही
 प्रमापण न० मारण मारना
 प्रमिति स्त्री० प्रमा यथार्थ ज्ञान
 प्रमील स्त्री० ऊँचना माल मू दना
 प्रमुदित त्रि० हृष्ट हर्षयुक्त प्रसन्न ।
 प्रमेह पु० एकरोग वातुपात
 प्रमोद पु० हर्ष खुशी
 प्रयत्न त्रि० पथिज साफे जितेन्द्रिय
 प्रयत्न पु० बहुत कोशिश
 प्रयाग पु० जिसमें सम्यक् यत्न
 होता है इलाहाबाद
 प्रयास पु० प्रयत्न बहुत कोशिश ।
 प्रयुत न० दशलाख १०००००० ।
 प्रयोक्तृ त्रि० प्रयोग करने वाला
 उत्तमर्ग कर्मा देनेवाला

प्रयोग पु० लगाना मुकरर करना
 इस्तेमाल [लगाने द्वारा
 प्रयोक्ता त्रि० हेतु नामीकर्ता ।
 प्रयोजन न० मतलब काम उद्देश्य
 प्रलम्ब पु० बहुतकरवा बहुत उट-
 कता हुआ ।
 प्रलय पु० नाशक्षयछिपनाक्यामत
 प्रलय पु० क्षुब्ध । खोटा
 प्रयत्न त्रि० जिसकी अधिक
 मशकती हो
 प्रवर पु० स्वतन्त्र गोत्र श्रेष्ठ अच्छा
 प्रवक्तृ त्रि० खलने वाला काम में
 लगाने वाला ।
 प्रवर्तना स्त्री० काम में लगाना ।
 प्रवर्ह त्रि० श्रेष्ठ नेक प्रधान सदाँर
 प्रवहण न० डोली पालकी
 प्रवाह पु० परम्परागतवाक्य लगा
 तार चला माना [रहना
 प्रवास पु० विदेश यास विदेश में
 प्रवासन त्रि० विदेशमें वास करना
 माफ़ना [वाला [
 प्रवासि त्रि० विदेशमें वास करने
 प्रवाह पु० प्रवृत्ति जल का प्रवाह ।
 प्रविहारण न० युद्ध लड़ाई जंग
 फाड़ना ।

प्रवीण त्रि० निपुण चतुर समझदार
 प्रवृत्ति स्त्री० प्रवाह धारा वात
 प्रवृद्ध त्रि० वृद्धियुक्तबढ़ा हुआ प्रौढ़
 प्रवेक त्रि० प्रधान श्रेष्ठ सदाँर बड़ा
 प्रवेश पु० भीतर जाना घुसना
 प्रवेशन न० प्रधानद्वार बड़ादर्वाजा
 प्रवर्धित त्रि० सम्प्राप्ति वस्तुर्थाप्रमी
 प्रवर्धना स्त्री० सम्प्राप्त
 प्रशंसा स्त्री० स्तुति तारीफ
 प्रशमन न० घट मारना [छायाक
 प्रशस्त त्रि० प्रशंसनीय तारीफके
 प्रभ पु० खाल सिवासा कलन
 प्रभय पु० प्रणय स्नेह मुहब्बत ।
 प्रभित त्रि० विनीत शिक्षित नम्र
 प्रष्ट त्रि० भागेजानेवाला बहुतभक्ता
 प्रसक्त त्रि० लगा हुआ तत्पर मशगल
 प्रसक्ति स्त्री० प्रसङ्ग लगना मशगली
 प्रसङ्ग पु० आपसि मेला मसमून
 मैयून
 प्रसन्न त्रि० निर्मल साफ खुश
 प्रसक्ति स्त्री० नैमित्त्य प्रसन्नता
 सफाई ।
 प्रसन्नता स्त्री० प्रसाद खुश होना
 प्रसन्न न० बलात्कार अपरमस्त्री
 प्रसर पु० प्रसर स्तपसि वेग
 समूह युद्ध ।

प्रद्वय पु० पलायन भागना ।
 प्रघन न० युद्ध लड़ाई जंग ।
 प्रधान त्रि० श्रेष्ठ, बहुत मच्छामालिक
 प्रधि पु० रथकी नामि, पहिया घूरा
 प्रपञ्च पु० फैलाव प्रतारण ठगना
 प्रपञ्चा स्त्री० हरीतकी हरद्व
 प्रपद न० पायके आगे का भाग ।
 प्रपन्न त्रि० शरणगत शरणमें आया
 प्रयात पु० जिस से बहुत गिरना
 है कर्ता । [पिता
 प्रपितामह पु० परदादा बाबा का
 प्रपीत्र पु० पीत्रका पुत्र पोतेका पुत्र
 प्रफुल्ल त्रि० खिलाहु भाविकाशयुक्त
 प्रबन्ध पु० सन्दर्भ ग्रन्थ आदिकी
 रचना बन्धीबस्त ।
 प्रवाल न० नय परस्पर नया पत्ता
 प्रबोध पु० अच्छी समझ जागना
 प्रबोधन न० जागना होश में आना
 प्रबोधिनी स्त्री० बोधकरने वाली
 प्रमञ्जन पु० वायु हवा
 प्रमद पु० नीब का वृक्ष
 प्रमद पु० पराक्रम बल जम्म
 प्रमा स्त्री० दीप्ति धमक रोशनी
 प्रमाकर पु० सूर्य सूरज
 प्रमात न० माताकाल सुबह

प्रमाव पु० तेज सामर्थ्य ताकत
 प्रभु पु० स्वामी, अधिपति पार्ष
 प्रभूत त्रि० बहुत प्रचुर लक्ष्मण
 प्रभृति अ० लेकर इत्यादि
 प्रमथन न० बध मारना बलेश
 प्रभु चाना बिलोडन
 प्रमदा स्त्री० उत्तमयोपितामही
 प्रमनस् त्रि० प्रहृष्टचित्त खुशविल
 प्रमा स्त्री० यथायथानटीकर जानना
 प्रमाण न० जिससे सच्चा ज्ञान होसक
 प्रमातामह पु० नाना का पिता
 प्रमाद पु० अनवधानता बेपरवाही
 प्रमाण न० मारण मारना
 प्रमिति स्त्री० प्रमा यथार्थ ज्ञान
 प्रमीला स्त्री० ऊँचना भाँस मू बना
 प्रमुदित त्रि० हृष्ट हर्षयुक्त प्रसन्न
 प्रमेह पु० एक रोग घातुपात
 प्रमोद पु० हर्ष खुशी
 प्रयत्न त्रि० पवित्र साफ जितेन्द्रिय
 प्रयत्न पु० बहुत कोशिश
 प्रयाग पु० जिसमें सम्पत्क यज्ञ
 होता है इलाहाबाद
 प्रयास पु० प्रयत्न बहुत कोशिश
 प्रयुक्त न० दशलाक १००००००
 प्रयोज त्रि० प्रयोग करने वाला
 उत्सर्ग कर्ता देनेवाला

प्रयोग पु० लगाना मुकरर करना
इस्तेमाल [लगाने द्वारा
प्रयोजक त्रि० हेतु नामीकर्ता ।
प्रयोजन न० मतलब काम उद्देश्य
प्रसन्न पु० बहुतलम्बा बहुत लट-
कता हुआ ।
प्रलय पु० नाशक्षयछिपनाकयामत
प्रवण पु० चतुष्पथ । चौराहा
प्रवयस् त्रि० जिसकी अधिक
भबस्या हो
प्रवर पु० सन्तान गोत्र श्रेष्ठ भच्छा
प्रवतक त्रि० खसाने वाला काम में
लगाने वाला ।
प्रवर्तना स्त्री० काम में लगाना ।
प्रवर्ह त्रि० श्रेष्ठ नैक प्रधान सर्वार
प्रवहण न० डोली पालकी
प्रवाह पु० परम्परागतथाक्य लगा
तार चला माना [रहना
प्रवास पु० विदेश वास विदेश में
प्रवासन त्रि० विदेशमें वास करना
मारना [वासा ।
प्रवासिन् त्रि० विदेशमें वासकरने
प्रवाह पु० प्रवृत्ति जल का प्रवाह ।
प्रविहारण न० युद्ध लड़ाई जङ्ग
फाड़ना ।

प्रवीण त्रि० निपुण चतुर समझदार
प्रवृत्ति स्त्री० प्रवाह पार्ता वात
प्रवृद्ध त्रि० वृद्धियुक्तबढ़ाहुमा प्रौढ
प्रवेक त्रि० प्रधान श्रेष्ठ सर्वार बड़ा
प्रवेश पु० भीतर जाना घुसना
प्रवेशन न० प्रधानद्वार बड़ाद्वारजा
प्रवर्जित त्रि० सन्यासी चतुर्याभमी
प्रवन्त्या स्त्री० संन्यास
प्रशंसा स्त्री० स्तुति तारीफ
प्रशमन न० बच मारना [छापक
प्रशस्त त्रि० प्रशंसनीय तारीफके
प्रम पु० सवाल जिज्ञासा कश्चन
प्रभय पु० प्रणय स्नेह मुहम्बत ।
प्रभित त्रि० विनीत शिक्षित नम्र
प्रष्ट त्रि० मागेजानेवाला बहुतमच्छा
प्रसक्त त्रि० लगाहुमा तत्पर मशगल
प्रसक्ति स्त्री० प्रसङ्ग लगना मशगूली
प्रसङ्ग पु० भाषति मेका भजसून
मैथुन
प्रसन्न त्रि० निर्मल साफ खुश
प्रसक्ति स्त्री० निर्मल्य प्रसन्नता
सफाई ।
प्रसन्नता स्त्री० प्रसाद खुश होना
प्रसम न० बलात्कार जबरदस्ती
प्रसर पु० प्रभय बतवति घेग
समूह पुन ।

प्रसर्पण न० सेनाकाचारोंभोर फैलना

प्रसव पु० गर्भमोचन, उत्पत्तिफल

प्रसवित्री, स्त्री०, उत्पन्नकरनेवाली

माता । [विरुद्ध ।

प्रसव्य वि० प्रतिकूल बरखिलाफ

प्रसव्य भ० हठ से जीवरदस्ती

जोराबरीसे [अनुग्रहमेहरबानी

प्रसाद पु० प्रसन्नतानेमन्त्रसफाई

प्रसादनास्त्री० सेधातापेदारी [घाला

प्रसाधक वि० निःपावक पूर्णकर्त्ता

प्रसाधन न० सजावट कृत्रिमभूषण

प्रसाधित वि० अलङ्कृत सजाया

गया

प्रसारण न० विस्तार करण फैलाना

प्रसित वि० आसक्त लगाहुआ

प्रसितस्त्री० व्यापनैका साधन रस्सी

प्रसिद्ध वि० भूषित सजा हुआ

क्यात मशहूर

प्रसू स्त्री० जननी माता

प्रसूति स्त्री० प्रसव अपत्य, ओलाव

प्रसूतिका स्त्री० वह स्त्री जिसके

संतति पैदा हुई हो

प्रसून न० पुष्प फूल कुसुम

प्रस्तर पु० पाषाण पत्थर मणि

प्रस्तार पु० सुषण्यन प्रक्रिया फैलाव

प्रस्ताव पु० मधसर मौका प्रकरण

प्रसंग

प्रस्तावना स्त्री० प्रारम्भ शुरुकरना

प्रस्तुत वि० उपस्थित प्रकरणप्राप्त

प्रस्य पु० एक सेरका माप पर्वत

फैलाव

प्रस्यान न० यात्रा जाना सफर

प्रस्कोटन न० शूर्प छाजचोटलगाना

प्रसङ्गण न० वहना करना उपकना

पसाव पु० पेशाव मूत्र वहना [पहर

प्रहर पु० दिनपत का भाठघों भाग

प्रहरण न० ताड़नकरना चोटलगाना

चोट प्रहार

प्रहसन न० हास्य हँसना [घासन्ती

प्रहसन्ती स्त्री० यथिका लता

प्रहर्षिणी स्त्री० हर्षिता हन्दी - १२

महाका एक छन्द

प्रहस्त पु० फैली हुई अङ्गुलियों

वाला हाथ

प्रहित वि० क्षिप्त फेंका हुआ भेजागया

प्रहैलिका स्त्री० कठिन अर्थको

जानने के लिये खवाल करना

प्रह्लाद पु० हिरण्यकशिपु का पुत्र

प्रह्व वि० मध्र झुका हुआ हलीम

प्राशु वि० उच्च व उन्नत ऊँचा

म न० धपनी इच्छानुसार
फल प्राप्ति [फोट
तर पु० घेरा सहारदीयारी
त्रि० नीच मिमाजी
न त्रि० प्राचीन पुराणा पूर्वकाल
प्रागभाव पु० प्रथम किसो वस्तु
का न होना
प्राग्य त्रि० घेष्ट मच्छा नेक
प्राप्नुय पु० प्रतिधि मखानक
भाया हुआ जम
प्राक्पुन न० भांग न गृहभूमि चौतड़ा
प्राचीन त्रि० पुराणा पहिला
प्राचीर न० महाता घेरा फोट
प्राक्य त्रि० पूर्व देशका, के को
प्राजापत्य पु० भाठ दियाहीमें से
एक विधाह
प्राक् पु० पण्डित चतुर होशियार
प्राक्विधिक-विषाक पु० चकोल
मुक्तार
प्राण पु० हृदयस्थ वायु
प्रा णनाथ पु० प्राणोंका स्वामी
पति मालिक [प्राणायाम
प्राणसंयम पु० प्राणका रोकना
प्राणायाम पु० प्राणवायुको बरा में
रखना

प्राणिन् त्रि० जीवधारी जीवचेतन
प्रातःहस्य न० सुबह करने योग्य
कर्म
प्रातःसन्ध्या स्त्री० सयहफी सन्ध्या
प्रातर् न० सयरा सुबह
प्रतराश पु० प्रातःकालका भोजन
प्रातिपदिक पु० अर्थवाला शब्द
प्रातिमाध्य न० समानत जामिनी
प्रातिहारिक त्रि० भाषायी छलिया
प्रायमिक त्रि० पूर्ण समय में हुआ
पहिला, छे, ली
प्रावुर्माय पु० प्रकाश साहिर
प्रावेश पु० सजनी सहित फैलाया
हुआ जंगूठा
प्रावेशन न० बान देना खीरात
प्रा० पु० मच्छा मार्ग नम्र
प्राप्त पु० शेषसीमा देश [मिळना
प्राप्ति स्त्री० वृद्धि लाभ प्राप्ति
प्राप्य त्रि० पानेके योग्य मिलने
लायक
प्राभृत न० उपहार भेंट मञ्जराना
प्रामाणिक त्रि० प्रत्यक्ष भादि प्रमा
णों से सिद्ध हुआ बावलीछ
प्रामाण्य न० प्रमाणका होना
प्राय पु० मृत्यु वाहन्य बहुतायत

प्रायश्चित्त न० दुःख दुःखको सहते
 हुये चित्तको धरमि रखना
 प्रायश्चित्तन् त्रि० प्रायश्चित्तकरने
 योग्य

प्रायस् अ० बाहुल्य बहुतायत
 प्रायोपधि त्रि० कुछ न खाकर
 मरने के लिये बैठगया
 प्रायोपवेश पु० भोजन के बिना
 मरने को बैठना

प्रारब्ध न० आरम्भ किया हुआ
 शुरू किया हुआ

प्रार्थना स्त्री० याचना माँगना
 प्रार्थित त्रि० याचित मांगागया
 प्रावरण न० उत्तरीययत्र रुपहा
 प्रावृत्स्त्री० वर्षाकालमीसमवसात्
 प्रावृषेद्य त्रि० वर्षामें होनेवाला
 प्राशितक त्रि० पूछनेवाला सवाल
 करने वाला

प्रास पु० कुम्भ माला
 प्रासाद पु० राजमहल महल कीठी
 प्राङ् पु० अष्टादिचस पहिलादिम
 प्राद्वेतन त्रि० पहिले प्रहर का
 प्राद्वेतराम् अ० बहुत सबेरे बहुत
 सुबह

प्रिय त्रि० प्यारा मनोहर अंगीकृत

प्रियध्व त्रि० मीठा बोलने वाला
 प्रियतम त्रि० अतिप्रिय बहुतप्यारा
 प्रियता स्त्री० स्नेह प्यार मोहभक्त
 प्रियदर्शन त्रि० सुन्दर सुमसुरत
 प्रीणन न० तर्पण प्रसन्न करना
 प्रीति त्रि० दृष्ट प्रसन्न हुआ
 प्रीति स्त्री० हर्ष सुखी मोहभक्त
 प्रष्ट त्रि० धृष्ट जला हुआ
 प्रेक्षा स्त्री० पर्यालोचना सोचना
 प्रेक्षावत् त्रि० सोचकर कामकरने
 वाला

प्रेत पु० मृत मरा हुआ
 प्रेतगृह न० शमशान, मरघट
 प्रेत्य अ० लोकान्तरहोकर मरकर
 प्रेमन् पु० स्नेहपियागानर्म हैसीठहा
 प्रेयस् त्रि० अतिशयप्रिय बहुत
 प्यारा

प्रेरण न० प्रेषण भेजना
 प्रेष्ठ त्रि० बहुत प्यारा
 प्रोक्षण न० चारों ओर सीखना
 प्रोक्षित त्रि० सिक्त सीखा गया
 प्रोञ्जन न० मार्जन पोंछना साफ
 करना

प्रोत त्रि० पियोया हुआ गुम्फित
 प्रोपित त्रि० परदेसी परदेशमें गया

घोषितमर्त्यका स्त्री० जिस स्त्रीका
पति परदेश में गया हो।
घोड़ त्रि० उत्तम उद्योगी चतुर
घुस पु० पाकिस्तानामीष्ट पौषल
घुस पु० लुप्त उद्योगी तरना कदना
घाबित त्रि० गीला किया गया
बहाया गया

घुस न० कृषकर चलना तीन मात्रा
वाला मक्षर
घुस त्रि० दग्ध जला हुआ
घोष पु० दाह जलाना जलन
प्लात त्रि० मक्षित आया गया

(फ)

फक्किका स्त्री० असद्व्यवहार तत्त्व
के निर्णय करनेके लिये पूर्वपक्ष
फट पु० सांपका फण
फल न० लाम मतीजा वृक्षका फल
फलद त्रि० फलका देनेवाला [कावृक्ष
फलमेष्ठ त्रि० अच्छे फलवाला भाम
फलिन त्रि० फलवाला [मुमि
फलेप्रति पु० फलोंकी आनेवाला
फलोदय पु० फलप्राप्ति लाम हर्ष
फस्तु त्रि० मनोहर मिरर्यक
फाणि पु० गुड़विकार शीरा
फाणित न० फेनी कच्चीखांड

फाट न० बनायासकत भाराम
से बनाया गया
फाल न० फलके लिये हितकारी
हलमें लगा हुआ छोटा
फाल्गुन पु० फागनका महीना
फुट त्रि० फट गया फूट गया
फुल्लं त्रि० विकसित खिला हुआ
फेण न० भाग फसूकर
फेणिल त्रि० हागदार
फेर पु० शुगल गीदड़

(व)

बंदिष्ठ त्रि० मस्तिष्क बहुतही
बहीयन् त्रि० बहुतही बहुत
बडवा स्त्री० थोड़ी घोटका
बडवाति पु० समुद्रकी भाग
स्वार माटा
बजिकपथ पु० बनियोंका रास्ता
व्यापार हाट बाजार
वणिग्भाय पु० वाणिज्य व्यापार
वणिक् पु० बनिया व्यापारी वैश्य
वद्यमुष्टि त्रि० रुपय सुम कर्मस
वद्यशिक्षा त्रि० जिसकी बोटीर्यही
वध पु० मारण मारना कृतक
वधिर त्रि० बहिरा न सुनने वाला
वध्य त्रि० मारनेके योग्य

बालिश त्रि० बरुवा मूर्क वेतकूप
बाल्य न० लड़कपन । बचपन
बाण्य पु० नैत्रजल माप उपम
बाहु पु० भुजा बांह बाजू
बाहुमूल न० कम काँक बगल
बाहुयुद्ध न० मल्लयुद्ध कुस्ती
बिम्ब पु० बँदमर्यांग थोड़ाहिस्सा
बीमत्स त्रि० घुणित कुगुप्तिष्ठ
बुद्ध पु० चेतन जागाहुमा ।
बुद्धि स्त्री० ज्ञान ज्ञानता मकल
बुद्धिद न० बुल्लुला बल्लूला
बुध पु० परिहृत चतुर समकक्ष
बुधित त्रि० बात जानागया
बुधन न० मूढ उध
बुधुसा स्त्री० बुधा मूक
बुधुक्षित त्रि० मूका बुधित
बुस न० मुस मूसा
बोध पु० ध्यान जानना
बोधकर त्रि० बतानेहारा
बोधन न० विद्यापन मोदिस
बीज न० बुद्धसे कहागया रबागया
बतति स्त्री० सता बेल
बध्न न० सूर्य भाकका पृथ
बध्नातिन त्रि० प्र० आधमघाला
बद्ध पु० ब्राह्मणकी बद्धुमा

ब्रह्महत्या स्त्री० विप्रहृन्त ब्राह्मण
का मारना

ब्रह्महन् त्रि० ब्राह्मणको मारनेवाला

(भ)

भक्त न० पु० ओदन मात भक्ति
करने वाला

भक्तमरुद पु० न० बाधलोंका मांड

भक्ति स्त्री० सेवा भजन धिमाग

भगवत् त्रि० पेश्वर्यवाला [बीमारी

भगवत्कुर पु० भर्षादोग दबासीरकी

भगिनी स्त्री० सोदरा स्वस्ता यहिन

भगीरथ पु० सूर्यवंशी एक राजा

भिक्षुमिगद्गापर्वतसेनिकाठीधी

भग्न त्रि० पराजित दूटगया

भङ्गि स्त्री० विच्छेद कोटिल्य

भरीय यनावट व्याज [वाला

भङ्ग्युग त्रि० कुटिल भावही दूटने

भजमान त्रि० न्यायसे माया हुआ

भ्रम्य सेयक भौकर

भटिज न० कषाय शूल पक्वमांस

भट्ट पु० परिहृत चतुर दूसरोंका

सारीफ कर्ता

भट्टार पु० सूर्य सूरज

भट्टारक पु० राजा पूजाके लाय ह

भट्टिनी स्त्री० ब्राह्मणी राजस्त्री

यध्यमूमि स्त्री० मारनेका स्थान
 यध न० सोसक सीसा
 यन्ध पु० बांधना रोकना [भीरत
 यन्धक पु० स्त्री० घदला छिनाल-
 यन्धम न० बांधना रोकना
 यन्धनघेशमन् न० जेलखाना
 यन्धु पु० छाति सम्बन्धी भाई
 यन्धुता स्त्री० मार्पण भापसदारी
 यन्धुर त्रि० यधिर यहिरा मनोहर
 मुकट घेद्या
 यन्ध्य त्रि० बाघ फलाविरहितपृष्ठ
 यल न० सैन्य सेना ताकत
 यलद त्रि० चरको वेनेवाला जोर
 वेने वाला [यलराम यलभद्र
 यलदेष पु० थोड़ा पणके बड़ा भाई
 यलयत् त्रि० ययुत ही पली,
 यलघिन्याम् पु० सेनाकी रचना
 यलशालिन् त्रि० बलवाला जोरावर
 यला स्त्री० यलवाली [कतार
 यलाफा स्त्री० पकथेणी यगलोंकी
 यलाट पु० मुहग मंग
 यलात्त म० हटसे जोरसे जबरदस्ती
 यलात्कार पु० यलपूर्वक करण
 जबरदस्ती
 यलाहक पु० मेघ बाकल मोथा

यलि पु० भोजन कर खिराज
 यलन् त्रि० बलवान् जोरावर
 यलपु पु० काफ कौया
 यलि-ली स्त्री० सरवट; किल्ली
 यलिष्ठ त्रि० बहुतबली जबरदस्त
 बलीयस त्रि० बहुत जोरावर
 यलीषद् पु० धृष्ट पैल
 यदुयीहि पु० अन्यपक्ष प्रधानवाला
 एक समास
 यदुशस्त्र म० अनेकबार बहुत बार
 बाइध त्रि० ब्राह्मण घोड़ोंका समूह
 बाइव्य पु० पिप्रसमुदाय
 बाणिज्यम० व्यापारपनियेका काम
 बाधक त्रि० प्रतिबद्धप्रकारोक्तवाला
 बाधिर्य न० यहिरापन
 बान्धकिनेय पु० स्त्री० कुलटाखोंकी
 सवति छिनाल भीरतकी भीलाई
 बान्धव पु० यन्धु सम्बन्धी
 रिपवेदार [बालक
 बाल पु० न० शिशु बच्चा मूर्ख कोरा
 बालत्रि पु० लांगुल पूंछ
 बालभोज्य पु० बालकों के खान
 योग्य बच्चों का खाता
 बालव्ययन न० बच्चों का
 चमर चोरी

बालिश त्रि० बहवा मूलं बेवकूप
 बाल्य न० लड़कपन । बचपन
 बाप्य पु० नेत्रजल भाप उष्ण
 बाहु पु० भुजा बांह बाजू
 बाहुमूल न० कल काक बगल
 बाहुयुद्ध न० मल्लयुद्ध कुस्ती
 बिन्दु पु० पौं दमकपांश थोड़ाहिस्सा
 बीमरस त्रि० घृणित दुर्गुप्सित
 बुद्ध पु० जेतन जागाहुमा ।
 बुद्धि स्त्री० ज्ञान ज्ञान भा मज्ज
 बुद्धिद न० बुलपुला धलबूला
 बुध पु० परिवर्तत चतुर समझदार
 बुधित त्रि० ज्ञात जानागया
 बुधन न० मूल मूढ़
 बुधसा स्त्री० दाया भूख
 बुधुलिन त्रि० भूखा क्षुधित
 बुध न० मुख भूखा
 बुध पु० ज्ञान ज्ञानमा
 बुधर त्रि० जगनेहारा
 बुधन न० विद्यापन मोटिस
 बुद्ध न० बुद्धने कहागया रवागया
 बुद्धति स्त्री० लडा बेल
 बुद्ध न० धर्म भावका धृष्ट
 बुद्धति त्रि० व० आधमपाला
 बुद्धर पु० मज्जको बद्धमा

ब्रह्महत्या स्त्री० विप्रहन्न ब्राह्मण
 का मारना
 ब्रह्महन् त्रि० ब्राह्मणको मारनेवाला
 (भ)
 भक्त न० पु० श्रोत्र मांठ भक्ति
 करने वाला
 भक्तमण्ड पु० न० चापलोंका मांठ
 भक्ति स्त्री० सेवा भजन पिभाग
 भगवत् त्रि० पेशपर्यवाला [बीमारी
 भगाइदुर पु० भग्नरोग बघासीरकी
 भगिनी स्त्री० सोदरा स्वसा बहिन
 भगीरथ पु० सूर्यवंशी एक राजा
 जिन्होंने गङ्गापयतसेनिकाडीपी
 भग्न त्रि० पराजित दूटगया
 भक्ति स्त्री० विच्छेद कीटिस्य
 फरे वनापद व्यास [वाला
 भक्तगुर त्रि० कुटिल भावही दूरने
 भक्तमान त्रि० व्यापसे आया हुआ
 ब्रह्म सेवक श्रीचर
 भद्रि न० बचाव शूल पक्षमांस
 भद्र पु० परिवर्तत चतुर कुसरीका
 नारीफ कर्मा
 भद्रा व० धर्म सूरज
 भद्रा व० पु० राजा बुद्धाके साथ
 भद्रिनी स्त्री० ब्राह्मणी राजग्यो

मणिति स्त्री० कथम कहना
मण्ड पु० माँह
मद्र न० मङ्गल साधु भला
मय पु० डरना डर [याळा]
मयङ्कर त्रि० डरेको पैदा करने
मयानक त्रि० व्याघ्र डरायना
मरण न० घेतन मजदूरी पोषण
परघरिशा

मर्ग पु० तेज प्रकाश रोगनी
मर्त पु० स्वामी मालिक
मर्त्तन न० किटकना चुड़की
भक्त पु० भालू रीछ [जगत्]
भव पु० जन्म उत्पत्ति पैदाइश
भवत् त्रि० आप त [समान]
भवाहृश त्रि० आप जैसा आपके
मयानी स्त्री० शिवकी पत्नी
मधितन्य न० अश्वमध्या अकर
होने लायक

मधिष्णु पु० होमहार होने वाला
मधिष्य-त् पु० आनेवाला काल
मध्य त्रि० मनोहर सुन्दर शुभ
मपक पु० कुबकुर कुसा
मल्ला स्त्री० फूफ्फुसी धोफकी
मस्मसात् न० बिलकुल जला देना
भाग पु० बांटना हिस्सा भाग्य

भागधेय न० भाग्य राजधेय कर
दायाद हिस्सेदार [॥]
भागशस् अ० हिस्सेदार एक
भागहर त्रि० अशमाहो वारिष
भागिन् त्रि० भागवाला हिस्सेदार
भागिनेय पु० भगिनी पुत्र भागवा
भागीरथी स्त्री० गङ्गानदी [तङ्करी]
भाग्य न० शुभाशुभ सुखकल
भाङ्गीन न० भाङ्गका सेत
भाजन न० पात्र आधार योग्य बर्त
भाज्य त्रि० बाँटनेके लायक
भाटक न० भाङ्गा किराया महङ्ग
भाण्ड न० पात्र घर्तन मल्ल
भाण्डारिन् त्रि० भण्डारी
भाण्डिवाङ् पु० नापित नाई नौब
भाती स्त्री० शोभा चमक दीप्ति
भानु पु० सूर्य किरण भाकका वृ
स्थामी
भाम पु० कोष गुस्सा दीप्ति चमक
भामिनी स्त्री० कोफरीला क
स्त्रीमात्र
भार पु० बोझा गुह्य परिमाण
भारती स्त्री० सरस्वती सस्कृतभाष
भारवाट पु० बोझा उठानेवाला
भारवि पु० किराताबुनीयके बना
वाले एक कवि

मारक पु० बोका बढानेवाला [बोग्य
माव्या स्त्री० १२मी पाछन करनेके
माल न० छलाट मेस्तके भाधा
मालु छ० क पु० मल्लूक रीछ
माव प० परिष्ठत राग भाशय
मतछय

मावत्क त्रि० मापका महाराजका
मायना स्त्री० ध्यान बिस्ता फिऊ
मावित त्रि० यासितसुयवृद्धाप्ता
माविनी स्त्री० स्त्री औरत
मायुक न० मङ्गल सुशी

माया स्त्री वाक्य बोलना जबा
मावित त्रि० कथित कहाहुना
माध्य न० डीका तिछक शरह
मासु स्त्री० दीप्ति दीशनी कमक
मास पु० दीप्ति कमक गोष्ठ कुत्ता
मासुर त्रि० दीप्तिशील कमकनेवाला
मास्कर पु० प्रकाशक सूर्य अग्नि
मास्वर त्रि० दीप्तिपु क कमकने
वाला

मास्वान पु० सूर्य आकका वृक्ष
मिक्षा स्त्री० पाचन मांगना मीख
मिक्षाक त्रि० मीख मांगनेवाला
मिक्षासिन् त्रि० मीख मांगकर
मानेवाला संन्यासी

मिस्त पु० संन्यासी अनुर्थाधमी
मिस्तुक पु० स्त्री० संन्यासी मिस्तारी
मिस्त न० अण्ड दुकड़ा हिस्सा
मिस्त स्त्री० मीत दीवार
मिदा स्त्री० विदारण फाड़ना
मिदुर त्रि० वजे छोड़नेवाला
मिस्त त्रि० विदारित फाड़ागया

मुदा कियागया
मिस्त पु० जंगली खाति मीछ
मियण पु० वैद्य हकीम डाक्टर
मी स्त्री० मीति डर खीफ
मीति स्त्री० डर भय खीफ
मीम त्रि० डरावना खीफनाक
मीमसेन [सेनावाला

मीमसेन पु० एक पाण्डव भयङ्कर
मीर त्रि० मयशील डरपोक
मीरक पु० शुगले सियार व्याघ्र
मीपण त्रि० मयामक डरावना
मीम पु० शस्तनुका पुत्र मयामक
मुक्त त्रि० मक्षित जाया गया
मुक्तसमुक्ति त्रि० मोक्षकरके
छोड़ागया अन्न

मुद्र त्रि० चुकगया चुपड़ा
मुत्र पु० स्त्री० बाहु मुत्रा वर
मुजग पु० मर्ग मर्ग

भुजगान्तक पु० गरुड मोर गौला

भुजगाशम पु० गरुड मोर

भुजङ्ग पु० सर्प साँप

भुजङ्गभ्यात न० १२ अक्षरोँघाला

एक छत्र

भुजङ्गम पु० सर्प साँप

भुजान्तर न० बाहुओंका बीच गौद

भुवन न० जगत् दुनिया संसार

भुवनकोप पु० भूगोल पृथिवीका

गोला

भू स्त्री० पृथिवी जमीन

भूगोल पु० पृथिवी मण्डलवापर

भूत न० न्याय उचित पृथिवीजल

तेज वायुभाकाश यथार्थ हुआ

भूतयन्त्र पु० बलिवेश्वदेव पांच

यहों में से एक यन्त्र

भूतल न० पाताल पृथिवीका तल

भूति स्त्री० भवन होमा

भूदार पु० शूकर सुमर

भूदेष पु० विप्र प्राज्ञाण

भूधर पु० पर्वत पहाड़

भूप पु० नृपति राजा बादशाह

भूपाल पु० नृप राजा बादशाह

भूमण्डल पु० राजा बादशाह

भूमन् पु० बहुत बहुतवायत

भूमि-मी स्त्री० पृथिवी जमीन

भूमिका स्त्री० दीबाबह

भूमिज त्रि० जमीन से उपजा

भूमि-मी स्त्री० जमीन भू

भूमिष्ठ त्रि० पृथिवीपर ठहरने वाला

भूमिस्पृक् पु० धैर्यवानिया मनुष्य

भूमीन्द्र पु० नृप राजा बादशाह

भूपस्य भ० पुनः फिर बहुतही

भूयिष्ठ त्रि० बहुतही

भूरि पु० प्रचुर बहुत

भूरिगम पु० गर्दमगदहा [गीदह

भूरिमाय पु० बहुतछलिया मृगाज

भूरिशा भ० बहुशः बहुतबार

भूज्जपत्र पु० भोजपत्र

भूपण न० मलकुर गहना जेवर

भूषा स्त्री० सजावट मण्डनकिया

भूपितत्रि० मलकुर सजायागया

भूष्ण पु० भवनशील होनहार

भृकुटि-दी स्त्री० मोह का तिरछा

करनाओंका चढ़ासा

भृगुपति पु० परशुराम

भृङ्ग पु० भौरा समर [एक

भृङ्गामीष्ठ पु० सोरेकाप्याराधामका

भूतक त्रि० मजदूरी नीकरी

भूति स्त्री० भरण पोषण मजदूरी

भृत्य पु० स्त्री० मौकर सेवक चाकर
 भृश न० अतिशय जियादा बहुत
 मृष्ट त्रि० मुनाहुमा पकाहुमा
 मेक पु० मेंढक दादुर
 मेह पु० मेघ मेदा
 मेद पु० पृथक् करण जुदा करना
 मेदक त्रि० विदारक फाड़नेवाला
 जुदा करने वाला
 मेदन त्रि० फाड़नेवाला विदेखन
 वस्तु लेना विदारण फाड़ना
 मेदित त्रि० विदारित फाड़ागया
 जुदा किया गया [लायक
 मेघ त्रि० विदारणयोग्य फाड़ने
 मेदिनी स्त्री० नगाड़ा ढोल
 मेपत्र न० ओपधि दया
 मेपदाङ्ग न० दबाका मङ्ग अनुपान
 मेस न० मिष्टा मीन मीनका समूह
 मिस्तवर्षा स्त्री० मीन मांगना
 मीस्थ न० मीनका समूह
 मेपस्थ न० ओपधि दया
 मोस्त्र न० सम्बोधन में आता है है
 भोग पु० सुख दुःख आदिका
 अनुभव धन पाठन [स्थान
 भोगभूमि स्त्री०, भारतवर्ष हिन्दु

भोगिन पु० सर्प साँप मृग राजा
 भोगिबल्लभ पु० चन्दन [योग्य
 भोग्य न० धन धान्य भोगनेके
 भोजन न० खाना [खोज
 भोग्य त्रि० भक्षणीय वस्तु खानेकी
 मोटाङ्ग पु० एकदेश मूढाना [विकार
 भौतिक त्रि० पृथिवी आदिका
 भौमिक त्रि० ज़मीनदार भूमिकर से
 जीनेवाला
 भौरिक त्रि० कोपाध्यक्ष सज्जानवी
 भकुटि-टी स्त्री० भूमङ्ग मोहका
 चढ़ाना
 भमि पु० मिथ्याज्ञान भूँटीसमक
 भमर पु० मधुकर मौरा
 भमरक पु० चूर्ण कुन्तल जुहनें
 भ्रष्ट त्रि० व्युत्त गिराहुमा भयः-
 पतित पुष्ट लुब्धा [वार
 भ्राजिष्णु त्रि० दीप्तिशील भमक-
 भ्रातृ पु० सगामार्द भार विरादर
 भ्रातृज पु० भारका पुत्र भतीजा
 भ्रातृप्य पु० भतीजा शुभ दुःखमन
 भ्रातृत्व न० भारपन भारचार
 भ्रातीय पु० भ्रातृपुत्र भारका
 सङ्का

भ्रान्त न० भ्रमण घूमना मिथ्या
 भ्रानवाला [घूमना

भ्रान्ति स्त्री० भ्रं ठी समझ भ्रमण
 भ्रामक त्रि० घूमनेवाला गीदड़

भ्राष्ट्र न० भाट

भ्रू स्त्री० भौं भौह

भ्रूक्षेप पु० भौंका बढ़ाना सङ्केत

भ्रूण पु० गर्भ । पच्चा ।

भ्रूणम त्रि० गर्भकानाशकरनेवाला

(म)

मकर पु० मगरमच्छ । दशमी राशि

मकरन्द पु० पुष्पमधु फूलकाटस

मुकुट न० शिरोभूषण मुकुट ताज

मकर पु० शीशा । वर्षण

मक्षि-क्षी-का स्त्री० मक्खी

मक्ष पु० याग । धड़ । क्रतु

मध्वन् पु० इन्द्र । सूर्य

मघा स्त्री० भगिनी से दशम नक्षत्र

मङ्गुर पु० वर्ण । शीशा आहमा

मङ्गल म० शीघ्र । भ्रश । जल्व

मङ्गल पु० कल्याण । तीसरादिन

मङ्गलच्छाय पु० जिन की अच्छी

छाया हो वटपृष्ठ

मङ्गलप्रद त्रि० कल्याणको देनेवाला

मञ्जम न० स्नान । महाना

मञ्जा स्त्री० भस्त्रिसार हृद्दि
 का सार

मञ्ज पु० उच्च भासना किंवा भास

मञ्जरी-री स्त्री० बाल बलरी

मञ्जिष्ठा स्त्री० मजीठ । एक बेत

मञ्जीर न० नूपुर काजर [बल

मञ्जु त्रि० मनोहर सुंदर दिल

मञ्जुल त्रि० मनोहर लुपतर

मञ्जुषा स्त्री० सन्मुखी मेढिका

मटर्षी स्त्री० पाषाण धृष्टि

मठ पु० छात्रालय पाठशाला

मणि जी पु० स्त्री० रत्न अवाहार

मणियन्त्र पु० हाथका पहुँचा

मणिपीज पु० दाहिम मनार

मेणीष म० मणिके समान

मण्ड पु० बाँवलों का मंड

मण्डन पु० अलङ्कार लेपन

मण्डप पु० न० पंगला कोठी

मण्डल न० घेरा जिला गोला

मण्डलापीश पु० कलेक्टर

मण्डित त्रि० भूषित अलङ्कृत

सञ्जा हुआ

मण्डक पु० मँडक मेक

मण्डक न० लोहेका मँड

मठ त्रि० भस्त्रिसारमाना हुआ मजदूर

मत्तङ्ग पु० मेघ बादल
मत्तङ्गज पु० गज हाथी फील
मत्तल्लिका स्त्री० प्रशस्त अच्छा
मति स्त्री० ज्ञान बुद्धि ज्ञानता अह
मतिमम पु० बुद्धि में विकार
मतिविघ्नम पु० उन्माद रोग
पागलता

मत्क पु० मत्कुण कटमल
मत्कुण पु० कटमल
मत्कुणार पु० यिजया माँग
मत्त त्रि० मत्तवाला पागल
मत्तमपूर पु० मेघ बादल
मत्तबारज पु० मत्तवाला हाथी
मत्तर पु० डाँह दूसरे की बुद्धि
देकर जलना

मत्स्य पु० मछली मछली
मत्स्यवहोत्री० मिथीकाँडेविकार
मत्स्यवेचन न० वदिया काँटा
मपन न० बिलोना वध मारना
मैयित त्रि० हत पीड़ित मारागया
मथुरा स्त्री० कृष्णग्रन्थमूमि एक
नगरी

मदकर पु० खाँड चीनी [हाथी
मदकल पु० मत्त हस्ती मत्तवाला
मदगन्ध पु० मदिरा शराब

मदन पु० कामदेव शराब
मदनमोहन पु० धीरुष्ण
मदनसदन पु० स्त्रीका विशेषचिह्न
मदालापित पु० कोकिल कोइल
मदिरा स्त्री० शराब मद्य
मदोत्कट पु० मत्तहस्ती मत्त
मदोदय पु० मत्त मत्तवाला
मदोदय त्रि० मत्त पागल
मद्य न० मदिरा शराब
मद्र पु० देशविशेष मद्रास
मघ पु० शहद मद्य भीठा
मघकर पु० समर मौरा
मघुत्रय न० शहद घृत मिथी
मघुप पु० समर मौरा [जल
मघुपर्क पु० वधि घृत शहद मिथी
मघुपुरी स्त्री० मथुरा
मघुमक्षिका स्त्री० शहदकी मक्खी
मघुयष्टि स्त्री० गन्ना मुँहहटी
मघुर त्रि० भीठा मुरोला मनोहर
मैथुरस पु० इक्षु गन्ना जल
मघुलिङ्ग पु० समर मौरा
मघुबीज पु० दाहिम बनारस मोम
मघुशेष पु० न० मोहर का छत्ता
मघुयुवन पु० धीरुष्ण [कोइल
मघुस्वर पु० भीठी भावाङ्गवाला

मधूच्छिष्ट न० छत्ता मोम
 मध्य त्रि० अन्तराल बीच
 मध्यगन्ध पु० आन्न आमका पेय
 मध्यतत्त्व म० बीच बीचसे
 मध्यदेश पु० बीचकामाग बीचका
 मुक्त एक देश
 मध्यस्तिन न० मध्याह्न दुपहर
 मध्यम त्रि० मध्यम, बीचका
 मध्यमलोक पु० पृथिवी भूमि
 मध्यमसाहस पु० विभा विचारे
 कार्य करवाहना बलपूर्वक
 कार्य करना
 मध्यमाहरण न० बीजगणितमें
 प्रसिद्ध अव्यक्त मानके नापने
 वाली गणना
 मध्यरात्र पु० निशीथ अर्धरात्र
 आधीरात्र [उदासीन
 मध्यवर्तिन त्रि० बीचमें रहनेवाला
 मध्याह्न पु० बीचका समय दुपहर
 मध्यासय पु० फूलभाविका अंक
 मनसु न० चित्त दिल, मन
 मनसिज पु० मनमें लपका कामवेध
 मनस्ताप पु० मनकी पीड़ा पीड़ा
 मनका तपना
 मनस्विन त्रि० परिहृतबिचारशील

मनाक म० ईपड़ कुछ थोड़ासा
 मनीष त्रि० ज्ञान जानाबुझो
 मनीषा स्त्री० बुद्धि मह
 मनीषिन् त्रि० परिहृत मुन्नी कल
 मनु पु० धर्मशास्त्र के रचनेवाले
 एक मुनि
 मनुज पु० मनुकी सन्तान नर, जात
 मनुष्य पु० मनुकी सन्तति पुन
 आवमी
 मनोज्ञ त्रि० मनके तुल्य जिसका
 वेग हो बड़े वेगवाला
 मनोक त्रि० सुन्दर मनोहर मनकी
 हरनेवाला दिलचस्प
 मनोभव पु० मनोज कामदेव
 मनोरथ पु० इच्छा अभिलाष
 मनोरम त्रि० सुन्दर मनोहर [सुख
 मनोहर त्रि० रुचिर सुन्दर खूब
 मनु पु० अपराध कसूर मनुष्य
 मन्त्र पु० सलाह गुप्तभाषण
 मन्त्रदातृ पु० स्त्री० मन्त्रका देनेवाला
 गुरु सलाह देनेवाला
 मन्त्रिन् पु० स्त्री० धनीर, सेक्रेटरी
 मन्थ पु० रई बिलोना किरण
 मन्थन न० मथनीत मक्कन
 मन्थन पु० रई-मथानी बिलोना

मन्थर त्रि० मन्थ घीमा सुस्त
मन्थिन् पु० स्त्री० बिलोनेवाला
मन्थ त्रि० मूल बेवकूफ कोमल
मन्थ त्रि० मन्थ सुस्त बेवकूफ
मन्थता स्त्री० आलस्य मन्थना
मन्थाकान्ता स्त्री० १० मन्थरकेपाव
वाला एक छन्द

मन्दाक्ष न० लज्जा शर्म
मन्दाग्नि पु० बदहजमी मज्जीर्ण
मन्दिर न० गृह घर पुर
मन्थुरा स्त्री० अस्तबल सवेला
मन्थोदरी स्त्री० रायणकी स्त्री
मन्थोष्ण न० थोड़ा गर्म
मन्मथ पु० कामर्ष कामदेव
मन्थु पु० शोक वीमता कायरपना
मन्थस्तर न० ३११४४८०० इतने

बर्षों का समय
ममता स्त्री० मेरापन स्नेह प्यार
मथ पु० एक दैत्य ऊँट
मथुन पु० किरण शोभा शिला
मथूर पु० मोरपक्षी
मरक पु० बिना समय मरना बबा
मरकत न० हरे रंगकी एक मणि
मरण न० मृत्यु मरना मौत [थोड़ा
मराठ पु० इस कज्जल बादल

मरु पु० निर्जलदेश रेगिस्तान
मरुत् पु० पथन हवा घायु
मरुत्पथ पु० आकाश आसमान
मरुत्सज पु० अग्नि भाग
मरुम् पु० निर्जल देश मरुत्पथ
मरुट पु० बन्दर मकड़ी
मरुत पु० मनुष्य पृथिवीलोक
मरुत न० मलना कूटना
मरुित त्रि० क्षुण्णित पीसागया
मरुह पु० स्त्री० तत्त्वज्ञ छिरी हुई
बातको जाननेवाला

ममन न० जीवन्मृत्यु स्थान संनिस्थान
मर्मर पु० पत्तों भादि का शब्द
मर्या स्त्री० सीमा हद्द
मर्यादा

मलमास पु० लौकिक महीना
मलय पु० एक पर्वत जिस र
बढ़न होता है [बढ़न
मलयज न० मलय पर्वतमें उग्रा
मलिन त्रि० दूषित मैला [मुसहो
मलिनमुख पु० स्त्री० जिसका मुँह
मलीमस त्रि० मलिन मैला
मल्ल पु० पहलवान [स्वा
मल्लम् स्त्री० मल्लाहा वाद्य
मल्लपुत्र न० कुश्ती लड़ना

महोला स्त्री० बड़ी इलाखी
महोक्ष पु० बड़ा बेल [हर्ष
महोत्सव पु० बड़ा उत्सव महान्
महोत्साह त्रि० बहुत उद्यमी बड़ा-
हिम्मती

महोदधि पु० समुद्र सागर
महोदय त्रि० बहुत पेश्वर्यवाला
महोन्नत त्रि० बहुत ऊँचा
महोरग पु० बड़ा साँप ।

मा अ० निषेध धारण माप
मांस न० आम्रिय गोश्त [की सबीं
मांसज न० मांस से पैदा हुई देह
मांसल त्रि० पली स्पुल मोटा
मांससार पु० मैद चर्बी
मांसिक त्रि० कसाई मांसजीवी
मागत्र पु० श्वेतजीरा स्तुतिपाठक
माट

माघ पु० माघका महीना माह
माग्न्य न० कल्याणकारी शुभ
मासिका स्त्री० मासिका मक्की
मासिष्ठ न० मजीठ से रंगा हुआ
माणय पु० छोटा मर वालक
माणवीन त्रि० बालकका बालक
सम्बन्धी

माणव्य न० बालकों का समूह

माणिक्य न० खालरगका एक

माणिक्य न० सौम्य लवण

मातङ्ग पु० गज हाथी

मातापितरौ पु० माता पिता

मातरिश्वन् न० घायु इला

माता स्त्री० जननी मा

मातामह पु० मामा

मातुल पु० मामा

मातृ त्रि० प्रमाणकर्ता

मातृका स्त्री० उपमाता दाई

मातृबन्धु पु० मामा

मातृष्वसा स्त्री० मौसी

मातृष्वशेष पु० मौसी का पु

मात्र न० समस्त कुल

मात्सर्य न० ईसद-बाह कीना

माय पु० मार्ग घाट, रास्ता

मायुर त्रि० मधुर का, के, की

माव पु० दप, महङ्कार गहर

मादक त्रि० नशा करनेवाली चीज

मादन न० लयङ्ग लोण

मादक श त्रि० मेरे समान मुक्त

माद्री स्त्री० पादपुराजाकी वृक्षी

माध्यमिन् न० मध्यदिनका भाग

यजुर्वेदकी एकशाखा

माघीकल पु० मारियल का वृक्ष

तल न० परिमाण माप मापना
 तलमन्त्रि पु० मपराम गुमाह भूल
 तलप पु० मनुष्य नर मादमी
 तलस न० मन विल खिन्न
 तलिनो स्त्री० फली वृक्ष मान
 करने वाली स्त्री
 तलप पु० पुण्य मादमी
 तलप्य न० मनुष्यत्व इंसानियत
 तल्य न० धीमापन मूर्खपन
 तल्य त्रि० पूज्य पूजाके लयक
 तल्यक त्रि० मत्सम्बन्धी मेरा
 राया स्त्री० कपट छल इन्द्रजाल
 रायालत पु० मदारी बाजीगर
 रायाविन् त्रि० ऐन्द्रजादिक मदारी
 छलिया
 रायिक त्रि० छलिया कपटी
 रायु पु० शरीर का पिच
 रायूर न० मोरोंका समूह
 राय पु० कामदेव विघ्न शोक
 रायक पु० मारण मारना
 रायि स्त्री० मारण मारना
 रायीव पु० ताडकात्म्य एकद्वैत्य
 राय्य पु० पण्य रास्ता शुद्धि साफ
 रायण न० मन्वेपय तलाश
 रायशिर-मार्गशीर्ष पु० जगह न

मार्गित त्रि० मन्वेपय तलाश
 किया गया
 मार्जन न० शोधन सफाई
 मार्जार पु० दिहालपिलापपिछीटी
 मार्जारी-स्त्री स्त्री० बिल्ली बिलैया
 मार्जितत्रि० शोधितसाफकियाहुआ
 मातएव पु० सूर्यशूकर भाककावृक्ष
 मासिक त्रि० मिट्टी से बना हुआ
 मिट्टी का
 मार्दङ्गिक त्रि० सुवङ्ग वज्राने वाला
 मार्दव न० कोमलता मृदुत्व मुला
 धमत
 मार्दि स्त्री० शोधन सफाई
 मालती स्त्री० आवीलता शुबती
 स्त्री अयान औरत
 मालतीपत्री स्त्री० जवित्रीजलवत्री
 मालतीफल न० जायफल [वाला
 मालमारिक त्रि० मालामों के बोझे
 मालाकार पु० स्त्री० माछी
 मालिक पु० स्त्री० माली
 मालिकास्त्री० नयम लुकामालतीबेल
 मालिन् पु० स्त्री० मालाकार
 माखूर पु० बिल्व पेठ कपित्थ
 माखेय त्रि० अतुरमाली [फुलादि
 माख्य न० मालाके लियेदितकार

माशब्दिक त्रि० निषेध करनेवाला
माप पु० सदृश उर्ध्व एकतोल
मापवर्धक पु० सुवर्णकार सुनार
मापीय न० जिस सेत में उर्ध्व होते

हों वह सेत

मास पु० मास महीना चन्द्रमा
मास पु० चन्द्रमा महीना
मासन न० सोमराजीकृता
मासर पु० भक्तमण्ड मांड
मासान्त पु० मासावसान महीने

की समाप्ति

मासिक त्रि० महीनेका साहचार
मास्य अ० निवारणयेकमाहदाना
माहाकुल त्रि० बड़े कुल में उपजा
माहात्म्य न० महिमा महत्त्वतादीफ
माहिष न० असका दूध भावि

सौग भावि

माहेय न० धृषिणी से उपजा
माहेश्वर त्रि० ईश्वर से मिठा
हुमा ज्ञान भावि

मित त्रि० परिमित मापा हुमा
मितकृमपु० गजहाथीपरिमितगामी
मितह पु० सागर समुद्र
मितस्पष्ट त्रि० रूपण कर्मस नाप-
कर एकानेवाला [प्रमाण
मिति स्त्री० ज्ञान मापना विक्षेप

मित्र न० पु० सखा दोस्त
मित्रयु पु० मित्रकाप्रिय दोस्त
प्यारा

मिथस् अ० रहसि एकान्तमें मने
मिथिला स्त्री० मपनेनामसेप्रति
नगर तिरहुत

मिथुन न० स्त्री ध्रुव जोड़ा
मिथ्या न० असत्य झूठ

मिथ्यामिरसन न० शपथ कस
काकर मने करना

मिथ्यामियोग पु० झूठा मुकून
मथ्यामिशसन न० मिथ्या कतब
झूठा दीप [झूठी समझ

मिथ्यामति स्त्री० भ्रान्त धर्म
मिथ न० संयुक्त मिठाहुमा उल्लस
धेष्ट

मिथकावर्ण न० एक धन

मिथ न० छल बहाना कपट
मिथिकर स्त्री० जटामांसी

मिथ त्रि० सिक मीठा
मिथिका स्त्री० नीहार पाला बरफ

मिथिर पु० सूर्य धृष्ट मेघ वायु
देवन

मीठ त्रि० सुश्रित मृता हुमा
मीठुम पु० सूर्य सूरज

मीन पु० मत्स्य मछली
मीनकेतन पु० कन्दर्प का अर्धव
मीमांसक पु० मीमांसा शास्त्र को
जानने व पढ़ने वाला
मीमांसा स्त्री० एकशास्त्र का नाम
मीमन न० बाइकरना मीमना
मीलित त्रि० मिखाहुमानमिलाहुमा
मुकुट पु० शिरोमूषण शिरकाजिवर
मुकु पु० मोक्ष छुटकारा त्याग
मुकुर पु० दण्ड शीशा
मुकुल पु० न० थोड़ीसी खिली
हुई कसी कली शरीर
मुक्त त्रि० त्यक्त छुटोहुमा
मुक्तसंग त्रि० परित्राट् संन्यासी
मुक्तहस्त त्रि० दानसील बहुतदानो
मुक्ता स्त्री० मोती एक रत्न
मुक्तामसू स्त्री० मुक्ति सीव
मुक्ताफल न० मौक्तिक मोती
मुक्तावली स्त्री० मोतिमों का हार
मुक्ति स्त्री० मोक्षन छुटकारा रिहाई
मुक्त न० बदन मुक्त भाग
मुक्तगिरीसक त्रि० वृक्ष का मुँह
देखने वाला भालसी
मुक्तमूषण न० ताम्बूल पान

मुक्तार त्रि० भ्रमगस्ता कटुवापी
सखल [हुमा
मुक्तरित त्रि० शब्दायमान बोलता
मुक्तलाङ्गल पु० शूकर सुमर
मुक्तवस्त्रम पु० अगार का वृक्ष
मुख का प्यारा
मुखधास पु० कर्पूर कपूर
मुखध्यावान न० मुख का सोलना
मुखसाय पु० मुख का बहना
लार टपकना
मुख्य त्रि० प्रधान श्रेष्ठ
मुख्य त्रि० मुख्य मूढ़ बेवकूफ
मुञ्ज पु० एक वृण
मुण्ड पु० न० मन्त्रकर्मिया मूढ़
मुण्डक पु० नापित नाई नाक
मुण्डन न० बालोंका कटवाना
मैडना
मुण्डफल पु० नारियल नारिकेल
मुदिर पु० मेघ बावस
मुह पु० मूँग एकपत्ती
मुहुर पु० न० मुहुर एकवृक्ष
मुद्रा स्त्री० मोहर मँगठी
मुद्रिका स्त्री० मँगठी छिपाहुमा
मुद्रित त्रि० अङ्कित छपा हुमा
मुद्रा न० मिथ्याहृथाङ्क दवेफाई

मुनि पु० शानी सत्पुरुष विचार
शील

मुनीन्द्र पु० पुरपोसम मुनि थे छ

मुन्यन्तन० मुनिमोकोमन्त्रसामादि

मुमुक्षु त्रि० मुक्तिको इच्छा करने
वाला यति

मुमूक्षान न० मेघ बादल

मुमूर्ष त्रि० भासन्नमृत्यु जो
मरना चाहता हो

मुर न० घेएन घेरना [मुरली

मुरला स्त्री० नर्मदानदी बांसुरी

मुरलीघर पु०, श्रीकृष्ण

मुपित त्रि० खोरी किया गया

जिसका घनादि खोरी गयाहो

मुष्क पु० अष्टकोश तस्कर

मुष्कशून्य पु० रनेवास का रस

वाला नपुसक [मुष्क

मुष्टि पु० स्त्री० घन्थाहुमा हाथ

मुष्टामुष्टि अ० मुष्कामुष्की

बूसाघंसी

मुष्टिबन्ध पु० बालक घन्था

मुष्टिबन्ध पु० समह जमा करना

मुस्त पु० मुस्तक मोथा

मुहिर पु० मुख बेबकूप कामदेव

मुहसु अ० बारबार होना

मुहसु पु० न० कुछ समय तक

मुक्त त्रि० मंगा

मुक्त त्रि० मुख जड़बालक बेबकूप

मुच्छन्ना स्त्री० बेहोशी गानेका एक

अंग

मुच्छन्ना स्त्री० मोह बेहोशी

मुच्छाल त्रि० बेहोश बेसुध

मुच्छलित त्रि० बेसुध बेहोश

मूर्ति स्त्री० देह शरीर वर्णकादि

प्रतिमा

मूर्तिमत् त्रि० मूर्तिवाला शङ्खवाजी

मूर्ख पु० केश बाल

मूर्ख न्य त्रि० मूर्खपाना जो मूर्ख

से बोले जाते हैं

मूर्धन पु० मस्तक भाग [एक बेह

मूर्धा स्त्री० अपने नाम से प्रसिद्ध

मूर्धामिषिक पु० राजतिलक को

प्राप्त हुआ राजा क्षत्रिय

मूल न० जड़ सत्त्व खास

मूलक न० मूलों एक कन्द

मूलप्रकृति स्त्री० सबका कारण

सत् राजसतमस्को समान दशा

मूलाधार पु० नामि टूंडी

मूलिन पु० जिसकी जड़हो वृक्ष

मूलधिसुप्त पु० जो जड़को काटता

हो रख गाढ़ी

मूत्र न० मोछ कीमत धन ।
 मूत्रक पु० ली० मूसा चूहा
 मृग पु० परगुमान मन्त्रेयण मींगना
 मृगशीवण पु० जो पशुओंके द्वारा
 जीता है
 मृगणा ली० नष्ट हुए द्रव्य की
 तलाश करना
 मृगतृष्णा ली० निर्जलदेशमें बाँह
 १२ सूर्य को किरणोंके पड़ने
 से पानी का क्याल होना
 मृगदेशक पु० कुम्भकुर कुत्ता
 मृगधूर्तक पु० शगल, खियार
 मृगपाते पु० सिंह शेर मृगेन्द्र
 मृगधपासीय पु० व्याघ्र
 मृगपा स्त्री० माछोट शिकार
 मृगपु पु० हरिण याछा स्वार
 मृगराज पु० सिंह शेर
 मृगलक्षण पु० चन्द्र चार
 मृगध्वज न० मृगपा शिकार
 मृगली ली० मृगके मट्टशयैत्रवाली
 मृगिष्ठ भि० मन्त्रेयित तलाश
 किया हुआ
 मृगेन्द्र पु० सिंह शेर
 मृगेन्द्रयष्टक पु० श्वेन राज
 मृगाली ली० मार्जन सकार

मृणाल न० कमलकी प डी
 मृत त्रि० त्यक्तप्राण । मरा हुआ
 मृतक न० शव । मुर्दा
 मृतकल्प त्रि० मरेहुये के सङ्ग्रह
 मृतघत्सा ली० जिसका बन्धा
 मर गया हो । मुर्दा
 मृत्तिका ली० मिट्टी ।
 मृत्यु पु० मरण । मरना । मौत
 मृत्सना ली० अच्छी मिट्टी
 मृदुवा ली० मृत्तिका । मिट्टी
 मृदुङ्ग पु० स्वनामसे प्रसिद्ध राजा
 मृदु त्रि० कोमल । मुखायम
 मृदुल त्रि० कोमल । पानी । जल
 मृश्रीका ली० दासा । दास
 मघ न० युद्ध लड़ाई । जग
 मृग म मिथ्या । झूठ झगुन ।
 मृगायक न० जिसका मघ मर्घया
 झूठा हो [यमन
 मृगायाद पु० मिथ्या वापय झूठा
 मृपोष न० मिथ्याकथन झूठकहना
 मेख हा ली० लगड़ी फरधनी
 मेघ न० जलधर बादल
 मेघतायन पु० चातक पपेहा
 मेघध्यानिम् न० विष्णो
 मेघयोगिनी ली० धूम । धर्मा

मेघधर्मन् न० भाकाश भासमान
 मेघागम पु० वर्षाकाल वर्सात
 मेघनन्दिन् पु० श्री० मयूर मोर
 मेघक न० अन्धकार अजन धावल्
 मेघ पु० मेघ पावल लिङ्ग
 मेघस् न० चपा
 मेदिनी स्त्री० पृथिवी जमीन
 मेदुर त्रि० बहुत शिफना
 मेघा स्त्री० धारणाधती बुद्धि
 मेघाधिन् पु० धारणाधती बुद्धि
 वाछा ली
 मेघिर त्रि० अच्छी बुद्धिवाला
 मेघिष्ठ त्रि० मेघावाला
 मेघ्य त्रि० पवित्र शय्य साफ
 मेघी स्त्री० मैत्री जित्त के लगानेसे
 छाल हस्त होये हैं । योग्य
 मेघ त्रि० नापने के लियेक जानने
 मेघ पु० एक पवत पहाड़
 मेल्क त्रि० घवाह सग मेल
 मेला स्त्री० मीठ का दूध लिलामा
 मेप पु० स्त्री० मेढ़ा मेह
 मेह पु० प्रसाध पेशाब मेघ
 मेह न० शिअ लिङ्ग सुश्रोत्रार्ग
 मैत्री स्त्री० मित्रता दोस्ती सख्य
 मैथिली स्त्री० मिथिला में पैदा हुई
 सत्ता

मैथुन न० स्त्रीप्रसङ्ग मोग
 मैनाक पु० एक पवत पहाड़
 मैरेय पु० भासव शराव
 मोक्ष पु० मोक्षम मुक्ति छटना
 मोक्षक पु० मोक्ष मुक्ति निवार
 मोव पु० हर्ष प्रसन्नता सुखी
 मोवक पु० हर्ष देनेवाला सख
 मोदिनी स्त्री० हर्ष देनेवाली
 अन्नवाहन
 मोयक पु० तम्बर खोर चहा
 मोपण न० लुगटा लटना छेदक
 मोह पु० मन्त्रा वेदोगी मन्त्रानुष्ठान
 मोहन त्रि० मोह करानेवाला चदरा
 मोक्क न० मका गोती । हार
 मोक्कसर प थो-सयोंकी लड़ी
 मोखो स्त्री० नगड़ी करपाने
 मोखोदन्ध न० यक्षोपदीन संस्कार
 मोदय न० मूर्खना घालक पतन छिन्न
 मोदुगीम न० मूर्खी पैदा होने से मोह
 मौन न० रूप अप खामोश
 मौमिन् त्रि० चुप रहनेवाला
 मार ऊक त्रि० मृदु ग यजानेवाला
 मोक्ष्य न० मर्त्यतः वेनेवाली
 मोल न० मलमोला तनेवाला प्रहरी
 यजका राज्य में पुराना कार्य
 करनेवाला

बीछि पु० स्त्री० मूत्रा कोटी
प्रसन्न न० सयोजन कोटी
राशीकरण

प्रदिन पु० मूत्रत्व कोमलता
नाश करण [मुर्छा यम

प्रदिष्ट त्रि० यहूत कोमल यहूत
त्रियमाण त्रि० मृतसदृश मराहुमा
स्थान त्रि० मलिन मैला थकहुमा
खेष्ट न० साफ न थोकाहुमा खसन

मुरझाया हुमा
खेष्ट पु० मपशब्द भुटा/यवन
भोज पु० रुच

(य)

यस पु० पूजा करने योग्य
यमकती स्त्री० मिर्गी के रोग को
नारा करनेवाली दासा दास

यमर पु० निगी का रोग
यित पु० योग यह शत्रु
यित न० यहकरना [करनेवाला

यिमान पु० यहकर्ता स कार
यिर्वेद पु० एकत्रिका नाम है
युम्न न० यहर्वेद

यपशु पु० अग्नि भाग

यपु कर पु० विष्णु ईश्वर

यवस्त्री स्त्री० सोमकटा

यहवाट पु० यहकी जगह

यहसूत्र न० यहोपवीत जमेऊ

यहान्त पु० यहकी समाप्ति [देश

यहोपवेश पु० यहकरनेके योग्य

यहोपवर पु० विष्णु ईश्वर

यहोपवीत न० अनेक [पाछा

यज्यन् पु० विधिले यहकरने

यजुस् न० जिससे क्यों/कि

यतम त्रि० इन में से एक

यतर त्रि० इन दोनों में से एक

यात पु० गरिमाद् सम्पासी

यति पु० जिसमें गम्भी इन्द्रियों

को दमन किया हो सम्पत्ती

यत्न पु० भायान् उपयोग को शेष

यत्र न० जिसमें जहाँ

यथाकाम न० इच्छानुसार मर्जी के

मुभाकिक [सिंहवार

यथाक्रम न० क्रमांतर सिद्ध

यथाज्ञान त्रि० मूर्ख मूढ बेचकूत

यथायथ न० यथायथम् यथाथ

ठीक २

यथायथ न० अर्थके अनुसार र ठीक २

यथाह न० यथायथम् उ साक्षाद्विदे

यथार्हवर्ण पु० अर वृत्त जास्स

यथार्थक न० अर्थके अनुसार वा

कत के मुताबिक

यथाशास्त्र म० शास्त्रानुसार शास्त्र

के मुताबिक [के मुताबिक

यथोचित म० इच्छानुसार क्या हिश

यथोचित म० भीषित्य म० नासिब

यत् त्रि० सर्व नाम जो

यदा अ० जिस समय जब

यदि म० पक्षान्तर अगर जो

यदृच्छा स्त्री० स्वातन्त्र्य स्वीरता

स्वाधीनता खुदमुक्तता ।

यन्तु त्रि० गाड़ी चलाने वाला

सारथी

यन्त्र म० कला कल, पात्र बर्तन

यन्त्रण न० नियमन रोकना रक्षण

प्रीड़ा

यम पु० महिला सत्य ब्रह्मवदय

खोरी त्याग इन्द्रिय संयम

यमज त्रि० एक साथ दो बच्चे

जन्मे हुए

यमम न० य प्रम बांधना

यमराज पु० मृत्यु मौत

यमल न० यम जोड़ा

यमना स्त्री० पसिद्ध नदी जमुना

यध पु० जी एकरूपकार का मन्त्र

यवन पु० एक देश उस के लोग

यवनप्रिय न० मरिच मिरच

यवनानी स्त्री० यवनमिषि पुरखी

के हाथ का लेख

यवमिका स्त्री० कनात पड़रा

यवनी स्त्री० यवनकी स्त्री यवन

यवस न० जयासाँ एक प्रांत

यवान स्त्री० दुधलप्सी इति

लप्सी

यविष्ठ त्रि० बड़ा जवान कमिष्ठ

यव्य न० जी बोने योग्य

यशस न० कीर्ति नेकनामी

यशस्वत् त्रि० कीर्तिमान बल

यशोद त्रि० कीर्ति के देने वाला

यष्टि स्त्री० छाठी डरवा

याग पु० यह हवन होम

याचक त्रि० मांगने वाला मंत्रि

याचन न० मांगना याचना

याच क त्रि० मांगने वाला

याचित त्रि० मांगता प्रा

मांगागया

याच्य स्त्री० प्रार्थना मांग

याजक पु० यह कराने वाला

याज्यत्वक्य पु० एक मुनि

याज्ञसेनी स्त्री० द्वीपदी

याज्ञिक पु० प रोहित यज्ञ के

उपयोगा पस्तु

पातना स्त्री० तीव्रवेदनाबड़ोपीड़ा
 पातपाम्बु त्रि० जीर्ण बाम्बो जूठा
 पातपत्र त्रि० आने के लायक
 पातुपान पु० पालन देख्य
 पाता स्त्री० देवराणी
 पात्रा स्त्री० सफर कूब [तैसा
 पायःतप्य न० ज्योंकात्यों, जसा
 पादुच्छिन्न त्रि० अपनी हड्डा से
 भाया
 पान न० पानन सन्धि आदि छः
 गुणों में से एक सवारी
 पापन न० समय का नाश करना
 काटना
 पामाता पु० अमाई वामाद
 पामि स्त्री मात्र बहिन
 पामिनी स्त्री० रात्रि रात
 पामिनीपति पु० बन्धुमा, भाई
 पापशुक्र पु० बारर पड़करनेवाला
 पापाघर पु० देश देशान्तरोंमें भूमने
 वाला
 पावत् त्रि० जितना अवतक
 पावतिथ त्रि० जितनोंकामरनेवाला
 पावनाल पु० सुमार, जूनरी भस्म
 बाहीक पु० छाठी वाला छतुबाज
 पुक त्रि० मिश्रित मिला हुआ
 उचित

युक्ति स्त्री० न्याय, व्यवहार दलील
 युगन० सत्ययुग तथा द्वापर, कलि
 गाढ़ो मादि का जुमा
 युगपद् भ० एक साथ एकवार
 युगल न० युग्म जोड़ा
 युगान्त पु० युगोंकामन्त प्रलयकाल
 युग्म न० युगल दो
 युग्य न० जुमा रखनेके योग्य खेल
 आदि सवारी यान
 यज्ञान पु० सत्यधैरा, योगी, सारणी
 युत त्रि० समुक्त मिला हुआ
 युद्ध न० संग्राम रुड़ाई
 युध स्त्री० युद्ध जंग
 युधिष्ठिर पु० रुड़ाईमें उहरनेवाला
 एक पाण्डव
 युयुधान पु० क्षत्रियमात्र
 युधच्छति स्त्री० गंज रोग वाली
 अधान बीरत [भीरत
 युधति स्त्री० सीधनवती अधान
 युधन् पु० अधान अच्छा
 युधराज पु० राजाके पत्नी राजा
 होने वाला
 युष्मद् त्रि० तुम तुम्हारा
 युक्त पु० स्त्री० जमा हुआ
 युति स्त्री० मित्री कारण मिलाना

पृथ न० समूह गिरोह

पृथनाथ पु० अंगली हाथियों का
स्वामी सरकार

पृथ न० यज्ञ का अम्मा

योक्त्र न० जुआ बाँधनेकी रस्सी

योग पु० मिलावा संयोग जोड़

योगक्षेम न० न मिले हुये वस्तुका
मिलना भीर मिले हुयेकी रक्षा
करना

योगरूढ प० धातु य प्रत्ययका अर्थ
न होना किसी खास वस्तुका
बोध होना जैसे पट्टन कीचसे
उपमा परस्तु कमल का धोय
होता है

योगासन न० योगका आसन योग
के लिये आसन

योगिन् त्रि० सुख तथा दुःख को
समान देखने वाला योगी

योगीश्वर पु० योगियोंमें श्रेष्ठ

योगेश्वर पु० योग का मालिक
श्रीकृष्ण

योग्य त्रि० उचित मुतासिब चतुर

योग्यता स्त्री० सामर्थ्य शक्ति
लियाकत

योजन न० संयोग मेल स्वारकोस

योत्र न० योस्त ओठ जुमारे
साथकी रस्सी

योद्धा पु० पहलवान बहादुर

योध पु० पहलवानलाईकरनेवाला

योधन न० युद्ध लड़ाई जग

योधसंराध पु० योधाओं का

युद्धके लिये भावसमै युक्त

योनि पु० स्त्री० भाकरखानकारण

स्त्रियोंका खास चिह्न

योनिज न० योनिसे पैदा हुआ

योषा स्त्री० स्त्री नारी औरत

योधित स्त्री० स्त्री नारी औरत

योक्तिक त्रि० य किसिद्ध शक्ति

के साथ योग्य

योगिक त्रि० धातु तथा प्रत्यय

के अर्थ को बतलाने वाला

यौतक न० विवाह कालमें निता

हुआ वस्तु वहेज

योधेय पु० योद्धाललाईकरनेवाला

योधन न० साहस्य जवाही

योधनकरटक पु० न० महासा

योधनवशा स्त्री० साहस्य जवाही

की हालत [नी का निशान]

योधनलक्षण न० छावपय जवा

पीयरुप्यन० पिताके जीतेहुयेपुत्र

रत्नमुष्य न० हीरक हीरा
 रत्नवती स्त्री० जिसमें रत्नहोते हैं
 रत्नसू स्त्री० रत्नों को पैदा
 करने वाली भूमि
 रत्नाकर पु० भणिओं की आत्मा
 रत्नाभरण न० रत्नोंसे जड़ा हुआ
 गहना
 रत्नावली स्त्री० रत्नों का पंक्ति
 रत्नोंका हार [हाथ का माप
 रत्नि पु० स्त्री० बग्नोहरे मुट्ठी के
 रथ पु० एक सवारी गाड़ी
 रथकट्या स्त्री० रथोंका समूह
 रथकार पु० बढ़ई तखान
 रथयात्रा स्त्री० रथसे चलना
 रथाङ्ग न० रथक पहिया रथका
 रथिक पु० रथका संचालक
 रथ पु० दन्त दांत
 रथच्छद पु० भोछ, भोठ, होठ
 रथन पु० न० दन्त दात विदारण
 फाड़ना
 रथम न० एकाना राथना
 रथम न० छिद्र छेद सुराज
 रथस पु० वेग तेजी हर्ष सुशी
 रथ पु० काग्त प्यारा [मिलास
 रथमण पु० कामदेव रति भोग

रमणीय त्रि० सुन्दर सुवस्तु
 रमा स्त्री० रमणी आनन्द देनेवाली
 रम्म पु० धूलि कवली केला मौनी
 का शब्द
 रम्य त्रि० सुन्दर ललाम
 रवण पु० कोयल उष्ट्र के
 रवि पु० सूर्य सूरज
 रशना स्त्री० काजी तमड़ी जीह
 रश्मि पु० किरण लगाम
 रस पु० स्वाद लेने के योग्य
 रसकन पु० सुहागा
 रसकन न० कधिर रक्त खून
 रसहा स्त्री० जिह्वा जीम
 रसन न० स्वाद मउजा ध्वनि
 रसना स्त्री० जिह्वा जीम रस्सी
 रसरस पु० पारद पारा [कान
 रसवती स्त्री० पाकशाला रसी
 रसाल न० द्राक्षा आम्र इष्ट
 रसिक पु० सारस रसक
 रसेन्द्र पु० पारद पारा
 रसोत्तम पु० सुहृग मृग
 रस्य त्रि० गोप्य छिपाने लायक
 रहित त्रि० धर्जित छोड़ा हुआ
 राक्षस पु० दुराचारी उल्टे काम
 करनेवाला

राजा श्री० वृद्धि छाप्ता छाक
 राग पु० रत्न रत्ना
 रागिणी श्री० एक प्रकारका स्वर
 राव पु० श्रीरामचन्द्रजी
 राजक न० राजाओंका समूह
 राजकस्य पु० नृपतन्त्र्य राजा के समान
 राजकोय त्रि० राजाका कार्य
 राजकुमार पु० राजपुत्र राजा का लड़का
 राजयज्ञ पु० मिर्गी एक रोग
 राजतद पु० कनेर एक वृक्ष
 राजदन्त पु० दाँतोंका राजा ऊपर की पंक्तिके दो दाँत
 राजदेशीय पु० राजाके सहूरा राजाके समान [कर्तव्य
 राजधमा पु० राजाओं का अवश्य
 राजधानी श्री० जहाँ राजा रहता हो महानगरी
 राजन् पु० नृप बादशाह क्षत्रिय
 राजनीति श्री० राजाओंका नियम नृपनीति
 राजन्य पु० क्षत्रिय राजपुत्र
 राजन्यक न० क्षत्रियों का समूह
 राजवत् त्रि० यह देश कि जिसका राजा अच्छा है

राजपथ पु० बड़ा रास्ता बड़ी सड़क
 राजपुत्र पु० राजाका पुत्र
 राजमय न० राजत्व राजापन
 राजभोग्य त्रि० राजाके भोग करने के लायक कोई वस्तु
 राजराज पु० राजाओंका राजा
 राजर्षि पु० राजा मानो ऋषि है।
 राजाओं में श्रेष्ठ [उत्पन्न हुआ
 राजधंस्य त्रि० राजा के वंश में
 राजयत्न न० राजाके योग्यमार्ग
 राजवत् त्रि० राजावाला देश
 राजशाक पु० बघुयेका शाक
 राजस त्रि० जो राजोगुणसे उत्पन्न हुआ हो कर्मन्त्रिय
 राजसभा श्री० नृपसमाज [एकसङ्ग
 राजस्य पु० राजाओं के करने योग्य
 राजस्थपु० कर, लगान, मासगुजारी
 राजाध पु० अच्छा भाव
 राजार्ह त्रि० राजा के लायक
 राजि-श्री श्री० भूषी प कि देखा
 राजिन्द्र पु० महाराज बड़ा राजा
 राजी श्री० रामी राजपत्नी
 राज्य न० राजाका होना या कर्म
 राज्यधुरा श्री० राज्यका बोझ
 राज्याङ्ग न० मन्त्री आदि

रत्नमुख्य न० हीरक हीरा
 रत्नयती स्त्री० जिसमें रत्न होते हैं
 रत्नसू स्त्री० रत्नों को पैदा
 करने वाली भूमि
 रत्नाकर पु० मणिभों की खान
 रत्नामरण न० रत्नों से जड़ा हुआ
 गहना
 रत्नावली स्त्री० रत्नों का पंक्ति
 रत्नों का द्वार [हाथ का भाग
 रत्नि पु० स्त्री० यन्त्रोद्भिद् मुठ्ठी के
 रय पु० एक सवारी गाड़ी
 रयफरिया स्त्री० रथों का समूह
 रयकार पु० पदार्थ तर्जान
 रययात्रा स्त्री० रथसे चलने का
 रयात्र न० चक्र पहिया चक्रवा
 रयिक पु० रथका सवार
 रय पु० दम्भ दांत
 रयच्छद पु० भोष्ठ, भोठ, होठ
 रयन पु० न० दम्भ दांत विदारण
 काढ़ना
 रयन न० पकाना रोचना
 रयन न० छिद्र छेद सुरास
 रयस पु० पैग तेजी हर्ष सुशी
 रय पु० काष्ठ प्यारा [विलास
 रयण पु० कामदेव रति भोग

रमणीय त्रि० सुन्दर कृतकृत
 रमा स्त्री० लक्ष्मी आनन्द देनेवाली
 रम्म पु० धूलि कवली केली गैरी
 का शब्द
 रम्य त्रि० सुन्दर ललाम नन्दनी
 रमण पु० कोयल उच्छ्र ऊँट
 रधि पु० सुय सुरज
 रथना स्त्री० काजी तमड़ी जीम
 रथि पु० किरण लगाम
 रस पु० स्वाद लेने के वाग
 रसजन पु० सुहागा
 रसज न० रुधिर रस खून
 रसहा स्त्री० जिह्वा जीम
 रसन न० स्वाद मञ्जा ध्वनि
 रसना स्त्री० जिह्वा जीम रसो
 रसरज पु० पारद पारा जिह्वा
 रसवती स्त्री० पाकशाला रसो
 रसाल न० द्राक्षा भास्त्र रसु
 रसिक पु० सारस रसक
 रसेन्द्र पु० पारद पारा
 रसोत्तम पु० सुहृग मृग
 रहस्य त्रि० गोप्य छिपाने लाज
 रहित त्रि० धर्जित छोड़ा हुआ
 राक्षस पु० दुराचारी उलटे काँह
 करनेवाला

कर्षण न० भोजन न करना
 कर्जा स्त्री० शरम काज
 कर्जालु त्रि० शरम करनेवाला
 कर्जामील त्रि० शरम करनेवाला
 कर्जित पु० शरमिन्दा कर्जाया
 कर्तव्य न० वास्तवीनी
 कर्तृ त्रि० सुन्दर सुवस्त्रत
 कर्तृक पु० कर्तृ कर्तृमा
 कर्ता स्त्री० बेल शाखा
 कर्ताक पु० हवा व्याज
 कर्पण न० सुख मुह कथन
 कर्पित त्रि० कथित कहानया
 कर्ष त्रि० प्राप्त पाया
 कर्षण पु० परिहृत क्षुब्ध
 कर्मक पु० आर पाट लम्पटभय्याश
 कर्मपट प० पराई क्षिर्योपर कालक
 करने वाला बदमाश
 कर्म त्रि० नर्तक नाचनेवाला सुन्दर
 कर्कोष रिशक्त लम्बाई
 कर्मकण त्रि० कर्म कान वाक्का
 कर्मकान बकरा भादि
 कर्मवेश त्रि० कर्म्ये बालोवाला
 कर्म्ये वाल [शिष्य पुत्र गणेश
 कर्म्योद्गर त्रि० जिसका बड़ा पेट हो
 कप पु० कसर गल चिनाश

कलाट न० मन्तक माथा [सूर्य
 कलाटस्तप पु० मायेकोतपानेवाला
 कलाटपट्ट न० प्रशस्त मस्तक
 कृष्ण माथा
 कलाटिक स्त्री० मायेका भूयण
 कलाम न० सुन्दर भूया घोटक
 कलित त्रि० सुन्दर बाहागया
 कल पु० केश जर सा कुछ
 कलङ्ग न० मपने नामका वृक्ष छोंग
 कलण न० एकरस नमक [खार
 कलणाक्षर पु० नमकीनरसवाला
 कलित्र न० दात्र द्रात वाहू
 कलरि-री स्त्री० बड़ी लहर
 कलाणिक त्रि० कलणसे भर्य को
 जातनेवाला शब्द [आनेवाला
 कलाण्य त्रि० मलेशुरे कलण को
 कला स्त्री० लाख
 कलाक्षरस पु० लाखका रंग
 काय न० कर्मस्थ हलकापन
 काकुल न० हल हर
 काकुलिन त्रि० हलपाता बलराम
 काकुल न० पूछ पुछ [मादि
 काकुलिन त्रि० पूछवाला नरर
 काकुल न० चिह्न निगन भङ्गन
 काम पु० फायदा शुद्धि

यक्रिम न० कीटिल्य टेढापन
 यकतुण्ड प० टेढे मुँहवाला गणेश
 यकोकि स्त्री टेढे घघन ठूठा
 यक्षस् न० हृदय सोमा छाती
 यक्षस्थल न० छाती सोमा
 यक्षोज प० स्तन कुच आँखल
 यक्षोरुह प० स्तन कुच
 यगाह प० अचगाहन नहाना
 यङ्ग प० नदीवक नदी की टेढ़
 यङ्ग न० एकधातु रागा एक देश
 यंगारि प० हरिताले
 यचन न० कथन वाक्य कहना
 यचनप्राप्ति त्रि० कहनेके अनुसार
 करनेवाला
 यचनीय त्रि० कथनीय कहने योग्य
 यचनेस्थित त्रि० आशालक
 यशीमून
 यखस न० वाक्य यचन कहना
 यखसकर त्रि० यचनको करनेवाला
 यज्ज प० न० हीरक हीरा यजली
 यज्जदन्त प० शूकर सुंघर मूला
 यज्जनिर्घीय प० विजली का शब्द
 यज्जमय त्रि० अन्तेफठिन बहुसंख्य
 यञ्चक प० शूकल गोइड खड
 यञ्चन न० अतडुम ठगना ठगो

यट प० अपने नाम का वृत्त यट
 यटक प० पिटकमेइ बड़ी
 यटी स्त्री० बड़ी गोली चटिका
 यट्ट प० माणयक बालक ब्रह्मचारी
 यटुक प० बालक लटका
 यठर प० मूल बेवकुफ
 यडिश न० मल्ली पकड़नेकाकाटा
 यण्टक प० विमाजक बाँटनेवाला
 यत् न० साहस्य वरावरी
 यत्तस प० भूयण शिरोभूयण
 यत्तम यछड़ा शिशु सवत
 यत्ततर प० छोटा बछड़ा
 यत्तर प० घेय संज्ञक
 यत्तल त्रि० स्नेहयुक्त प्यारवाला
 यव त्रि० चका बोलनेवाला
 यदन न० मुँह मुँह कथन [वाला
 यदा-दन्त्य प० यदा-दानी बहुतेरे
 यदाम प० एककल यादाम
 यधु स्त्री० यधु माया
 यधुजन प० मारीजन स्त्री लोग
 यधुटो स्त्री० कम उधशाली स्त्री
 यज न० भीरस [कल लायक
 यज्य त्रि० मांगे लायक [कल
 यन न० जंगल घर चित्त
 यनकलो स्त्री० यनका बेजा

चनचम्पू न० चनका चन्द्रन
 चनज न० चनमें पैदाहुआ कफुल
 चनशोभन न० पद्म । कमल
 चनसूति पु० पृथमात्र हर पेठ
 चनायु १० भरपरेत [घोड़ा
 चनायुज १० मरही घोड़ा भबछा
 चनिता स्त्री० म्या० योपित् मीरत
 चनित्र पु० छा० दानप्रसूयो
 चनेवर त्रि० चनमें घूमनेवाला जगलो
 चनोक्त पु० पन्द्र पानर
 चन्द्र (न) प्रणम स्तवन तारोफ
 चन्द्रनोय त्रि० नवनोय स्तवनीय
 तारोफ के योग्य
 चन्द्राह त्रि० चन्द्रनशील नवनैशाला
 चन्द्रिपाठ पु० म्भूतिपाठक स्तुति
 करने वाला [योग्य
 चण्ड त्रि० पन्द्रनोय नमस्तुति को
 चम्पू न० चनमें हुना दाढीनी
 चपन न० केसमुण्डन वालमुड़ा
 चिता स्त्री० खरपी छिद्र
 चपुस् न० शरीर देह जिस
 चप्पु पु० पिना चीने वाला
 चम पु० न० कषाकोट सर्कल सेत
 पिठा । [भर्त्स सम
 चमन न० मर्दन मलना छर्दन के

चमि स्त्री० छर्दन के मगिन
 चमित पु० जिसने के कीहो केकी गई
 चयस् न० पक्षी । भवस्था
 चयस्य पु० स्त्री० समान उन्न
 चामा मित्र सखा
 चयन न० ध्यान इत्म, नियम, तरीका
 चयोषस् पु० तरुण जवान
 चर न० ममीष्ट घरदान इच्छा
 चरद त्रि० चर देने वाला ईप्सित
 प्रस्तु का वाता ।
 चरम् भ० समीचीन बहुतभच्छा
 चराक त्रि० विचार गरीब युद्ध
 चराङ्ग न० मस्तक गुदा योनि
 चराट पु० कमर्द कीड़ी
 चराटोद् पु० हस्ती सुन्दर नितु-
 मित्री स्त्री
 चराशि पु० स्तूलवस्त्र, मोटाकाड़ा
 चरासन न० उन्नम भासन आर
 चराह पु० शूकर सुभर
 चरिषस् न० पूज्य सत्कार
 चरित्रस्या स्त्री० पूजा सेवासत्कार
 चरिष्ठ त्रि० बहुत बड़ा उन्नम
 चरण पु० मूय जल [का स्थान
 चरुय न० चर्म कपय रयक, रक्षा
 चरेदय त्रि० प्रार्थनीय छेष्ट [मादि
 चग पु० संघातीय समूह कबरे

घान्ध त्रि० उदगीर्ण की क्रियागया

घाप पु० यत्न भादिका बुजना

बोज भादिका बोना

यापि पी ओ० बायदी

घापीद पु० खातक, पपीहा

घाव म० मनोहर प्रतिकूल भयम

घामन त्रि० बीना यमुत नादा मर

घामलूर पु० बाल्मीक घामी

घामलोचना स्त्री० सुन्दरनेत्रवाली स्त्री

घामाचार पु० बल्ला काम करना

घामी स्त्री० बोड़ी भूगाली गवही

सप्टी

घामोद स्त्री० सुन्दर जङ्घावाली स्त्री

घायवी स्त्री० उत्तर और पश्चिमके

बीच की दिशा

घायस त्रि० काक की भा

घायसायति पु० बल्ल कौमोका शत्रु

घायु पु० पवन हवा ध्यार

घायुमस पु० हवाकी जानेवाला स

घायुवर्त्मन म० आकाश भासमान

घायुवह पु० धूम धुमा

घायुसख पु० हवाका दोस्त आग

घार न० जल पानी काटर

घार पु० समूह भयसर द्वार क्षण

रविवार भादि क्रम

घारक त्रि० हटानेवाला रोकनेवाला

घारणो म० रोकना निषेध कथन

घारघारम् म० बार बार

घारपोषा स्त्री० येरगा रानी

घार्याण पु० न० कथन वस्तु

घार्यानिधि पु० समुद्र सागर

घार्यासी स्त्री० काशी यनारस

घार्याही स्त्री० सुभरी सु रिया

घारि म० जल पानी

घारिखर पु० जलजम्बु मछली मार्ग

घारिज ने० पक्ष कमल

घारिज म० छत्र छाता

घारिद न० मेघ बादल

घारिधि पु० समुद्र सागर

घारिमसि पु० मेघ बादल

घारिग श पु० समुद्र सागर

घारिगह पु० पक्ष कमल

घारिगोह पु० मेघ बादल

घारीश पु० समुद्र सागर

घारुण म० जल पानी

घार्त न० भारोग्य सन्मुखस्ती

घार्ताक पु० बैंगम भाटा

घार्तक्य न० बुद्धावा जर्फी

घार्थि पु० समुद्र सागर

वास्तुपि पु० सूक्ष्मर जीने वाला
व्याजिपा

वार्धक्य न० मध्यवयान कर्म देमा

वार्मण न० कवचसमूह बहुतकवच

वार्मुच पु० मेघ वादक

वार्थिक त्रि० वर्षाश्रुतका साँझाना

वालमोकि १० यामीमें हुआएकमुनि

वाबदूकनि० बहुत बोलनेवालाबका

वाशिता स्त्री० दृष्टिही हर औरत

वाश्रम० गृह घर खीरहा दिन

वाप्य पु० वप्रा माप मांस

वास १० गृह पत्र रहना सुगन्धि

वासगृह न० रहने योग्य घर

वासतयी स्त्री० रात्रि रात

वासन न० सुगन्धित करना

वासना स्त्री० प्रत्याशा मरोसा

वासर पु० न० दिन दिवस

वास्तस् न० वस्त्र कपड़ा

वासागार पु० रहनेयोग्य गृह

वासित त्रि० सुगन्धित कियाहुमा

वासुदेव पु० वसुदेव की संतति

कृष्ण

वास्तविक त्रि० स्वतः सिद्ध ठीक

वास्तु पु० रहने के योग्य स्थान

वास्तोप त्रि० रहने के योग्य

वास्तोष्पति पु० घर का स्वामी

वाल पु० वस्त्रसे ढका हुआ रथ

मादि

वाह पु० मश्व, घोड़ा सेशरी

वाहन न० घोड़ा मादि सवारी

वाहिनी स्त्री० सेना फौज

वाहिनीपति पु० सेना का माडिक

वाहीक पु० एक माति जाट

वाहु पु० भुजा बांह बाजू

वाहुमूल न० कस काँच बगल

वाह्य न० चखाने के योग्य घोड़ा

मादि सवारी

विभ० वियोग, विशेष, मिश्रण

विश त्रि० बीसवां [काम

विशक न० बीस, १०० पीछे बीसका

विशति स्त्री० बीस २० संख्यावाला

विशतिका त्रि० बीस के योग्य

विशतितम त्रि० विश बीसवां

विक न पु० विनावाकका बहुतवालों

विकट पु० बिस्फोटकफोड़ानेवाला

विकटक पु० जिसका काँटा साता

वहाही शत्रुवहित [तारीफ

विकल्पन न० आत्मश्लाघा अपनी

विकर्तन पु० सूर्यसूरज [रावारी

विकर्मस्य पु० स्त्री० बख्खन

विकल त्रि० व्याकुलीभावे,

विकल्प पु० सन्नेह शक

विक्रपा स्त्री० मजीठ

विकशित त्रि० प्रकाशित खिला

विकार पु० घदलमा वषदीली

विकालपु० विकससमय डलटाकाल

विकारा न० प्रकाश चमक [कीला

विकाशित त्रि० प्रकाशशील चम-

विकिर पु० विहङ्ग पक्षी

विकिरणी न० क्षेपण फेंकना

विकर्ण त्रि० विकृत, फेंका हुआ

विकृत त्रि० योमस्त, मलिनोक्त

रोग युक्त

विकृति पु० रोग योमारी

विक्रम पु० बहादुरी शूरत्व

विक्रमादित्य पु० एकराजा इसके

नामसे संघस चल रहा है

विक्रमिन् पु० सिंह शेर

विक्रय पु० बेचना फरोख्ताना

विक्रयानुशयपु० बेचकरपीछेपछ

विक्रयिक पु० विक्रेता, बेचनेवाला

विक्रयिन् त्रि० विक्रेता, बेचनेवाला

विक्रास्त पु० सिंह, महादुर, शूर

विक्रिया स्त्री० विकार बदलना

विक्रीय त्रि० बेचने के योग्य बस्तु

विकल्प त्रि० व्याकुलीभावे,

घयराहट

विकिलम्ब त्रि० गीला, दूटा हुआ

विशेष पु० व्याग छोड़ना

विष त्रि० मकटा

विष्यात त्रि० प्रमिश्र, मशहूर

विगणन न० यदुत गिनना

विगत त्रि० प्रमाद रहित ध्वंशदा

दूरगया ।

विगम पु० नाश, अपाय, दूर होना

विगर्हण न० निन्दन, घदनेमी

विगर्हित त्रि० निन्दित निन्दा

बर्धनामी

विगाढ त्रि० स्नान महाया हुआ

विगाने न० निन्दा घदनामी

विगीति स्त्री० निन्दा बुराई

विगुण त्रि० गुणरहित

विगूढ त्रि० गर्हित निन्दित

विगृहीत त्रि० पकड़ा हुआ

विग्र त्रि० मकटा

विग्रह पु० देह हिस्सा युक्त

विघटिका स्त्री० एक पल

विघटित त्रि० जुड़ा किया हुआ

विघटित त्रि० खलाया गया

विघस्यु० मोहनक्षेप, खानेका

विघात पु० आघात, नाशघोटविघ्न
विघातिन् त्रि० निवारक हटानेवाला
विघ्न पु० व्याघात, भ्रंशराश, रोक
विघ्नमाशक त्रि० रुकावटों का दूर
करने वाला

विघ्नपु० पण्डित वस्तुतः होशियार
विघ्नयन न० भ्रष्टपण्य तलाश
इकट्ठा करना

विघ्नचिन्ता स्त्री० पामां खुजली
विघ्नार पु० तत्त्वनिष्पन्न गौर, सोच
विघ्नारण न० भीमांसा, व्याम, सोच
विघ्न-स्त्री स्त्री० तरङ्ग छहर
विघ्नकिन्ता स्त्री० सम्देह शक
विघ्नत्रि० बहुत मीमांसा बहुत
अजीब

विघ्नत्रयीय पु० शान्तनु राजाका पुत्र
विघ्नत्राक् त्रि० अजीब मङ्गवाला
विघ्नतस् त्रि० पुरे विलयाला
विघ्नहित त्रि० विघ्नशून्य बेहरकत
विघ्नहाय न० पक्षियोंकी छाया
विघ्नहित स्त्री० छेदनदूरनाशनाश
विघ्नित त्रि० विमल याँदा हुआ
विघ्नोद पु० वियोग विछोह
विघ्न त्रि० निर्जन एकान्त अकेली
अंगठ

विघ्नन न० गर्भमोचन प्रसव
विजय पु० जीत जीतें
विजया स्त्री० भेंगा मांग
विजातीय त्रि० दूसरी जातवाला
विजिगीषा स्त्री० जीतनेकी इच्छा
विजृम्भण न० विकारा जमुहार्
विजृम्भित त्रि० विकसित समक
विह त्रि० वस्तुतः प्रवीण
विहान त्रि० व्याप्त मशहूर
विहाने न० छान जानना [वार
विहानिक् त्रि० विहानयुक्त समक
विह पु० लुप्ता जाए वार
विहङ्ग न० कबूतरोंका दरवा छतरी
विहप पु० शाखा उहमी वृक्ष
विहपिन् पु० वृक्ष पेड़ [खदम
विह-दीप्ती० पीतचन्दन, पोला
विह्वर पु० शूकर सुमर
विह्वरि पु० आमाता अमाई
विह्वन न० तिरस्करण निरादर
विह्वल पु० बिजला विलीटा
विह्वल पु० पक्षियों का उड़ना
विह्वला स्त्री० अनेपक्षको स्थिर
करना दूसरी के पक्षका पक्ष
करना व्यर्थ दर्शन [चौक
विह्व त्रि० मिथ्याभूत पदार्थको

विकल त्रि० व्याकल घयखायाहुवा
 विकल्प पु० सन्नेह शक
 विकपा स्त्री० मजीठ
 विकशित त्रि० प्रकाशित खिला
 विकार पु० बदलमा तबदीली
 विकालपु० विकलसमय उलटाफाल
 विकारा न० प्रकाश खमक [कीला
 विकाराशित त्रि० प्रकाशशील खम-
 विकिर पु० बिहङ्ग पक्षी
 विकिरणी न० क्षेपण फेंकना
 विकर्ण त्रि० विक्षिप्त फेंका हुमा
 विकृत त्रि० बीमरस मलिनोक्त
 रोग युक्त
 विकृति पु० रोग बीमारी
 विक्रम पु० बहादुरी शूरत्व
 विक्रमावित्य पु० एकराजा इसके
 नामसे संपत् खल रहा है
 विकुमिन् पु० सिंह शेर
 विक्रय पु० बेचना फरोख्त [तामा
 विक्रयानुशयपु० बेचकरपीछेपछ
 विक्रयिक पु० विक्रेता, बेचनेवाला
 विक्रेयिन् त्रि० विक्रेता, बेचनेवाला
 विक्रास्त पु० सिंह, बहादुर, शूर
 विक्रिया स्त्री० विकार बदलना
 विक्रेय त्रि० बेचने के योग्य धस्तु

विकलघ त्रि० व्याकुलीभाव,
 घबराहट
 विकलान्न त्रि० गीला, दूटा हुआ
 विकल्प पु० त्याग छोड़ना
 विष त्रि० नफटा
 विख्यात त्रि० प्रसिद्ध मशहूर
 विगंधन न० बंधुत गिनना
 विगत त्रि० प्रमाद रहित क्षयरदार
 दूरगया।
 विगम पु० नाश, अपाय, दूर होना
 विगर्ण न० निन्दन, बदनामी
 विगर्हित त्रि० निन्दित निन्दा
 बदनामी
 विगाह त्रि० स्तन नहाया हुआ
 विगान न० निन्दा घबरानी
 विगीति स्त्री० निन्दा घुराई
 विगुण त्रि० गुणरहित
 विगूढ त्रि० गर्हित निन्दित
 विगूहीत त्रि० पकड़ा हुआ
 विग्र त्रि० नफटा
 विग्रह पु० बेह हिस्सा शुद्ध
 विघटिका स्त्री० एक पल
 विघटित त्रि० झुंदा किया हुआ
 विघटित त्रि० धराया गया
 विघसंयु० भोजनक्षेप, खानेकीबकी

विज्ञावरी स्त्री० रात्रि, रात्र कुट्टनी
विमया स्त्री० विकल्प निषेध
विमिन्मत्रि० खिला हुआ, विमक
जुदा [रात्र का छाया
विभीषण पु० बहूत डरावने वाला
विभीषिका स्त्री० मय प्रदर्शन कर
विभु पु० सब पदार्थों से मिला
हुआ प्रभु

विभूति स्त्री० ऐश्वर्य, मन्त्र जाक
विभूया स्त्री० शोभा भूषण सजाना
विभ्रम पु० सम्भ्रम भ्रमण घूमना
विभ्रान्त त्रि० भूषण दीप्त
विभ्रतत्रि० विरक्त मतिपुक्त दुर्गमन
विभ्रनस्क त्रि० उदासीन व्याकुल
विमर्द पु० मर्दन मलना घटना
विमर्गत न० परामर्श सोच
विमर्श त्रि० स्वच्छ साफे निर्मल
विमाता स्त्री० सौतेली मा
विमातृज पु० सौतेला भाई
विमान पु० न० वायु में चलने वाली
सगरी हवाई जहाज
विमार्ग पु० कृपण बुरा रास्ता
विमुख त्रि० विरक्त शक्ति फ
विमुद्र त्रि० विकसित खिला हुआ
विस्व पु० न० रक्षाई प्रतिदिग्ध

वियत् न० आकाश भासमान
वियात त्रि० घुट ढीठ बेधरम
वियोग पु० विच्छेद विछोह
वियोगिन् पु० चक्रवाक चक्रवा
लंकार पक्षी [हुमा
विरक्त त्रि० विच्छिन्न जुदा हटा
विरचित त्रि० कृत निर्मित बनाया
हुमा

विरचित पु० विधाता ईश्वर
विरत त्रि० निवृत्त हटा हुआ
विरतिस्त्री० निवृत्ति हटना
विरल त्रि० अ० काश खाली
विरह पु० विच्छेद जुदाई अभाव
विरहित त्रि० त्यक्त छूटा हुआ
विराग पु० मपीति स्नेहका न होना
विराज पु० बहुशोभायुक्त सत्रिय
राजा

विराघ पु० एक राजस
विराघ न० पीड़ा दर्द
विराम पु० अवसानमाधिर ठहरना
विराम पु० शब्द आवाज
विरम्भि पु० जगत्कर्ता ईश्वर हुमा
विरुद्ध त्रि० मच्छे प्रकारसे उल्टम
विरूप त्रि० भुरी शकलवाला
विरूपाक्ष पु० डरावनी भांखवाला

विपर्यय पु० कुमार्ग पुरा रास्ता
 विपर्यय स्त्री० विपत्ति सुखीयते
 विपत्ति त्रि० विपत्तिमे पदा हुमा
 विपरीते त्रि० प्रतिकूल उलटा
 विपर्यय पु० उलटा खिलफ
 विपर्यय त्रि० उलटा हुमा
 विपर्यास पु० विपरीत्य उलटा
 विपल पु० पल का साठथा भाग
 विपश्चित् पु० पश्चित् चतुर
 विपाफ पु० पकाता तयार होना

पञ्चमा कर्म का फल [व्यासा]

विपाशास्त्री० पञ्चाशकी एक भवो
 विपिन न० जंगल घन
 विपुल त्रि० विस्तीर्ण फैला हुमा
 भगाद्य बहुत

विप्र पु० प्राक्षण श्रुति [तिरस्कार]
 विप्रकार पु० अपकार बुराई
 विप्रकर्ष पु० बुरस्व, बुरपन, दूरहीना
 विप्रकृत त्रि० क्लेशित संताया हुमा
 विप्रकृत त्रि० बुरस्व बुर का
 विप्रतिपत्ति स्त्री० विरोध संशय
 विकार [घाला]

विप्रतिपन्न त्रि० सम्बन्धयुक्त शक
 विप्रति-ती-सार पु० अनुताप
 पछतावा

विप्रयुक्त त्रि० विरक्त भला
 विप्रयोग पु० विरोध फरव
 विप्रलब्ध त्रि० वसित ठगा हुमा
 विप्रलम्भ पु० विसम्बाह भगाडा
 विप्रलाप पु० विवाह भगाडा
 विप्रसात् न० प्राक्षण के भाषीन
 विप्रसव न० प्राक्षण का धन
 विप्रिय पु० अपराध दुश्मन
 विप्रय स्त्री० विन्दु युक् [प्रवसित]
 विप्रोपित त्रि० परदेश में गया
 विप्रव त्रि० उपद्रव भगाडा [उज्ज्वल]
 विप्रुत त्रि० सुखीयतमें फैला हुमा
 विफल त्रि० निरर्थक बेकायदा
 विबुध पु० पश्चित्, शिशित, बाना
 विमल पु० पृथक्कृत, अलहदा किया
 हुमा

विभाके स्त्री० विभाग हिस्साव्या
 करण में हुए तिरु प्रत्यय भादि
 विमथ पु० घन भीस पेश
 विमा स्त्री० किरण शोभा
 विमाकर पु० सूर्य सूरज
 विमोग पु० माग हिस्सा
 विमाज्य त्रि० बाँटने लायक
 विमात न० प्रमात प्राताकाल
 विमाथ पु० उपरिबध, धाक धिक्क

विरेक पु० अतिरेक जलार्थ
 विरेधनम० मल भाषिका निकालना
 विरोक पु० न० छिद्र छेद
 विरोधन पु० सूर्य प्रहादका पुत्र
 विरोध पु० घेर दुश्मनी उल्टापन
 विरोधिन त्रि० रिपु दुश्मन शत्रु
 विरोधोक्ति स्त्री० उलटाकथन एक
 मलकार

विल न० छिद्र छेद गुहा गुफा
 विलस त्रि० विस्मययुक्त हिरान
 हुमा

विलक्षण त्रि० विभिन्न अजीव
 विलग्न त्रि० सलग्न अण्डेप्रकार
 लगा हुमा

विलम्बित त्रि० धीमा देर लगाने
 वाला छटका हुमा

विलय पु० प्रलय नाश
 विलय्य पु० सर्प साव [काना]
 विलाप पु० परिधेवमोक्ति रोकर
 विलास पु० स्त्रियोंकी शृ गारयेष्टा
 विशेष

विलासिनी स्त्री० विलासशाली स्त्री
 विलीन त्रि० बहगया नाश होगया
 विलेपन न० जिससे ली जाया
 लापना

विलोचन न० नेत्र आल दूरान
 विलोहित न० तरु छाछ
 विलोम त्रि० विपरोत समटा[हार]
 विलोमलिङ्ग पु० उलटी जीमशाका
 विलोल त्रि० बञ्चल लाईनी
 विल्व पु० भोफल वृक्ष बेल
 वि-वी० च पु० डोली

विवर न० छिद्र छेद पिछ
 विवरण न० व्यख्यान रिपोट
 विवर्ण त्रि० मधम नील
 विवश पु० मृत्य नाश समुदाय

विवश त्रि० पराधीन वै० श लावार
 विवस्त्रत पु० सूर्य सूरज

विवाह पु० भगदा कलह
 विवाह पु० पाणिग्रहण शादी

विवाहित त्रि० व्याहृत जिसकी शादी
 हो गई हो [लायव]

विवाह त्रि० विवाह योग्य व्याह
 विवर्तित त्रि० मिर्जन मफेली जगा

गवित्र
 विविध त्रि० मानाप्रकारमुतफरि

विधूत त्रि० विस्तृत फैलाहुमा
 विधुति स्त्री० विस्तार फैलाव

व्याख्यान
 विवेक पु० विचार समीक्ष

विनोद पु० जामाता जमार्ह
विश पु० मनुज मनुष्य बादमी
विशकुट त्रि० पिशाक लम्बा
विशद त्रि० विमल पक्षि साफ
विशय पु० संशय शक
विशर पु० बंध मारना
विशसन न० मारण मारना
विशसन पु० लठवार खड्ग
विशस्त त्रि० नाश किया हुआ
विशारण न० मारण मारना
विशारद पु० पवित्रत प्रगल्भचतुर
विशाल त्रि० विस्तीर्ण लम्बा
बौड़ा बड़ा [फैलाव
विशालता स्त्री० पार्श्वविस्तार
विशालाक्ष त्रि० बड़े नेत्र वाला
विशिष्ट त्रि० विछन्न विशेष
विशीर्ण त्रि० शुष्क सूखगया बूड़ा
होगया
विशुद्ध त्रि० निर्मल साफ विशद
विशुद्धि स्त्री० शोधन साफकरना
विशुद्ध त्रि० अनियम से बर्तने
वाला परिपाटी से रहित
विशेष पु० प्रमेद फर्फ प्रकार
विशेषण न० मेदफधर्म बताने
वाला गुण

विशेषविधि पु० जैसी ब्रह्मचारियों
को वृध दिया जावे परन्तु
वेयवत्त को नहीं
विशेषोक्ति स्त्री० विशेष कथन
विशोक त्रि० शिखसे शोक दूर हो
गया हो
विश्राण्य न० वृद्धि शान देना
विश्रब्ध त्रि० विश्वस्त मरोसा
किया हुआ दृढ़ मवसान ।
विश्राम पु० वृद्धि विराम हटना
आराम । [प्रस्थव
विश्रम्भ पु० विश्वास मरोसा
विधायपु० प्रसिद्धि कृपातिमशङ्करी
विधत्त त्रि० प्रसिद्ध मशहूर क्यात
विनिष्ठ त्रि० विमुक्त मलहवाकिया
हुमा ।
विशेष पु० विशेष विछोह लुहा
विश्व न० संसार दुनियां सर्व
विश्वकर्मण पु० अगदीश्वर भुव
विश्वकल्प पु० शम्बर अगदीश्वर
विश्वपारिणी स्त्री० पूषिनी जमीन
विश्वप्सन पु० अग्नि अश्वमा
विश्वप्सर्ग पु० अगदीश्वर भूमि
विश्ववेदस् पु० संसारको जानने
वाला शम्बर

विश्वसृज् पु० ससारकी वगाने
वाला ईश्वर

विश्वस्त त्रि० भरोसे का
विष्णुमित्र पु० ससारका मित्र
एकसृष्टि

विश्वराज् पु० ईश्वर परेश
विश्ववत्स पु० रात्रि रात

विश्वशस् पु० प्रत्यय शस्त्रा यकीन
विश्वेश्वर पु० सबदेवतासे अधिकान

विश्वेश्वर पु० जगदीश्वर ईश्वर
विष् स्त्री० विष्ठा मैला गू

विष न० जल मृणाल कमलकी डंडी
विषहन् पु० विषको दूर करनेवाला

चम्पक
विषह्वर पु० महिष मैसा

विषह्वर न० मृणाल कमलकी डंडी
विषह्वस्तक पु० सर्प साँप

विषघर पु० सर्प साँप
विषम त्रि० नो परापर न हो के व

नीचा वारुण बड़नेवाला उभर
विषमज्जर पु० सकल सुखार घटने

विषमन्त्र त्रि० कष्ट में पड़ा हुआ
विषमशिल्प न० अनुगित शास्त्र

विषय पु० मज्जन वेश
विषयिन् त्रि० जाना इन्द्रिय

विषयिणी स्त्री० विष को दूर करने
वाली विद्या [हकम

विषयैव पु० विषको दूर करनेवाला
विपाज न० पशु का सींग हाथी

तथा सुमर का दांत
विपाद पु० अवसाद जड़ता खेद

विपास्तक त्रि० विषको दूर करने
वाला

विपारति पु० धृतर
विपास्य पु० सर्प साँप

विपु न० साम्य बराबरी माना
रूप वाला

विपुल न० वह समय जब कि रात
दिन बराबर हो

विष्कम्भ पु० विस्तार फैलाव
प्रतिभिन्ने रोक

विष्ट न० भुवन लोक जगत्
विष्टय त्रि० प्रतिरुद्ध दका हुआ

विष्टिम्भ त्रि० प्रतिबन्धक, रोक
मेहारा

विष्टर पु० आसन चिस्तर
विष्टि स्त्री० धैर्य सनकनाह

विष्टा स्त्री० प दीप, मल गू
विष्णु पु० व्यापक परमेश्वर

विष्य त्रि० जहरसे मात्रनेको छायक

विष्णोण न० भाजन आना
 विस न० मृणाल कमलकी बरखी
 विसर्पाद पु० विप्रलम्भ बंधन ठगना
 विसर पु० समूह विस्तार
 विसर्ग पु० त्याग दान देना
 विसर्जन न० त्याग दान देना
 मेजना
 विसर्पण न० प्रसार फैलावसर्कना
 विसृजिका आ० एक रोग हैजा
 विसृजि त्रि० विमूर्ति फोलाहुमा
 विसृज्य त्रि० विसरण शीछ
 फैलने वाला [फैलने वाला
 विसर त्रि० विसरण शीछ
 विसृष्ट त्रि० प्रेरित भेजा हुमा
 छोड़ा हुमा
 विसन न० पु० वस्त्र छोड़ाहुमा
 सोनेका मोहर [फैलाव
 वस्त्राट पु० विडम्बित्वविस्तीर्णता
 वस्तीर्ण त्रि० विपुल फैला हुमा
 विशाल सम्बा [की भिन्नगरी
 वस्त्रुनिष्ठ पु० बहिन भाग
 वस्त्राट पु० फोड़ाबहुनफोटाहै
 वस्त्र पु० भाष्य महुमुद् मजीय
 वस्त्रपायन पु० हीरान हुमा
 कुरक त्त्रमाळ [हुमा
 विसृजि त्रि० विसरगुरुक हैरान

विस्मृति स्त्री० भूल भूखना
 विसृज्य पु० विश्वासपथ्यपरिवर्त
 विसृज्य त्रि० विश्वास वाला
 विसृज्य स्त्री० जरा बुढ़ापा
 विहग पु० विहङ्गम पक्षी परिन्द
 विहङ्गम पु० पक्षी परिन्द
 विहग पु० वियोग विछोह
 विहसित न० थोड़ा हैसना
 विहस्त त्रि० व्याकुलबढ़ायाहुमा
 प रूढत कतुर
 विहापितन० दानदेनाछुड़ायागया
 विहापस पु० न० वृद्धि भाफाछ
 विहार पु० समण घूमना
 विहित त्रि० कृत कियाहुमा
 विहीनत्रि० त्यक्तछोड़ाहुमावर्जित
 विह्वल त्रि० मयमोतबढ़ायाहुमा
 वीक्षण न० नेत्र भाँख देखना
 वीक्षित्री पु० स्त्री० तरङ्ग ऊहर
 सरकाश भरण
 वीक्षिमाक्षि पु० समुद्र समुन्दर
 योजन० शुरु मङ्कुर कारण
 योजगर्म पु० पटोल पर्वल
 याजन न० व्यजना पका
 योज्य स्त्री० पृथिवी जमीन
 योजिन् त्रि० योज वाला पिता

वीर्य त्रि० आदरकेयोग्य कुलीन
वीरि-टी स्त्री० पाम की धोड़ी
वीणा स्त्री० धीम बाँसुरी
वीरशोक त्रि० जिसका शोक बुर
होगया हो [घमक खाया
वीरि स्त्री० गति जाना वीर
वीरि-वी स्त्री० पदार्थ भेणी
कतार गली [घाय

वीर त्रि० निर्मल साफ भाकाश
वीरहा पु० मुखबन्धन दबकम पाठ
वीरसा स्त्री० विशेष इच्छा व्याप्ति
कैमना [काजी
वीर न० मिर्च कमल की जड़
वीरण न० उशीर जसर
वीरपत्नी स्त्री० बहादुर की स्त्री
वीरसू स्त्री० बहादुरों की पैदा
करने वाली माता

वीरसेन पु० जिसकी वीरसेना हो
वीरसेन न० बहादुरकी तरह बैठना
वीरघ्न स्त्री० विस्मृत लता
कैली हुई गेल

वीरेश्वर त्रि० वीरों का आधिक
वीर्य न० शुक बीज पराक्रम बल
वीर्यघ्न त्रि० बलघाला ओरावर
वीर्य पु० गल्ला संग्रह मार्ग

वीरधक पु० बीमा उठाने वाले
कुली भारवाहक

वीहार पु० बिहार कीड़ा
वृ हितन० करिगजन हाथीकागज
वृक्ष पु० भेड़िया कीड़ा
वृक्षदंश पु० कुक्कुर कुत्ता
वृक्षधूस पु० शगाळ गीदड़
वृक्षोदर पु० भीमसेन

वृक्ष त्रि० छिन्न काटा हुआ
वृक्ष पु० छिन्न दरक्त
वृक्षचर पु० यान्द दन्दर
वृक्षछाय न० पेड़ों की छाया
वृक्षनाथ पु० वटवृक्ष
वृक्षमवन न० वृक्ष में जोखल
वृक्षवादिका स्त्री० घरके पास का
उपवन

वृजन न० पाप गुनाह केश
वृजिन न० पाप भुग्न टेढ़ा देश
वृत्त त्रि० प्रार्थित मांगागया
वृत्तिस्त्री० मांगनाविष्टमलपेटना बाद
वृत्त न० खरित्र चालचलन सत्य
भाषणादि

वृत्तस्थ त्रि० अच्छे बालबलनवाल
वृत्तान्त पु० समाचार हाल बदर
वृत्त न० वृत्त की मका रोजी

वृत्र पु० मन्त्रकार शिष्य दुःसम्भ
 वाक्छ पर्वत
 वृत्रहन् पु० सूर्य वायु
 वृषा म० निरर्थक वेफायदा
 वृषादान न० निरर्थक देना
 वृक्ष पु० वृद्धा पण्डित चतुर
 वृद्धा स्त्री, बुढ़िया बुढ़ीस्त्री
 वृद्धि स्त्री० समृद्धि अल्पवयवदती
 वृद्धिजीविका स्त्री० सूदकारोत्तम
 वृष्याजीव त्रि० सूदसे जीनेवाला
 व्याजदिया [उठरा
 वृत्त न० फलपत्तों का वचन
 वृन्द न० वृत्तवृत्त वंश मरयकोसंख्या
 वृन्दारक त्रि० मनोहर सुन्दर
 - मुख्य [नगर
 वृन्दावन न० मथुरा के समीप एक
 वृन्दिष्ठ त्रि० सबका मुजिया
 वृ० एक पु० विष्णु कीछी [पशु
 वृष पु० वृषम येन वर्म सींगवाला
 वृष्य पु० मण्डकोय पोता
 वृषदशक पु० विष्णु बिलोडा
 वृषम पु० बैल बहुत बगछा
 वृषमातु पु० दाधिकारका पिता
 वृषक पु० शूद्र गाजर छोड़ा
 वृषो स्त्री० नीच स्त्री

वृषलोचन पु० मूयक सूहा [शिष्य
 वृषवाहन पु० बैलकी सवारीवाला
 वृषव्यन्ती स्त्री० कामुका स्त्री
 वृषाकर पु० बलकारी माप उर्द
 वृषि-पी स्त्री० कुशासन
 वृषि स्त्री० धर्म्य वचना
 वृष्टिम् पु० मैदक, मेक वर्षामें हुमा
 वृष्टिण पु० यादव वंश यादव
 वृहत् त्रि० महत् बड़ा
 वृहती स्त्री० यज्ञी महती
 वृहदमान् पु० सूप सूरज [जीव
 वृहस्पति पु० घाणी का स्वामी
 वेग प - जय जोर तेजी
 वेगिन् पु० श्येन बाजपक्षी
 वेणु पु० वंश बांस वृक्ष
 वेणुधम पु० वंशी बजाने वाला
 वेणुवाद पु० वंशी बजाने वाला
 वेतन न० तनकबाह तलव
 वेतनादान न० कर्म दक्षिण तन-
 व्याह का देना
 वेतस् पु० बेंत बेंत वृक्ष
 वेतस्यत् त्रि० बेंत वाला देश
 वेत् त्रि० जाता जानने वाला
 वेत्त न० बेंत बेंत वृक्ष
 वेत्तार पु० बेंत रखने वाला

वेदासन न० बैठका घनाहुमा

घासन कुर्सी आदि

वेद पु० जिस के द्वारा ज्ञान हो

श्रृणु यज्ञः, साम मन्थर्य

वेदगम पु० ईश्वर परमेश्वर

वेदन् न० ज्ञान जानना विश्राह

वेदपारंग पु० भरपूर प्रकार से

वेदोंको जानने वाला

वेदत्रिद पु० वेदको जाननेवाला

वेदस् पु० ज्ञाता जाननेवाला

वशाङ्ग न० शिक्षा कला व्याकरण

मिथक छन्द उद्योतिष

वेदान्त० ब्रह्मकी प्रतिपादन करने

वाला ग्रन्थ उपनिषद्

वेदान्तित्रि० वेदान्तको जानने

वाला [करना विचारना

वेदाभ्यास पु० वेदका अभ्यास

वेदि स्त्री० पेशकृत भूमि साफ

जमीन

वेदित्रि० ज्ञाता जाननेवाला

वेदित्रि० जाननेवाला परिदृष्ट

वेध पु० वेधन पीघना

वेधन न० कर्षण काफूर

वेधम् पु० ग्रन्था सूर्य परिदृष्ट

वेधित त्रि० वेधागया छेदागया

वेधिनी स्त्री० जड़ोंका जोक

वेपथु पु० कम्प कापना

वेपन न० कम्पन कापना हिलाना

वेम पु० वापदण्ड बुननेकाबंद

वेल न० उपवन बाग काल समय

वक्त सागरस्त

वेल्लज पु० मरिच मिरच

वेल्लन न० बेलना काष्ठपात्र

वेल्लिन न० गुमन जाना कम्प

वेश पु० वेश्याघृष्ट रङ्गीका घर

वेशभारिन् त्रि० कपटो, तपस्वी

वेशन्त पु० छोटातालाव अग्नि

वेशमन् न० घुड़ घर मकान

वेशमभु स्त्री० मकान बनाने के

लायक जगह

वेश्य न० वेश्याके लायक वेश्या

वेष्टन न० पयत्री, साँफा शक्ती

सहील घेरा [विराहुभा

वेष्टित त्रि० आशीर सहील घेरा

वेसन न० द्विदल घात

वेहार पु० विहारवेश एकदेश

वेभ० पापपूत्यर्थ निश्चय [घाला

वेकल्पित त्रि० एक पक्ष में होने

वेकल्प न० विकलता घबराहट

वेकृत न० विकार बदल

वैकरो स्त्री० वर्णात्मक शब्द
 वैमानस्य पु० धानप्रस्थान्तीयाधमो
 वैगुण्य न० उलटा अभ्यास्य
 वैशसाफी [क्षणता] भोजीवपना
 वैविध्य न० ज्ञानाकपता चिह्न-
 वैज्ञिक न० बीज के लिये हितकारी
 कारण बीजका
 वैज्ञानिक भि० मिथुन होशियार
 विज्ञानदायक पुस्तक
 वैज्ञानिक भि० धर्मक धूर्त
 वैद्य न० बांसुकी बांसुरी
 वैद्यकिं न० बांसुरी बजानेवाला
 वैद्यिक भि० बोन धजानेवाला
 वैतिसक भि० शिकारी व्याधा
 वैतनिक भि० तनकबाहवार नीकर
 वैतालिक भि० स्तुति पाठक माट
 चारण
 वैदध न० स्त्री० चातुर्य चातुर्य
 वैदिक भि० वेदविहित, वेद में
 कहाहुमा [पाणिग्रह्य
 वैदुष्य न० विद्वान् का होना
 वैदुर्य न० एक प्रकार की एक
 मणि [बनिया
 वैदेह पु० वणिग् जन, गोपारी
 वैदेही स्त्री० जनककन्या सीता
 वैद्य पु० विद्वान्, इकीम,

वैद्यक न० आयुर्वेद, इस्महकीमी
 वैद्य भि० विधिसे विधान क्रियागण
 वैद्यति भि० धीरज रहित
 वैद्येय भि० मूर्ख० वेद्यकूफ [धर्म
 वैद्यर्भ भि० उत्ते धर्मवाला उत्ता
 वैद्यव्य न० रक्षावा विधवापन
 वैमतेय पु० गदह-एकपक्षी
 वैमयिक भि० धिनयय क हलीम
 वैपरीत्य न० उलटापन विपयय
 वैभव न० विमुख्य विमूति
 वैश्य
 वैमुख्य न० विमुखता मुंहपोड़ा
 वैमात्र भि० सीतेहीमाकी सन्तति
 वैमात्रेय पु० स्त्री० सीतेला भाई
 वहिन
 वैयाकरण भि० व्याकरण
 व्याकरण पदने वाला
 वैयाय पु० मेडिये के समड़े से
 महा हुमा रथ
 वैयात्यं न० निर्लज्जता पेशमी
 वैयासकि पु० व्यासकी सन्तति
 शुकरेव [संहिता
 वैयासिकी स्त्री० व्यास रहित
 वैर न० महादुरी दुश्मनी विरोध
 वैरकर भि० विरोध कानेवाला

वैरवत्य न० विरक्तता विराग
वैरनिर्यातन न० यद्वला निकालना
प्रतीकार

वैराग्य न० रागरहित होना
वैरिन् त्रि० वैर करनेवाला दुश्मन
वैरूप्य न० विरूपता अवशकल
उलटा रूप

वैलक्षण्य न० विलक्षणता भजीषण
वैलक्ष्य न० लज्जा शरम स्वभाव
का बदलना

वैयत्रिक त्रि० वार्तावह नैगम व्या
पारी बनिया

वैषण्य न० रङ्ग यद्वला मेलापन
वैवाहिक त्रि० विवाह के लायक
विवाह वाला [मुनि

वैशाखायन प० महाभारतवक्ता एक
वैशत न० मारना मारने वाला
वैशाख पु० खन्तभाषा वृत्तरामहीना
वैशिष्ट्य न० गुणगुणीकामेल, मेद
कर्क [एक शास्त्र

वैशेषिक न० कणादमुनि का रखा
वैशेष्य न० विशेषता विशेषण
वैश्य पु० एक वर्ण बनिया
वैश्यवृत्तिक्री० छपि, सेती, व्यापार
वैश्वदेव प० सवदेवनामोंकी मंत्र

वैश्वामर पु० अग्नि, भाग, सूर्य
वैषम्य न० विलक्षणता भजीषण
जैसा न होना [घोला सु

वैषयिक त्रि० विषयसे सम्बन्ध
वैष्णव त्रि० विष्णु की उपासन
करनेवाला [गनवद्वारा

वैहासिक पु० मञ्जील करनेवाला
घोद त्रि० बाहक, उठाने वाला
वीपट न० देयोहृश्यवान मै

व्यसक पु० धूर्त, ठग, मरकट
व्यसित त्रि० घञ्जित, ठगा हुआ
व्यक्त त्रि० स्फुट प्रकाशित

व्यक्ति स्त्री० प्रकाश, जाहिर रूप
शास्त्रक

व्यग्र त्रि० व्याकुल घबराया हुआ
व्यङ्ग न० विकलांग अङ्गहीन
व्यञ्जन न० बीजना पका

व्यञ्जक त्रि० हृदयके भावको बताने
वाला मोपाणादि
व्यञ्जन न० मोदन मोलनोपकरण

व्यञ्जित त्रि० प्रकाशित, जतलाया
गया [मुसीबत
व्यतिकर पु० मेल व्यसन पु०

व्यतिक्रम पु० विपर्यय उलटा
व्यतिरिक्त त्रि० भिन्न, अलग, भिन्न

न्यतिरेक पु० विशेष, जियावा
 न्यतिक्रम [हुमा
 न्यतिपक्क त्रि० मिला हुमा, गुया
 न्यतिपङ्क पु० भापस में मिलाया
 परस्पर मेल
 न्यतिशर पु० परोवर्त, बदलना
 भापसमें एकप्रकारका काम
 करना [गुहर खुला
 न्यतोत त्रि० मतोत, बीत गया
 न्यतोपात पु० एक वडा सपत्न
 न्ययय पु० न्यतिक्रम विपर्यय
 उलटा
 न्यस्थास पु० विपर्यय उलटा
 न्यथा स्त्री० पीडा, बर्द हुआ
 न्यच पु० खोट लगना, छेद करना
 न्यधव पु० बुरा दास्ना कुपय
 न्यपदेश पु० कथन कहना संज्ञा
 कोपउप
 न्यपरोपण न० छेदन काटना।
 न्यपरोपित त्रि० छिन्न काटाहुमा
 न्यपाकृति स्त्री० निराकरण न
 मानना
 न्यपाभय प० माधय भासरा
 न्यपेक्षा स्त्री० अपेक्षा ज़रूरत
 न्यधिचार पु० बुरा चाल चलन
 बदबलनी दोष

न्यमिचारित्र त्रि० बदचलन जार
 न्यय पु० विगम जाना लर्च
 न्यर्थ त्रि० निष्प्रयोजन निष्फल
 निरर्थक [भगृत झूठ।
 न्यसीक न० भकाय भप्रिय
 न्यवकलन न० नियोजन विगमन
 निकाटना छटाना बाकी [नया
 न्यवकलित त्रि० विपोजित छटाया
 न्यवच्छिन्न त्रि० छिन्न काटाहुमा
 न्यवच्छेद पु० पृथक् करण जुदा
 करना मोचन।
 न्यवधा स्त्री० न्यवधान करक बीच
 न्यवधायक त्रि० कर्कहालमेवाला
 हांक डारने वाला
 न्यवधि प० न्यवधानबोचमेंपड़ना
 न्यवसाय पु० उद्यम हिम्मत रोजी
 काम करना
 न्यवस्थास्त्री० फैसलाशास्त्रमर्यादा
 न्यवस्थित त्रि० मसनी हासत में
 ठहरा हुमा वस्तु [न्यवहारी
 न्यवहर्तृ त्रि० न्यवहार कर्ता
 न्यवहार पु० प्रणयन कर्ताछिना
 न्यवहारपद न० मुकाममेंके जायक
 न्यवहाप्मातृका स्त्री० धकीक
 भावि के द्वार पेंरबी

व्यवहारिक त्रि० व्यवहारके लायक
 व्यवहार्य त्रि० व्यवहारका स्थान
 काममें आने लायक
 व्यवहित त्रि० व्यवधान (फर्क)
 वाला पदार्थ ।
 व्यवाय पु० मेधुन-भोग छिपना ।
 व्यसन न० विपश्चिमुसीबत भ्र श
 व्यसु त्रि० मृत मरगया
 व्यस्त त्रि० व्याकुल, घबराया हुआ
 व्याकरण न० प्रामर स्पर्शनहय ।
 व्याकुल त्रि० घबराया हुआ हैरान
 हुआ [करना शकल
 व्याकृति स्त्री० प्रकाशन । प्रकट
 व्याकृत त्रि० प्रकाशित, जाहिर
 किया हुआ
 व्याघोश-य त्रि० खजानेसे निकल
 गया प्रफुल्ल झिला हुआ
 व्याख्या स्त्री० विशेष कहा हुआ,
 विवरण
 व्याख्यात त्रि० कथित, कहा हुआ,
 व्यापाद त्रि० भस्तराय, बिछन रुकावट
 व्याघ्र पु० बाघ, लालपररङ्ग,
 व्याघ्रास्य पु० बिडाल बिलौटा
 व्याज पु० कपट छल भयदेश बहाना
 व्याजनिन्दा स्त्री० बहानेसे निन्दा

व्याजस्तुति स्त्री० बहानेसे करीफ
 व्याजोक्ति स्त्री० बहाने से कहना
 व्याड पु० मांसाशी बाघ भादिपशु
 व्याघ्र पु० व्याघ्र व्याघ्रा बिडौमार
 व्याघभीत पु० शिकारी से डर
 हुआ मृग
 व्याधि पु० रोग बीमारी
 व्याधित त्रि० रोगी बीमार
 व्याधूत त्रि० कम्पित हल गया
 व्यानपु० सर्वशरीरमें रहनेवाला वस्तु
 व्यापक त्रि० सब जगह रहनेवाला
 व्यापन्न त्रि० मद्गया मुसीबत में
 पड़ा हुआ
 व्यापद पु० द्रोहचिन्तन किसीका
 बुरा चाहना [चाहना
 व्यापादन न० मारना किसीका बुरा
 व्यापार पु० काम काम कोमदायक
 काम
 व्यापारिन् त्रि० व्यापारी धणिज
 व्यापिन् त्रि० व्यापक फैला हुआ
 व्यापृत त्रि० व्यापारवाला
 व्याप्त त्रि० पूर्ण पूरा मरा हुआ
 व्याप्ति स्त्री० व्यापकता सबस्थान
 में एक जैसा रहना
 व्याप्य त्रि० व्याप्त फैला हुआ

व्याम पु० फौकारं इरं भुजाभौका
परिमाण वेमा [फौकाव
व्यायत त्रि० दीर्घं लम्बा चौड़ा
व्यापाम पु० भ्रम मेहनत हिम्मत
कसरत

व्याल पु० सर्प सांप हंस्ती हाथी
व्यालमाह पु० सर्पों को पकड़नेवाला
व्यायहासो स्त्री० भाषणमें हँसना
व्यावृत्त त्रि० वृत्त गोल घेरा

दापरा हटगः

व्यावृत्ति स्त्री० निवारण हटाना
व्यास पु० पराशरका पुत्र एकमुत्रि
व्यासक्त त्रि० भासक्तस्पर्शगाह्य
व्यासङ्ग पु० मोर कामों से हटकर
एक काम में लगजाना

वासिञ्च त्रि० मने कियोगमातेकागया
याहत त्रि० दकाह्यमा धनकायाह्यमा
याहार पु० वाक्य उक्ति कहना
याहति स्त्री० उक्ति कहना

भुम्बु बास्वः भावि [तरह
पुत्रक्रम पु० क्रमयेंपरीत्य उन्नी
पुत्पान न० विरोधकरण पुत्रमनी
करना [विवाह
पुत्पति स्त्री० विशेषोत्पत्तिविशेष
पुत्पन्न त्रि० परिहृत छायाक

व्युत्स्त त्रि० निराकृत, तिरस्कृत
व्युवास पु० निराकरण निरावर
करना

व्युष्ट त्रि० वृष जलाह्यमा वासी
व्युष्ट त्रि० सहत चौड़ा घुघुर

कैलाह्यमा परिहित [हुमा
व्युत् त्रि० ताँतसे गुंथाहुमा पुना
व्युष्ट पु० समूह निर्माण बनावट
व्यो म० लोहा बीज

व्योकार पु० लोहकारक लुहार
व्योमचारिन् पु० भाकाशमें चिकरने-
वाला पक्षी

व्योमन् न० भाकाश भासमान
व्योमयान न० भाकाशमें लबाटी
विमान बैलून [त्रिकुटा

व्योप न० शुद्धि मिर्च पीपल
यज पु० समूहगोष्ठ गोदण मार्ग
यजमाय पु० यज्ञके ल्यामी इरण्य
यजमोहन पु० श्रीहृष्य यज्ञवासि यों
को मोहनै वाली

यजाङ्गना स्त्री० यज्ञकी स्त्री गोपी
यज्या स्त्री० पण्डित, पूजना जाना
यामा

यण न० पु० दंत, धाव फौड़ा
यत न० नियम उपवासादि

शम्पा स्त्री० पिप्लु त्रि० बिजली
 शम्बर न० जल धन वीर्यत मत
 सूरत बहुत भज्जा
 शम्बर पु० न० फल किनारा पायेय
 सफर लख
 शम्भल पु० मुरादाबाद के समीप
 का नगर (कस्बा) [स्थान
 शम्भु पु० महादेव ईश कल्याणका
 शम्पा स्त्री० युगकीलक जुयेकीकील
 शय पु० हस्त हाथसाप भीषणम्पा
 शयनीय न० सोने के योग्य शय्या
 सेज

शयालु त्रि० मित्राशील सोनेवाला
 शयित त्रि० निमित्त सोगया
 शयु न० भज्जगर सांग
 शय्या स्त्री० कदवा काट पल्लव
 शर न० जल तीर जेठा
 शरण न० रक्षण यथाय-यथ
 शरणागत त्रि० रक्षणमें भाषाहुमा
 शरणय त्रि० रक्षण के योग्य
 शरद स्त्री० एकसुतुक्कारकार्तिक
 शरदि पु० तूण तर्का
 शरद स्त्री० एक नदी
 शरद्व न० शरद्व निशाना [शिक्षा
 शराम्बास पु० तीर बलाने की

शरात त्रि० हिंस्र हिंसा करने
 शराव पु० सर्वा दीधला पि
 शरावती स्त्री० एक नदी
 शरावय पु० तूण तर्का
 शरीर न० देह जिसम कोया
 शरीरक पु० जीवात्मा कृ
 शरीरज त्रि० शरीरसे पैदा
 वाला रोग आदि [क
 शरीराचरण न० शरीरके ऊप
 शरीरिन् पु० जीवात्मा कृ
 शर पु० कौय गुस्सा तीर
 शकरा स्त्री० शकर बाली
 शर्ष पु० अयान वायु पाद
 शर्मद त्रि० सुखदेने वाला ईश
 शमन् पु० न० सुख देनेवाला
 शर्वरी स्त्री० शक्ति हल्दी
 शरम पु० पतंगा एक कीड़ा
 शरका स्त्री० सलाई तीर
 शरदा त्रि० कम्पाफल विलम्ब
 शरक न० शुकडा घुसकी छाल
 शरमलि पु० सेमरका वृक्ष
 शरय न० बाण तीर तोमर
 शर पु० न० मृतदेह मुर्दा
 शरकोम्य पु० सारमेय कुत्ता
 शरयान न० मुर्दे के जानेकी सन
 अर्था ठठरी

शबर न० एक म्हेछ जाति
 शबरप पु० मुर्दा उठानेकी गाड़ी
 शबरालय पु० मीलोंके रहने की
 जगह
 शबल पु० कर्दूर वर्ण रंगबरंगा
 शत पु० खराबोस खरहा
 शशपर पु० चांद मृगांक शशाङ्क
 शशाङ्क पु० श्येन बाज [हिस्सा
 शशिकला स्त्री० चांदका सोलहवां
 शशिकान्त न० कुमुद चन्द्रकान्त
 मणि
 शशिन पु० चन्द्रमा चांद [कुमुद
 शशिप्रमन० चन्द्रमाकी शोभाचांदनी
 शशिलेखा स्त्री० चांदकी कला
 शुद्धी गिलोई [हमेशा
 शम्भु न० नैऋत्य लगातार सदा
 शम्भुल पु० मालपूजा एक पूजा
 शम्भु न० वालटुण कीमल भास
 शम्भु न० मारण मारना
 शस्त न० कल्याण इसनाल स्तुत
 शस्त्र न० तलवार आदि भोजार
 शस्त्रजीविन त्रि० शस्त्र से जीने
 वाला [हथियार हो
 शस्त्रपाणि पु० जिस के हाथ में
 शस्त्राम्बास पु० शस्त्र चलानेका
 महाबरा—शिक्षा

शस्त्रिन पु० स्त्री शस्त्रवाला [भादि
 शस्त्री स्त्री० छोटा हथियार धुरी
 शस्य न० खेतका पसु जेती
 शस्यमञ्जरी स्त्री० नये मन्मकी
 बाल [साग
 शाक पु० न० पत्ते फूस भादि
 शाकदायक पु० व्याकरण के रच-
 -यिता एक मुनि
 शाकटिक त्रि० गाड़ीसे चलनेवाला
 शाकम्बर त्रि० शाक से पेटमरने
 वाला
 शाकराज पु० बघुये का शाकभूमि
 शाकिनी स्त्री० शाक उपमानेवाली
 शाकुनिक पु० बिड़ीमार व्याध
 शाकुन्तलेय पु० भरतराजा [बाबा
 शाक त्रि० शकिकी उपासनाकरने
 शाक्तीक त्रि० बर्षों से लड़नेवाला
 शाक्य पु० पुत्रदेव
 शाकानगर न० छोटाशहर बस्वा
 शाकामुग पु० वानर बन्धर
 शाद पु० वस्त्र कपड़ा पद
 शादक पु० स्त्री० वस्त्र कपड़ा धोती
 शाठ्य न० शठता मूर्खता झूठपना
 शाण न० खनका पनाहुमा कसीटी
 साग [शुभा
 शाणित त्रि० सँ हथीकृत लेजकिया

शिपिन्त्र त्रि० ढोला मुख धोमा
शिफाकन्द पु० कमल की जड़
मसींदा

शिःशूल न० शिर की पीड़ा
शिरस पु० केश बाल
शिरस् न० मस्तक माथा शिर
शिरसिरुह पु० बाल केश
शिरस्त्र न० शिरका चबानेवाला
साफा पगड़ी

शिरा स्त्री० नाड़ी नख
शिराल त्रि० नाड़ोवा
शिराप पु० शिरीषका वृक्ष
शिरोगृह न० ऊपर का घर
शिरो शरा स्त्री० शीवा गर्दन
शिरोमणि पु० सर्वोत्तमशिरफामणि
शिरोरुह पु० केश बाल
शिरोवेष्ट पु० पगड़ी साफा
शिल न० सिला खुगमा
शिलामेद पु० पत्थरको फाटने
वाला यस्त्र

शिलासार न० लोहा
शिलीमुख पु० समर भौरा
शिलोच्चय पु० पर्वत पहाड़
शिलोष्ठ पु० गिरे हुये अन्न को
इकट्ठा करना

शिव न० कारीगरी कला विद्या
शिक्षकास्त्र त्रि० कारीमर स्त्रिक
शिक्षशाला स्त्री० कारीगरी का
शिवशास्त्र न० वस्तुविज्ञानशास्त्र
शिव त्रि० मङ्गल शुभ तल संघा

निमक मङ्गलद मूक्ति वेद
कालाघ्नुराशारा रस
शिवक पु० एकवृंदाखम्भा
शिवघात पु० पारद पारा
शिवपुरी स्त्री० काशी नगरी
शिवा स्त्री० मङ्गल वाली स्त्री
गोदड़ी बालमकी

शिविका स्त्री० डोली स्त्रीशहन
शिविर न० सेनास्थान । छावनी
शिशिर न० हिमवर्ष मावफाल्गुन
शिशु पु० बालक । बच्चा
शिशुद्वय न० शिशुना । बचपन
शिशुपाल पु० वन्देछो का राजा
शिशुमार पु० जन्मजीवतारोंका यक
शिशुन पु० मेढ । किङ्क । वनविन्द
विशेष

शिशमदान त्रि० जोमर । पावी
शिए त्रि० शिक्षित । शांत । धीर
शिष्टाचार पु० सज्जनों का आ
चार मला व्यवहार ।

शिष्टि स्त्री० माडा हुकम ताङ्ग
 शिष्य त्रि० शिक्षणीय विद्यार्थी
 शीकर न० सीपानहना पानी का
 कण हवा ।

शीम त्रि० अन्दी अन्दी बाला
 शीत त्रि० शीतल जल बर्फ शीत
 स्पर्श बाला । [शीत पदार्थ
 शीतक पु० ठीलाकाम करनेवाला
 शीतकर पु० चन्द्रमा चांद [बर्फ
 शीतकाल पु० पौष माघ सर्दीका
 शीतगु पु० चन्द्रमा कपूर
 शीतमानु पु० चन्द्रमा कपूर
 शीतमीन स्त्री० मल्लिका मालती
 शीतरश्मि पु० चन्द्रमा चांद
 शीतल त्रि० ठण्डास्पर्श-उत्पन्ना
 मलयका चन्द्रम मीलिक मीती
 शीतला स्त्री० खेचक माता कपूर-
 खल मीती [फाळा
 शीता स्त्री० लाङ्गलपबति हलका
 शीतांशु पु० चन्द्रमा चांद
 शीतार्त त्रि० शीतपोषित शीतल
 शीताल त्रि० त्रिसमे सर्दी होगई हो
 शीतवाष्प शुक्
 शीत्कार पु० शी शा-करना
 शीषु पु० न० सोरेही शराव

शीन त्रि० अमाहु मा भूर्ध
 शीर पु० मज्जर सांप बड़ा सांप
 शीर्ष त्रि० ऊपर पतला कमजोर
 शीर्ष न० सिर मस्तक [सुर्भी
 शीर्षक न० शिरस्त्राण टोप साफा
 शीर्षक पु० शिरस्त्राण साफा टोप
 शीर्षक पु० शिरस्त्राण साफा टोप
 शील न० स्वभावमच्छाबालकाने
 करि बलन
 शीलन न० मम्पास बार २ करना
 मिर्जाज बहुत ही [हुमा
 शीलित त्रि० मम्यस्त भूर्ध किया
 शुक् पु० न० तोता व्यासका पुत्र
 कपड़ा
 शुकरेश पु० व्यासका पुत्र
 शुक् न० खिरका भल्ल दुर्जन सीप
 शुक्तिज न० मुका मोती
 शुक्तिमत् पु० एक पर्यंत
 शुक्ल न० धीय धोज ज्येष्ठमास , २
 शुक्लशिष्य पु० असुर दीत्य
 शुक्रिय त्रि० शुक्र दीयता वाला
 शुक्रका
 शुक्ल त्रि० चांदी मयजन सफेद
 साफ सफेद र बवाला
 शुक्लकर्मन त्रि० साफ कामकरने
 वाला मयजन

शुक्लपक्ष पु० सजेला पाँख
 शुक्लवायस पु० चक्र वगुला
 श्वेत काक [मोर
 शुक्लापाङ्ग पु० सफेद मजरवाला
 शुक्लमन पु० सफेदी सिद्धापन
 शुक्लोपेका स्त्री० सिरि सफेद
 पत्थर छद्दि
 शुक्ल पु० बटवृक्ष पाकुड़ का पृक्ष
 शुक्ल स्त्री० शोक रंज सिन्हा
 शुक्लि पु० भाग जेठ का महीना
 भापाट नेकचलन
 शुचिद्रम पु० अमृत्यवृक्ष पीपल
 शुण्ड पु० मक्का भरना हाथीकी
 संज्ञ शराबघर वेश्या सुरा
 शुद्धोर पु० कठाल शराबबेचने
 वाला [शुभ्र
 शुद्ध न० नैऋतवक्त्रयण सैन्धापयित्र
 शुद्धवल्ली स्त्री० शुद्ध स्त्री गिलोय
 पयिल्लता
 शुद्धान्त पु० सय ओरसे पयित्र
 शुद्धि स्त्री० मार्जन सफाई मांजना
 शुभ पु० कुक्कुर कुत्ता
 शुभशोक पु० एक शुचि
 शुभी स्त्री० कुतिया सारमेयी
 शुभ न० मगल मलाई

शुभयु त्रि० शुभवाला मलाईवाला
 शुभमर्ह पु० मरुटा समय
 शुभकर त्रि० मङ्गलकारक मठा
 करनेवाला
 शुभद त्रि० मङ्गलदेनेवाला
 शुभा स्त्री० शुभा कान्ति [सफेद
 शुभ त्रि० सफेद रंग वाक्त्रा यमक
 शुभम पु० एक वैश्य बटवल नर
 शुभक पु० न० कर महसूल
 शुक्लस्थान न० शुं गीघर
 शुद्ध न० ताज, तामा रस्सी
 शुद्ध न० ताजा, रस्सी, जड़
 का निकट
 शुश्रूषण न० सेवा सौकरि कीचाह
 शुश्रूषा स्त्री० धरण छा सुनने
 शुष पु० गर्त, गढा घिल, सुराक
 शुषिर न० छिद्र सुराक
 शुष्क त्रि० सूखा
 शुष्कल न० सूखा हुआ
 शुष्कधर न० घेसलव शुभमती
 शुष्कवण पु० सूखा घाय
 शुष्मन न० तेज शौच
 शुष्क पु० यय जी मूक
 शुष्कर पु० सूखर कोला
 शुद्ध पु० चौथा वर्ण

शूद्र कर्मन् न० सेना करना
 शूना स्त्री० कसाई का ना प्राणिकय
 स्थान
 शूय त्रि० मकेली जगह, काली
 जगह
 शूयप्रादिन् पु० कुछ नीच मानने
 वाला
 शूर पु० वीर बहादुर सिंह
 शूरसेन पु० सिद्धकी बहादुर
 सेना हो
 शूर्प पु० शूय छात्र
 शूर्पकर्ण पु० सिद्धके कान शूय
 से हो हाथी
 शूय पात्रा स्त्री० राजपू, की वहन
 शूम्न पु० छोड़े की मूर्ति,
 शूक पु० न० पीडा एक बीमारी
 फाटा निशान्
 शूकचतः न० वर्ष की दूर करने
 वाला मयदर
 शूलद्रिप पु० हींग हिनु
 शूलिक त्रि० शूलाकृत भास
 शूलिन् त्रि० शूलरोग वाला
 शूल्य त्रि० शूला कृत कबाब
 शूलासिका स्त्री० गीदड़ी स्वारो
 शूल पु० जंजीर निगड़-

शूक न० पर्वत की ओटी
 शूकमूल पु० शूकटक, सिपाई
 शूकारिन् पु० मातवर्षहिन्दुस्तान
 शूकवेर न० बकरक सोंठ
 शूकाट पु० अनुप्राय बीराहा
 शूकार पु० सजाबट लोंग चूरा
 शूकारिन् पु० पून सुगरी
 शूक्तिन् पु० सींगवाला मेघ
 शूत त्रि० पक्व पका हुआ
 शोकर पु० शिखा ओटी ताज
 शोक पु० न० शिखर लिङ्ग मेघ
 शोकाङ्किका स्त्री० फूलदार वृक्ष
 शोमुषी स्त्री० बुद्धि मकल
 शोध पु० शिक्षा शिक्ष शोक
 शोधधि पु० निधि लक्षणा
 शोवाल न० शिवाल एक जलकी
 घास
 शोष पु० वाकी ईश्वर सांघ
 शोष पु० शिक्षा शिक्षण
 शोकरिक पु० ओटीपर पैदा हुआ
 शोष न० शीतलता सदी
 शोषिस्म न० दीक्षापत्र सुस्ती
 शोम न० पर्वत पहाड़
 शोकराज पु० हिमालय पर्वत
 शीकतिधिर न० सागर समुद्र

शीलाग्र न० पहाड़की खोटी
 शीलाट्ट पु० शेर मोलसिंहकिरात
 शीली स्त्री० चारित्र नियम रीति
 शीलेय पु० नट चित्तवृत्त धूर्त
 शीघ्र त्रि० शिघ्र का भक्त
 शीघ्राल न० खेयाल एक घास
 शीशव न० घालव्य वचन
 शीशिर त्रि० शीतकाल में हुआ
 शोक पु० सन्ताप अफसोस
 शोचिष्ट केश पु० वहि मणि
 शोचिस्त न० प्रभा अमक प्रकाश
 शोच्य त्रि० क्षुद्र छोटा बेचारा गरीब
 शोण न० रुधिर लोह सिम्बूर
 [शोणित न० रुधिर लोह खुन
 शोणोपलपु० डालपत्थरमाणिक्य
 शोध पु० सृजन सोज
 शोधन न० शोध सफाई धिष्टा
 दोष हटाना [हुआ
 शोधित त्रि० मार्जित साफ किया
 शोफ पु० शोध सृजन
 शोमन त्रि० शोमावाला खूबसूरत
 स्त्री० दोसि अमक प्रकाश
 पु० सृजना मिर्गीकी बीमारी
 न० सूक्ष्मा सूक्ष्मा
 कन० चीत्ती का समूह

शौकिकेय न० मुका मोती
 शौक्य पु० श्वेतता सफेदी
 शौच न० शुद्धि सफाई पवित्रता
 शौटीर पु० त्यागी दानी बहादुर
 शौण्ड त्रि० सराबी मत्त मत्तवाच
 शौण्डिक त्रि० शराब बेचनेवाला
 शौण्डीर त्रि० अहङ्कारी कलाह
 शौद्र पु० शूद्रका लड़का
 शौनिक पु० कसाई शिकारी
 शौमिक त्रि० इन्द्रजाली मदारी
 शौरि पु० श्रीकृष्ण शनैभर
 शौर्य न० वीर्य बहादुरी शक्ति
 शौलिकक पु० महसूल वसूल करने
 वाला सहस्रोलदार [पदार्थ
 शौवस्तिक त्रि० मानेवाले दिनक
 इच्छोत्त पु० चारों ओर सीजन
 शमशान न० मरघट-मुर्दे जलानेक
 स्थान
 श्रुमधु न० वादी मूछ
 श्रमधुस्त्री स्त्री० मूछवाली स्त्री
 श्रमधुल पु० वादी मूछवाला
 श्रयान त्रि० सुखाहुमा सुकड़ाहुवा
 श्रयाम त्रि० मोला काला [मोर
 श्रयोमल पु० कीछी रंगवाला पीपल
 श्रयोमलता स्त्री० कालापन

रयामसुन्दर पु० काला होकर भी
सुन्दर, छण्ड

स्याल पु० एकोनाता साता
स्याय त्रि० काले पीछे रंगवाला रङ्ग

स्यायदत् त्रि० काले दातोवाला
स्यायदस्त त्रि० काले दातोवाला

स्येठ त्रि० सफेद रंगवाला
स्येन पु० एक पक्षी बाज

स्येनगता स्त्री० मृगया शिकार
अयन न० यद्य मारना

अद्या स्त्री० विश्वास भक्ति
अद्यालु त्रि० अद्यावाला

अन्यत न० अन्यत रचना
अपित त्रि० एक पक्षाहुमा

अम पु० मायास मेहनत को
अमिन् त्रि० मेहनती अमवान्

अय पु० आश्रय सहारा
अय पु० कान कर्ण भोज

अवण न० काम काम भोज
अवस् न० कर्ण कान भोज

आण त्रि० एक पक्षाहुमा बिचड़ी
आद न० अद्याले जीवित पितामादि

को भोजन कराना
आदिक त्रि० आदमें जानैवाला

आस्त त्रि० मेहनती पक्षाहुमा

आवय पु० सावतका महीमा
भी स्त्री० शोभा धन प्रभा कीर्ति

धीकवय न० धन्य सत्य
धीगर्म पु० तलवार खड्ग

धीपथ पु० राजमार्ग बड़ी सड़क
धीपुष्प न० लपटू लौंग

धीफल पु० विन्दवृक्ष बेल
धीमत् त्रि० शोभावाला

धील त्रि० शोभावाला दौलतमंद
भुत न० सु नाहुमा शास्त्र इत्त

भुतकीर्ति त्रि० प्रसिद्ध परवाला
भुतदेवी स्त्री० सरस्वती धिपा

भुतबोध पु० उन्मोचविषयक एक
पुस्तक

भुति स्त्री० वेद कान सुभमा
भुतिवर्जित त्रि० वेदसे मिन्न

भुतिविषय पु० कर्णधेय संस्कार
भुत्युक्त त्रि० वेदमें कथाहुमा

भोजिणी स्त्री० पक्षिक कक्षा
भेयस् न० कल्याण धर्म मोक्ष

भेष्ठ त्रि० बहुत अच्छा उम्दा
भेष्ठिन् पु० स्त्री० सेठ साहुकार

भोण पु० एक छंगड़ा कांजी
भोणिणी स्त्री० कटि कमर पथ

वास्ता

श्रोतव्यं त्रि० सुननेके लायक
 श्रोतसे न० कानि नदीका बगे
 श्रोत्रन० कर्ण कान श्रवण
 श्रोत्रिय त्रि० वेदछ धर्मात्मा विप्र
 श्रोतत्रि० वेदविहित कर्म
 श्रोत्र त्रि० वेदका कार्य भावि
 श्रोतृ म० यज्ञ में हविर्दानि
 श्लक्ष्ण त्रि० अल्प धोड़ी चिकना

मनोहर

श्लथ प० दीला कर्मजोर
 श्लाघा स्त्री० प्रशंसा तारीफ
 श्लाघ्य त्रि० प्रशंस्यतारीफकेलायक
 श्लिष्ट त्रि० मालिशित मिला हुआ
 श्लील त्रि० शमावाला अच्छा
 श्लेष प० संसर्ग मेल मिलना
 श्लेषमण प० कफवाला कफविशिष्ट
 श्लेषमन प० कफ बलगम
 श्लेषमल त्रि० कफवाला बलगुमी
 श्लाक प० पद्य छन्द कवितो
 श्लाघ्येयस्त् न० मङ्गलकल्याण मिला
 श्लवक एक प० गीशुर गोलक
 श्लवधूर्त प० शृगाल गीधरु
 श्लवन् प० सारमेय कुंठा
 श्लवपत्र प० चाण्डाल मेहतार भंगी
 श्लवपाक प० चाण्डाल मेहतार

श्वमीरि प० शमाल गीधरु
 श्वस्र न० छिद्र छेद सुरास
 श्वयधु प० शीघ्र सज्जन
 श्वयवृत्ति स्त्री० वास्य नीकरी
 श्वशुर प० पतिकापिता पत्नी
 श्वशुर्य प० देवर साला
 श्वथ स्त्री० सास सास
 श्वस्र म० माने वाला दिन
 श्वसन प० वायु हवा पवन
 श्वसित न० सास प्राणि वायु
 श्वस्तन त्रि० ओने बाले कले
 दिन का [दिन
 श्वस्त्य त्रि० आने वाली कले
 श्वागणिक प० शिकारी व्य
 वहीलया
 श्वन प० कुकुर कुत्ता [है
 श्वापद प० हिन्नपशु मारने का
 श्वास प० हवा सांसकी धीम
 श्वेत्त न० सफेद कोढ़
 श्वेत्तत्रि० त्रि० श्वेत कोढ़ पा
 श्वेतपत्र न० सफेद कमल
 श्वेतपिङ्गल प० सिंह शेर
 श्वेतरक्त प० गुलाबी पादरुण
 श्वेतसर्प प० सफेद सरप
 श्वेतवर्ण प० सफेद घोड़ा

श्वेता स्त्री० वराटिका कीड़ी
श्वेत्य न० शुक्लवर्ण सफेद
श्वेत्य न० सफेद कोढ़

(श्रु)

षट्कर्मन् न० छह क्रम
षट्कोण न० छः कोनवाला छकोना
षट्चरवारिशास्त्री० छियालीस ४६
षट्चरण पु० छमर मोटा
षट्त्रिंशत् स्त्री० छत्तीस ३६
षट्ऋचाश्व स्त्री० छप्पन ५६
षट्पदी स्त्री० छूकाजू एकछन्द
षडङ्ग न० शिक्षा कल्प व्याकरण
निरुक्त, छदः ज्योतिष
षडशीति स्त्री० छियाली ८६
षडानन पु० छ मुखवाला स्वामी
कार्तिकेय
षडभि पु० छ पेथर्य वाला ईश
षडगवत्रि० छः पैलोंवाला रथ भावि
षडगुण पु० छ गुण सम्भि भावि
षड्या म० छ प्रकारसे-तरह से
षडरस पु० मधुर-मीठा लघुण
नमकीन तिल-वरपण कपाय
कलेला मरु-कट्टा कटु-कटुभा
षडवर्ग पु० काम, क्रोध, लोभ, मोह
मद मात्सर्य

ष-श-एड पु० बैल नपु सक हीमड़ा
षण्ड पु० नपु सक हीमड़ा
षष्ठि त्रि० छ की संख्या ६
षष्ठि स्त्री० साठकी गिनती ६०
षष्ठितम त्रि० साठवां साठवों
षष्ठि त्रि० छटा छटी
षष्ठक त्रि० छठाहिस्सा
षष्ठांश पु० छठा भाग
षष्ठी स्त्री० छटी छटवों
षडगुण्य न सम्भि, धिप्रह, भावि
षाण्मातुर पु० कार्तिकेय
षाण्मासिक त्रि० छ महीने का
शिशुमाही ।

षिङ्ग पु० धूर्न लुग्या सम्पद
षोडश पु० छ दस वाळा बीसमाहि
षोडश त्रि० सोलह की संख्या
षोडश पु० सोलहवां
षोडशक न० सोलह वस्तु बिना
षोडशांग पु० सोलह वस्तुओं से
षोडशाक्षि त्रि० कर्कट केकड़ा
षोडशार न० सोलह कोणवाला
षोडशित्त पु० सोलह कला वाला
अग्रमा

षोडा म० छः प्रकार-छः तरह से
ष्युत त्रि० निरुक्त-यूक्तगण

(स)

सक्षेप पु० मुक्तसिर सूक्ष्मता से
 सक्षोम पु० खाण्डव्य घबराहट
 सप्राहिन् त्रि० एकट्ठा करनेवाला
 सङ्घ पु० समूह पक्का मेल
 सङ्घर्ष पु० आपसकी रगड़
 सङ्घ त्रि० आख्या नाम इशारे
 संज्वर पु० ताप चेक
 संमर्द पु० आपसकी रगड़
 संयत् स्त्री० युद्ध लड़ाई
 संपन्न त्रि० रोकने वाला
 संपन्न पु० इन्द्रियों को रोकना नियम
 संपन्न न० बन्धन बांधना
 संपन्न त्रि० इन्द्रियों को रोकने
 वाला
 संपाद्य पु० हलवा
 संपुज त्रि० लुब्धा हुआ
 संपुक्त त्रि० मिला हुआ पदार्थ
 संपुग न० युद्ध लड़ाई
 संपीग पु० मिलन मेल
 संपोजित त्रि० मिला हुआ
 सत्सम् पु० कोप गुस्सा
 सत्सम् न० मसीमांतिपूजाकरता
 सत्सव पु० शम्भू आवाज
 सत्सव त्रि० मीठ मरपूरउपजा हुआ

संरोध पु० रोधन रोकना
 संलग्न त्रि० मिलित मिला हुआ
 संलय पु० मित्रा प्रलय
 संलाप पु० बातचीत करना
 संवत्सर पु० साल वर्ष सत्र
 संवत् न० साल सत्र
 संवर्त पु० प्रलय कथामित
 संवर्तिकास्त्री० दीपमादिकीलपा
 संवर्धक त्रि० अच्छे प्रकार बढ़ा
 वाला
 संघलित त्रि० मिलित मिला हुआ
 संघसय पु० माम गाव
 संघास पु० गृह घर [बाका
 संघाह पु० मङ्गमर्दक शरीरदात्री
 संघिग्न त्रि० उद्दिग्ध घबराया हुआ
 संघित स्त्री० ज्ञान समझ बुद्धि
 संघित स्त्री० ज्ञान समझ बुद्धि
 संघिता स्त्री० सिद्धि मार्ग
 संघित त्रि० अंगीकृत माना हुआ
 संघिधान न० उपाय रचना
 संघीक्षण न० तलाश देखना
 संघीत त्रि० आवृत ढका हुआ
 संघृत त्रि० आवृत ढका हुआ
 संवेग पु० सम्यक्बल मोर्द
 संवेद पु० ज्ञान मुक्ति

संशय पु० मित्रा नीद [कपडा
संशय न० उत्तरीय वस्त्र हरक
संशय पु० संशेद शक [पडा हुआ
संशयस्थ त्रि० संशेदयुक्त शकमें
संशयात्मन् पु० शक में पडा हुआ
संशयालु त्रि० संशययुक्त शकको
संशयितृ त्रि० संशय वाळा
संशरण न० पुनरात्म लडाई
संशितमत त्रि० नियम को पूरा
करने वाळा
संशुद्धि स्त्री० सम्यक् शोधन
संशयन् त्रि० शीत आदि से
सिद्ध हुआ हुआ
संशय पु० आश्रम भासरा
संशय पु० अंगीकार इकार
संशय त्रि० अंगीकृत इकार
करिया हुआ
संशुद्धि त्रि० आशुद्धितमिला हुआ
संश्लेष पु० आशुद्धन मिला
संश्लेष त्रि० मिलित मिला हुआ
संश्लेष स्त्री० समाकमेटीममलिस
संशरण न० अश्व गमन हमल
संशर्म पु० संशर्मण मेल साम्रा
संशर्माभाव पु० मेल का न होना
संशार पु० जगत् दुनिया

संसारमार्ग पु० दुनियाकारास्ता
संसारिन् त्रि० जीवात्मा देही
संसिद्ध त्रि० स्वभावासे बना हुआ
संसृति स्त्री० संसारका प्रवाहमे
संसृष्टि त्रि० मिला हुआ [मातादिमे
संस्कृत त्रि० संस्कारकरा मेवाला
संस्कार पु० शुद्ध करना
संस्कृत त्रि० साफ किया हुआ वस्तु
संस्तार पु० यद्वा शय्या विस्तार
संशय पु० परिचय वाकफियत
संस्थाप्य पु० संघात गाढ़ घर
संस्थ त्रि० भवस्थित टिका हुआ
संस्थित त्रि० अच्छे प्रकार ठहरा
हुआ मृत मरण हुआ
संस्कृत त्रि० विकसित मिला हुआ
संस्फोट पु० युद्ध जग लडाई
संस्त त्रि० दुष्ट पडा मिला हुआ
संस्त स्त्री० समूह मेल [मारना
संशनन न० देह शरीर समूह
संशय पु० आनन्द सुखी पापु
संशार पु० प्रलय नाश कथामत
संहिता स्त्री० मेल कई विषयों को
यतलाने वाळा पुस्तक
संहति स्त्री० बुझाना आह्वान
संकर्ण त्रि० जानवाला भुविदीक

संकर्मकयु० कर्म जिस भात के
 साथ लगा हो ऐसा भात
 संकलत्रि० सम्पूर्ण सबकलासहित
 संकारण त्रि० कारण के साथ
 संकाश पु० भक्तिक समीप पास
 संकुक्ष्य त्रि० ऐकही कुल में हुमा
 संकुक्ष्य न० एकबार [होनेवाला]
 संकुक्ष्य पु० एकबारसन्तानउत्पन्न
 संकुक्ष्य त्रि० कदली केला
 संक त्रि० आसक फँसाहुमा लगा
 हुमा [भारा सच
 संकु पु० मुनेहुषे भी भादि का
 संक्षिप्त न० ऊँच शकटावयव
 संक्षि त्रि० समान व्यवहार वाला
 प्रेम करनेवाला
 सखी स्त्री० सहचरी सहेली वयस्या
 संख्य न० मित्रता दोस्ती मित्री
 संगम पु० स्त्री० सहोदर भ्राता
 लगा माई बहिन
 संगीत न० एकगीत एक कुल
 संगीत स्त्री० सहभोजनसाथजाना
 संकट त्रि० छोटी जगह संबोध
 कट हुआ
 संकर पु० कड़ा लोगला
 संकर्षण न० भीषण घसीटना

संकलन न० योजन जोड़ना
 संकल्प पु० परीक्षा विचार दर
 संकसक त्रि० मन्द मूर्ख पुर्ण
 संकाश त्रि० सद्गुण समान
 संकीर्ण त्रि० संकुचित सिद्ध
 हुमा [संक्षिप्त
 संकुचित त्रि० सिद्ध हुमा
 संकुल न० आपस में मारने व
 लड़ाई असंवेद्य प्रलाप
 संकेत पु० इशारा सैन
 संकेतिक त्रि० इशारा किया हु
 संकोच पु० संक्षेप सिद्ध हुमा
 संकल्प न० खूब चिन्तना रो
 संक्रमण न० संक्रान्ति जाना
 खाँचना [मर
 संक्रान्ति स्त्री० सम्यक क्रम
 चलना एक राशि से दूस
 राशि में सूर्यका जाना
 संख्य न० स्त्री० युद्ध जग विष
 बुद्धि गिनती
 संख्यात पु० विचारशील परि
 संख्येय त्रि० गिनने के लायक
 संग पु० मेल सम्बन्ध
 संगत न० सहोदर मित्रता
 संगति स्त्री० संगम मेल मित्र

संगम पु० संगति मेळ

संगर पु० मापदा मुसोपत पुन्य
प्रतिष्ठा विषय

संगव पु० गायों के पुहनेका समय
संगित् त्रि० संग बाळा साथी
संगीत त्रि० मल्लीमांतिगाया हुआ
गाना बजाना नाचना

संगीर्ष त्रि० स्वीकृत माना हुआ
संग्रह पु० सवय इकठ्ठा सहेप
संग्रहणी स्त्री० एकदोग कब्जी
बपव

समीम पु० युन्य छड़ोई जके

समामपटह पु० युन्य का बाळा

संघ पु० सजातीय समूहगिरोह

संघट्ट पु० परस्परसंघर्षमीडवक

संघर्ष पु० मापसमीरणनापीसना
स्पर्धा

संघशस्त्र म० भूरिशः पडुत समूह

संघात पु० समूह अच्छी तरह

बोद लगाता

संघिष पु० सहाय मन्त्री बंधीरे

संचेतन त्रि० विशिष्ट कानियुक्त

मिस्त्री समकथाळा होशियार

संचोह त्रि० मिथुनिक कालीक भाद्र
माम

संविधानम् पु० सदा रहने वाला

चेतनेस्वरूप भोमस्मिन्मव
प्रज्ञा ईश्वर

सच्छुद्र पु० गोप गूजर गोपित

सजाति त्रि० समान जाति वाला
एक जाति वाला

सजातीय त्रि० समानधर्म वाला
बपनी जाति का

सज्जुस्त्र म० साथ के अर्थमें

सज्ज त्रि० तयार सज्जक लगाता

सज्जन त्रि० भायोजन जोड़ना
मली मानुष [संमेलन

सज्जित त्रि० कृतवेश सजा हुआ

संख्य पु० समूह संग्रह इकट्ठा

संख्यिन् त्रि० इकट्ठा करने वाला

संखार पु० न. सेतु पुंल वेश शरीर

मली मांति जाना

संनारिन् पु० वायुहवाबलमेवाला

संशित त्रि० संशुद्धीत इकट्ठाकिया
हुआ [भीममेळा

संश्लेषण म० अनुश्लेषण

संश्ल म० स्त्री० ऊँडा चोटी शिंखा

संश्ल त्रि० संश्ल मली धीरे प्रशस्त
संश्ल रहने वाला

संश्ल म० मिश्रित संगोष्ठि

सतानन्द पु० गीतम का पुत्र एक
 मुनि [पास पढ़नेवाला
 सतीर्थ्य पु० शुद्ध भाई एक गुरुके
 सत्कर्तृ त्रि० अच्छे काम करनेवाला
 सत्कर्म न० वेद विहित कर्म
 सत्कृत त्रि० पूजाहुमा भावरकिया
 सत्क्रिया स्त्री० सत्कार भावर
 पूजन साधन [अच्छा
 सत्तम त्रि० मतिशय धातु बहुत
 सत्ता स्त्री० विद्यमानता वर्तमान
 होना
 सत्र न० स्थान यज्ञ सदा बान
 जङ्गल
 सत्रशाला स्त्री० धर्मशाला धर्मगृह
 सत्राजिद्व पु० सत्यभामाकापिता
 एक राजा
 सत्रिन् पु० गृहस्थ
 सत्पथ पु० अच्छा मार्ग
 सत्फल त्रि० दाहिम बनार अच्छे
 फलवाला
 सत्त्व न० सत्ययुगशपथसौम्य सत्त्व
 सत्यकार पु० मुँहको पेसा भवइय
 मेव करना है पेसा कथन
 बयाना देना [पत्नी
 सत्यभामा स्त्री० श्रीकृष्णजीकी

सत्ययुग न० प्रथमयुग
 सत्यवचस् त्रि० सच्चे बचनवाला
 सत्यवचन
 सत्यवत् त्रि० सत्यवाला सत्य युक्त
 सत्यवतीसुत पु० भ्यास भवि
 सत्यवाच त्रि० सच्ची वाणीवाला
 सत्यवादिन् त्रि० यथायथाकामका
 वक्ता सत्त बोलने वाला
 सत्यमत त्रि० नियम पूर्वक काम
 करने वाला सत्ता
 सत्यसङ्कर त्रि० सच्ची प्रतिज्ञावाला
 सत्यसन्ध त्रि० सच्चा मेठ करने
 वाला रामचन्द्र
 सत्यान्त न० सत्य भीरू मूँह
 बनियों का काम [देना
 सत्यापन न० सत्याकृति बचाना
 सत्योप त्रि० सत्यवादी संवत्
 वचन [वाला
 सत्वरं त्रि० शीघ्र जल्द जल्दी करने
 सदन न० गृह घर मकान
 सद्य त्रि० दयागिहत दयाशील
 अच्छी विधि
 सद्म स्त्री० समा मजलिससमाज
 सद्गुरु त्रि० समासङ्ग मेस्तर
 सदा न० सर्वदा हरबख

सदागति पु० वायु हवा
 सदाचार पु० अच्छा गाल बलन
 सदासन म० सदा रहनेवाला ईश्वर
 सदासम त्रि० अच्छे बिलवाला
 सदादान त्रि० सदादान देनेवाला
 सदानन्द पु० सदा आनन्दमें रहने
 वाला ईश्वर [अंजनपक्षी]
 सदानन्द त्रि० सदा आनन्दमें वाला
 सदाभीष्ट स्त्री जिसकी भी सदा
 पानी रहता हो
 सदाशिव त्रि० जिससे सदा
 कल्याण हो शुभकर्म [उत्तरवाला]
 सद्गुरु म० अच्छा उवाच अच्छे
 सद्गुरु त्रि० मुख्य सम बचवर
 सर्वेश पु० पास देशवाला
 सर्वेश पु० अच्छा हेतु
 सद्भाव पु० विधमानता होनापन
 सद्भूत म० गद्यार्थ ठीक
 सधन म० पूर भर [हुमा
 सधन त्रि० तटस्थ रहत फटकिया
 सधामाणकर त्रि० भट वल और
 प्राण को करनेवाला अन्नादि
 सधामाणकर त्रि० शीघ्र जीवनको
 नाश करने वाला अनियमिता
 उन्ना काम करने

सधामाण म० शीघ्रपवित्र होना।
 सद्योजात त्रि० शीघ्र उत्पन्नहुआ
 वरस बछड़ा
 सहस्र त्रि० अच्छे धरित्र वाला
 सहस्र त्रि० पु० अच्छी जीविका
 अच्छी जीविकावाला [बराबर
 सधम त्रि० एकसाधर्मवाला सहस्र
 सधमचारिणी स्त्री साथ होकर
 धर्मका पावरण करने वाली
 स्त्री भार्या
 सधर्मिन त्रि० समानधर्मकरनेवाला
 सधवा स्त्री पतिवाली स्त्री [वाला
 सध्युक् त्रि० सहसरसायबिचरने
 सनत् म० सदा
 सनत् त्रि० आनन्दवाला
 सनत्कुमार पु० एकमुनि
 सना म० सदा हमेशा
 सनातन त्रि० सदा होने वाला
 सनाति पु० बाति जाति भाई
 स्नेहयुक्त
 सनीव त्रि० पास बिल वाला
 सन्तत त्रि० बिस्तीर्ण फैला हुमा
 निरन्तर अगाध
 सन्तति स्त्री सन्तान भौझाद
 विस्तार पक्ष

सत्तामन्द पु० गौतम का पुत्र एक

मुनि [पाँस पढ़नेवाला]

सतीर्थ्य पु० गुरु माई एक गुरुके

सत्कर्तृ त्रि० अकळेकाम करनेवाला

सत्कर्म न० वेद विहित कर्म

सत्कृत त्रि० पूजाहुमा भाद्रकिया

सत्क्रिया स्त्री० सत्कार भावर

पूजन साधन [मच्छा]

सत्तम त्रि० अतिशय धातु बहुत

सत्ता स्त्री० विद्यमानता वर्तमान

होना

सत्र न० स्नान पत्र सदा दान

अङ्गल

सत्रशाला स्त्री० धर्मशाला धर्मगृह

सत्राजिद पु० सत्यमामाकापिता

एक राजा

सत्रिन् पु० गृहस्थ

सत्पथ पु० अच्छा मार्ग

सत्फल त्रि० दाहिम अनार अकळे

फलवाला

सत्त्व न० सत्ययुगशपथसौगंध सत्त्व

सत्कारण पु० मुँहको ऐसा अवश्य

मेव करना है ऐसा कथन

बयाना देना [पत्नी]

सत्यमामा स्त्री० श्रीकृष्णजीकी

सत्ययुग न० प्रथमयुग

सत्यवसस् त्रि० सत्ते बनेतवाला

सत्यबचन

सत्ययत् त्रि० सत्यवाला सत्य पुत्र

सत्यवती सुत पु० न्यास श्रुति

सत्यवास् त्रि० सत्ता वाणीवाली

सत्यवादिन् त्रि० यथायथा करने

वाला सत्त बोलने वाला

सत्यवत् त्रि० नियम पूर्वक कार्य

करने वाला सत्ता

सत्यसङ्गर त्रि० सत्ता प्रतिष्ठावाला

सत्यसन्ध त्रि० सत्ता मेल करने

वाला रामचन्द्र

सत्यानन्त न० सत्य और अनन्त

बनियों का काम [देना]

सत्यापन न० सत्याकृति बसाना

सत्योप त्रि० सत्यवादी सत्त्व

बचन [वाला]

सत्वरं त्रि० शीघ्र जल्द जल्दी करने

सदन न० गृह घर मकान

सदय त्रि० दयागिष्ठ दयाशील

अच्छी विधि

सदम् स्त्री० समा मज्जिससत्ता

सद्वृत्त त्रि० समासङ्ग मेहर

सदा भ० सर्वदा हरबल

सदागति पु० वायु हवा
 सदाचार पु० अच्छा गाल खलन
 सदातन भ० सदा रहनेवाला ईश्वर
 सदात्मन् त्रि० अच्छे चित्तवाला
 सदादान त्रि० सर्वदादान देने वाला
 सदात्मन् पु० सदा आत्मन्में रहने
 वाला ईश्वर - [अंजनपत्नी
 सदानन्द त्रि० सदा आनन्देवाला
 सदागीरा स्त्री जिसकी भीमें सदा
 पानी रहता हो
 सदाशिव त्रि० जिससे सदा
 कल्याण हो शुभकर्म [उत्तरवाला
 सद्गुरु न० अच्छा अधाब अच्छे
 सद्गुरु त्रि० मुख्य सम बराबर
 सदेश पु० पास देशवाला
 सदेष्टु पु० अच्छा हेतु
 सद्भाव पु० विद्यमानता होनापन
 सद्भूत न० पदार्थ ठीक
 सद्यन् न० गुरु घर [हुमा
 सद्यन्त त्रि० तत्सम रहत भद्रकिया
 सद्यःप्राणकर त्रि० मरत चल भीर
 प्राण को करनेवाला अग्नादि
 सद्यःप्राणहर त्रि० शीघ्र जीवनको
 नाश करने वाला अनियमिता
 उन्मत्ता काम करने

सद्यःशीघ्र न० शीघ्रपवित्र होना ।
 सद्योजात त्रि० शीघ्र उत्पन्नहुमा
 वत्स बछड़ा
 सद्गुरु त्रि० अच्छे चरित्र वाला
 सद्गुरुत्ति स्त्री० पु० अच्छीजीविका
 अच्छी जीविकावाला [बराबर
 सधर्म त्रि० एकसाधर्मवाला सद्गुरु
 सधर्मचारिणी स्त्री साथ होकर
 धर्मका नाचरण करने वाली
 स्त्री भार्या
 सधर्मिन त्रि० समानधर्मकरनेवाला
 सधमा स्त्री० पतिवाली स्त्री [वाला
 सध्यात् त्रि० सहचरसाथबिबरने
 सनत् भ० सदा
 सनत् त्रि० आत्मन्वाला
 सनत्कुमार पु० एकमुनि
 सना भ० सदा हमेश
 सनातन त्रि० सदा होने वाला
 सनाति पु० भाति जाति माई
 स्नेहयुक्त
 सनीह त्रि० पास बिछ वाला
 सन्तत त्रि० बिस्तीर्ण फैला हुमा
 निरन्तर लगातार
 सन्तति स्त्री० सन्तान मौलाह
 विस्तार पक्षिक

समग्रचारिन् पु० गुदभाई एकसाथ

पदने वाला [सुहागन

समर्तु का स्त्री० सीमाव्यवस्था

समा स्त्री० परिपक्व कमेटी

समाजन न० गमनसमय में कुशल

पूछना सत्कार

समासद्व पु० सम्य मैम्बर [मैम्बर

समास्तार त्रि० सम्य, सामाजिक

समिक पु० सुमारी

सम्य पु० सामाजिक मैम्बर

सन् भ० मली भाँति, बहुत, मिलना

सम त्रि० समान, तुल्य, धरावर

समक्ष त्रि० भ० चक्षुः सामने पास

समग्र त्रि० सकल सारा कुल

समझा स्त्री० मजिगा मजीठ

समचित त्रि० समवेष्टने वाला

तटवहानी

समज्ञ न० घन अंगल पशु समूह

मूर्ख मण्डली

समहा स्त्री० कीर्ति, यश बड़ाई

समज्या स्त्री० समा कीर्ति

समञ्जस त्रि० औचित्य उचित

समदर्शिन त्रि० सब जगह समान

देखने वाला पण्डित तर्कज्ञानी

समद्व एत्रि० समदर्शी बराबर देखना

समधिक त्रि० बहुत जियादह

समन्त पु० भ्रष्टाभक्त सीमा

समन्तस् भ० चारों ओर से

समन्तमुख पु० अग्नि भाग

समन्तात् भ० चारों ओर से

समन्वित त्रि० संगत मिलाहुँ

समभिहार पु० पीनः पुन्यहार

समम् भ० साहित्य साथ एकहीन

समय पु० काल शीघ्र मज्जीका

समया भ० नैकट्य समीपता

समयाभ्युपिठ पु० सूर्य ओ

तारामों के त्रिना समय

समर पु० व० पृथ्वी लड़ाई जंग

समर्थ न० अच्छे प्रकार भाषण

करना

समर्थ त्रि० शक्त प्रलवान् दितकारी

समर्थ न० साधित करनफैसल

समर्थाद्वि० नियमके साथ निरुद्ध

पास

समल न० बहुतमंला विष्टा कासा

समवतार पु० पानीमें उतरनेकी सीमा

समवाय पु० समूह में सब

विशेष

समवेत त्रि० मिलाहुँ या समूहयुक्त

समधि स्त्री० सम्पत्त्यासि संपत्ती

समस्त न० समास मिलाना
 समस्त त्रि० संक्षिप्त सकल भाषा
 मिलावना
 समस्त्या स्त्री० एकवरगको सुन
 कर शेष लोभको पूरा करना
 समा स्त्री० घटसद साह
 समाह्वय स्त्री० कीर्तियशनामसहा
 समापत्त पु० युद्ध अङ्ग लड़ाई
 समाप्त पु० समाप्तकर्मो परिपक्व
 समाप्ता स्त्री० निष्पत्ति सिद्धि
 मगडा मिटाना
 समाधि पु० समाधान मनलगाता
 समाध्यात त्रि० भक्तो तरह
 फूँकागया
 समान त्रि० तुल्य बराबर सहस्य
 समानोदय पु० स्त्री० एक पेट से
 पैदा हुमा भाई पहिल
 समाप पु० भण्डे जलवाला देश
 समाप न० समाप्ति कर्म
 समापन त्रि० समाप्त प्राप्त
 समस्त त्रि० पूराहुमा कर्म
 समायोग पु० मेल मित्राण
 समाह्वय पु० केशर भादि से
 शरीर पर छेप करना
 मायत न० गुहकुडसे गुहसेधा-
 धम में मानेका संस्कार

समाधि त्रि० युक्त मिलाहुमा
 समाधेय पु० एकहाकरना भवि-
 मिषेय [य न मेल]
 समास पु० संक्षेप खुलासा सम-
 समासक त्रि० संयुक्त मिलाहुमा
 समासङ्ग पु० संयोगमेलपूरा
 समाप्तादित त्रि० पाया हासिल
 किया गया
 समाहित त्रि० समाधिलगाये हुए
 भाहित प्रतिष्ठात
 समादृति त्रि० सशुद्धोत एकहा
 कियागया
 समाहृत स्त्री० संक्षेप संग्रह
 समाह्वय पु० युद्ध अङ्ग लड़ाना
 समित् स्त्री० युद्ध लड़ाई
 समिता स्त्री० गोधूमचूर्ण 'गेहूँ'
 का आटा
 समिति स्त्री० समर समा अङ्ग
 समिध स्त्री० समिधा काष्ठ
 समिध पु० समिधा काष्ठ भाग
 समिध्या न० काष्ठ मण्डे प्रकार
 समकना
 समीक न० युद्ध अङ्ग लड़ाई
 समीक न० पर्यालोचन मर्ममादि
 दिक्का

समोद्वेगकारिण त्रि० अच्छे प्रकार
 विचार कर काम करने वाला
 समीचीन त्रि० यथार्थ ठीक ठीक
 साधु सत्य हां, [मिलता है
 समीप त्रि० निकट पास अहापानी
 समीर पु० वायु घात हवा
 समीरण पु० वायु हवा पथिक
 समीरित त्रि० कथित उल्लखित
 कही हुई । भेजी
 समीहित त्रि० समीष्ट आहो, गया
 अमिलपित
 समुचित त्रि० योग्य बहुत ठीक
 समुच्चय पु० एकीकरण एकठाकरना
 समुचित त्रि० कृतसमुच्चय एकठा
 किया हुआ
 समुच्च-चार पु० अच्छी तरह
 चोलना अच्छी तरह त्यागना
 समुच्छेद पु० विनाश अच्छे प्रकार
 काटना
 समुच्छ-च्छा-य पु० अत्युन्नति
 बहुत ऊँचा विरोध दुर्भेगी
 समुच्छित त्रि० अत्युन्नत बहुत
 ऊँचा
 समुच्छलित पु० चारों ओर से
 उछला हुआ चारों ओर से फैला
 हुआ [संसर्गलाफिरजीबठा
 समुच्छयसित त्रि० भरी माँति

समुच्छित त्रि० त्यक्त छोड़ा हुआ
 समुत्क्रम पु० कृत्रि ऊपर जाना
 समुत्थ त्रि० अच्छी तरह उपजा
 उठा
 समुत्थान न० समुद्योग उत्थान
 समुत्पन्न त्रि० उपजा पैदा हुआ
 समुत्पाट पु० जड़से उखाड़ लेना
 समुत्पिञ्ज त्रि० व्याकुल बहुत
 घबड़ाया हुआ
 समुत्सर्ग पु० अच्छे प्रकार त्यागना
 समुत्सुक त्रि० चाहे हुये वस्तुको
 पानेके लिये जल्दी करनेवाला
 समुत्सृष्ट त्रि० भलीभाँति छोड़ दिया
 समुत्सेध पु० बहुत ऊँचाई बहुत
 बढ़ना
 समुदय पु० समूह बढ़ती युद्धजो
 समुदीरण न० अच्छे प्रकार कहना
 समुद्गम पु० ऊपर जाना उत्पत्ति
 समुद्गीति त्रि० ऊँचे स्वरसे गाया
 गया
 समुद्गीर्ण त्रि० बर्मात उगला हुआ
 समुद्घिष्ट त्रि० अच्छे उद्देश बाँटा
 पदार्थमलीमाँतिवतलाया हुआ
 समुद्गत त्रि० अत्यन्त पागल
 अत्यन्त अभिभीत बढ़ा गुस्ताड़
 अभिसानी बहुत बहुत

समुद्ररत्न न० संतोलन उठाता
 समर उगलना उखाड़ना ।
 समुद्रमय पु० समुद्ररश्मि पैदाहो
 उपजना
 समुद्रमृत त्रि० पैदा हुआ उपजा
 समुद्रगत त्रि० तैयारपूरे उपमवाला
 समुद्रम पु० पूराप्रयत्नपूरीकोशिश
 समुद्र पु० सागर समुन्द्र
 समुद्रकफ पु० समुद्रका क्काग
 समुद्रगा स्त्री० नदी दरिया
 समुद्रमेखला स्त्री० पृथिवीजमीन
 समुद्रयान न० पोत जहाज [यस्तु
 समुद्रि-द्रीय त्रि० समुद्रमेंहोनेवाली
 समुद्रह त्रि० छोट सवसे भूछा
 समुन्त न० बहुत नमी भोगना
 समुन्न न० भार्ग गोला भीगा [हुमा
 समुन्नत त्रि० अच्छेप्रकारसे बढ़ा
 समुन्नत स्त्री० उन्नता ऊँ चार्ह
 समुन्नत त्रि० गर्भित अभिमान
 प्रपिडतम्मग्य प्रमु [पहुँचा
 समुपेयिबत् त्रि० समीपगनपासमें
 समुपोड त्रि० संगत मिल गया
 समुस्तेज पु० पोब आविसे भूमि
 को जोयना [हुमा
 समुद्र त्रि० रागाकृत इकहाकिया

समूह त्रि० जड़सहित मय जड़के
 समूह पु० समुदाय गिरोह
 समूहनी स्त्री० झाड़ुबुहारीपोंछना
 समूह पु० पक्षकी भाग [बड़ा हुमा
 समुद्र त्रि० बहुतसम्पदावालाबहुत
 समुद्रि स्त्री० बहू : सम्पदा वीळत
 समेत त्रि० समागत आया हुआ
 मिला हुआ
 समेधित त्रि० सबहितमन्त्रोप्रकार
 बड़ा हुआ [वीलत धन
 सम्पत्ति स्त्री० अतिविभव बड़ी
 सम्पद स्त्री० विभव सम्पत्ति धन
 सम्पत्ति त्रि० साधित धनी वीलत-
 मन्त्र [आपदा ।
 सम्पराय पु० युद्ध जंग लड़ाई
 सम्परायिक न० आपत्ति के लिये
 हितकारी युद्ध जंग
 सम्पर्क पु० सम्बन्ध मेल
 सम्पर्क त्रि० सम्बन्ध वाका
 मेल वाका
 सम्पा स्त्री० बिपुल विजली
 सम्पात पु० अच्छे प्रकार गिरना
 सम्पाति पु० खटाव का भार
 सम्पुटक पु० मन्त्रज्ञासम्पुटकपिडारी
 सम्पूर्ण त्रि० सम्प्र सारा [हुमा]

सम्पृक्त त्रि० मिश्रित मिला हुआ
 सम्प्रति न० इदानीम् इसवक्त अब
 सम्प्रतिपत्ति स्त्री० धादी से कहें हुए
 अर्थको स्वीकार करना
 सम्प्रदात् त्रि० दानदाता देनेवाला
 सम्प्रदान न० अच्छे प्रकार देना ।
 पिता एवज मावजे के देना
 सम्प्रधारणो स्त्री० सारमसार का
 विचार
 सम्प्रयोग पु० काममें लाना मेल
 सम्बन्ध जोड़ना [समाना
 सम्प्रसाधन न० कटक कड़ामृषण
 सम्प्रसारणन० अच्छे प्रकार फैलाना
 व्याकरणमें वर्णके स्थानमें एक
 सम्प्रहार पु० युद्ध जंगमच्छीबरह
 घोट लगाना
 सम्प्राप्ति स्त्री० अच्छे प्रकार पाना
 सम्प्रेष पु० नियोग भाड़ा हुयम
 सम्प्रोक्षण न० छिड़कना खींचना
 सम्पुल्ल त्रि० विकसित जिला हुआ
 सम्बन्ध पु० सम्बन्धेवाला अच्छा
 पण्य हुआ
 सम्बन्ध पु० संसर्ग मेल संयोग
 सम्प्रद न० अल पुर एक मृग
 सम्बाध पु० न० आपसकी रंगद
 अर्हा बहुत पीडा हो

सम्बोधन न० अच्छी समझ
 अच्छा तरह आपन द्यौं धमकि
 सम्मंलीली० कुट्टिमीव्यभिचारिणी
 सम्भव पु० उत्पत्ति पैदायश मुमकिन
 सम्भावित त्रि० हो सकनेवाली बात
 सम्भाषण न० अच्छी तरह कहना
 आपस में बात चीत करना
 सम्भिन्न त्रि० विदलित टूटा हुआ
 कटा हुआ
 सम्भूति स्त्री० विभव ऐश्वर्य उत्पत्ति
 मूल मेल वाकत
 सम्भूति स्त्री० अच्छी तरह पालना
 सम्मोह पु० अच्छी कीड़ा हर्षसुखी
 सम्मन पु० भय डरसे उपजा वेग
 हड़बड़ी अतिशय भ्रम
 सम्मति स्त्री० अनुमति राय बाह
 सम्मद पु० हर्ष सुखी हर्षवाला
 सम्मर्ष पु० युद्ध जंग आपसकी रंगद
 सम्मान पु० आदर इज्जत
 सम्मार्जन न० संशोधन साफ करना
 समार्जनी स्त्री० भाइ बहारी
 सम्मिन त्रि० सहृदय हुय्य बराबर
 सम्मुख त्रि० सामने भाया भति-
 मुखागत

सम्पुकीन त्रि० सामने भागैवाला
 सामने हुआ [ऊँचाई मोह
 सम्पूरुर्जनन० अच्छे प्रकार फैलना
 सम्पुष्ट त्रि० मार्जनयुक्त पोंछा हुआ
 सम्मोद पु० हर्ष खुशी
 सम्यग् न० शोभन संगत मनोह
 सम्राज् पु० राजा बादशाह
 सरन० सरोवर ताळाब जल तीर
 सरपा स्त्री० मधुमक्षिका शहदकी
 मक्खी
 सरज न० नवनीत मक्खन
 सरजस् स्त्री० श्रुतमती
 सरट पु० टुकलास काकलास
 सरण न० गमन जाना लोहेकामेले
 सरणि स्त्री० पथ रास्ता सड़क
 कठार [स्त्री
 सरमा स्त्री० कुतिमा विभीषणकी
 सरयु पु० स्त्री० वायु हवा एक नदी
 सरल त्रि० सीधा श्रुत उदार
 पीतवाह
 सरस न० जल सरोवर ताल
 सरस त्रि० रसवाला सरोवर नीला
 सरसिज न० पद्म कमल
 सरसिह न० पद्म कमल
 सरसश् पु० सरोवर ताल

सराय पु० सरया पिमाछा
 सरिदपति पु० सागर समुद्र
 सरिताम्पति पु० समुद्र
 सरिदरा स्त्री० गङ्गा
 सरीसृप पु० सर्प साँप बिच्छू
 सरु पु० लङ्ग तलवार भादिकी
 सूँठ
 सरूप त्रि० सदृश समान एक
 जैसा रूप वाला
 सरोज न० पद्म कमल
 सरोजिनी स्त्री० कमलोंका समूह
 सरोवर पु० तड़ाग ताळाब
 सर्ग पु० स्वभाव रचना बनावट
 विभाग मोह अनुमति
 सर्गबन्ध पु० महाकाव्य [सृष्टिरचना
 सज्जन न० सेनाकापिछला मार्ग
 सर्प पु० नागकेसर साँप
 सर्पटण पु० नकुल नौका
 सर्पभुज् पु० मयूर मोर
 सर्पाशान पु० मयूर गरुड मोर
 सर्पिणी स्त्री० सर्पिन
 सर्पेष्ट न० शम्भन वृक्ष
 सर्व त्रि० सब सम्पूर्ण
 सर्वसहा स्त्री० पूषिनीभूमि ज़मीन
 सर्वकर्तृ पु० सबको बनानेवाला
 ईश्वर

सर्वकर्मोत्थि० सबकाम करनेवाला
 सर्वभार पु० साराकाया सामान
 सर्वग त्रि० जलघायु ईश्वर
 सर्वकृप्य त्रि० पापी फल सर्वको

मुख देनेवाला । [आम

सर्वजमीनत्रि० सयजगह प्रसिद्ध

सर्वश पु० विधाता ईश्वर

सर्वतस् अ० चारों ओर से

सर्वतोमद्र त्रि० चारों ओरसे मुख

देने वाला

सर्वतोमुख न० प्रह्ला ईश्वर

सर्वत्र अ० हरवक्त हरजगह

सर्वभगामिन् त्रि० सय जगह जाने

वाला । वायु । ईश

सर्वया अ० सयतरह हर एक तरफसे

सर्वदमन पु० भरताराजा सर्ववशी

सर्वदर्शिन् पु० परमेश्वर

सर्वदा अ० सयकाल में सदा

सर्वधुरीण त्रि० सारा धोम सठाने

वाला ।

सर्वनाम पु० एक संज्ञा मोनासम

सर्वमक्ष त्रि० सयकुछ जाने वाला

सर्वमय त्रि० परमात्मा ईश

सर्वरसोत्तम पु० लवण रस

सर्वरात्र पु० सारीरात्र

सर्वरी स्त्री० रात्रि रात्र

सर्वविद् पु० परमेश्वर ईश

सर्ववेद पु० सर्व वेदोंको जानने

वाला ईश्वर ।

सर्वविशिन् त्रि० वीरुपिया तट

सर्वसन्नहन न० पुत्रके स्थि

सयको तयार करना ।

सर्वसह त्रि० सयकुछ सहनेवाला

सर्वस्व न० सयकुछ सारा धन

सर्वाह पु० सय दिन सारादिन

सखिल न० जल पानी

सय पु० यज्ञ सन्तान

सयन न० सोमका पानी यज्ञ प्रसन्न

सवयस् त्रि० समान उन्नवासा

सखा मित्र

सवर्ण त्रि० एक जातिका बराबर

रंगवाला

सधिकार त्रि० समकृता हुआ

मिला हुआ

सधित्व पु० जगत्स्रष्टा ईश्वर सय

सविप्र त्रि० निकट पास

स्वधिसमय त्रि० मध्यमे के साथ

मवेश त्रि० निकट पास वेश

सव्य त्रि० शाम दहिना

सव्येष्ठ पु० सारथि कोषधम

ससत्ता श्री० गर्गवती
सस्य न० श्वेती सेतकी उपसे
सह म० साथ सब बराबर एक बार
सह त्रि० सहर्न वाला भगहन
सहकार पु० भास्त्र आम का वृक्ष
सहकारिन् त्रि० साथी सहायक
सहगमनन० साथ जाना साथ मरना
सहवर त्रि० मित्र दोस्त सहायक
- । नैवक

सहज पु० सहोदर भाई, स्वभाव
सहजमित्र न० स्वाम्याधिक मित्र
सहजोत्ति पु० स्वाम्याधिक शत्रु
सहदेव पु० माद्रोका इन्द्र एकपाण्डव
सहधर्मिणी श्री० स्वपत्नी श्री०
सदन त्रि० सहनेवाला समाशील
सहना [पीना

सहपान न० साथ पीना इकट्ठे होकर
सहभोजन न० साथ भोजन, एक
सह भोजन

सहभरण न० साथ मरना
सहस् न० बल भगहन मास
सहसा म० भक्तस्मात् अचानक
जोरावरी बिना बिचारे

सहस्य पु० पौष पूष
सहस्र न० दस सौ श्री गिगती

सहस्रकर पु० सूर्य सूरज
सहस्रपाद पु० परमात्मा
सहस्रांशु पु० सूर्य सूरज
सहस्राक्ष पु० ईश्वर विष्णु
सहाय पु० सहवर साथी मदुकूल
सहायता श्री० मदद सहाय
सहासन न० एक साथ बैठना
सहित त्रि० साथ हुआ, मिला हुआ
सहित त्रि० सहने वाला सोडा
सहिष्णु त्रि० सहनशील सहनेवाला
सहिष्णुता श्री० सहनशीलता सहना
सहृदय त्रि० अच्छे मन वाला ।

बहुत सवुर
सहोक्ति श्री० साथ कहना
सहोदज पु० न० मुनियोंकी कुटी
सहोद पु० साथमें बिकाही है जिसने
सहोदर पु० श्री० सगायहिन भाई
सह त्रि० सहनेके योग्य, साहाय्य
सा श्री० सह
सांख्य न० कपिलकारवित्तपकदर्शन
सांघातिक त्रि० इकट्ठा करनेवाला
सांघातिक पु० जहाज व्यापारी
सांयुगीन त्रि० एक जगह में कुछ
सांघत्सर पु० गणक ज्योतिषी
सांघातिक पु० अलीमांति शास्त्रार्थ
करने वाला नैनायिक

सांशयिक त्रि० सन्दिहान शक्यी
 सांसारिक त्रि० ससारी दुनयवी
 सांख्यिक त्रि० स्वाभाविक
 कुवरी
 साकम् अ० साथ साहित्य
 साक्ष्य न० समुदाय, सयसामग्री
 साक्षात्क्ष त्रि० इच्छासहित चाह
 के साथ
 साकार त्रि० शकल वाला ।
 साकेत न० आयोज्यापुरी,
 साक्षात् अ० सामने हुआ
 साक्षात्कार पु०, प्रत्यक्ष मुलाकात
 साक्षिन् त्रि० गवाह, देखने वाला
 साक्ष्य न० गवाही दृष्टव्य वचन
 सागर पु० समुद्र समुन्दर
 सागरगामिनी स्त्री० नदी, हरियो
 सांकर्य न० एकमें दूसरेका मिल
 जाना मिला
 साङ्ग त्रि० अङ्गसहित पूरा
 सांगामिक त्रि० सेनापति, कप्तान
 युद्धसम्बन्धी
 साक्षीकृत त्रि० देहा किया हुआ
 सात्यकि पु० कृष्ण का सारथी
 सात्विक त्रि० सत्तोगुणी
 सादिन् पु० स्त्री० सवार छोड़े
 भादि पर चढ़ा हुआ

सादृश्य न० समानता बराबरी
 साधक त्रि० मयदगार साधित
 करने वाला
 साधन न० सिद्धिकरण
 साधर्म्य न० समानता बराबरी
 साधारण न० आम सद्गुण, समान
 साधारणधर्म पु० समानधर्म
 साधित त्रि० स्थापित, साधितकिया
 हुआ [मजबूत
 साधिष्ठ त्रि० अत्यन्त दृढ़, बहुत
 साधिष्ठान न० निकट पास
 साधीयस् त्रि० अत्यन्तदृढ़ बहुत
 पक्का
 साधु त्रि० उत्तम मनोहर अच्छा
 साध्य त्रि० साधितकरनेके लायक
 साध्यसिद्धिस्त्री० सिद्धकरनेयोग्य
 पदार्थ का साधन
 साध्वी स्त्री० पतिव्रता सती
 सानन्द त्रि० आनन्द के साथ
 साम पु० न० पर्वत की चोटी बन
 मार्ग
 सानुज त्रि० भाई के सहित
 सानुमत् पु० चोटी वाला पर्वत
 सास्तर न० बिरला कोई
 सान्त्वन न० आशुकर्य करना
 अपने मुभाषिक करना ।

साम्प्र त्रि० निषिद्धगाढामुक्कोमल
 साम्प्र त्रि० सगंध्याकालिकसांभ
 के समय का [होना
 साम्प्रिध्य न० नैकत्रसमोतापास
 सापत्न्य पु० शत्रु कुशमन [दोस्ती
 सासपत्नी न० सख्य मित्रता प्रेम
 साफल्य न० पूरा होना सार्थक्य
 सफलता [चाला
 सामग पु० स्त्री० सामयेवका गाने
 सामग्री स्त्री० धनु सरज्जाम
 कारण समूह
 सामञ्जस्य न० भौतिक मुनासिध
 सामन्त पु० छोटा राजा कने देने
 वाला राजा
 सामयिक त्रि० वक्तपर हुआ
 साम्प्र न० शारीरिकबल साकत
 सामाजिक त्रि० सम्य समासव
 समा का
 सामास्य न० माम भविष्य
 सामि भ० भाषा मर्द
 सामीप्य न० निकट पास [युद्ध
 साम्प्रायिकत्रि० परलोककासाधन
 साम्प्रतम् भ० उचित योग्य मुमा-
 सिध । भव । ठीक २
 साम्य न० साधारणधर्म । बराबरी

साम्राज्य न० सार्वभौम राज्य
 पावशाहत । [उपासना
 सार्यसगंध्या । स्त्री० सांभ की
 सायक पु० बाण तीर तलवार
 सायन्तत्रि० सांभको हुआशामका
 सायम् भ० सांभ शाम
 सायाह पु० दिनका अन्त सांभ
 सायुज्य न० साथ में मिला हुआ
 सार पु० जड़ धन सोह धल
 मंश पक्का हिस्सा घायु
 सारगन्ध पु० चन्दन
 सारथ पु० मनु शहर क्षौद्र
 सारङ्ग पु० सातक पपीहा हरिण
 हाथी मंश कपड़ा मोर
 कमान बाल मूषण चन्दन
 कपूर फूल कोयल पाव
 सारङ्गिक पु० व्याध शिकारी
 सारज न० नबनीत मन्थन
 सारथि पु० नियन्ता गाड़ीवान
 झाइयर [सरस्वती
 सारवा स्त्री० सारको देनेवालीविद्या
 सारमेय पु० कुकुर कुत्ता
 सारस पु० एकपक्षीरसयुक्तचन्द्रस
 सारिका स्त्री० एकपक्षी मैना
 सार्थ पु० समूह धनसहित धनी

सार्यवाह पु० ज्यापारी बणिजजन
 सार्द्र त्रि० गीलेपनके साथ गीला
 सार्ध त्रि० भाग्येके साथ देदे साथ
 सार्षिक त्रि० घीमें सस्कार

कियाहुआ व्यञ्जन

सार्यजनीन त्रि० सर्वलोक प्रसिद्ध
 सार्वत्रिक त्रि० सब समयमेंहुआ
 सार्वधातुक न० छेड़ छाड़ छड़
 विधि लिख् [रश्चर

सार्वभौतिक त्रि० सर्वजगहरहनेवाला
 सार्वभौमपु० सकवर्षीसर्वप्रसिद्ध
 सार्वलौकिक त्रि० सब लोकों में
 जाना हुआ सबन प्रसिद्ध

सार्वविभक्तिक त्रि० सब विभक्ति
 ओं के अर्थ में बिधान किया
 गया। तसिल् मादि प्रत्यय
 सार्यपत्रि० सरसोका बनाहुआ तेल
 भादि [फा वृक्ष

साल पु० हर एक वृक्ष इस नाम
 सालूर पु० मेक मण्डक मेंहक
 सावधान त्रि० सचेतन होशियार
 सपरवार

स-शा-वर पु० पाप कलह अपवाद
 सास्ना स्त्री० गाय के गलेके मोचे
 लटकती हुई आल

सास त्रि० जिसकी मौखी
 मौसु हो

साध्य न० अभिमत समाज
 साहस न० एकाएकी बिना बिबा
 जोर से किया गया

साहसिक त्रि० मनुष्यों की मार
 डालना दिलेर पारदारिक ची
 साहसु न० कई हजार

साहाय्य न० सहायता मदद
 साहित्य न० मेलन मिलाना शाक
 काव्य

साह्य पु० नाम के साथ
 सिंह पु० शेर अपने नामसे प्रसिद्ध
 सिंहव्रति पु० सिंहनाद सिंह का
 शब्द

सिंह पु० एक देश सीलोन
 सिंहविक्रान्त पु० शेर के समान
 बलवाला

सिंहोसन न० राजगद्दी मुकुट
 सिकता स्त्री० धालू रेत
 सिकतिल त्रि० रेतली जगह
 सिन्ध न० मोम भात

सिन्धा-घा स्त्री० रेत नाका में
 सिन्ध पु० वस्त्र कपड़ा
 सित न० शुक्ल सफेद कपा वस्त्र

सितकर प० • अग्रमा चांद
 सितपक्ष प० • शुक्लपक्ष अश्विना
 सिता स्त्री • सकरा शकर स्त्री
 सिता शकुन प० • मयूर मोरु का किय
 सितोपल प० • स्फटिक बिल्लोर
 सिद्ध म० • संधानिमक
 सिद्धवातु प० • पारद पारा
 सिद्धास्त प० • मतलब मत तत्व
 सिद्धि त्रि० • निष्पत्ति कामयाबी
 सिद्धि त्रि० • कामयाबी को पूरा
 करनेवाला
 सिध्मल त्रि० • कोड़ी एकवाला
 सिन्धूर म० • अपने नामसे प्रसिद्ध
 सिन्धु प० • समुद्र एकमती
 सिन्धुर प० • हस्ती हाथी
 सिम त्रि० • सर्व सब
 सीकर प० • अलकण पानीका कतर
 सीता स्त्री • हलका फाला मामकी
 सीत्कार प० • सीसीकरना
 सीधु प० • मध दराव
 सीमस्त प० • एक संस्कार
 सीमस्तिनी स्त्री • स्त्री भीरन
 सीमन्तोत्तमन म० • गर्मस्थ एक
 संस्कार
 सीमन स्त्री • मर्यादा हव

सीमा स्त्री • मर्यादा हव
 सीर प० • सूर्य । हल [सुम्बर
 सु म० • अतिशय बहुत अच्छा
 सुकर त्रि० • सहलमें करने योग्य
 सुकर्मन् त्रि० • अच्छे काम करनेवाला
 सुकाय प० • अच्छे गुनेवाला वृक्ष
 सुकृत त्रि० • धार्मिक धर्मात्मा
 अच्छी करनी
 सुकृति स्त्री • अच्छी करनी [वाला
 सुकृतिन् त्रि० • अच्छे काम करने
 वाला न मानन्द धर्म आराम
 सुखमात्र त्रि० • सुखी सुख
 सुखरात्रिका स्त्री • दिवाली
 सुखावार प० • सुखोंका भाग्य
 स्वर्ग वाळा
 सुखावह त्रि० • सुख को उपजाने
 सुखोत्सव प० • कुशीका मन्सा
 सुगन्धि प० • सुरभि सुगन्ध
 सुग्रीव त्रि० • सुन्दर गर्वन वाला
 वाडि का माता [वाळा
 सुघरिष त्रि० • अच्छे आनन्दजन
 सुखिर त्रि० • बहुकालका [वाळा
 सुखेलक त्रि० • महीन कपड़े पहनने

सुजल न० अच्छा पानी
 सुत पु० स्त्री० पुत्र पुत्री
 सुतनु स्त्री० सुन्दर शरीरवाली
 सुतपत्र पु० सूर्य सूरज
 सुतराम् अ० बहुतही अतिशय
 सुतिष्ठ पु० पापक बहुत तोड़ा
 सुतीक्ष्ण त्रि० बहुत तेज
 सुतङ्ग त्रि० बहुत ऊँचा [मित्र]
 सुदामन पु० मेघ समुद्र छप्प का
 सुदि म० शुक्लवस्त्र उज्जला पास
 सुदिन न० अच्छादिन
 सुदिनाह न० बहुत अच्छा दिन
 सुदूर त्रि० अतिदूर बहुतदूर
 सुधुम्न पु० वैवस्वतमनुका पुष्य
 अच्छा घनी [एकराखा
 सुधमन् अ० अच्छा अनुपधारी
 सुधर्म त्रि० अच्छेधर्मवाला
 अच्छा धर्म
 सुधा स्त्री० अमृत । सुभा-कलई
 सुधाशु पु० अश्विमा खाद
 सुधाजीविन त्रि० राज यवाई
 सुधातिथि पु० अश्विमा खाद
 सुधी पु० स्त्री० परिश्रित अच्छी
 बुद्धि [अच्छा मैत्र
 सुनयन त्रि० अच्छे मैत्र वाला

सुभाशीर पु० इन्द्र सूर्य
 सुनीति पु० स्त्री० अच्छी नीति
 अच्छी नीति
 सुनील न० एकमणि नीलम
 अनार सुन्दर नीलारण
 सुन्दर त्रि० मनोहर बूबसूरत
 सुपक्व त्रि० अच्छे प्रकारपकाहु
 सुपथ पु० अच्छा मार्ग सवाच
 सुपर्ण पु० अच्छे पंखे वाला
 सुपीत न० गजरे गाजर
 सुपुष्प न० लौंगका फूल तूत
 सुप्त त्रि० शयन सोयाहुआ
 सुप्ति स्त्री० शयन सोना
 सुप्रतिभा स्त्री० स्वच्छबुद्धि का
 कोली बुद्धि
 सुप्रभा स्त्री० अच्छी वीति [सबे
 सुप्रभात न० शुभ-मलाई प्रात
 सुप्रयुक्ततर पु० शीघ्रहस्तजिस
 हाथ बाणतीर बलानेने कर
 चलता है
 सुप्रलाप पु० सुवचन अच्छावचन
 सुप्रसन्न त्रि० बहुत खुश हुआ
 सुप्रसर त्रि० अच्छे प्रकारफलाहु
 सुप्रसाद पु० सुन्दरप्रसन्नतामय
 कशी [अच्छा फल
 सुफल त्रि० सुन्दरफलवालाअना

सुमगे पु० जिसकी बड़ा भावि
मच्छी है सुन्दर प्रिय
सुमङ्ग पु० नारियल का फल पेड़
सुमट पु० सुन्दर घोड़ा मच्छी
शरवीर
सुमद्र त्रि० मच्छे मङ्गल वाला
सुमिस्त त्रि० सुकाठ भस्म का
मच्छा होता
सुमूति त्रि० मच्छे देखने वाला
सुमु न्नी० मच्छे मोहवाली
सुमवन पु० भात्र मामका पेड़
सुमधुर न० बहुत प्यारा बहन
सुमनस् न० मच्छे दिल वाला
सुमित्रा स्त्री० कश्मलकी माता
सुमुक्त त्रि० मच्छे मुक्तवालापरिहृत
सुमेकल त्रि० मच्छी तगड़ीवाला
सुमेधस् त्रि० मच्छी बुद्धिवाला
सुमेठ पु० एक पर्वत अमांला का
सब से बड़ा दाना [सुर्योपन
सुयोपन पु० घटराष्ट्र का पुत्र
सुर पु० देव सूर्य परिवर्त
सुरगुरु पु० बृहस्पति देवगुरु
सुरङ्ग न० भूमिके नीचे पोछ हींग
सुरत न० स्त्री पुरुष प्रसंग ।

सुरदास न० देवदारु वृक्ष
सुरदीर्घिका स्त्री० सुरवापी गङ्गा
सुरेन्द्रिण पु० मसुर वृक्ष पुष्प
सुरपथ पु० आकाश भासमान
सुरपरी स्त्री० अमरावती
सुरमि त्रि० मच्छे गन्ध वाला
सुगन्ध परिहृत सोना
सुरचर्मन् न० आकाश भासमान
सुरवल्ली स्त्री० तुलसी
सुरा स्त्री० मद्य शराब
सुरबीदिन पु० शराब से जीने
वाला शौरिक कठाल
सुराप त्रि० शराबपीनेवालाशराबी
सुरापणा स्त्री० गङ्गानदी
सुरापांन न० शराबका पीना
सुरप त्रि० मच्छे रूपवालापरिहृत
तुल वई
सुरेन्द्र पु० भद्रराजा मच्छाराजा
सुकुम त्रि० सहज में मिलता है ।
अनायास लम्ब
सुलोचन त्रि० मच्छी आँखवाला
सुलोमश त्रि० मच्छे लोमवाला
सुवचस् त्रि० बागी मच्छा बोलने
वाला
सवण न० मच्छे रङ्गवाला सोना

सूर्यमन प० सूर्यकान्त मणि
अतिशी शीशा [अतिथि

सूर्योदप० मायझालको मायाहुवा
सुबकन न० भोष्टमास्तभाग भोठों
के ऊपर का हिस्सा

सुगाल प० स्यार गीदड़ जम्बुक
सुमिणी पु० ली० अंकुश भाँकुश
सुति स्त्री० गमन जानापथ [माता
सुत्यर त्रि० गमनकर्ता जानेवाला
सुष्ट त्रि० निर्मित रखाहुमाबनाया
हुमा।

सुष्टि स्त्री० निर्माण रचना बनाना
सेक पु० सेवन सीखना

सेकपात्र न० सीखने का बर्तन
सेकतृ त्रि० सीखनेवाला गतिस्वामी
आधिपति

सेवन न० सीखना मिगोना
सेतु पु० पुल नदी आदि के पार
होने का साधन

सेतुवर्ण्य पु० पुलका, समुद्र का
बाँधना बनवाना रामनिर्मित
एक पुल

सेत्र न० बेड़ी निगाह दृष्टकही
सेना स्त्री० सैन्यसमूह फौज रिसाला
सेनाङ्ग न० हाथी घोड़ा रथ-यैवल
का समूह

सेनाधर त्रि० सेना में जानेवाला
सेनामी पु० सेनापति कार्तिकेय
सेनशति पु० फौज का भफसर
फत्तान [का भाग

सेनामुख न० सैन्याग्र सेनाके भागे
सेनारक्षक पु० सेनाकी रक्षा करने
वाला पहरेवाला

सेफ पु० पक्ष का विशेष बिड़
मूर्धेन्द्रिय [नौकर

सेवक त्रि० सीनेदार दरजी भृत्य
सेवधि पु० कोश निधि कजाना

सेवन न० सीना आसरा लेना
बाँधना सुई

सेवा स्त्री० भक्षण आराधना मोगना
आसरा लेना नौकरी [गवा

सेवित त्रि० पूजा-गया सेवाकिया
सेव्य त्रि० सेवा के लायक

सेवक त्रि० बहुत रेंतीली जगह
सेवान्तिक त्रि० असली बात को

आमनेवाला सिद्धान्तमिष्ठ
सेनास्थ न० फौजीकाम सेनापति
का फर्ज

सौम्य पु० से गकासमूहहायीमादि
 सौमि मैसा माहप
 सौवाल न० शैवाल सिवार
 सो त्रि० सहनकर्ता क्षमा शीत
 सदारने वाला [यष्टुत शीघ्रता
 सोत्कण्ठ त्रि० यष्टुतच्छा के साथ
 सोत्प्राप्त न० प्रिय वचन के साथ
 सोदय त्रि० प्रकटदुमाहादिर हुआ
 सोदर त्रि० एकही पेट से हुआ
 सगा भाई यद्दिन
 सोदय त्रि० सगा भाई बहिन
 सोन्माद पु० पागलपन के साथ
 उन्मत्त पागल [हुमा
 सोपल्लव पु० बड़ा विपत्तिमें फँसा
 सोपाधि-न त्रि० उपाधि के साथ
 किसी गुण विशेषको धारण
 करने वाला ।
 सोपान न० सीढ़ी जीमा नसेमी
 सोम पु० चन्द्रमा, कर्पूर, वायु जल
 सोमगम पु० परमात्मा विष्णु
 सोमज न० दुग्ध दूध
 सोमप त्रि० सोमकेरसकोपीनेवाला
 सोमवधु पु० सूर्य सूरज

सोमयाग पु० एकयज्ञविशेष [वासा
 सोमयाजिन पु० सोमरससेयह करने
 सोमलता स्त्री० अपने नाम से
 प्रसिद्ध पेड़ [मैंठपजा क्षत्रिय
 सोमयश पु० चन्द्रग्रहण इस ग्रहण
 सोमवार पु० चन्द्रवार, पीर
 सोमसुत पु० जिसने सोमलताका
 रस निकाल लिया है
 सोमसूत्र न० पानीनिकालनेकीनाली
 सोल्लुण्ठन न० आक्षेप के साथ
 लाना के साथ
 सौक्य न० मनायास आसानी से
 सौख्य न० सुख भाराम, वैन
 सोमिक पु० सोने वाला दरजी
 सोम्य न० सुजनता साधुत्व
 सोमानी स्त्री० विद्युत् विजली
 सोध न० पु० सूना से पुता हुआ
 स्थान ममृत का
 सोमिक पु० फसाई मोसझीवी
 सोन्दय न० मनोहरता सुन्दरत्व
 सुन्दरती
 सोपर्ण न० मरकतमणि पन्ना
 सोपर्ण्य पु० गदह
 सोमद्र पु० ममिमन्पुसुमद्राकापुत्र
 सोमायन न० सुदाग, अच्छीकिस्मत

सौमनस्य न० अरुहे मन का होना

प्रसन्न विस्तार

सौमित्र पु० सुमित्राका पुत्रलक्ष्मण

सौम्य त्रि० मनोहर सुन्दर सोम

देवता का सूक्त [ऐसा सूक्त

सौर त्रि० सूर्यका जिसमें वर्णन हो

सौरम न० अरुह गन्ध सुगन्धि

बाला केसर

सौरमेय पु० गौ गौ का

सौषण्ड पु० एक देश सूरज

सौ सवक त्रि० कसेरा

सौवस्तिक पु० अलामानस पुरोहित

सौष्ठव न० सुन्दरता सुवसूखी

सौहार्द न० मित्रता सख्य भत्री

दोस्ती

सौष्टव न० मित्रता, दोस्ती

स्कन्दन न० रैवन बहना चुना

स्कन्ध प० क० शशिकाकुक्षतमा

स्कन्ध त्रि० व्युत्तर गिरगया गलित

क्षरित

स्कलन न० चलन गिरमा

स्तन न० स्त्रियों का एक अंग कुच

आँख

स्तनप पु० स्त्री० दूधपीनेवाला बच्चा

स्तनभर पु० मोटे स्तनों का भार बोका

स्तनविलु पु० मेघबादल बिजली

मीत

स्तनान्तर न० स्तनों का पश्चिमी

स्तन्य न० दूध स्तन में दूमा

स्तन्य प० झाड़ी नृप घास

स्नग्नेरम पु० गज हाथी

स्तम्भ पु० स्तूप स्तम्भ धरम

स्मग्म न० अङ्गीकरण रोकना

स्तव पु० स्तुति तारीफ, बड़ाई

स्तक पु० गुच्छा

स्तावक पु० तारीफ करने वाला

स्तमित न० आर्द्रता गीलापन

स्तुत त्रि० स्तुति किया हुआ

स्तुति कया गया

स्तुतिपाठक पु० सुशामदोतारीफ

करने वाला [तस्करता

स्तन त्रि० छोटी छोटी तस्कर

स्तेम पु० आर्द्रता भाव, गीलापन

चिकना

स्तेय न० स्त्रीय, चोरी

स्तेयिन त्रि० तस्कर चोरी

स्तोक त्रि० अल्प, कुछ, पपीहा

अल्प

स्तोत्र न० स्तव तारीक बड़ाई
 स्तोम प० गान गीत रोकना
 स्तोम पु० समूह यज्ञ-स्तव बड़ाई
 मस्तकमायातारोफ़ [योहापन
 स्त्यान न० स्नेह चिकना घनता
 स्त्री स्त्री० योपित्त नारी औरत
 स्त्रीविह न० मूत्र-स्यान मग योनि
 स्त्रीबोर पु० कामी बदमाश
 स्त्रीजित पु० स्त्री के यशमें हो
 स्त्रीवश्य
 स्त्रीघन न० स्त्रीका घन माल
 स्त्रीधम पु० मासिक धर्म, कपड़ों
 से होना
 स्त्रीधमिण स्त्री० धृत्यती हैजसे
 स्त्रीधुन पु० स्त्री द्वारा औरत मर्द
 स्त्रीधुनरुष्य स्त्री० पण्ड हाजडा
 स्त्रीलिङ्ग पु० मोमनस स्त्रीकाखिह
 स्त्रीयत पु० स्त्री के भाषीन हुमा
 स्त्रीयिधेय पु० स्त्रीके यशमें रहनेवाला
 स्त्रीसमहय न० स्त्री का पकड़ना
 स्त्रीसम न० स्त्रियों का समाज
 स्त्रीसेवा स्त्री० स्त्रियोंकीतायेदारी
 स्त्रीन त्रि० स्त्रियोंका समूह स्त्रीका
 स्त्री की भाषा मानने वाला
 स्थ प्रि० स्थिति स्थल ठहरनेवाला

स्थगन न० भावछादन ठाकना
 स्थगित त्रि० भावृत ठका हुमा
 स्थिया हुमा
 स्थयी स्त्री० पानदान [गन टीका
 स्थयिहल न० धरवरन हुनरामा-
 स्थयिहलरायिन् त्रि० अतसे सबू-
 तरे पर सोने वाला ध्वजधारी
 स्थपति पु० अस्तःपुर में रहने
 वाला बुद्धा ब्राह्मण
 स्थपुट त्रि० टेढ़ी और ऊँचीजगह
 स्थल न० स्त्री० शुष्कमृमि भूतत्रिम
 मूमल [पर सोनेवाला
 स्थलेशय पु० वराह नुभर स्थल-
 स्थधिर त्रि० बूख पड़ा स्थिर
 स्थयिह त्रि० अतबूख अतिबूढ़ा
 स्थानु पु० हुँठ बूढ़ा सूखा दृक्
 स्थान न० स्थिति समानता जगह
 रंरमाभाजनवासिका मासिक
 स्थानिक त्रि० स्थानाव्यय जगह
 स्थामिन् त्रि० जगहकी रक्षा करने
 वाला [मुस्क
 स्थानीय त्रि० स्थानवाला नगर
 स्थाने न० भीषित्य मुमासिप, ठीक
 स्थापन न० ठिकाना । आरोपण ।
 कायम करना रखना

स्थापित त्रि० मिश्रित पत्रका न्यस्त स्वीयन० स्थिरता, पत्रकापन, नञ्ज
 स्थापित त्रि० स्थितिशील, रहने
 वाला मुस्तीकिल [वाला
 स्थायुक त्रि० स्थिति, शीलरहने
 स्थाल न० थाल अन्नपात्र
 स्थादी स्त्री० घटलोई
 स्थालीपुलाक पु० एक न्याय कहा-
 वत एक खावल को दीजकर
 घटलोई न० खावलों के पकने
 को गरोक्षा हो जाती है [वाला
 स्थायर त्रि० अचंचल न चलने
 स्थिर, एक जगह रहने वाला
 स्थायिर न० यु० पन, युदा ॥ घृदत्त
 स्थायक पु० मलङ्कार, गहना जैवर
 स्थायु त्रि० स्थितशील टहरा
 हुआ ठहरा वाला [वाला
 स्थित त्रि० ठहरा हुआ प्रतीक्षा
 स्थिति स्त्री० मर्यादा, नियम स्थान
 स्थिर त्रि० ठहरा हुआ वृक्षादि
 स्थिरतर त्रि० बहुतही अमा हुआ
 स्थिरमभि त्रि० बृद्ध बुद्धिवाला,
 पक्की बगल
 स्थिरधीवन न० पक्की-अधनी
 स्थूल त्रि० पीयर मोटा समूह [जुने
 स्वेय त्रि० नियावनिर्णय पुरोहित

स्थोदय न० पोषता मुद्राई
 स्तन पु० स्तनपादण बहना
 स्नातक पु० स्त्री० स्नानयंत्र के
 साथ बिदाकी समाप्त करनेवाला
 स्नान न० स्नानगहन नहाना
 स्नानीय न० स्नानके लिए फाव
 वामद साधुने साहि [बिहना
 स्निग्ध त्रि० स्नेह वाला, प्यार
 स्मिरेयता स्त्री० स्नेह, विकनार
 मिथता

स्तनुत पु० सरित बहा हुआ
 स्तुपा स्त्री० पत्रवर्ष, पुत्र की स्त्री
 स्नेह पु० प्रेम प्यार विकनार
 स्नेहन न० तेल आदि का प्रस्नान
 स्नेहम् स्त्री० प्रेमपात्र प्रेमका स्नान
 स्नेहिन त्रि० प्रेम करने वाला
 स्पन्द ० थोड़ासा खनना हिज्जा
 स्पृष्टा स्त्री० प्रसन्नता दूसरे को

दवाने की इच्छा बराबरी
 स्पृश पु० छूना, फाँसे मतक वर्ष
 स्पृश पु० छर पुत्र युक्त अर्द्ध
 गुप्तघर जासूस
 स्पृष्ट त्रि० एक प्रकार काफ
 स्पृष्ट त्रि० हुआ हुआ, इतदम्प

स्पृष्टास्पृष्टि न० छूना और न छूना
स्पृष्टणीय त्रि० धाञ्छनीय चाहने
लायक ।

स्पृष्टपालु त्रि० चाहने वाला
स्पृष्टा स्त्री० रच्छा, चाह क्यादिश
स्पृष्टात्रि० धाञ्छनीय चाहने लायक
स्फटिक पु० सूर्यकान्तमणि,
मातशी शीशा । [हुमा

मरार त्रि० बिगुल बहुत खमकता
स्फारण न० धिकाशन बिलाना
स्फिक् स्त्री० फटिप्रदेश नितम्ब
स्फिर त्रि० प्रचुर बहुत बड़ा हुमा
स्फुट त्रि० विकसित, खिलना हुमा
अपक आहिर

स्फुटन न० विकसन खिलना
स्फुरण न० धोड़ासा कांपना [घर
स्फुल न० हिलना, कांपना कपटका
स्फुल्लि पु० स्त्री० धागकीबिनगारी
स्फुमय पु० धिझड़ी गिरन की
भावाज

स्फुसि स्त्री० फुरमा, खिलना प्रतिभा
स्फोट पु० प्रण विशेष फोड़ा
स्फोटक पु० फोड़ा फोड़ने वाला
स्फोटन न० विदारण फाड़ना
विकाशन बिलाना

स्फय न० खड़ा तलवार [पूर्णकरना
स म० मतीत धीतगया पाद को
स्मय पु० गर्व, महकदार, मगरूरी
आश्चर्य

स्मरणन० याददाश्त, याद सोचना
स्मार्त त्रि० स्मृति में कहाहुमा
धर्मशास्त्र का

स्मितन० धोड़ासा हँसना, बिकसित
स्मृतत्रि० याद कियाहुमा [धर्मशास्त्र
स्मृति स्त्री० याददाश्त यादगारी
स्मृतिहेतु पु० स्मृति का कारण
स्मेर त्रि० विकसित खिलना हुमा
धोड़ा हँसने वाला

स्यद पु० धेग और थल
स्यन् पु० क्षरण, बहना सूना, पानी
स्यन्मारोह पु० रथपर चढ़न वाला
स्यन्विन् त्रि० प्रसवो, पहनेवाला
स्यम्न त्रि० सूत, बहाहुमापानीभादि
स्युत त्रि० सूत का बनाया हुमा
स्युति स्त्री० सोधन सोना
स्युत न० नीचे गिरना पकना
स्युति त्रि० नीचे गिरने वाला
स्युत त्रि० माला वाला
सुख स्त्री० मीठा, मास्य
सुखण न० सुख, पेशाब, पसीना

सृष्ट पु० जगत् का बनाने वाला ईश्वर
 सुस्त त्रि० च्युत पतित गिरा हुआ
 सुन्तर पु० मासम
 सुक् अ० शरित द्राक् भट
 सुम न० मगरा पकनगरा निकरना
 सुत न० प्रपाह सोता पानी का
 सुतस न० पानीका निकलना
 सुतसत् त्रि० सोनेवाला पर्वत व
 सुतस्वनी स्त्री० सोनेवाली
 सुय न० घन-दोलत आत्मा भाप
 हा त विराद्विरी भपना

सुतकर्मन् न० अपन करन योग्यकाम
 सुकीय त्रि० आहमीय भपना [बात
 सुगत त्रि० चपचापवचन मनकी
 सुच्छ त्रि० बहुत अच्छा बहुत

निमल साफ भाजाद सुदमुक्तार
 सुच्छ त्रि० स्वाधीन स तन्त्र
 सुच्छमपि पु० साफमणि सुटिक
 सुलौर [कंधर पुत्र कम्पा
 सुवज त्रि० अपने शरीर से उपसा
 सुवजन पु० अपने कुलका
 सुवतन्त्र त्रि० स्वाधीन सुदमुक्तार
 सुवतस् अ० सुधयम् अपने आपही
 सुवता स्त्री० भपनापन कछा
 सुवतव न० स्वामित्व माछिकपना

सुवधर्म पु० अपना कर्तव्यकर्म
 सुवधर्मा फज
 सुवन पु० शब्द आवाज हुमा
 सुवमित त्रि० शब्दित आवाजकिया
 सुवपन न० शयन सोना निद्रा नींद
 सुवपन पु० नींद खाना सुगना
 सुवमाध पु० शाल आदत
 सुभू पु० जो अपने आपही है ईश्वर
 सुवयंघर पु० धतिको अपने भाप
 सुवीकार करना

सुवयम् अ० अपने भा ही ईश्वर
 सुवयम् पु० जो अपने भाप ही है
 सुवर अ० स्वर्ग सुन्दर अच्छा
 सुवर पु० उदास, भुवदास-स्वरित
 सुवरमङ्ग पु० सुवर-भावाजका दूद
 जाना

सुवरापगा स्त्री० गङ्गावदी
 सुवरित पु० एकस्वर जो ध्वात
 और अनुशासके मेलसे उत्पन्न
 होता है

सुवसि त्रि० स्वातन्त्र्य, आजाद
 सुवरूप न० अपना रूप
 स्वर्ग पु० सुलका स्थान
 स्वर्गिन् त्रि० स्वर्गवासी बहिरती
 स्वर्ण न० काञ्चन सुवर्ण सोना

स्वर्णकार पु० सुनार पश्यतोहर
स्पर्शक पु० स्पर्श पहिणत
स्वल्प त्रि० क्षुद्र थोड़ा कम
स्ववासिनी स्त्री० पिताके धर्म
रहनेवाली स्त्री

स्वसृ स्त्री० मगिनी पहिन
स्वस्ति अ० स्वे २ आशिप् कल्याण
स्वस्तिक पु० न० कल्याण देनेवाला
स्वस्तिवाचन न० मङ्गलका पाठ
स्वस्तिपावनिक त्रि० स्वस्तिपा-
वनका पाठ करनेवाला
स्वस्त्ययन न० शुभकर्म पञ्चादि
स्वरूप त्रि० सुखपूर्वक ठहरा हुआ
स्वस्त्रीय प० मागिनेय मगिनीसुत
मास्त्री

स्वागतन० सुखसे आना मलेमाना
स्वाद पु० रसका अनुभव स्वाद
, छेना घाटमा

स्वाहु पु० स्वादयुक्त मीठारस
इष्ट मजेदार खाहागया
स्वाधीन त्रि० स्वायत्त स्वतन्त्र
सुवमुक्ता

स्वाप्त न० मन दिख सहाय भवद
स्वाप पु० सोना निद्रा नींद मल्लान
स्वापतेय न० धन दीलत माल

स्वामाधिक त्रि० नैसर्गिक कुदरती
स्वामिन् त्रि० धनी स्वतन्त्र अधि-
पति मासिक ईश्वर
स्वार्थिक त्रि० अपने अर्थका उसी
अर्थमें विधान कियाहुआ प्रत्यय
स्वाय पु० अपना मतलब मस शीमर्थ
स्वास्थ्य न० आरोग्य आराम
सन्तोष सुख

स्याहा अ० देवता के उद्देश से
आहुति देना भज्जा कहा

स्वाहाप्रय अ० अग्नि आग
स्यिद् अ० प्रस सवाल
स्विन्न त्रि० धर्मयुक्त पसीनेवाला
स्वीकार पु० अंगीकार कबूल
मान लेना

स्वीय त्रि० अपना स्वसम्पत्ति
स्वेच्छा स्त्री० अपनी अमिलाया
आह

स्वेच्छासृत्य पु० अपनी इच्छासे
जिसका मूल्यहो सीप

स्वेद पु० धर्म पसीना
स्वेदज पु० पसीनेसे उपजाऊ भादि
स्वेर त्रि० स्वतन्त्र अपनी इच्छा-
उसवाला [व्यभिचारिणी
स्वेदिन् त्रि० अपनी इच्छावाला

स्वोपाजि तत्रि० अपने आप कमाया
धुआ
रुखी० शीयन० प्रसन्नता खुशी सम्पदा

(ह)

ह अ० पादको पूरा करनेवाला सम्मो-
धन प्रसिद्ध [ईश्वर संन्यासी
हंस पु० अपने नाम का एक पक्षी सुय
हंसगामिनी स्त्री० घीरेर चलनेवाली
हंसी स्त्री० २२ अक्षरों का एक छन्द
इहो म० सम्मो धन बुलाना अरेरे
प्रसन्न बाल

हंसे अ० नाटकमें चेरीका सघोषन
हृष्ट पु० बानार पैठ हाट
हृष्टचारक पु० खुली जगहमें खोरी
करने वाला वाजाक घोर
हृष्ट पु० बलात्कार जोरायरी
हृष्ट न० अस्थि हृष्ट डी हाड़
हृष्ट डा स्त्री० गड़ा वस्त्र हंडा हाई
हृष्ट त्रि० नाशित, मारा गया आ-
शारहित [गुजारा
हृष्टक त्रि० मानो मरा हुआ है गया
हृताश त्रि० आशाशून्य जिसकी
उम्मेद जाती रही हो
हृति स्त्री० हमन गुणना

हत्या स्त्री० मारन मारना बध
प्राणवियोग
हनु नू० मसूप० ठोड़ीवाला रामसेवक
हस्त अ० हथ खुशी दया विपाद
मनका टटना
हस्तकार पु० खुशीका करने
खुशीहो अतिपिस्तकार
हन्त त्रि० हननकर्ता मारनेवाला
हन्त त्रि० हतपुरीपोस्तर्ग मेल
स्यान किया हुआ हगा हुआ
हम्मा म्मा स्त्री० गायकी आवाज
हय पु० बाटिक घोड़ा घासी
हयग्रीव पु० घोड़ेकी सी तम्बी
गदनवाला
हरपु० यद् अग्नि गर्वमगधावोदना
हरण न० विमाजन बाटना
हरि पु० विष्णु सिंह शेर सप
धानर मेंढक चन्द्र सुय बाय
अरब मोर किरण
हरिण पु० हिरन मृग
हरिणाक्षी स्त्री० हिरन के नेत्र के
समान नेत्र हैं जिन स्त्री के
हरिणाक्ष पु० चन्द्रमा बाँद
हरित पु० लीला और पीला रङ्ग
मिका हुआ हरा

● सरस्वतीकोश ●

हरिताल न० एक घातु

हरितालिका स्त्री० भावों के शुरु-

पक्षकी तृतीया [एक स्थान

हरिद्वार न० सहारनपुर के जिले में

हरिश्मणि पु० हरेश्वरकी मणि

हरिमक त्रि० परमात्मा की भक्ति
करने वाला

हरिमुञ्ज पु० सर्प सोप

हरिवर्ष न० अमेरिका एकद्वीप

हरिसकीर्तन न० शंभरका भजन

हरीतकी स्त्री० हरड़ हड़

हर्तृ त्रि० तस्कर चोर सूर्य [घगला

हर्ष त्रि० महल धनिकगृह कोठी

हर्ष्य पु० सिंह शेर

हर्ष पु० प्रसन्नता खुशी

हर्षण त्रि० हर्षकरने वाला खुशी

खुशी को देने वाला

हर्षमाण त्रि० प्रसन्नविधाय खुशवि-

हापनी स्त्री० हर्षकारक खुशी देने

वाली

हर्षित त्रि० आतामन्द अश क्रुमा

हल न० लाट गुल अपने नामसे

प्रसिद्ध

हलधर त्रि० किसान बलराम

हलभूति स्त्री० हलके द्वारा जोड़िका

हला स्त्री० सखी सहेली पृथिवी

जल

हलायुध पु० चलद्वेष बलराम

हलाहल पु० विष जहर गरल

हलिन त्रि० छपक किसान बलराम

हल्य न० हलों का समूह जुता
हुमा खेत

हव पु० यह भाषा हुक्म होम

हवन न० होम श्रुत अग्निहोत्र

हवनी स्त्री० यह कुरख

हवनीय त्रि० होमका पदार्थ

हविष्याग्न न० होमके योग्यपदार्थ

हवित् न० होम के योग्य वस्तु

हव्य त्रि० होम के योग्य वस्तु

हव्यवाह पु० अग्नि वाग

ह हास पु० हँसना हास्य

हसन न० हास्य हँसना

हसन्ती स्त्री० जमीनी हसनेवाली

हसित न० हँसना जो हँसा है सला

हुमा

हस्त पु० हाथ कर १६ वां नक्षत्र

हस्तामलक न० हाथमें धामलेका

फल सहज ही से देनेवा

योग्य पदार्थ

हस्तिक न० हाथियों का समूह

हस्तिदन्त पु० हाथीका दान्त
 हस्तिन् पु० हाथी । गम
 हस्तिनापुर न० एक नगर विशेष
 हस्तिना स्त्री० हथिना । [हाथीवान्
 हस्तिप पु० हाथीपर, खड़नेवाला
 हस्त्यारोह पु० हास्तिपक, पीलवान
 हा म० विषाद शोक, पीड़ा मिन्द
 हाटक न० सोना । धतूरा, सोनेका,
 बना यस्तु
 हाम न० परित्याग । छोड़ना
 हामि स्त्री० भयस्य । क्षति । नुकसान
 हायन पु० ग्रीहि । धान । सवत्
 आगकी लपट
 हार न० मोतियोंकी माठा । माला
 हारक पु० चोर, धन, भाजक, मनु
 खुरनेवाला । [का हार
 हायबलो स्त्री० मकाबली, मोतियों
 हादिश् त्रि० हव्शी से रंगा हुआ
 कदम का वृक्ष
 हारिन् त्रि० हारक, खुरानेवाला
 हारीत पु० एकमृत्ति
 न० स्नेह प्यार, प्रेम
 हार्य त्रि० लेजानेलायक, बहेड़ा
 हाड पु० हलवाला, बलराम
 वाला स्त्री० तादी, नशा, मद

हालाहल पु० विष, जहर, मम
 हालिक त्रि० कितान । हलका
 हाथ पु० आह्वान बुलाना
 हास्तिक म० हाथियों का समूह
 हास्तिन न० हस्तिनापुर
 हास्य न० हँसना । [आवाज
 हाहाक रूप० हासकरना, लँछाईकी
 ह म० हेतु सयद, अन्वयार्थविशेष
 प्रथम सवाल । [करनेवाला
 हिमक त्रि० व्याघ्र, मेढ़िया, हिंसा
 हिंसा स्त्री० बघ, मारना, घात
 हुआ देना
 हिंस्र त्रि० मारनेवाला, हिंसाशील
 हिक्का स्त्री० हिचकी एक रोग
 हिङ्गु न० हींग
 हिन त्रि० गध्य । मुकीद । मंगल
 मलाई गत पीतगया
 हिनकारिन् त्रि० मलाईकरनेवाला
 हितपिन् त्रि० हितकारक । मलाई
 करनेवाला
 हिनोद्वेश पु० मलाईकीनसीहत
 हिन्शोक पु० मूछना । दोलन
 हिम न० आकाश से गिरा हुआ
 पानी का कण कतरा
 हिमकर पु० चन्द्र । चाँद । कपूर

हिमगिरि पु० हिमालयपर्वत
 हिमवत् पु० हिमालय
 हिमसहति स्त्री० बर्फ का ढेर
 हिमागु पु० चन्द्रमा । चाँद
 हिमागम पु० अगहन । पूष
 हिमाद्रिजनया स्त्री० गायत्री
 हिमानी स्त्री० बर्फ का ढेर
 हिमारानि पु० एककादुरमनसूरज
 हिमालय पु० बर्फ का घरेकपहाड़
 हिरण्यमय त्रि० सोनेकायनाहुआ
 हिरण्य न सुपर्ण सोना सुर्ष
 हिरण्यगर्भ पु० सूर्यमादि काशक
 लोक जिसके धोबने हैं ऐसा
 ईश्वर
 हिरण्यरेतम् पु० अग्निवर्द्धिभाग
 हिरण्याक्ष पु० कश्यपका पुत्र एकदेव
 हिक्क म० वजन रोकना
 हिक्कोन पु० तरंग, लहर झुलाना
 ही म० विस्मयहीरानी, हुआविपाव
 होन त्रि० ऊन, कम, अयम, नीचा
 होनवादिन त्रि० बाकी, मुवर्द्ध
 हीनाङ्ग त्रि० कम अंगवाला अन्धा
 लूना संगडा
 होर म० बज, सुर्ष, सिंह, एकमणि
 हुङ्गार पु० 'हूँ' ऐसा अभ्युपगम

हुङ पु० मेघ बादल मेघ कीक
 हुत त्रि० होमकिया हुआ
 हुतमुख पु० अग्नि वाक भाग
 हुनवह पु० अग्नि भाग वह्नि
 हुताश पु० अग्नि भाग
 हुति स्त्री० हवन, होम
 हुम् म० स्पर्धन यादकरना प्रस
 सवाल
 हुङ्गार पु० अग्नि वाक मेघदधी
 हुन त्रि० बुझाया हुआ, भाहुत
 हुति स्त्री० आहुति, बलाना
 हुन य पु० एक देश विशेष
 हुच्छान् म० कु डेलता तिरछापन
 हुच्छल म० उदररोगपेटकोपीड़ावर्द्ध
 हुषोपा स्त्री० निम्न घटनामी
 हुक्कम पु० हुक्म का कांपना
 हुत त्रि० अपहुत चरायागया
 हुत त्रि० डेखाने या चुपनेवाला
 हुदय न० मन छाती सीमा [गाठ
 हुदयमन्य पु० अविद्या हुदय की
 हुदयकूम म० पुकियुक्त हुदय में
 जाने शला
 हुदयस्थान म० मनकी जगह छाती
 हुदयिक त्रि० प्रशस्तबिचवाला
 मण्डे सिद्ध बाबा

हृदयेश पु० स्वामी भक्तमालिक
 हृदयस्थ पत्रि० हृदयको छुनेवाला
 हृदय मनोहर
 हृदय न० मनोहर सुन्दर खूबसूरत
 हृदय पु० हृदय का फटफटा
 हृदयका हृदयको [वलीले
 हृदय पु० काम जातना तर्क
 हृदय पत्रि० कुशाह्वय प्रीत धिस्मित
 हृदयकोश पु० हृदयों का स्वामी
 हृदय
 हृदय पत्रि० प्रीत प्रसन्न जातरोमांच
 हृदयमानस पत्रि० प्रसन्नचित्तसुखशक्ति
 हृदयरोम पत्रि० जिसके रोम खड़े
 होगये हों
 हृदय स्त्री० मानन्द हृदय खुशी
 हृदय० सम्बोधन बुलाया
 हृदय स्त्री० अल बाण तीर
 हेतु पु० कारण सयय फल
 हेतुता स्त्री० कारणत्व सययपम
 हेतुमत् पत्रि० सयय वाला
 हेतुमत् पु० हेतुसा मालूम हो
 परन्तु हेतु न हो
 हेम न० सोमा सुवर्ण फलन
 हेमकोर पु० सुवर्णकार सुनार
 हेमने न० सुवर्ण सोना [प्रवृत्त
 हेमन्त पु० म० अगहन पूष पक्ष

हेममालिन पु० सूर्य चरज
 हेमाङ्ग पु० सिंह पीलेरंगवाला
 हेमाङ्ग पु० सुमेरुवर्षत
 हेम पत्रि० छोड़नेकेलायक
 हेम पत्रि० गणेश शिवशिशु
 हेम न० निरादर, बेकदरो
 हेला स्त्री० उपहास, विल्ली अना
 दूर वेहउजसी
 हेला स्त्री० हिनहिना बोडकाश
 हेतु अ० सम्बोधन बुलाया
 हेतु पत्रि० हेतुवादरतसमुत्तिकार
 के भगवते में फला हुआ
 हेमपत न० हिमालय के निकटके
 देश भारतवर्ष
 हेमपत न० मवनीत, कपतन
 होह पु० चेही आंगी किस्ती
 होह पु० होम करने वाला
 होम न० होम सामग्री
 होम पु० होम करने वाला
 होशिय न० होमकेलिये हितकार
 होम पु० अग्रहोत्र, हवन
 होमपुण्ड्र न० हवनपुण्ड्र
 होम पत्रि० होम के उपयोगी
 होरा स्त्री० मिनटशिकामाघोम
 होलाका स्त्री० होलाका पकड़ने

ह्यस् म० गत दिवस, बीता कल
ह्यस्तेन त्रि० बीतेहुपकलका काम
हुइ प० गहरा सलाह, रुझा
हुदिनी स्त्री० नदी, तालाब
हसिष्ठ त्रि० बहुत छोटा
हुमसिन् प० छोटापन [ह्रस्व
हसीयम् त्रि० बहुत छोटा मति
ह्रस्व त्रि० सघुवर्ण, छोटा पीमा
हुदिनी स्त्री० बिजली विद्युत्

हास पु० शब्द भाषाज घटना
हो स्त्री० लज्जा शरम [वाळा
होखित त्रि० लज्जा युक्त शरम
होया स्त्री० घाड़ेकी भाषाज हिम-
हिर्नामा

हाद प० हँप खुशी संतोष
हादिनी स्त्री० विद्युत् बिजली
हान न० माहान बुलाना पुकारना

इति श्रीमीमांसाप्रसवप्रणीतः सरस्वतीकोशः समाप्तः ।

अक्षरार्थविषयः भाद्रमासेऽसिते दृष्टे ।

नवम्यां चन्द्रवारे च कोशपूर्तिमगादयम् ॥ १ ॥

कोश भवेद् यत्र छुटिः सुधियो महेच्छाः ।

सानुग्रहेण कृपया च प्रयोधनीया ।

सरकारकाखनयने परितो विचार्य,

अग्रे मया शुणतया परिशोधनीया ॥ २ ॥

(क)

जिसके लिए विद्यार्थीगण बारबार पत्रद्वारा पूछा करते थे, वह

अपूर्व परीक्षासाधन।

छपकर तयार है।

शीघ्रता कीजिये।

❀ सिद्धान्तकौमुदी ❀

श्री प्रत्येयान्न भाग (प्रथमखण्ड परिमित)

मुद्रित समु स्थित है परीक्षार्थी विद्यार्थी को इसकी प्रति अपने निकट अवश्य ही रखना चा हए प्रत्येक योग का संस्कृत में सरल समानाधि साधन किया गया है। इसकी विशेषता पुस्तक दर्शन पर निम्न है। मूल्य २।

संस्कृत शिक्षा।

यदि आप घर बैठे और अध्यापक की विशेष सहायता न लेकर संस्कृत सीखना चाहते हैं तथा अनुवाद एवं संस्कृत बोलने का अभ्यास करना चाहते हैं तो संस्कृत शिक्षा की पढिये। इसी हेतु से इसकी ग्य तक डेड लक्ष के लगाने प्रतियां निकल चुका है। इस की विशेषता पुस्तक के दर्शन पर विदित होती है। प्रथम भाग मू. ३, द्वितीय भाग ॥ तृतीय भाग १० चतुर्थ भाग ४, पञ्चम भाग १०, षष्ठ भाग ४।

लघुकौमुद्याः सरलाटीका द्वितीयावृत्तिः।

अयि भो ! परीक्षादि सयोग्याकरणाभिजिगासयोग्योऽन्तेर्वांसितो विदारकुर्यन्तु मबन्तः। भवतां सोलभ्याय सुयोधाय चैव 'लघुकौमुदी' सरलया टीकया सरलोहता। संस्कृते क्रमशः प्रत्येक प्रयोगस्य साधनं भकारि। यथा-सम् शम्भुस्त्रिष्वन कस्य सुभस्य प्राप्तिः। शितुक

अस्मत्प्रकाशितपुस्तकानां सूचीपत्रम् ।

१. अष्टाध्यायीभाष्यम् सस्कृतभाषाविश्वविश्वविद्यालयम् मू० ३)
२. लघुश्रीमद्भक्त सरलाटीका द्वितीयभाषाः-संस्कृतम् मस्येक मयोगोपनिषद्संहिता मू० ०॥) सप्तपना ३भाः)
३. सरस्वतीकोशः-दशसहस्राध्यायिकशब्दविश्वविद्यालयम् १०)
४. रघुवशम् सर्गचतुष्टयम् व्यासभोषिनीटीकापेक्षम् ॥ ८)
५. मापस्यधं सगद्यम् ॥ ८)
६. किरातार्जुनीयमस्याधं सर्गप्रमम् ॥ ८)
७. रामायणमहाभारतयो. परीक्षासकलिताराः ॥ ८)
८. श्रुतभोषः वि० ८)
९. तर्कसमग्रः-भाषाटीकापेक्ष १०)
१०. मध्यमपरीक्षाया एकोनविंशतिवर्षाणां प्रश्नपत्राणि ॥ ८)
११. प्रथमपरीक्षाया अष्टादशवर्षाणां प्रश्नपत्राणि ॥ ८)
१२. संस्कृतशिक्षण प्रथमभागः मू० ८) द्वितीयभागः मू० १)
१३. तृतीयभागः मू० १) चतुर्थभागः मू० १)
१४. पञ्चमभागः ॥ ८) ॥ षष्ठ्यभागः ॥ ८) द्वाकव्यय प्रश्न होगा ।

पुस्तकें मिलने का पता—

श्री प० जीवशर्म शर्मा उपाध्याय

मोहल्ला-किसरोल मुरादाबाद यू०पी०

आग्रहान् प्राक्षणीं प्रक्षयवसो ज यतामारापू राज्ञ्या शूर इय
 व्योऽतिविद्याधी महारयो जायता वीरयो धेतुपदिसिद्धयानां
 सतिः पुरन्धिर्यावा जिष्णू रथेष्टाः समेपा युवस्य यजमानस्य
 योरो जायता निकामे निकामे नः पर्जन्यो वर्षन्तु फलवत्सो न भोपय
 पश्यन्तां योगक्षेमो नः कल्पताम् ॥ यज्ञयव भाभ्याय ३२ मंत्र २१ ॥
 प्रातरग्निं प्रातरिन्द्रं हवामहे प्रातमित्राघरणा प्रातरश्विना प्रात
 र्भगं पूषणं ब्रह्मस्पतिं प्रातस्ताममुतवद् जुषेम ॥ १ ॥ प्रातजितं भग
 मुमं जुषेम वयं पुत्रमदितयो विषता आग्रशिव्य मन्यगनस्तु
 रश्विद्राजाविष भगं महोत्थाह ॥ २ ॥ भग प्रयेतमगं सत्यराधी
 मागेताविषमुव वा ददन्तः भग प्रणो ज्ञय गोमिरथ्यै भग प्रगृभि
 मृवन्तः स्याम ॥ ३ ॥ उतेवानां भगवन्तः स्यामोतं प्रपितव उत मध्ये
 अह्नाम् । उतोदिता मयवोत्सुर्वस्य अयं देवानां सुमती स्यात् ॥ ४ ॥
 भग एव भगर्षा भस्तु देवास्तेन वयं भगवन्तः स्याम । मृत्वा भग
 सर्वं द्रव्यो हवीति स गो भगं पुर एता मयेह ॥ ५ ॥ आग्नेद म ॥ ६ ॥
 सूक्त ४१ ॥

